A STUDY OF AGE AT MARRIAGE IN ALLAHABAD CITY

A Thesis

Submitted to the

University of Allahabad

For the Degree of

Doctor of Philosophy

IN

ECONOMICS

Under the Guidance of

Dr. A. D. Sharma

D. Litt.

By

Lallan Dubey

M. A. (Econ)

Department of Economics

University of Allahabad

ALLAHABAD (Indio)

1978

385177

आमुख

संसार के मुख्य देशों के लिये जन संख्या की वृद्धि दर ही उनका आज चिन्ता का विषय बनी हुई है। इसी भाँति भारत में भी जनसंख्या की वृद्धि दर यथार्थतः एक जटिल समस्या का विचारणीय प्रश्न है जिस दिशा में भारत सरकार भी प्रयत्नशील है। इस दृष्टि से प्रस्तुत अध्ययन इलाहाबाद नगर में वैवाहिक आयु पर शोध प्रबन्ध द्वारा एक लघु प्रयास है। वैवाहिक आयु भी जनसंख्या के वृद्धि-दर की एक प्रमुख प्रभावकारी घटक है।

प्रस्तुत शोध प्रबन्ध के अन्तर्गत वैवाहिक आयु को प्रभावित करने वाले सभी प्रकार के सामाजिक आर्थिक एवं जनांकिकी कारणों तथा इससे प्रभावित होने वाले सामाजिक आर्थिक एवं जनांकिकी सभी प्रकार के प्रभावों पर यथासम्भव प्रकाश डालने का प्रयास किया गया है।

मैं अपने गुरुजनों, सहयोगियों एवं शुभेच्छुओं का अत्यन्त आभारी हूँ जिन्होंने मुझे समय-समय पर जटिल समस्याओं पर परामर्श देकर और प्रोत्साहित एवं उत्साह वर्धित कर इस दुरूह कार्य के सम्पादन में सहर्ष एवं सहानुभूति पूर्ण सहयोग प्रदान किया है। विशेषतः मैं गुरुवर डा० [illegible] अर्थशास्त्र विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, का आजन्म आभारी रहूँगा जिनके सफल निर्देशन के अन्तर्गत मैं इस कार्य के सम्पादन का मार्ग दर्शन कर पूर्ण कर सका। साथ ही मैं गुरु पत्नी श्रीमती [illegible] का कृतज्ञ हूँ जिनकी प्रेरणा एवं सहयोग से इस कार्य के सम्पादन को पूर्ण करने में धैर्य एवं [illegible] सफलता मिली।

मै अपने गुरुजनों विशेष रूप से प्रो० प्रकाश चन्द्र जैन मलैया चन्द्र, प्रो० सुअल पवार का आभार हूँ जिनकी कृपा छाया मे इस शोध प्रबन्ध को सफलतापूर्वक सम्पादित कर सका।

अब मै अपने मित्रगण डा० धनेश चन्द्र सक्सेना, डा० राजेन्द्र तिवारी, श्री भूपेन्द्र नाथ त्रिवेदी, श्री अमृत लाल मिश्र, राजीव एवं जय प्रकाश मिश्र को धन्यवाद देता हूँ जिनके समय-समय पर यथा सम्भव सहानुभूति पूर्ण सहयोग के कारण ही इस कृति को पूर्ण करने मे समर्थ हो सका। साथ ही मै शुभेच्छु श्रीमती प्रकाशवती का आभारी हूँ।

लल्लन दुबे

लल्लन दुबे

इलाहाबाद

5 [redacted] सितम्बर 1978 ई०

विषय- सूची

आमुख - - - - - - - - - - - - - - - - I-II

सारिणी- सूची - - - - - - - - - - - - - - I-XVIII

अध्याय - 1 - - - - - - - - - - - - - - -

प्रस्तावना - 1-8

अध्याय - 2 -

क्षेत्र का स्पष्टीकरण - - - - - - - - - - - - - - - - 9-43

इलाहाबाद शहर - - - - - - - - - - - - - - - 9

न्यादर्श - - - - - - - - - - - - - - - - - - - 13

प्रतिदर्श जनसंख्या का सामाजिक

एवं आर्थिक संरचना - - - - - - - - - - - - - - 15

अध्याय- 3 -

अध्ययनार्थ प्राक्कल्प - - - - - - - - - - - - - - - - - - 44-47

अध्याय - 4 -

क्षेत्र का सर्वेक्षण - - - - - - - - - - - - - - - - - - - 48-54

अध्याय - 5 -

उपलब्धियाँ - 55-562

नगर एवं ग्रामीण पृष्ठ भूमि - - - - - - - - - - - - 55

धर्म - 83

जाति - 124

शिक्षा-स्तर - - - - - - - - - - - - - - - - - - 182

व्यवसाय - - - - - - - - - - - - - - - - - - - 229

पुरुष प्रतिवादी के पिता का व्यवसाय - - - - - - - - - 290

पुरुष प्रतिवादी की पत्नी के पिता का व्यवसाय - - - - - 342

आय - 399

अवधि - 421

जिन्होंने सन्तानोत्पादन कार्य पूरा कर लिया है ऐसे पुरुष प्रतिवादी के बच्चों की संख्या - - - - - - - - - - - - - - 431

विवाह के कितने वर्ष बाद प्रथम बच्चा उत्पन्न हुआ - 518 ~~518~~

शैशव काल में बच्चों की मृत्यु - - - - - - - - - - - - 531 - -

प्रसव काल में स्त्रियों की मृत्यु - - - - - - - - - - - - - 540

परिवार नियोजन के किसी विधि का प्रयोग - - - - - - - - -

(1) चालू समय में - - - - - - - - - - - - - 543

(20 कभी भी - - - - - - - - - - - - - - 550

विवाह के कितने वर्ष बाद प्रथम बच्चा पैदा होना चाहिए - 554

अध्याय - 6 - - - - - - - - - - - - - - - - -

उपसंहार - - - - - - - - - - - - - - 563-588

अध्याय - 7 - - - - - - - - - - - - - - - - - - -

नीति - अनुमोदन - - - - - - - - - - 589-595

Bibliography.. 1-22

सारिणी सूची

सारिणी संख्या :-

1- पुरुष प्रतिवादियों का उनके जन्म स्थान के आधार पर विभाजन--16

2- पुरुष प्रतिवादियों का धर्मानुसार विभाजन ---------- 16

3- हिन्दू धर्मावलम्बी पुरुष प्रतिवादियों का जातियता के अनुसार विभाजन18

4- शिक्षा स्तर पर आधारित पुरुष प्रतिवादियों का विभाजन -----19

5- पुरुष प्रतिवादियों के पत्नियों का शैक्षिक योग्यता के आधार पर विभाजन ----20

6- अवस्थानुसार पुरुष प्रतिवादियों का वितरण ------------21

7- पुरुष प्रतिवादियों एवं उनकी पत्नी की अवस्थानुसार वितरण-----23

8- पुरुष प्रतिवादियों का व्यवसाय के अनुसार वितरण ----------25

9- पुरुष प्रतिवादियों का पिता के व्यवसाय के अनुसार वितरण ---- 26

10- पुरुष प्रतिवादियों के पत्नी के पिता के व्यवसायानुसार वितरण----28

11- पुरुष प्रतिवादियों के मासिक आय के अनुसार वितरण -------- 30

12- पुरुष प्रतिवादियों से उत्पन्न बच्चों की संख्या के अनुसार वितरण-- 31

13- पुरुष प्रतिवादियों के जीवित बच्चो की संख्या के अनुसार वितरण-- 34

14- पुरुष प्रतिवादियों के औपचारिक विवाह की आयु के अनुसार वितरण-36

15- पुरुष प्रतिवादियों के पत्नियों के औपचारिक विवाह की आयु के अनुसार वितरण। ---- 38

16- पुरुष प्रतिवादियों का विवाह की आयु के अनुसार वितरण-------40

17- पुरुष प्रतिवादियों के पत्नियों की विवाह आयु के अनुसार वितरण- 42

18- ग्रामोत्पन्न पुरुष प्रतिवादियों की वैवाहिक आयु के अनुसार ——— 56

19- ग्रामोत्पन्न पुरुष प्रतिवादियों की पत्नियों का वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण ——— 58

20- ग्रामोत्पन्न पुरुष प्रतिवादियों तथा उनकी पत्नियों का वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण — ——— 60

21- नगर में उत्पन्न पुरुषों के प्रतिवादियों का वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण— 62

22- शहर में उत्पन्न पुरुष प्रतिवादियों की पत्नियों का वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण—— —— 65

23- नगर में उत्पन्न के पुरुषों एवं उनकी पत्नियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण ——— 68

24- गाँव एवं नगर में उत्पन्न पुरुष प्रतिवादियों का वैवाहिक आयु के अनुसार पृथक पृथक वितरण तथा मिश्रित रूप से उनकी विवाह आयु के अनुसार वितरण——— 70

25- गाँव एवं नगर में उत्पन्न पुरुष प्रतिवादियों की पत्नियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण तथा इन दोनों प्रकार के सम्मिलित व्यक्तियों की पत्नियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण ——— 74

26- गाँव तथा नगर में उत्पन्न सम्मिलित पुरुष प्रतिवादियों का और उनकी पत्नियों का उनकी वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण ——— 78

27- हिन्दू धर्मावलम्बी पुरुष प्रतिवादियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण—86

29- हिन्दू धर्मावलम्बी पुरुष प्रतिवादियों तथा उनकी पत्नियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण — ——— 89

30- मुस्लिम धर्मावलम्बी पुरुष प्रतिवादियों का वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण-91

31- मुस्लिम पुरुष प्रतिवादियों की पत्नियों का वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण-94

32- मुस्लिम धर्मावलम्बी पुरुष प्रतिवादियों तथा उनकी पत्नियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण - ~~97~~ - 97

33- सिक्ख धर्मावलम्बी पुरुष प्रतिवादियों का वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण - - 99

34- सिक्ख धर्मावलम्बी पुरुष प्रतिवादियों की पत्नियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण - - 101

35- सिक्ख धर्मावलम्बी प्रतिवादियों तथा उनकी पत्नियों का वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण - 104

36- ईसाई धर्मावलम्बी पुरुष प्रतिवादियों का वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण - - 106

37- ईसाई धर्मावलम्बी पुरुष प्रतिवादियों की पत्नियों का वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण - - 109

38- ईसाई धर्मावलम्बी पुरुष प्रतिवादियों तथा उनकी ~~वैवाहिक आयु~~ पत्नियों के वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण - - 111

39- विभिन्न धर्मावलम्बी पुरुष प्रतिवादियों का वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण - - 113

40- विभिन्न धर्मावलम्बी पुरुष प्रतिवादियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण - - 118

41- ब्राह्मण पुरुष प्रतिवादियों का वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण- 125

42- ब्राह्मण जाति में पुरुष प्रतिवादियों की पत्नियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण - - 127

43- ब्राह्मण जाति के पुरुष प्रतिवादियों एवं उनकीपत्नियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण - - 130

44- क्षत्रिय जाति के पुरुष प्रतिवादियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण- 132

45- क्षत्रिय जाति के पुरुष प्रतिवादियों की पत्नियों की आयु के अनुसार वितरण- 136

46- क्षत्रिय जाति के पुरुष प्रतिवादियों एवं उनकी पत्नियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण - - 137

47- कायस्थ जाति पुरुष प्रतिवादियों का उनकी विवाह आयु के अनुसार वितरण-139

48- कायस्थ प्रतिवादियों की पत्नियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण - 142

49- कायस्थ जाति के पुरुष प्रतिवादियों एवं उनकी पत्नियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण - -144

50- वैश्य जाति के पुरुष प्रतिवादियों का वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण- 146

51- वैश्य जाति के पुरुष प्रतिवादियों की पत्नियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण - -149

52- वैश्य जाति के पुरुष प्रतिवादियों एवं उनकी पत्नियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण - - 157

53- पेशेवर जाति के पुरुष प्रतिवादियों का वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण-153

54- पेशेवर जाति के पुरुष प्रतिवादियों की पत्नियों का वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण - - 156

55- पेशेवर जाति के पुरुष प्रतिवादियों एवं उनकी पत्नियों का वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण - - 159

56- पिछड़ी जाति के पुरुष प्रतिवादियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण- 161

57- पिछड़ी जाति के पुरुष प्रतिवादियों की पत्नियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण- - 164

58- पिछड़ी जाति के पुरुष प्रतिवादियों एवं उनकी पत्नियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण - -166

59- अनुसूचित जाति के पुरुष प्रतिवादियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण 168

60- अनुसूचित जाति के पुरुष प्रतिवादियों की पत्नियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण - -170

61- अनुसूचित जाति के पुरुष प्रतिवादियों एवं उनकी पत्नियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण - - 172

62- विभिन्न जाति के पुरुष प्रतिवादियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण तथा उनकी वैवाहिक आयु का मायिन्क व समान्तर माध्य हिन्दु धर्म के अनुसार है। - - 174

63- हिन्दु जाति धर्म के विभिन्न जाति पुरुष प्रतिवादियों की पत्नियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण तथा उनकी आयु का मायिन्क व समान्तर माध्य - - 177

64- विभिन्न जाति के पुरुष प्रतिवादियों एवं उनकी पत्नियों की वैवाहिक आयु के बीच सह-सम्बन्ध गुणांक - - 180

65- अशिक्षित पुरुष प्रतिवादियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण- 183

66- साक्षर पुरुष प्रतिवादियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण - 186

67- पुरुष प्रतिवादियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण जिन्होने प्राइमरी स्तर की शिक्षा प्राप्त की थी। - 189

68- पुरुष प्रतिवादियों की आयु के अनुसार वितरण जिन्होने जूनियर हाई स्कूल स्तर की शिक्षा प्राप्त किया था। - 192

69- पुरुष प्रतिवादियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण जो हाई स्कूल एवं इण्टरमीडिएट स्तर की शिक्षा प्राप्त किये थे। - 19

70- पुरुष प्रतिवादियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण जो स्नातक एवं स्नातकोत्तर स्तर की शिक्षा प्राप्त थे। - 198

71- पुरुष प्रतिवादियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण जो तकनीकी स्तर की शिक्षा प्राप्त किया था। - 201

72- शिक्षा स्तर के आधार पर विभाजित पुरुष प्रतिवादियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण तथा वैवाहिक आयु का माध्यिका एवं समान्तर माध्य - 204

73- पुरुष प्रतिवादियों की पत्नियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण-जिनकी पत्नियाँ अशिक्षित थीं। - 208

74- पुरुष प्रतिवादियों की पत्नियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण जिनकी पत्नियाँ साक्षर थीं। - 211

75- पुरुष प्रतिवादियों की पत्नियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण जिनकी पत्नियाँ प्राइमरी स्तर की शिक्षा प्राप्त की थीं - 214

76- पुरुष प्रतिवादियों की पत्नियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण जिनकी पत्नियों की शिक्षा स्तर जूनियर हाई स्कूल तक थी। - 217

77- पुरुष प्रतिवादियों की पत्नियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण जिनकी पत्नियाँ हाई स्कूल या इण्टरमीडिएट स्तर की शिक्षा प्राप्त की थीं - 220

78- पुरुष प्रतिवादियों की पत्नियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण
वितरण जिनकी पत्नियों ने स्नातक तथा स्नातकोत्तर की शिक्षा
प्राप्त की थी। = - 225

79- शिक्षा के स्तर के आधार पर विभाजित पत्नियों की वैवाहिक
आयु के अनुसार वितरण तथा उनकी वैवाहिक आयु का मध्यान्तर माध्य- =226

80- पेशेवर पुरुष प्रतिवादियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण = 230

81- पेशेवर पुरुष प्रतिवादियों की उनकी पत्नियों का वैवाहिक आयु के
अनुसार वितरण = 232

82- पुरुष प्रतिवादियों एवं उनकी पत्नियों का वैवाहिक आयु के अनुसार
वितरण-234

83- नौकरी करने वाले पुरुष प्रतिवादियों का वैवाहिक आयु के अनुसार
वितरण = 236

84- नौकरी करने वाले पुरुष प्रतिवादियों की पत्नियों का वैवाहिक आयु
के अनुसार वितरण = - 238

85- नौकरी करने वाले पुरुष प्रतिवादियों एवं उनकी पत्नियों का वैवाहिक
आयु के अनुसार वितरण = - 240

86- वाणिज्य व्यवसाय के पुरुषों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण-242

87- वाणिज्य व्यवसाय के पुरुषों की पत्नियों को वैवाहिक आयु के अनु-
सार वितरण = - 244

88- ऐसे पुरुषों तथा उनकी पत्नियों का वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण=
जिनका व्यवसाय वाणिज्य है = -246

89- कुशल कामगार पुरुष प्रतिवादियों का वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण- 248

90- कुशल कामगार पुरुष प्रतिवादियों की पत्नियों का वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण - 250

91- कुशल कामगार पुरुष प्रतिवादियों एवं उनकी पत्नियों का आयु के अनुसार वितरण - 252

92- अकुशल कामगार पुरुष प्रतिवादियों का उनकी वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण - 254

93- अकुशल कामगार पुरुष प्रतिवादियों की पत्नियों का वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण - 256

94- अकुशल कामगार पुरुष प्रतिवादिया एवं उनकीपत्नियों का वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण - 258

95- कृषि व्यवसाय के पुरुष प्रतिवादिया का वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण - 260

96- कृषि व्यवसाय के पुरुष प्रतिवादियों की पत्नियों कीवैवाहिक आयु के अनुसार वितरण - 263

97- कृषि व्यवसाय के पुरुष प्रतिवादिया तथा उनकीपत्नियों का वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण - 265

98- कृषक के व्यवसायी पुरुष प्रतिवादिया का वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण - 267

99- कृषक के व्यवसायी पुरुष प्रतिवादियों का वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण - 270

100- कृषक के व्यवसायी के पुरुष प्रतिवादिया एवं उनकीपत्नियों का वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण - 272

101- बेरोजगार युवक प्रतिवादियों का वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण- 274

102- बेरोजगार युवक प्रतिवादियों की उनकी पत्नियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण = - 277

103- बेरोजगार युवक प्रतिवादियों एवं उनकी पत्नियों का वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण = -280

104- युवक प्रतिवादियों का वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण जिनको उनके व्यवसाय के अनुसार विभाजित किया गया था = - 282

105- युवक प्रतिवादियों की पत्नियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण- जिनको (युवकों को) उनके व्यवसाय के अनुसार विभाजित किया गया था-285

106- युवक प्रतिवादियों एवं उनकी पत्नियों की वैवाहिक आयु के मध्य पृथक पृथक सह-सम्बन्धता [illegible] जिनको उनके पृथक-पृथक व्यवसाय के अनुसार विभाजित किया गया था = -288

107- युवक प्रतिवादियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण जिनके पिता पेशेवर व्यवस्था के थे। -291

108- पेशेवर पिता वाले युवक प्रतिवादियों की पत्नियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण = - 294

109- पेशेवर पिता वाले युवक प्रतिवादियों एवं उनकी पत्नियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण = -296

110- जिनके पिता नौकरी करते थे ऐसे युवक प्रतिवादियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण = -298

111- जिनके पिता नौकरी करते थे ऐसे युवक प्रतिवादियों की पत्नियों की आयु के अनुसार वितरण = [illegible]

112- जिनके पिता नौकरी करते थे ऐसे पुरुषों एवं उन की पत्नियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण -302

113- जिनके पिता व्यापार करते थे ऐसे पुरुष प्रतिवादियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण - -304

114- पुरुष प्रतिवादियों की पत्नियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण जिनके पिता व्यापार करते थे। - -306

115- पुरुष प्रतिवादियों एवं उन की पत्नियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण जिन पुरुषों के पिता व्यापार करते थे। - 308

116- ऐसे पुरुष प्रतिवादियों के वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण जिनके पिता कुशल कामगार थे। - -310

117- पुरुष प्रतिवादियों की पत्नियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण जिनके पिता कुशल कामगार थे - - 312

118- ऐसे पुरुष प्रतिवादियों एवं उनकी पत्नियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण जिनके पिता कुशल कामगार थे - - 314

119- पुरुष प्रतिवादियों के वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण जिनके पिता अकुशल कामगार थे। - 316

120- उन पुरुष प्रतिवादियों की पत्नियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण- जिनके पिता अकुशल कामगार थे - - 318

121- ऐसे पुरुष प्रतिवादियों एवं उनकी पत्नियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण, जिनके पिता अकुशल कामगार थे। - 320

121(a)- ऐसे पुरुष प्रतिवादियों एवं उनकी पत्नियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण जिनके पिता कृषि करते थे - - 321

122- पुरुष प्रतिवादियों की पत्नियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण जिनके पिता का व्यवसाय कृषि था ——— -325

~~118—पुरुष—~~

124- पुरूष प्रतिवादियों एवं उनकी पत्नियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण जिन पुरूषों के पिता का व्यवसायिक कृषि था — 327

125- पुरूष प्रतिवादियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण जिनके पिता कृषि का व्यवसाय करते थे — 329

126- ऐसे पुरूष प्रतिवादियों की पत्नियों की वैवाहिक आयु के अनुसार जिनके पिता कृषि का व्यवसाय करते थे — 331

127- पुरूष प्रतिवादियों एवं उनकी पत्नियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण जिनके पुरूष प्रतिवादियों के पिता का व्यवसाय करते थे। — 332

128- पुरूष प्रतिवादियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण जिनकी उनके पिता के व्यवसाय के अनुसार वितरण किया गया था। — 335

129- पुरूष प्रतिवादियों की पत्नियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण जिन पुरूषों के पिता के व्यवसाय के अनुसार वितरण किया गया था — 338

129- उन पुरूष प्रतिवादियों एवं उनकी पत्नियों की वैवाहिक आयु के मध्य कार्ल पियर्सन सह सम्बन्ध गुणांक जिनको उनके पिता के व्यवसाय के अनुसार पृथक पृथक विभाजित किया गया था। — 341

130- पुरूष प्रतिवादियों की पत्नियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण जिनकी स्त्रियों के पिता पेशेवर थे - — 344

131- पुरूष प्रतिवादियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण जिनकी पत्नियों के पिता पेशेवर जाति के थे। — 346

132- पुरूषों एवं उनकी पत्नियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण जिनकी पत्नियों के पिता पेशेवर जाति के थे। — 348

134- उन पुरुष प्रतिवादियों के वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण जिनकी पत्नियों के पिता के पिता नौकरी करते थे। — 350

135- पुरुष प्रतिवादियों के पत्नियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण जिनकी पत्नियों के पिता नौकरी करते थे - — 351

136- पुरुषों एवं उनकी पत्नियों का वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण जिन स्त्रियों के पिता नौकरी करते थे - — 354

137- उन पुरुष प्रतिवादियों के वैवाहिक आयु का वितरण जिनकी पत्नियों के पिता का व्यवसाय वाणिज्य था। — 356

138- उन पुरुष प्रतिवादियों के पत्नियों का वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण जिनकी पत्नियों के पिता का व्यवसाय वाणिज्य था। — 359

139- पुरुषों एवं उनकी पत्नियों का वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण जिन पत्नियों के पिता का व्यवसाय वाणिज्य था। — 361

140- उन पुरुष प्रतिवादियों के वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण कि जिनकी पत्नियों के पिता कुशल कामगार थे । — 364

141- उन पुरुष प्रतिवादियों की पत्नियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण जिनकी पत्नियों के पिता कुशल कामगार थे । — 366

142- पुरुष एवं उनकी पत्नियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण (जिनकी पत्नियों के पिता कुशल कामगार थे । — 368

143- उन पुरुष प्रतिवादियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण जिनकी पत्नियों की पिता अकुशल कामगार थे। — 370

144- उन पुरुष प्रतिवादियों का पत्नियों की आयु के अनुसार वितरण जिनकी पत्नियों के पिता अकुशल कामगार थे । — 373

145- पुरुषों एवं उनकी पत्नियों का वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण, जिन पत्नियों के पिता अकुशल कामगार थे । — 376

146- उन पुरूषों प्रतिवादियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण जिनकी पत्नियों के पिता का व्यवसाय कृषि था। — 378

147- उन पुरूष प्रतिवादियों की पत्नियों की वैवाहिक आयु का जिनकी पत्नियों के पिता का व्यवसाय कृषि था। ——— 381

148- पुरुषों एवं उनकी पत्नियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण जिनकी पत्नियों का व्यवसाय कृषि था - —— 382

149- पुरूष प्रतिवादियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण जिनकी पत्नियों के पिता द्रुण का व्यवसाय करते थे - —— 385

150- पुरूष प्रतिवादियों की पत्नियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण जिनकी पत्नियों के पिता द्रुण का व्यवसाय करते थे - —— 387

151- पुरूषों एवं उनकी पत्नियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण जिनकी पत्नियों के पिता द्रुण का व्यवसाय करते थे। ——— 389

152- पुरूष प्रतिवादियों का वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण जिनको उनकी पत्नियों के पिता के व्यवसाय के अनुसार विभाजित किया गया है - 391

153- पुरूष प्रतिवादियों कीपत्नियों का वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण उनकी पत्नियों के पिता के व्यवसाय के अनुसार विभाजित किया गया था- 394

154- उन पुरूष प्रतिवादियों एवं उनकीपत्नियों कीवैवाहिक आयु के मध्य पृथक पृथक व्यवसाय के अनुसार विभाजित किया गया था — 397

155- पुरूष प्रतिवादियों का वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण जिनकीमासिक आय 100 रूपए से कम थी ——— -400

156- पुरूष प्रतिवादियों कीवैवाहिक आयु के अनुसार वितरण जिनकी मासिक आय 100 रुपया से 300 रु० के मध्य थी । —— -402

157- पुरूष प्रतिवादियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण जिनकी मासिक आय 300 रु० से 500 रु० के मध्य थी —— - 406

158- पुरुष प्रतिवादियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण जिनकी मासिक आय 500 रु० से 700 रु० के मध्य थी । - 409

159- पुरुष प्रतिवादियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण, जिनकी मासिक आय 700 रु० से 1000 रु० के मध्य थी - -412

160- पुरुष प्रतिवादियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण जिनकी मासिक आय 1000 रु० से अधिक थी - - 415

161- पुरुष प्रतिवादियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण तथा उनकी वैवाहिक आयु का भूयिष्ठक जिनको उनके मासिक आय के अनुसार विभाजित किया गया था । - 418

162- विभिन्न अवधि के अन्तर्गत पुरुषों की वैवाहिक आयु का दस वर्षीय समान्तर माध्य - - 421

163- विभिन्न अवधि के अन्तर्गत पुरुषों की वैवाहिक आयु का पंच वर्षीय समान्तर माध्य —— - 423

164- विभिन्न अवधि के अन्तर्गत पुरुष प्रतिवादियों के पत्नियों की वैवाहिक आयु का दस वर्षीय समान्तर माध्य —— - 426

165- विभिन्न अवधि के अन्तर्गत पुरुष प्रतिवादियों के पत्नियों की वैवाहिक आयु का पंचवर्षीय समान्तर माध्य —— - 428

166- पुरुष प्रतिवादियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण जिन्होंने सन्तानोत्पादन कार्य पूरा कर लिया तथा जिनके मात्र एक बच्चा था— 432

167- पुरुष प्रतिवादियों की पत्नियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण, जिन्होंने सन्तानोत्पादन कार्य पूरा कर लिया था तथा जिनके पास मात्र एक ही बच्चे थे—436

168- पुरुष प्रतिवादियों एवं उनकी पत्नियों का वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण जिन्होंने सन्तानोत्पादन कार्य पूरा कर लिया था उनके पास मात्र एक ही बच्चा था —439

168- पुरुष प्रतिवादियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण जिन्होंने सन्तानोत्पादन कार्य पूरा कर लिया था तथा जिनके पास मात्र दो बच्चे थे —— 441

169- पुरुष प्रतिवादियों की स्त्रियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण जिन्होंने सन्तानोत्पादन कार्य पूरा कर लिया था जिनके पास मात्र दो बच्चे थे — 444

170- ऐसे पुरुष प्रतिवादियों एवं उनकी पत्नियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण जिन्होंने सन्तानोत्पादन कार्य पूरा कर लिया था तथा जिनके पास मात्र दो ही बच्चे थे —— — 447

171- पुरुष प्रतिवादियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण जिन्होंने सन्तानोत्पादन कार्य पूरा कर लिया था जिनके पास मात्र तीन बच्चे थे —— 449

172- पुरुष प्रतिवादियों की पत्नियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण जिन्होंने सन्तानोत्पादन कार्य पूरा कर लिया था तथा जिनके मात्र तीन बच्चे थे- 451

174- पुरुष प्रतिवादियों एवं उनकी पत्नियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण जिन्होंने सन्तानोत्पादन कार्य पूरा कर लिया था तथा जिनके मात्र तीन बच्चे थे— 452(c)

175- पुरुष प्रतिवादियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण जिन्होंने सन्तानोत्पादन कार्य पूरा कर लिया था तथा जिनके पास मात्र चार बच्चे थे — 454

176- पुरुष प्रतिवादियों की पत्नियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण जिन्होंने सन्तानोत्पादन कार्य पूरा कर लिया था तथा जिनके पास मात्र चार बच्चे थे—— 457

177- पुरुष प्रतिवादियों तथा उनकी पत्नियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण जिन्होंने सन्तानोत्पादन कार्य पूरा कर लिया तथा जिनके मात्र चार बच्चे थे——460

178- पुरुष प्रतिवादियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण जिन्होंने सन्तानोत्पादन कार्य पूरा कर लिया था तथा जिनके पास मात्र पाँच बच्चे थे —— 462

179- पुरुष प्रतिवादियों की पत्नियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण जिन्होंने सन्तानोत्पादन कार्य पूरा कर लिया था तथा जिनके पास पाँच बच्चे थे - 465

180- पुरुष प्रतिवादियों तथा उनकी पत्नियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण जिन्होंने सन्तानोत्पादन कार्य पूरा कर लिया था जिनके पास मात्र पाँच बच्चे थे —— 460

181- पुरुष प्रतिवादियों के वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण जिन्होंने सन्तानोत्पादन कार्य पूर्ण कर लिया था तथा जिनके पास मात्र छः बच्चे थे। —— 470

182- पुरुष प्रतिवादियों की पत्नियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण जिन्होंने सन्तानोत्पादन कार्य पूरा कर लिया था तथा जिनके मात्र छः बच्चे थे-- 473

183- पुरुष प्रतिवादियों तथा उनकी पत्नियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण जिन्होंने सन्तानोत्पादन कार्य पूरा कर लिया था तथा जिनके पास मात्र केवल छः बच्चे थे —— 476

184- पुरुष प्रतिवादियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण जिन्होंने सन्तानोत्पादन कीवैवाहिक आयु के अनुसार वितरण जिन्होंने सन्तानोत्पादन कार्य पूरा कर लिया तथा जिनके मात्र सात बच्चे थे —— 478

185- पुरुष प्रतिवादियों की पत्नियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण जिन्होंने सन्तानोत्पादन कार्य पूरा कर लिया था तथा जिनके मात्र एक बच्चे थे -- 481

186- पुरुष प्रतिवादियों एवं उनकी पत्नियों की आयु के अनुसार वितरण जिन्होंने सन्तानोत्पादन कार्य पूरा कर लिया तथा जिनके मात्र सात बच्चे थे - 484

187- मुक्त प्रतिवादियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण जिन्होंने सन्तानोत्पादन कार्य पूरा कर लिया था तथा जिनके मात्र सात बच्चे थे ——— - 486

188- मुक्त प्रतिवादियों की पत्नियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण जिन्होंने सन्तानोत्पादन कार्य पूरा कर लिया था जिनके मात्र आठ बच्चे थे — 489

189- मुक्त प्रतिवादियों तथा उनकी पत्नियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण जिन्होंने सन्तानोत्पादन का कार्य पूरा कर लिया जिनके मात्र आठ बच्चे थे— 492

190- मुक्त प्रतिवादियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण जिन्होंने सन्तानोत्पादन कार्य पूरा कर लिया जिनके नव व अधिक बच्चे थे ——— - 994

191- मुक्त प्रतिवादियों की पत्नियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण जिन्होंने सन्तानोत्पादन के बाद नव व अधिक बच्चे थे —— - 497

192- मुक्त प्रतिवादियों तथा उनकी पत्नियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण जिन्होंने सन्तानोत्पादन कार्य पूरा कर लिया था तथा उनके पास नव या नव से अधिक बच्चे थे —— -500

193- मुक्त प्रतिवादियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण जिन्होंने सन्तानोत्पादन कार्य पूरा कर लिया था बच्चों की संख्या पृथक पृथक थी ——— - 502

194- मुक्त प्रतिवादियों की पत्नियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण की सन्तानोत्पादन कार्य पूरा कर लिया था जिनके बच्चों कीसंख्या पृथक पृथक थी-509

195- मुक्त प्रतिवादियों एवं उनकीपत्नियों की वैवाहिक आयु के अनुसार मध्य सह-सम्बन्ध जिन्होंने सन्तानोत्पादन कार्य पूरा कर लिया था तथा जिनका विभाजन उनके बच्चों कीसंख्या के आधार पर किया गया था —— 515

196- पुरुष प्रतिवादियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण जिनका विभाजन इस प्रकार से किया गया था कि उन वैवाहिक आयु के कितने वर्षों के बाद प्रथम पुत्र बच्चा उत्पन्न हुआ था। —— - 518

197- पुरुष प्रतिवादियों की पत्नियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण जिनका विभाजन इस प्रकार से किया गया था कि उनकी वैवाहिक आयु के कितने वर्षों बाद प्रथम बच्चा हुआ था —— —— 525

198- पुरुष प्रतिवादियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण जिनके बच्चों की मृत्यु शैशव काल में हुई थी —— ——531

199- पुरुष प्रतिवादियों की पत्नियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण जिनके बच्चों की मृत्यु शैशव काल में हुई थी —— —536

200- पुरुष प्रतिवादियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण —— —540

201- पुरुष प्रतिवादियों का उनके वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण जो वर्तमान समय में परिवार नियोजन के किसी विधि का प्रयोग में ला रहे थे ———— 543

202- पुरुष प्रतिवादियों का उनकी पत्नियों की वैवाहिक आयु के अनुसार जो परिवार नियोजन प्रयोग नहीं करते थे —— —547

203- पुरुष प्रतिवादियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण जिन्होंने परिवार नियोजन के किसी विधि का प्रयोग किया था या नहीं —— - 550

204- पुरुष प्रतिवादियों की पत्नियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण जो कभी भी परिवार नियोजन का प्रयोग किये या नहीं ———— —552

205- पुरुष प्रतिवादियों की वैवाहिक आयु के अनुसार जिनसे प्रश्न किया गया था कि प्रथम बच्चा कब पैदा हुआ था। —— 554

——

अध्याय - 1

प्रस्तावना

विज्ञान कितने अपूर्ण हैं, प्रत्येक वैज्ञानिक इसे जानता है । यद्यपि वे विधियाँ वैज्ञानिक कही जाती हैं फिर भी उनकी अपूर्णता: को हम सभी अनुभव करते हैं । मनुष्य अपने वैज्ञानिक दृष्टिकोण, अनुभूति और अन्तर्दृष्टि के होते हुए भी जब तक पंचभूतों के परिधि में है तब तक पूर्णता से दूर रहता है । यह भी अज्ञानी का विकास है । किन्तु फिर भी मनुष्य प्रतिक्षण प्रयत्नशील रहता है कि अज्ञान के अन्धकार को कम करके ज्ञान के भण्डार में अधिक से अधिक वृद्धि करले ।

इस शोध प्रबन्ध द्वारा यही प्रयास किया गया है कि मनुष्य और समाज के सम्बन्ध में कुछ और ज्ञानार्जन की जाय और मनुष्य एवं समाज के कल्याणकारी मार्ग को यथाशक्ति और सहज गामी बना लिया जाय।

वैवाहिक आयु किन बातों पर निर्भर करती है और वह प्रजनन के सम्बन्ध में कहाँ तक उत्तरदायी है । आज के युग में यह एक महत्त्वपूर्ण प्रश्न है । इस प्रश्न की गूढ़ता में पढ़कर इसकी गहराई को समझने के लिए प्रयास की आवश्यकता मैंने और मेरे अध्यापक ने अनुभव किया और इस दृष्टिकोण से इस ओर अग्रसर होने का निर्णय लिया। इलाहाबाद नगरक्षेत्र को इसके लिए उपयुक्त स्थल समझा गया । इसी स्थल के नागरिकों के साक्षात्कार द्वारा इस सम्बन्ध में जानकारी प्राप्त करने का प्रयास किया गया ।

भारतवर्ष एक अर्द्धविकसित देश होने के साथ ही साथ जन संख्या में संसार का द्वितीय श्रेणी का देश भी है। भारतवर्ष की जनसंख्या में कुछ अनुमानों के अनुसार 2.5 प्रतिशत प्रतिवर्ष वृद्ध हो रही है । भरत वर्ष की जनसंख्या लगभग 60 करोड़ है और इस दर से 1.5 करोड़ प्रतिवर्ष वृद्धि होती जा रही है, जो कि अस्ट्रेलिया की जनसंख्या के बराबर है । अनुमान है कि यदि वृद्धि दर इसी प्रकार रही तो वर्षों की जनसंख्या लगभग 2000 ई० तक लगभग 100 करोड़ हो जायेगी । अतः यह विचारणीय हो जाता है कि इस वृद्धि -दर के कौन कौन से सहयोगी तत्व मुख्य हैं और उनको किस प्रकार से दूर किया जा सकता है । इस दृष्टि से विचार करने पर ज्ञात होता है इस वृद्धि में प्रमुख तत्व जन्म दर है । जन्म दर को प्रभावित करने वाले अनेक कारण हैं । उन में वैवाहिक आयु भी एक प्रमुख कारण है । अतः इसका अध्ययन करना अति आवश्यक समझा गया ।

'विवाह' वि —+ वाह दो शब्दों के संयोग से बना है जिसका अर्थ है 'लेजाना' अर्थात वर के निवास स्थान पर वधू को ले जाने का अनुष्ठान । वेस्टरमार्क ने विवाह की परिभाषा इस प्रकार दिया है :-''विवाह एक या अधिक पुरुषों का एक या अधिक स्त्रियों के साथ होने वाला वह सम्बंध है जो प्रथा या कानून द्वारा स्वीकृत होता है और जिसमें संगठन में आने वाले दोनों पक्षों तथा उनसे उत्पन्न बच्चों के अधिकार व कर्तव्यों का समावेश होता है ।'' इस परिभाषा से यह स्पष्ट है कि विवाह एक या एक से अधिक स्त्री पुरुष का सम्बन्ध मात्र ही नहीं है बल्कि यह सम्बन्ध प्रथा या कानून द्वारा मान्य भी होना चाहिए भारत मे हिन्दू जाति में विवाह के

उपरान्त (गौना) की प्रथा प्रचलित है और इसके उपरान्त ही पति पत्नी सहवास करते हैं। बाल -विवाह में विवाह के उपरान्त गौना के मध्य तक में वधु माता पिता के गृह ही रहती है। लेकिन वर एवं वधु के व्यस्क होने पर विवाह के साथ-साथ गौना भी कर दिया जाता है। इस प्रकार का प्रचलन शिक्षित समुदाय में अधिकतर है। भारतवर्ष में बाल -विवाह की प्रथा अब भी है। अतः वैवाहिक आयु का औसत बहुत कम है। वर्तमान धारणा है कि वैवाहिक आयु में वृद्धि हुई है। अतः इसका अध्ययन जरूरी है।

सन्तान एवं वैवाहिक आयु का प्रभाव सन्तान एवं स्त्री के स्वास्थ्य पर भी पड़ता है, जो कि परोक्ष रूप से मृत्यु दर को भी प्रभावित करता है। अतः इस शोध-प्रबन्ध में यह जानने का प्रयास किया गया है कि अल्पायु एवं अधिक आयु में विवाह करने से सन्तान और उनकी माँ के स्वास्थ्य पर क्या प्रभाव पड़ता है। आज के बच्चे ही देश के भावी नागरिक हैं। उनके स्वास्थ्य को प्रभावित करने वाले कारणों में से बच्चों की माँ का स्वास्थ्य भी प्रमुख स्थान रखता है। अतः

भारतवर्ष निर्धन देश है। यहाँ के व्यक्तियों का जीवन स्तर निम्न है। अतः जीवन-स्तर को उच्च बनाने के लिए हर संभव प्रयास करना चाहिए। यह सर्वविदित है कि जीवन स्तर के उत्थान के लिए जन्म दर को घटाना आवश्यक है। जन्म दर को प्रभावित करने वाले कारणों में वैवाहिक आयु भी है। अतः स्पष्ट है कि वैवाहिक आयु जीवन स्तर को

प्रभावित करती है । इस दृष्टि से इसका अध्ययन करना आवश्यक है ।

भारतवर्ष एक धर्म प्रधान देश है । यहाँ की जनता धर्मभीरू होने के साथ ही साथ अशिक्षित परम्परावादी एवं अंधविश्वासी है । जिसके कारण यहाँ की जनता परिवार नियोजन के कृत्रिम साधनों को पूर्ण रूप से प्रयोग में नहीं ला रही है जिससे परिवार नियोजन सफल नहीं हो रहा है । अतः परिवार नियोजन को सफल बनाने के लिए देर से विवाह करना आवश्यक है क्योंकि देर से विवाह होने पर सन्तानोत्पादन काल में कमी हो जायगी और कम बच्चे पैदा होने की अधिक संभावना होगी । साथ ही सरकार के योजना को सफल बनाने के लिए भी इस विषय पर शोध आवश्यक है क्योंकि इससे सरकार को यह स्पष्ट जानकारी मिल जायेगी कि किस धर्म, जाति शिक्षा स्तर, मासिक आय, व्यवसाय, स्थान तथा वातावरण से सम्बन्ध रखने वाले पुरूषों एवं उनकी पत्नियों की वैवाहिक आयु कम है तथा किसकी अधिक है ।

~~xxx~~ 'इलाहाबाद नगर में वैवाहिक आयु का अध्ययन' विषय पर शोध करने का निर्णय लिया गया । इसके अध्ययन के लिए इलाहाबाद नगरमहा पालिका के अन्तर्गत आने वाला क्षेत्र चयन किया गया । यह भी निश्चय हुआ कि न्यादर्श प्रणाली द्वारा ही शोध किया जायेगा । इसमें मात्र 2 प्रतिशत न्यादर्श लिया जायेगा । इस क्षेत्र के अन्तर्गत मकानों

की दैव निदर्शन विधि चयन कर उनमें उपलब्ध पुरुषों से सम्पर्क लेने का निश्चय हुआ । यह भी निर्णय लिया गया कि प्राथमिक सम्पर्क को ही प्रयोग में लाया जायेगा । इस कार्य के लिये प्रश्नोत्तरी पत्रक का निर्माण किया गया । चयनित भवनों से जाकर पुरुष प्रतिवादियों से मैंने स्वतः सम्पर्क स्थापित करके प्रश्नोत्तरी पत्रक की पूर्ति की ।

सम्पर्कों के संकलन के बाद उनका सम्पादन किया । सम्पादन का तात्पर्य अव्यवस्थित सामग्री को व्यवस्थित करना तथा सांख्यिकीय सामग्री में अशुद्धियों व त्रुटियों की विधिवत् परीक्षण करके उनमें आवश्यक संशोधन करना है । तदुपरान्त सम्पर्कों का वर्गीकरण तथा सारणीयन किया। सम्पर्कों का समानताओं और वैषम्यताओं के अनुसार वर्गों और विभागों में व्यवस्थित करने की प्रक्रिया को वर्गीकरण कहते हैं और सारणीयन वह सांख्यिकीय क्रिया है जो उपलब्ध संकलित सामग्री से अन्तिम तर्क संगत परिणाम ज्ञात करने के लिए की जाती है । तदुपरान्त सांख्यिकीय विश्लेषण किया । सांख्यिकीय विश्लेषण के लिये निम्नलिखित रीतियों को प्रयुक्त किया :

1- भूयिष्ठक (मोड)

2- समान्तर माध्य

3- सह-सम्बन्ध

भूयिष्ठक - सांख्यिकी में भूयिष्ठक उस मूल्य को कहते हैं जो दिए हुए समूहों में सबसे अधिक बार बार आता है । भूयिष्ठक की परिभाषा 'कैनी एवं

कौनिंग ' ने इस प्रकार दिया है '' चल का वह मूल्य जिसके वितरण में आवृत्ति सबसे अधिक हो, भूयिष्ठक कहलाता है ''।

सतत या अखण्डित श्रेणी में भूयिष्ठक निम्नलिखित सूत्र द्वारा ज्ञात किया गया है ।

$$\text{भूयिष्ठक} = Z = l_1 + \frac{f_1 - f_0}{2f_1 - f_0 - f_2} \times (l_2 - l_1)$$

उपरोक्त सूत्र में जिन चिन्हाक्षरों का प्रयोग किया गया है उनके तात्पर्य निम्नलिखित हैं :-

l_1 भूयिष्ठक वर्ग की निम्न सीमा

l_2 भूयिष्ठक वर्ग की उच्च सीमा

f_1 भूयिष्ठक वर्ग की आवृत्ति

f_0 भूयिष्ठक वर्ग के पूर्व के वर्ग की आवृत्ति

f_2 भूयिष्ठक वर्ग के बाद वालेवर्ग की आवृत्ति

समान्तर माध्य :- समान्तर माध्य वह मूल्य है जो किसी श्रेणी के समस्त पदों के मूल्यों के योग में उनकी संख्या का भाग देने से प्राप्त होता है ।

समान्तर माध्य ज्ञात करने के लिए निम्नलिखित सूत्र का प्रयोग किया गया है । -

$$\text{समान्तर माध्य} = X + \frac{\Sigma fdx}{n} i$$

X = कल्पित माध्य

fdx = प्रत्येक मूल्य की आवृत्ति को उसके सामने वाले पद-विचलन से गुणा करके गुणनफलों का जोड़ ।

i = वर्ग विस्तार

सह-सम्बन्ध :- सह सम्बन्ध को प्रो0 किंग ने इस प्रकार परिभाषा दिया है - "यदि यह सत्य सिद्ध हो जाता है कि अधिकांश उदाहरणों में सर्वदा दो चल एक ही दिशा में या विपरीत दिशा में घटते बढ़ते हैं तो ऐसे स्थानों पर हम जानते हैं कि तथ्य निर्धारित हो गया यही सम्बन्ध है । यह सम्बन्ध ही सह सम्बन्ध कहलाता है ।"

सह सम्बन्ध निकालने के लिए कार्ल पियर्सन की रेखीय सह-सम्बन्ध गुणांक विधि प्रयोग में लायी गई है जो निम्न प्रकार है -

$$r = \frac{\Sigma dx\, dy \times n - (\Sigma dx \times \Sigma dy)}{\sqrt{(\Sigma dx^2 \times n - (\Sigma dx)^2} \times \sqrt{\Sigma dy^2 \times n - (\Sigma dy)^2}}$$

Σdx = कल्पित समान्तर माध्य के विचलन का योग x श्रेणी में ।

Σdy = कल्पित समान्तर माध्य के विचलन का योग y श्रेणी में ।

Σdx^2 = कल्पित समान्तर माध्य के वर्ग विचलन का योग x श्रेणी में ।

Σdy^2 = कल्पित समान्तर माध्य के विचलन के वर्ग का योग y श्रेणी में ।

$\Sigma dxdy$ = कल्पित समान्तर माध्य के विचलनों के गुणनफल का योग ।

n = श्रेणी के बारंबारता का योग

सह सम्बन्ध गुणांक का निम्नतम तथा अधिकतम परिमाण क्रमशः शून्य तथा एक होता है । यह धनात्मक तथा ऋणात्मक दोनों प्रकार का होता है । यदि सह सम्बन्ध गुणांक 0.75 और 1 के मध्य होता है तो उसे उच्च कोटि का सह-सम्बन्ध कहते हैं । यदि सह सम्बन्ध गुणांक 0.3 और 0.75 के मध्य होता है तो उसे मध्यम कोटि का सह सम्बन्ध कहते हैं । तथा यदि सह सम्बन्ध

गुणांक 0.3 से कम होता है तो निम्न कोटि का सह सम्बन्ध कहते हैं सह-सम्बन्ध के परिमाण को दर्शाने के लिए निम्न, मध्य तथा उच्च कोटि के सह सम्बन्धकों अध्ययन के अन्तर्गत प्रयोग में लाया गया है। तदुपरान्त साँख्यिकी सामग्री से सावधानी पूर्वक विश्लेषण करके निष्कर्ष निकाला गया है। और उसकी सार्थकता पर प्रकाश डाला गया है।

= . =

अध्याय --2

शैक्षिक वातावरण

इलाहाबाद शहर

भारतवर्ष में सबसे अधिक जनसंख्या वाला राज्य उत्तर प्रदेश है । सन 1971 की जनगणना के अनुसार उत्तर प्रदेश की जनसंख्या 8.8 करोड़ थी जबकि भारत की जनसंख्या 54.73 करोड़ थी । इलाहाबाद शहर उत्तर प्रदेश में स्थित है तथा इसकी सन 1971 में जनसंख्या 490.622 थी । उत्तर प्रदेश में जनसंख्या के आकार के अनुसार यह उन 22 शहरों में से एक है जिनकी जनसंख्या 1971 के जनगणना के अनुसार 1 लाख से अधिक थी जबकि उत्तर प्रदेश में 1 लाख से कम जनसंख्या वाले 271 शहर है ।

इलाहाबाद शिक्षा का प्रसिध्द केन्द्र है । भारतवर्ष का प्रसिध्द विश्वविदयालय भी यहीं पर है । देश एवं विदेश के विदयार्थी यहाँ अध्ययनार्थ आते है । इसमें प्रत्येक विषय के उदभट एवं योग्य विद्वान शिक्षक है । इस विश्वविदयालय के साथ ही साथ 10 महाविदयालय एवं इन्जीनियरिंग कालेज, मेडिकल कालेज, पालिटेक्नीक कालेज और कृषि संस्था आदि यहाँ पर है । यहाँ पर इस प्रदेश का उच्च न्यायालय है तथा इलाहाबाद की कमीश्नरी भी । माध्यमिक शिक्षा परिषद उत्तर प्रदेश का कार्यालय यहाँ ही है ।

प्राचीन काल से यह एक धार्मिक स्थान रहा है। इस नगर को प्रयाग भी कहते है। इसकी महत्ता का वर्णन धार्मिक ग्रन्थों मे मिलता है। इसकी श्रेष्ठता के कारण ही इसे तीर्थराज कहा गया है। गंगा,यमुना और सरस्वती यही पर मिलती है जिसे संगम या त्रिवेणी कहते है। भारद्वाज ऋषि का आश्रम भी यहीहै। माघ के महीने मे प्रतिवर्ष यहाँ धार्मिक मेला लगता है किन्तु छः वर्ष और बारह वर्षो के अन्तर पर लगने वाले अर्ध कुम्भ एवं कुम्भ का धार्मिक मेला अत्यन्त पुनीत और मोक्षदायक माना जाता है। जिसमे भारतके सभी भाग देश के लोग तथा साधु सन्त आते है। सन 1977 मे कुम्भ का मेला लगा था जिसमे देश-विदेश से तीर्थयात्री संगम स्नान करने के लिए आये थे राजनीति के क्षेत्र मे भी यह शहर अद्वितीय रहा है। इस क्षेत्र के प्रमुख स्तम्भ मोती लाल नेहरू, जवाहर लाल नेहरू, स्वरूपरानी नेहरू, कमला नेहरू, महामना मदन मोहन मालवीय, कैलाश नाथ काटजू आदि थे। भारतीय स्वाधीनता संग्राम मे चन्द्रशेखर आजाद इसी शहर के कम्पनी बाग मे गोरी सरकार का विरोधकरते हुए शहीद हुये थे। भारतीय स्वतन्त्रता संगाम मे स्वराज्य भवन एवं आनन्द भवन प्रमुख स्थान रहे है। स्वराज्य भवन से स्वतंत्रता की चिनगारी उठी थी और सम्पूर्ण देश मे व्याप्त हो गई थी। स्वराज्य भवन को अंग्रेजी सरकार ने जप्त कर लिया अर्थात् अपने अधिकार मे ले लिया तो आनन्द

भारत गोरो सरकार के विरोध का केन्द्र स्थान बन गया था । भारत को स्वतंत्रता प्राप्ति में इस शहर का महत्वपूर्ण योगदान रहा ।

इलाहाबाद शहर आवागमन के साधनो से परिपूर्ण है । कलकत्ता से पेशावर को जाने वाली सड़क ग्रैण्ड ट्रंक रोड इस शहर से हो गई है । इलाहाबाद उत्तर मध्य तथा उत्तरी पूर्वी रेलवे का जंक्शन है । पूरब मे हावड़ा और पश्चिम मे दिल्ली तक रेलवे लाइन से यह नगर जुड़ा है । यहाँ पर छः रेलवे स्टेशन है जहाँ से बम्बई, लखनऊ, बनारस तथा कानपुर आदि शहरों मे जाने-आने की सुव्यवस्था है । हवाई जहाज का भी अड्डा बमरौली मे है । जो कि इलाहाबाद को भारतवर्ष के प्रमुख शहरो से जोड़ता है । सरकारी एवं प्राइवेट बसो तथा टैक्सी के द्वारा आने जाने की सुविधाजनक व्यवस्था है ।

इलाहाबाद शहर की जनसंख्या मे तीव्रगति से वृध्दि हो रही है । सन 1961 की जनगणना के अनुसार यहाँ की जनसंख्या 411,955 थी जो कि सन् 1971 की जनगणना के अनुसार 490,622 हो गई थी । इस प्रकार यह स्पष्ट है कि जनसंख्या मे वृध्दि की दर इस शहर मे लगभग 19.10 प्रतिशत प्रति दशक है । सन 1971 की जनगणना के अनुसार इलाहाबाद शहर मे प्रति हजार पुरूषो पर स्त्रियो की संख्या 795 थी तथा जनसंख्या का घनत्व 7827 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर था ।

सन 1971 की जनगणना के अनुसार इस नगर में 74.77 प्रतिशत हिन्दू, 23.40 प्रतिशत मुस्लिम, 0.95 प्रतिशत ईसाई तथा 0.34 प्रतिशत सिक्ख थे। अन्य धर्मों के अनुयायी लगभग 0.10 प्रतिशत थे।

न्यादर्श

समग्र में से न्यादर्श चुनने की पाँच विधियाँ हैं :—

1- सविचार निदर्शन,

2- दैव निदर्शन,

3- स्तरित या मिश्रित निदर्शन,

4- बहुस्तरीय निदर्शन, और

5- अन्य रीतियाँ

1- सविचार निदर्शन : इस विधि के अनुसार अनुसंधानकर्ता सम्पूर्ण क्षेत्र में से अपनी इच्छानुसार समग्र से सम्बन्धित व्यक्तिगत ज्ञान के आधार पर ऐसी इकाईयाँ चुन लेता है जो उसके विचार में समग्र का प्रतिनिधित्व करती हो ।

2- दैव निदर्शन - इस प्रणाली के अन्तर्गत समग्र की विभिन्न इकाइयों के व्यक्तिगत महत्व को समाप्त कर प्रत्येक इकाई को समान महत्व प्रदान किया जाता है और समग्र की प्रत्येक इकाई को न्यादर्श में सम्मिलित होने का समान अवसर प्रदान किया जाता है ।

3- स्तरित या मिश्रित निदर्शन - इस रीति में सर्वप्रथम समंकों को कई भागों में बाँटा जाता है फिर प्रत्येक भाग से दैव निदर्शन विधि द्वारा कुछ इकाईयाँ चुन ली जाती है ।

4- बहुस्तरीय निदर्शन - इस पध्दति मे न्यादर्श का चयन एक साथ नही होता है बल्कि कई स्तरो पर किया जाता है । प्रत्येक स्तर मे दैव निदर्शन व्दारा इकाई चुनी जाती है ।

5- अन्य विधियाँ - जैसे, विस्तृत निदर्शन, अभ्यंश निदर्शन व्यवस्थित निदर्शन आदि ।

हमने न्यादर्श चयन के लिये उपर्युक्त विधियो मे से दैव निदर्शन विधी का प्रयोग किया है । इसका मुख्य कारण यह है कि यह विधि अन्य विधियों मे श्रेष्ठ है । सविचार निदर्शन विधि मे यह दोष है कि इस विधी व्दारा न्यादर्श चयन करने मे अनुसंधानकर्ता को व्यक्तिगत धारणाओ व्दारा पक्षपातपूर्ण प्रभाव पड़ता है । जिससे नि निष्कर्ष एकांगी और त्रुटिपूर्ण होते है । मिश्रित निदर्शन मे सविचार निदर्शन तथा दैव निदर्शन दोनो विधियाँ सयुंक्त रहती है । अत: सविचार निदर्शन का दोष आ ही जाता है । बहुस्तरीय निदर्शन एवं अन्य विधियाँ हमारे लिये उपयुक्त नही थी क्योकि एक ओर समय की कमी था तो दूसरी ओर क्षेत्र का छोटा होना । दैव निदर्शन विधि व्दारा न्यादर्श प्राप्त करने से यह लाभ है कि इसमे पक्षपात की कोई संभावना नही रहती है । समग्र का संक्षिप्त चित्र लिया जाता है तथा समय, धन एवं श्रम की बचत भी होती है ।

इलाहाबाद नगर महापालिका के कर अधीक्षक के कार्यालय से हमने इलाहाबाद नगर में निर्मित मकानों की संख्या की जानकारी प्राप्त की । नगर महापालिका द्वारा इलाहाबाद नगर को 27 खण्डों में विभाजित किया गया है तथा प्रत्येक खण्ड के मकानों की सूची उस खण्ड में आने वाले अलग अलग मुहल्लों के मकानों के संख्या के योग से तैयार की गयी है । इसके उपरान्त सभी खण्डों में निर्मित मकानों की संख्या सूची तैयार करके 2 प्रतिशत न्यादर्श लेना निश्चित किया और प्रत्येक पचासवें मकान को न्यादर्श में सम्मिलित किया । इस प्रकार इलाहाबाद नगर के 1113 मकानों को न्यादर्श प्राप्त करने के लिये चयन किया । इस भाँति हमने इन मकानों में निवास करने वाले पुरुषों से सम्पर्क स्थापित कर प्रश्नोत्तरी पत्रक के प्रश्नों की पूछताछ कर उसकी पूर्ति की. इस प्रकार सम्पूर्ण में 1180 पुरुषों से सम्पर्क करके इस कार्य का सम्पादन किया ।

प्रतिदर्श जनसंख्या का सामाजिक एवं आर्थिक संरचना :-

नगर एवं ग्रामीण पृष्ठभूमि

हमारे न्यादर्श में 1146 पुरुष प्रतिवादी थे जिनमें 205 पुरुषों का जन्म देहात में एवं शेष 941 पुरुषों का जन्म नगर में हुआ था ।

सारिणी -1

पुरूष प्रतिवादियों का सारिणीन्‍ उनके जन्म स्थान के आधार पर विभाजन ।

जन्म स्थान	संख्या	प्रतिशत
ग्राम	205	17.89
नगर	941	82.11
योग :	1146	100

प्रतिशतानुसार विश्लेषण से यह प्रदर्शित होता है कि 17.89 प्रतिशत एवं 82.11 प्रतिशत पुरूषों का जन्म क्रमश: ग्राम एवं नगर में हुआ था ।

धर्म

न्यादर्श में 1146 पुरूष प्रतिवादियों ने हमें योगदान दिया था । इनमें 821 हिन्दू, 294 मुस्लिम, 14 सिक्ख, तथा 17 इसाई धर्म अनुयायी थे ।

सारिणी-2

पुरूष प्रतिवादियों का धर्मानुसार विभाजन

धर्म	पुरूषों की संख्या	प्रतिशत
हिन्दू	पुरूषों की संख्या	प्रतिशत

धर्म	कृषकों की संख्या	प्रतिशत
हिन्दू	821	71.64
मुस्लिम	294	25.66
सिक्ख	14	1.22
ईसाई	17	1.48
योग	1146	100

उपर्युक्त सारिणी से यह ज्ञात होता है कि 71.64 प्रतिशत हिन्दू, 25.66 प्रतिशत मुस्लिम,, 1.22 प्रतिशत सिक्ख तथा 1.48 प्रतिशत ईसाई धर्मावलम्बी व्यक्ति थे ।

तालिका -3

जाति

हिन्दू धर्मावलम्बी पुरुष प्रतिवादियों का

जातियता के अनुसार विभाजन ।

जाति	पुरुषों की संख्या	प्रतिशत
ब्राह्मण	136	16.57
क्षत्रिय	67	8.16
कायस्थ	127	15.47
वैश्य	129	15.71
केशवानस	43	5.24
पिछड़ी जाति	135	16.44
अनुसूचित	184	22.41
योग	821	100

हमारे न्यादर्श में हिन्दू धर्म के अनुयायी 821 पुरुष प्रतिवादियों में 136 ब्राह्मण 67 क्षत्रिय 127 कायस्थ, 129 वैश्य, 43 केशवानस, 135 पिछड़ी जाति तथा 184 अनुसूचित जाति के प्रतिवादी थे ।

उपर्युक्त सारणी से यह ज्ञात होता है कि 16.57 प्रतिशत ब्राह्मण, 8.16 प्रतिशत क्षत्रिय, 15.47 प्रतिशत कायस्थ, 15.71 प्रतिशत वैश्य, 5.24 प्रतिशत [illegible], 16.44 प्रतिशत पिछड़ी तथा 22.41 प्रतिशत अनुसूचित जाति के प्रतिभागी थे।

शिक्षा :-

सारणी-4

शिक्षा स्तर पर आधारित पुरुष जातिवादियों का विभाजन

शैक्षिक स्तर	पुरुषों की संख्या	प्रतिशत
निरक्षर	238	20.77
साक्षर	110	9.60
प्राथमिक	141	12.30
मिडिल	111	9.68
हाई स्कूल एवं इण्टरमीडिएट	321	28.01
स्नातक एवं स्नातकोत्तर	201	17.54
तकनीकी	24	2.09
योग	1146	100

हमारे न्यादर्श के 1146 पुरुष प्रतिभागियों में 238 निरक्षर, 110 साक्षर 141 प्राथमिक, 111 मिडिल ,321 हाई स्कूल एवं इण्टरमीडिएट ,201 स्नातक एवं स्नातकोत्तर तथा 24 तकनीकी शिक्षा स्तर के प्रतिभागी थे ।

सारणी के अनुसार यह प्रकट होता है कि 20.77 प्रतिशत निरक्षर, 9.60 प्रतिशत साक्षर, 12.30 प्रतिशत प्राथमिक, 9.69 प्रतिशत मिडिल, 28.01 प्रतिशत हाई स्कूल एवं इण्टरमीडिएट, 17.54 प्रतिशत स्नातक एवं स्नातकोत्तर तथा 2.09 प्रतिशत तकनीकी शिक्षा स्तर के व्यक्ति थे ।

सारिणी संख्या –5

पुरुष प्रतिभागियों की पत्नियों का शैक्षिक योग्यता के आधार पर विभाजन -

पत्नियों का शैक्षिक स्तर	पत्नियों की की संख्या	प्रतिशत
निरक्षर	737	64.31
साक्षर	64	5.58
प्राथमिक	99	8.64
मिडिल	59	5.15
हाई स्कूल एवं इण्टरमीडिएट	131	11.43
स्नातक एवं स्नातकोत्तर	56	4.89
योग	1146	100

हमारे न्यादर्श में सम्मिलित 1146 पुरुष प्रतिवादियों की पत्नियों में 737 निरक्षर, 64 साक्षर, 99 प्राथमिक, 59 मिडिल, 131 हाई स्कूल एवं इण्टरमीडिएट तथा 56 स्नातक एवं स्नातकोत्तर शिक्षा स्तर की महिलाएं थी।

इस प्रकार प्रतिशतानुसार विश्लेषण से यह स्पष्ट होता है कि 64.31 प्रतिशत निरक्षर, 5.58 प्रतिशत साक्षर, 8.64 प्रतिशत प्राथमिक, 5.15 प्रतिशत मिडिल, 11.43 प्रतिशत हाई स्कूल एवं इण्टर-मीडिएट तथा 4.89 प्रतिशत स्नातक एवं स्नातकोत्तर शिक्षा स्तर की महिलाएं थी।

सारिणी संख्या-6

पुरुषों की आयु

अवस्थानुसार पुरुष प्रतिवादियों का वितरण

पुरुषों की आयु (वर्षों में)	पुरुषों की संख्या	प्रतिशत
15-20	8	0.70
20-25	70	6.11
25-30	153	13.35
30-35	199	17.36

35-40	176	15.36
40-45	179	15.62
45-50	118	10.30
50-55	113	9.86
55-60	51	4.45
60 तथा उसेस अधिक	79	6.89
योग	1146	100

हमारे अध्ययन मे न्यादर्श द्वारा उपलब्धा 1146 युवको मे 15 से 20 वर्ष की आयु वाले ग्रुप मे 8, 20 से 25 वर्ष की आयु वाले ग्रुप मे 153 , 30 से 35 व र्ष की आयु वाले ग्रुप मे 176, 40 से 45 वर्ष की आयु वाले ग्रुप मे 179 , 45 से 50 वर्ष की आयु वाले ग्रुप मे 113, 55 से 60 वर्ष की आयु वाले ग्रुप मे 51 तथा 60 वर्ष एवं इससे अधिक आयु वाले ग्रुप मे 79 युवक थे ।

उपर्युक्त सारणी के प्रतिशतानुसार विश्लेषण यह दर्शाता है कि 15 से 20 वर्ष की आयु वाले ग्रुप मे 0.70 प्रतिशत 20 से 25 व र्ष की आयु वाले ग्रुप मे 6.11 प्रतिशत 25 से 30 वर्ष की आयु वाले ग्रुप

6.11 प्रतिशत 25 से 30 वर्ष की आयु वाले ग्रुप मे 13.35 प्रतिशत 30 से 35 वर्ष की आयु वाले ग्रुप मे 17.36 प्रतिशत 35 से 40 वर्ष आयु वाले ग्रुप मे 15.36 प्रतिशत 40 से 45 वर्ष की आयु वाले ग्रुप मे 15.62 प्रतिशत 45 से 50 वर्ष की आयु वाले वर्ग मे 10.30 प्रतिशत 50 से 55 वर्ष की आयु वाले ग्रुप मे 9.86 प्रतिशत 55 से 60 वर्ष की आयु वाले ग्रुप मे 4.45 प्रतिशत तथा 60 वर्ष व इससे अधिक की आयु वाले ग्रुप मे 6.89 प्रतिशत व्यक्ति थे ।

सारिणी संख्या- 7

पत्नी की आयु : पुरुष प्रतिवादियों का उनकी पत्नी की अवस्थानुसार वितरण :

पत्नी की आयु (वर्षों मे)	पुरुषों की संख्या	प्रतिशत
15-20	58	5.06
20-25	167	14.57
25-30	177	15.45
30-35	214	18.67

35-40	178	15.53
40-45	130	11.35
45-50	81	7.07
50 तथा इससे अधिक	141	12.30
योग	1146	100

हमारे अध्ययन में न्यादर्श द्वारा प्राप्त 1146 पुरूषों में 58 पुरूषों की पत्नियाँ 15-20 वर्ष की आयु ग्रुप की, 167 पुरूषों की पत्नियाँ 20-25 वर्ष की आयु ग्रुप की , 177 पुरूषों की पत्नियाँ 25-30 वर्ष की आयु ग्रुप की, 214 पुरूषों की पत्नियाँ 30-35 वर्ष की आयु ग्रुप की, 178 पुरूषों की पत्नियाँ 35-40 वर्ष की आयु ग्रुप की, 130 पुरूषों की पत्नियाँ 40-45 वर्ष की आयु ग्रुप की , 81 पुरूषों की पत्नियाँ 45-50 वर्ष के आयु ग्रुप की तथा 141 पुरूषों की पत्नियाँ 50 वर्ष व इससे अधिक" आयु ग्रुप की महिलाएँ थी ।

उपर्युक्त तालिका से स्पष्ट है कि

15-20 वर्ष आयु ग्रुप की पत्नियाँ	5.06 प्रतिशत
20-25 वर्ष आयु ग्रुप की पत्नियाँ	14 .57 प्रतिशत
25-30 वर्ष आयु ग्रुप की पत्नियाँ	15.45 प्रतिशत
30-35 वर्ष आयु ग्रुप की पत्नियाँ	18.67 प्रतिशत
35-40 वर्ष आयु ग्रुप की पत्नियाँ	15.52 प्रतिशत
40-45 वर्ष आयु ग्रुप की पत्नियाँ	11.35 प्रतिशत
45-50 वर्ष आयु ग्रुप की पत्नियाँ	6.06 प्रतिशत
50 एवं अधिक वर्ष आयु ग्रुप की पत्नियाँ	12.30 प्रतिशत

तालिका संख्या -8

व्यवसाय वितरण ।

व्यवसाय	पुरुषों की संख्या	प्रतिशत
पेशेवर	79	6.89
नौकरी	419	36.56
वाणिज्य	348	30.37
कुशल कामगार	98	8.55
अकुशल कामगार	122	10.65
कृषि	29	2.53
वणा	17	1.48

बेरोजगार	34	2.97
योग	1146	100

हमारे अध्ययन में न्यादर्श के 1146 पुरुष प्रतिभागियों में 79 पेशेवर, 419 नौकरी, 348 वाणिज्य, 98 कुशल कामगार, 122 अकुशल कामगार, 29 कृषि तथा 17 दुग्ध का व्यवसाय करते थे एवं 34 व्यक्ति बेरोजगार थे ।

उपर्युक्त विश्लेषण से यह प्रतीत होता है कि 6.89 प्रतिशत पेशेवर, 36.56 प्रतिशत नौकरी, 30.37 प्रतिशत वाणिज्य, 8.55 प्रतिशत कुशल कामगार 10.65 प्रतिशत अकुशल कामगार, 2.53 प्रतिशत कृषि तथा 1.48 प्रतिशत दुग्ध का उपयोग करते थे और 2.97 प्रतिशत व्यक्ति बेरोजगार थे ।

सारिणी संख्या - 9

पुरुष प्रतिभागियों का पिता के व्यवसाय के अनुसार वितरण ।

व्यवसाय	पुरुषों की संख्या	प्रतिशत
पेशेवर	68	5.93
नौकरी	265	23.13

वाणिज्य	376	32.81
कुशल कामगार	122	10.65
अकुशल कामगार	101	8.81
कृषि	189	16.49
दुग्ध	25	2.18
योग	1146	100

हमारे अध्ययन में न्यादर्श के 1146 युवक प्रतिवादियों में 68 युवकों के पिता पेशेवर, 265 युवकों के पिता नौकरी, 376 युवकों के पिता वाणिज्य, 122 युवकों के पिता कुशल कामगार, 101 युवकों के पिता अकुशल कामगार, 189 युवकों के पिता कृषि तथा 25 युवकों के पिता दुग्ध का व्यवसाय करते थे ।

इस प्रकार सारणी के प्रतिशतानुसार विश्लेषण से यह प्रदर्शित होता है कि उपर्युक्त प्रतिवादियों के पिता 5. 93 प्रतिशत पेशेवर , 23.13 प्रतिशत नौकरी, 32.81 प्रतिशत वाणिज्य, 10.65 प्रतिशत कुशल कामगार, 8.81 प्रतिशत अकुशल कामगार . 16.48 प्रतिशत कृषि तथा 2.18 प्रतिशत दुग्ध का व्यवसाय करते थे ।

सारिणी संख्या --10

पुरुष प्रतिभागियों के पत्नी के पिता के व्यवसायानुसार वितरण :

व्यवसाय	पुरुषों की संख्या	प्रतिशत
पेशेवर	65	5.67
नौकरी	253	22.09
वाणिज्य	344	30.02
कुशल कामगार	124	10.82
अकुशल कामगार	99	8.64
कृषि	238	20.77
कुछ	23	2.00
योग	1146	100

हमारे अध्ययन मे न्यादर्श के 1146 पुरुष प्रतिभागियो मे 65 पुरुषो के पत्नी के पिता पेशेवर, 253 पुरुषो के पत्नी के पिता नौकरी, 344 पुरुषो के पत्नी के पिता वाणिज्य, 124 पुरुषो के पत्नी के पिता कुशल कामगार , 99 पुरुषो के पत्नी के पिता अकुशल कामगार, 238 पुरुषो के पत्नी के पिता कृषि तथा 23 पुरुषो के पत्नी के पिता कुछ का व्यवसाय करते थे ।

सारणी के प्रतिशतानुसार विश्लेषण से यह स्पष्ट होता है कि 5.67 प्रतिशत पुरुषों के पत्नी के पिता पेशेवर, 22.08 प्रतिशत पुरुषों के पत्नी के पिता नौकरी, 30.02 प्रतिशत पुरुषों के पत्नी के पिता वाणिज्य, 10.82 प्रतिशत पुरुषों के पत्नी के पिता कुशल कामगार, 8.64 प्रतिशत पुरुषों के पत्नी के पिता अकुशल कामगार 20.77 प्रतिशत पुरुषों के पत्नी के पिता कृषि तथा 2.00 प्रतिशत पुरुषों के पत्नि के पिता कुछ का व्यवसाय करते थे ।

सारिणी संख्या ---11

आय

पुरूष प्रतिवादियों के मासिक आय के अनुसार वितरण ।

मासिक आय (रूपयों में)	पुरूषों की संख्या	प्रतिशत
0-100	65	5.67
100-300	551	48.08
300-500	323	28.18
500-700	122	10.65
700-1000	45	3.93
1000-एवं अधिक	40	3.49
योग	1146	100

हमारे अध्ययन में न्यादर्श 1146 पुरूष प्रतिवादियों में से 65 पुरूषों की मासिक-आय 100/- रूपया से अधिक से कम थी, 551 पुरूषों की मासिक आय 100-300 रूपया वाले ग्रुप में थी, 323 पुरूषों की मासिक आय 300- 500 रूपया वाले ग्रुप में थी, 122 पुरूषों की मासिक आय 500-800 रूपया वाले ग्रुप में थी, 45 पुरूष ऐसे थे जिनकी मासिक

आय 700-1000 रूपया वाले ग्रुप मे तथा 40 पुरूषों की मासिक आय 1000 एवं अधिक मासिक आय वाले ग्रुप में आते थे इससे यह ज्ञात होता है कि 5.67 प्रतिशत पुरूषों की मासिक आय 100 रूपया से कम थी, 48.08 प्रतिशत पुरूषों को मासिक आय 100-300 रूपया वाले ग्रुप मे थी, 28.18 प्रतिशत पुरूषों की मासिक आय 300-500 रूपया वाले ग्रुप मे थी, 10.65 प्रतिशत पुरूषों की मासिक आय 500-700 रूपया वाले ग्रुप मे थी, 3.93 प्रतिशत पुरूषों की मासिक आय 700-1000 रूपया वाले ग्रुप मे तथा 3.49 प्रतिशत पुरूषों की मासिक आय 1000 तथा इससे अधिक मासिक आय वाले ग्रुप मे थी ।

उत्पन्न बच्चों की संख्या

सारिणी संख्या -12

पुरूष प्रतिवादियो से उत्पन्न बच्चों की संख्या के अनुसार वितरण ।

उत्पन्न बच्चों की संख्या	पुरूषों की संख्या	प्रतिशत
शून्य	75	6.54
एक	140	12.22
दो	169	14.75
तीन	189	16.49

चार	169	14.75
पाँच	153	13.35
छः	101	8.81
सात	73	6.37
आठ	34	2.97
नव तथा अधिक	43	3.75
योग :	1146	100

न्यादर्श मे उपलब्ध 1146 पुरुष प्रतिवादियो मे 75 पुरुषो को कोई सन्तान नही उत्पन्न हुई। 140 पुरुष ने को केवल एक ही सन्तान उत्पन्न हुई। 169 पुरुष केवल दो बच्चे तथा 189 पुरुषो को केवल तीन बच्चे पैदा हुये थे। 169 पुरुषो को केवल चार सन्ताने हुई। 153 पुरुषो को केवल पाँच बच्चे, 101 पुरुष को केवल छः बच्चे उत्पन्न हुऐ थे, 73 पुरुषो को सात बच्चे 34 पुरुषो को आठ बच्चे पैदा हुऐ। 43 पुरुषो नव तथा नौ से अधिक बच्चे पैदा हुऐ थे।

इस भाँति प्रतिशतानुसार विश्लेषण से यह प्रगट होता है कि 6.54 प्रतिशत पुरुषों को कोई सन्तान नहीं उत्पन्न हुई। 12.22 प्रतिशत पुरुषों को केवल एक सन्तान उत्पन्न हुई। 14.75 प्रतिशत पुरुषों को मात्र दो बच्चे एवं 16.49 प्रतिशत पुरुषों को केवल तीन बच्चे पैदा हुए थे, 14-75 प्रतिशत पुरुषों को केवल चार सन्तानें थी, 13.35 प्रतिशत पुरुषों को मात्र पाँच सन्तानें उत्पन्न हुई। 8.81 प्रतिशत पुरुषों को केवल छः बच्चे तथा 6.37 प्रतिशत पुरुषों को केवल सात बच्चे पैदा हुए थे, 2.97 प्रतिशत पुरुषों को केवल आठ सन्तानें तथा 3.75 प्रतिशत पुरुषों को मात्र नव या नव से अधिक सन्तानें उत्पन्न हुई।

सारिणी संख्या —13

जीवित बच्चों की संख्या

पुरुष प्रतिवादियों के जीवित बच्चों की संख्या के अनुसार वितरण ।

जीवित बच्चों की संख्या	पुरुषों की संख्या	प्रतिशत
शून्य	81	7.07
एक	152	13.26
दो	179	15.62
तीन	193	16.85
चार	182	15.88
पाँच	157	13.70
छः	90	7.85
सात	61	5.32
आठ	26	2.27
नौ तथा अधिक	25	2.18
योगः	1146	100

न्यादर्श द्वारा उपलब्ध 1146 पुरूष प्रतिवादियों में 81 पुरूषों के कोई सन्तान जीवित नहीं थी, 152 पुरूषों को मात्र एक जीवित बच्चा था, 179 पुरूषों को केवल दो जीवित सन्तानें थीं, 183 पुरूषों के पास केवल तीन जीवित बच्चे एवं 182 पुरूषों के पास केवल चार जीवित बच्चे थे, 157 पुरूषों के केवल पाँच जीवित संताने तथा तथा 90 पुरूषों के मात्र छः जीवित सन्तानें थीं, 61 पुरूषों के केवल सात जीवित बच्चे थे, तथा 26 पुरूषों के आठ जीवित बच्चे थे। 25 पुरूषों के नव तथा नव से अधिक जीवित बच्चे थे ।

इस प्रकार प्रतिशतानुसार विश्लेषण से यह सिध्द होता है कि 7.07 प्रतिशत पुरूषों की कोई जीवित सन्तान न थी, 13.26 प्रतिशत पुरूषों में प्रत्येक के मात्र एक ही जीवित सन्तान थी, 15.62 प्रतिशत पुरूषों के केवल दो जीवित बच्चे तथा 16.85 प्रतिशत पुरूषों के केवल तीन जीवित बच्चे थे। 15.88 प्रतिशत पुरूषों के पास केवल चार जीवित बच्चे एवं 13.70 प्रतिशत पुरूषों के केवल पाँच जीवित बच्चे थे, 7.85 प्रतिशत पुरूषों के केवल छः सन्तानें जीवित थीं । 5.32 प्रतिशत पुरूषों के मात्र सात जीवित बच्चे तथा 2.27 प्रतिशत पुरूषों के केवल आठ जीवित बच्चे थे, 2.18 प्रतिशत पुरूषों के नव या नव से अधिक जीवित बच्चे थे ।

सारिणी संख्या -14

विवाह की आयु

औपचारिक विवाह की आयु ।

पुरूष प्रतिवादियों की औपचारिक विवाह की आयु के अनुसार वितरण ।

पुरूषों की औपचारिक विवाह की आयु (वर्षों में)	पुरूषों की संख्या	प्रतिशत
12 से कम	6	0.52
12-14	8	0.70
14-16	40	3.49
16-18	86	7.50
18-20	216	18.18
20-22	291	25.40
22-24	218	19.02
24-26	164	14.31
26-28	55	4.80
28-30	33	2.89
30 तथा इससे अधिक	29	2.53
योग	1146	100

1146 पुरुष प्रतिवादियो मे 6 पुरूषो को औपचारिक विवाह की आयु 12 वर्ष से कम वाले ग्रुप मे 8 पुरूषो की औपचारिक विवाह की आयु 12-14 वर्ष वाले ग्रुप मे 40 पुरूषो को औपचारिक विवाह को आयु 14-16 वर्ष वाले ग्रुप मे ,86 पुरूषो ो औपचारिक विवाह की आयु 16-18 वर्ष वाले ग्रुप मे, 216 पुरूषो की औपचारिक विवाह को आयु 20-22 वर्ष वाले ग्रुप मे, 218 पुरूषो को औपचारिक विवाह की आयु 22-24 वर्ष वाले श्रेणी मे ,164 पुरूषो को औपचारिक विवाह की आयु 24-26 वर्ष वाले ग्रुप मे, 55 पुरूषो को औपचारिक विवाह की आयु 26-28 वर्ष वाले ग्रुप मे, 33 पुरूषो को औपचारिक विवाह की आयु 28-30 वर्ष वाले ग्रुप मे तथा 29 पुरूषो की औपचारिक विवाह को आयु 30 पुरूष वर्ष तथा अधिक वर्ष वाले ग्रुप मे थी ।

उपर्युक्त प्रतिशतानुसार विश्लेषण से यह ज्ञात होता है कि 0.52 प्रतिशत पुरूषो की औपचारिक विवाह को आयु 12 वर्ष से कम वाले ग्रुप मे,0.70 प्रशित पुरूषो को औपचारिक विवाह की आयु 12-14 वर्ष वाले ग्रुप मे ,3.49 प्रतिशत पुरूषो को औपचारिक विवाह की आयु 14-16 वर्ष वाले ग्रुप मे,7.50 प्र तिशत पुरूषो को औपचारिक विवाह की आयु 16-18 वर्ष वाले ग्रुप मे, 18-85 प्रतिशत पुरूषो को औपचारिक विवाह की आयु 18-20 वर्ष वाले ग्रुप मे, 25.40 प्रतिशत पुरूषो को औपचारिक विवाह की आयु 20-22 वर्ष वाले ग्रुप मे, 19.02 प्रतिशत पुरूषो की औपचारिक विवाह की आयु 22-24 वर्ष वाले ग्रुप मे, 14.31 प्रतिशत पुरूषो की औपचारिक विवाह को आयु 24-26 वर्ष वाले औपचारिक विवाह की आयु 24-26 वर्ष वाले ग्रुप मे, 4.80 प्रतिशत पुरूषो

की औपचारिक विवाह की आयु 28-30 वर्ष वाले ग्रुप मे तथा 2.53 प्रतिशत पुरूषो की औपचारिक विवाह की आयु 30 तथा इससे अधिक वर्ष वाले ग्रुप मे हुआ था ।

सारिणी संख्या—15

पुरूष प्रतिवादियो के पत्नियो के औपचारिक विवाह की आयु के अनुसार वितरण ।

पत्नियो की औपचारिक विवाह की आयु (वर्षों मे)	पुरूषो की संख्या	प्रतिशत
12 से कम	100	8.72
12-14	160	13.96
14-16	224	19.55
16-18	238	20.77
18-20	204	17.80
20-22	114	9.95
22-24	72	6.28
24 तथा इससे अधिक	34	2.97
योग :	1146	100

उपर्युक्त सारणी के अनुसार 1146 विवाहित पुरुषों में से, 100 पुरुषों की पत्नियों की औपचारिक विवाह की आयु 12 वर्ष से कम, 160 पत्नियों की औपचारिक विवाह की आयु 12-14 वर्ष वाले ग्रुप में, 224 पत्नियों की औपचारिक विवाह की आयु 14-16 वर्ष वाले ग्रुप में, 238 पत्नियों की औपचारिक विवाह की आयु 16-18 वर्ष वाले ग्रुप में, 204 पत्नियों की औपचारिक विवाह की आयु 18-20 वर्ष वाले ग्रुप में, 114 पत्नियों की औपचारिक विवाह की आयु 20-22 वर्ष वाले ग्रुप में, 72 पत्नियों की औपचारिक विवाह की आयु 22-24 वर्ष वाले ग्रुप में तथा 34 पत्नियों की औपचारिक विवाह की आयु 24 वर्ष तथा अधिक वर्ष वाले ग्रुप में हुआ है ।

इस प्रकार प्रतिशतानुसार विश्लेषण यह दर्शाता है कि कि 8.72 प्रतिशत पुरुषों की पत्नियों की औपचारिक विवाह की आयु 12 वर्ष से कम वाले ग्रुप में, 13.96 प्रतिशत पत्नियों की औपचारिक विवाह की आयु 12-14 वर्ष वाले ग्रुप में, 19.55 प्रतिशत पत्नियों की औपचारिक विवाह की आयु 14-16 वर्ष वाले ग्रुप में, 20.77 प्रतिशत पत्नियों की औपचारिक विवाह की आयु 16-18 वर्ष वाले ग्रुप में, 17.80 प्रतिशत पत्नियों की औपचारिक विवाह की आयु 18-20 वर्ष वाले ग्रुप में, 9.95 प्रतिशत पत्नियों की औपचारिक विवाह की आयु 20-22 वर्ष वाले ग्रुप में, 6.28 प्रतिशत पत्नियों की औपचारिक विवाह की आयु 22-24 वर्ष वाले ग्रुप में

तथा 2.97 प्रतिशत पत्नियो की औपचारिक विवाह की आयु 24 तथा अधिक वर्ष वाले ग्रुप मे था ।

सारिणी संख्या 16

पुरुष प्रतिवादियो का विवाह की आयु के अनुसार वितरण ।

पुरुषो की विवाह की आयु (वर्षों मे)	पुरुषो की संख्या	प्रतिशत
12 से कम	4	0.35
12-14	4	0.35
14-16	33	2.88
16-18	82	7.16
18-20	208	18.15
20-22	309	26.96
22-24	222	19.37
24-26	167	14.57
26-28	55	4.80
28-30	33	2.88
30 व अधिक	29	2.53
योग	1146	100

प्रयुक्त सारणी के अनुसार 1146 पुरूष प्रतिभागियों में 4 पुरूषों के विवाह की आयु 12 वर्ष से कम वाले ग्रुप में, 4 पुरूषों की विवाह की आयु 12-14 वर्ष वाले ग्रुप में, 33 पुरूषों की विवाह की आयु 14-16 वर्ष वाले ग्रुप में, 82 पुरूषों की विवाह की आयु 16-18 वर्ष वाले ग्रुप में, 208 पुरूषों की विवाह की आयु 18-20 वर्ष वाले ग्रुप में ,309 पुरूषों की विवाह की आयु 20-22 वर्ष वाले ग्रुप में, 222 पुरूषों की विवाह की आयु 22-24 वर्ष वाले ग्रुप में, 167 पुरूषों की विवाह की आयु 24-26 वर्ष वाले ग्रुप में, 55 पुरूषों की विवाह की आयु 26-28 वर्ष वाले ग्रुप में, 33 पुरूषों की विवाह की आयु 28-30 वर्ष वाले ग्रुप में तथा 29 पुरूषों की विवाह की आयु 30 तथा उससे अधिक वर्ष वाले ग्रुप में थी ।

इस प्रकार प्रतिशतानुसार विश्लेषण यह दर्शाता है कि 0.35 प्रतिशत पुरूषों का विवाह 12 से कम वर्ष वाले ग्रुप में, 0.35 प्रतिशत पुरूषों का विवाह 12-14 वर्ष वाले ग्रुप में 2.88 प्रतिशत पुरूषों का विवाह 14-16 वर्ष वाले ग्रुप में, 7.16 प्रतिशत पुरूषों का विवाह 16-18 वर्ष वाले ग्रुप में, 18-15 प्रतिशत पुरूषों का विवाह 18-20 वर्ष वाले ग्रुप में, 26.96 प्रतिशत पुरूषों का विवाह 20-22 वर्ष वाले ग्रुप में, 19.37 प्रतिशत पुरूषों का विवाह 22-24 वर्ष वाले ग्रुप में, 14.57 प्रतिशत पुरूषों का विवाह 24-26 वर्ष वाले ग्रुप में,4.80 पुरूषों का विवाह 26-28 वर्ष वाले ग्रुप में, 2.88 प्रतिशत पुरूषों का विवाह 28-30 वर्ष वाले ग्रुप में, तथा 2.53 प्रतिशत पुरूषों का विवाह 30 तथा उससे अधिक वर्ष वाले ग्रुप में था ।

सारिणी संख्या --17

पुरूष प्रतिवादियो के पत्नियो की विवाह-आयु के अनुसार वितरण ।

पत्नियो की विवाह आयु (वर्षों मे)	पुरूषो की संख्या	प्रतिशत
12 से कम	93	8.12
12-14	156	13.61
14-16	221	19.28
16-18	247	21.55
18-20	207	18.06
20-22	115	10.04
22-24	73	6.37
24 व इससे अधिक	34	2.97
योग	1146	100

उपर्युक्त सारणी मे 1146 पुरूषो की पत्नियो मे से, 93 पत्नियो की विवाह आयु 12 से कम वर्ष वाले ग्रुप मे, 156 पत्नियों की विवाह आयु 12-14 वर्ष वाले ग्रुप मे, 221 पत्नियो की विवाह आयु 14-16 वर्ष वाले ग्रुप मे, 247 पत्नियो की विवाह आयु 16-18 वर्ष वाले ग्रुप मे,

207 पत्नियों की विवाह आयु 18-20 वर्ष वाले ग्रुप में, 115 पत्नियों की विवाह आयु 20-22 वर्ष वाले ग्रुप में, 73 पत्नियों की विवाह आयु 22-24 वर्ष वाले ग्रुप में, तथा 34 पत्नियों की विवाह आयु 24 तथा इससे अधिक वर्ष वाले ग्रुप में था ।

इस भाँति प्रतिशतानुसार विश्लेषण से यह स्पष्ट होता है कि 8.12 प्रतिशत पुरुषों की पत्नियों का विवाह 12 से कम वर्ष वाले ग्रुप में हुआ था । 13.61 प्रतिशत पत्नियों की विवाह-आयु 12-14 वर्ष वाले ग्रुप में, 19.28 प्रतिशत पत्नियों की विवाह आयु 14-16 वर्ष वाले ग्रुप में में, 21.55 प्रतिशत पत्नियों की विवाह आयु 16-18 वर्ष वाले ग्रुप में, 18.06 प्रतिशत पत्नियों की विवाह आयु 18-20 वर्ष वाले ग्रुप में, 10.04 प्रतिशत पत्नियों की विवाह आयु 20-22 वर्ष वाले ग्रुप में, 6.37 प्रतिशत पत्नियों की विवाह आयु 22-24 वर्ष वाले ग्रुप में तथा 2.97 प्रतिशत पत्नियों की विवाह आयु 24 व इससे अधिक वर्ष वाले ग्रुप में थी ।

अध्याय -3

अध्ययनार्थ प्राक्य

प्रस्तुत अध्ययन " इलाहाबाद नगर में वैवाहिक आयु " पर शोध करने के लिये एक प्रयास है उसके अन्तर्गत वैवाहिक आयु को प्रभावित करने वाले सभी प्रकार के सामाजिक आर्थिक तथा जनांकिकी कारणो एवं वैवाहिक आयु से प्रभावित होने वाले सभी प्रकार के समाजिक आर्थिक तथा जनांकिकी पहलुओ पर अध्ययन किया गया है । जिन तथ्यो का अध्ययन करना महत्वपूर्ण समझा गया वे निम्न प्रकार है ।

1- ग्रमीण एवं नगरी पृष्टभूमि

2- धर्म

3- जाति

4- पुरूष की शिक्षा

5- स्त्री की शिक्षा

6- पुरूष का व्यवसाय

7- पुरूष के पिता का व्यवसाय

8- पुरूष के पत्नि के पिता का व्यवसाय

9- मासिक आय

10- किस सन् में पुरुष का विवाह हुआ ।

11- किस सन् में पत्नी का विवाह हुआ ।

12- जिन्होंने सन्तानोत्पादन कार्य पूरा कर लिया है उनके पैदा हुये बच्चों की संख्या

13- विवाह के कितने वर्ष बाद प्रथम बच्चा पैदा हुआ ।

14- शैशव काल में मरे हुये बच्चों की संख्या

15- प्रसव अवस्था में मृत ~~बच्चा~~ शिशुओं की संख्या ।

16- दम्पति द्वारा परिवार नियोजन के किसी विधि का वर्तमान समय में प्रयोग ।

17- दम्पति द्वारा परिवार नियोजन के किसी विधि का कभी भी प्रयोग

18- विवाह के कितने वर्ष बाद प्रथम बच्चा पैदा होना चाहिये ।

उपर्युक्त घटकों का सम्बन्ध वैवाहिक आयु से स्थापित करने का हर संभव प्रयास हुआ । यह ज्ञात करना ~~[illegible]~~ का प्रयत्न हुआ है कि वैवाहिक आयु को कौन कौन से घटक किसी सीमा तक प्रभावित करते है तथा कौन कौन से घटकों पर वैवाहिक आयु का प्रभाव किसी सीमा तक पड़ता है । प्रस्तुत अध्ययन के लिये जो प्रश्नोत्तरी पत्रक प्रयोग में लायी गयी है उसका प्रारूप ~~निम्न~~ निम्न है ।

प्रश्नोत्तरी पत्रक

1- नाम

2- स्थानीय पता

3- स्थायी पता

पति	पत्नी

4- आयु (वर्षों में)

5- शिक्षा

6- धर्म

7- जाति

8- व्यवसाय

9- औपचारिक विवाह
की आयु (वर्षों में)

10- विवाह की आयु (वर्षों में)

11- एक से अधिक विवाह करने कारण

- तलाक
- मृत्यु
  - प्रथम अवस्था
  - बाद में

12- पुरूषों के पिता का व्यवसाय

13- पुरूषों के पत्नी के पिता का व्यवसाय

14- कुल मासिक आय (रूपयों में)

15- पैदा हुए बच्चों का लेखा जोखा

स्त्री -पुरूष	जन्म तिथि	शैशव काल में मरे हुये बच्चों की संख्या

16- विवाह के कितने वर्षों बाद प्रथम बच्चा पैदा होना चाहिये ।

(i) जितना जल्दी संभव हो ।

(ii) विवाह के कुछ समय बाद

अस्पष्ट उत्तर   कितने वर्षों बाद

17- दम्पति द्वारा परिवार नियोजन के किसी भी विधि का चालू समय में प्रयोग । हाँ / नहीं /

18- दम्पति द्वारा परिवार नियोजन के किसी भी विधि का कभी भी प्रयोग । हाँ / नहीं ।

अध्याय -4

क्षेत्र का सर्वेक्षण

क्षेत्र सर्वेक्षण का कार्य 15 अप्रैल सन् 1974 को आरम्भ किया जो कि मार्च सन् 1975 तक समाप्त हुआ । निदर्शन मे कुल 1212 कृषक थे । उपर्युक्त कृषको मे से केवल 1146 कृषको ने ही प्रश्नावली पत्रक के प्रश्नोत्तर दे कर मेरे कार्य मे सहयोग दिया । शेष 66 कृषको मे से 30 कृषको के निवास स्थान पर कई बार जाने पर भी उनसे भेंट न होने के कारण उनका सहयोग न प्राप्त हो सका । तथा अन्य 66 कृषको से सम्पर्क होने पर भी उन्होने प्रश्नावली का उत्तर देने से इनकार कर दिये । इस प्रकार सर्वेक्षण के काल मे 2.9 प्रतिशत लोगो ने प्रश्नावली का उत्तर देने से मुकर गये तथा 2.4 प्रतिशत लोगो से सम्पर्क नही हो पाया अन्य शेष 94.7 प्रतिशत लोगो ने प्रश्नावली का उत्तर दे कर हमारे कार्य मे सहयोग प्रदान किया

सर्वेक्षण का क्षेत्र 27 खण्डो मे विभक्त था । सर्वेक्षणकर्ता ने स्वत: प्रथम खण्ड से सत्ताइसवो खण्डो का सर्वेक्षण सम्पन्न किया । जिसके अन्तर्गत हमे 94.7 प्रतिशत कृषको से प्रश्नोत्तरी पत्रक की पूर्ति करने मे सहयोग मिला ।

सर्वेक्षण कार्य के सम्पादित होने में लगभग 11 माह लगा । इस विलम्बता के कई कारण थे । प्रथम कारण यह था कि मेरे पास आवागमन के साधनों में मात्र साइकिल ही थी जिसके द्वारा मै प्रतिवादियों से सम्पर्क स्थापित करता था । द्वितीय कारण यह था कि प्रातः का 9 बजे से पूर्व तथा सायं का 5 बजे के बाद ही प्रतिवादो से साक्षात्कार होना सम्भव होता था । अतः समयाभाव के कारण इस कार्य की प्रगति लाने में दोनो पक्ष में असमर्थता थी । तृतीय कारण यह था कि इलाहाबाद में गर्मी के ऋतु में भयंकर गर्मी सर्दी में अत्यधिक सर्दी तथा वर्षा काल में अधिक वर्षा के कारण सर्वेक्षण के निर्धारित कार्य में भी अवरोध पड़ जाता था । चतुर्थ कारण यह था कि बहुत से प्रतिवादियों के निवास स्थान पर कई बार जाने के उपरान्त ही उनसे भेंट हो पाती थी । उपर्युक्त कारणों से सर्वेक्षण में हमारी संभावना से अत्यधिक समय लग गया ।

सर्वेक्षण से यह स्पष्ट हो गया कि सैध्दान्तिक और व्यवहारिक ज्ञान में बहुत अन्तर है । साथ ही यह भी सिध्द हो गया कि सिध्दान्त के रूप में जो सत्य है वह व्यवहार मे सत्य हो भी सकता है और असत्य भी । अतः दोनो प्रकार की संभावनाएं समान भी हो सकती है । हमे सर्वेक्षण काल

में अनेक प्रकार के अनुभव हुए । सर्वेक्षण के समय में कभी तो हंसाने वाली, गमों हँसाने वाली, कभी आश्चर्य चकित करने वाली तथा कभी गम्भीरता से सोचने वाली स्थिति उत्पन्न हो जाती थी । विभिन्न प्रकार के व्यक्तियों से मिलने से विभिन्न प्रकार की मानव प्रवृत्तियों का अनुभव हुआ, जो कि बहुत ही आनन्ददायक रहा । सर्वेक्षण काल में जो अनुभव हुआ , उसका उल्लेख निम्न प्रकार है :-

एक बेरोजगार मुस्लिम धर्म के अनुयायी स्नातक युवक ने प्रश्नोत्तरी पत्रक का उत्तर देना अस्वीकार कर दिया और उसका व्यवहार ऐसा था जैसा एक अनपढ़ व्यक्ति भी न करता होगा । जिससे यह स्पष्ट हुआ कि शिक्षित व्यक्ति भी संकुचित विचारधारा के कारण समष्ठिभावी विचारों के अनुसंधान में सहयोग प्रदान नहीं कर सकता है ।

हिन्दू धर्म के अनुयायी एवं पुराने विचार धारा के पंडित जी से मिलने पर उन्होंने प्रश्नोत्तरी पत्रक के उत्तर देते हुये प्रश्न किया। वह प्रश्न इस प्रकार था मेरे परिवार में उत्पन्न हुए कुल बच्चों की संख्या पूछने का

क्या प्रयोजन है । इस पर मैंने उन्हें स्पष्टतः बताया कि मैं यह अध्ययन करना चाहता हूँ कि विवाह की आयु और पैदा हुए कुल बच्चों की संख्या में कोई सह- सम्बन्ध है या नहीं । अर्थात- विवाह की आयु में जैसे जैसे वृध्दि होती जाती है पैदा हुए कुल बच्चों की संख्या घटती है या पूर्ववत हो रहती है । इस पर उन्होंने कहा कि विवाह की आयु और कुल पैदा हुए बच्चों की संख्या में कोई सह-सम्बन्ध नहीं है क्यों कि बच्चे तो भगवान की देन है । मैंने उन्हें इस प्रकार समझाया कि यदि कम उम्र में कन्या का विवाह हो जाता है तो उसकी प्राजनन की अवधि बढ़ जाती है और अधिक उम्र पर विवाह होता है तो प्रजनन की अवधि- अपेक्षाकृत घट जाती है । अतः कन्या का विवाह अधिक उम्र पर करने पर अपेक्षाकृत कम सन्तान उत्पन्न होने की सम्भावना रहती है । पंडित जी अब बोले, भारतीय धर्म -शास्त्रों के अनुसार कन्या का पाणिग्रहण संस्कार रजस्वला होने के पूर्व ही हो जाना चाहिए अन्यथा उसके माता -पिता नरकगामी होते हैं । इस सन्दर्भ में उनका यह श्लोक महत्वपूर्ण है :-

"अष्ट वर्षा भवेद्गौरी नव वर्षा च रोहिणी । दशमा अर्म भवेत्कन्या तत् ऊर्ध्वं रजस्वला।।"

(1) उपर्युक्त तर्कों से यह प्रतिपादित होता है कि पुराने विचारधारा के पंडित जो आज के युग में कन्यों के रजस्वला होने से पूर्व ही विवाह करने के पक्ष में है एवं बच्चों को भगवान् की देन मानते है ।

जब मै एक अशिक्षित हरिजन से प्रश्नोत्तरी पत्रक के उत्तर पूछ रहा था तो उसने पैदा हुए कुल बच्चों को संख्या को बताने से इनकार कर दिया । वह मन ही मन भयभीत हो रहा था कि मै कही उसके बच्चों की संख्या सरकार को सूचित न कर दूँ और उसकी नसबन्दी कर दी जाय क्योंकि उस समय . नसबन्दी का बोलबाला चर्मोत्कर्ष पर था । जब मै उसको भलीभाँति समझाया कि यह मात्र व्यक्तिगत अनुसंधान के लिये ही पूछ रहा हूँ । मेरी बातों से संतुष्ट होने पर उसने अपने बच्चों की कुल संख्या को बताया । जिससे यह ज्ञात हुआ कि बलात नसबंन्दी के भय से अशिक्षित

जनता प्रश्नोत्तरी पत्रक का उत्तर देने में भयभीत हो रही थी। इस प्रकार यह निष्कर्ष निकला कि शान्ति पूर्ण वातावरण में ही प्रश्नोत्तरी पत्रक की पूर्ति में जनता का पूर्ण सहयोग मिल जाता है। अतः अनुसंधान कर्त्ता को इस कार्य के सम्पादन के लिये भयोनिर्भय वातावरण आवश्यक है। यदि शांतिमय वातावरण नहीं है तो आंकड़े में अशुध्दि की संभावना अधिक रहती है।

एक केन्द्र में कार्य करने वाले सज्जन के घर दो बार गया लेकिन उनसे भेंट नहीं हुई, दोनों ही बार उनकी पत्नी ने उत्तर दिया कि वे घर पर नहीं है। जब तीसरी बार उनसे भेंट हुई तो प्रश्नावली का उत्तर देना तो दूर रहा, उन्होंने कहा कि भविष्य में आप मेरे यहाँ आने का कष्ट न करेगें। मुझे व्यर्थ की बातों में पड़ने का अवकाश नहीं है। जिससे यह स्पष्ट होता है कि अनुसंधान को कुछ लोग व्यर्थ का कार्य भी कह सकते है। तथा अनुसंधानकर्त्ता को हतोत्साहित भी कर जाते है।

लेकिन कुछ व्यक्ति ऐसे भी मिले जो प्रश्नोत्तरी पत्रक की पूर्ति सहानुभूति पूर्वक कराई। साथ ही अनुसन्धान कार्य के लिये हमे उनसे प्रोत्साहन भी मिला। इन व्यक्तियों में से अधिकांश शिक्षक तथा वकील थे। प्रो० जे० के० मेहता से जिस भाँति हमें प्रोत्साहन मिला वह अकथनीय है।

जिन व्यक्तियों ने प्रश्नोत्तरी पत्रक की पूर्ति कराने में भली भाँति सहयोग दिया उनमें से अधिकांश शिक्षित तथा व्यवहार कुशल व्यक्ति थे। उसके साथ ही साथ जिन व्यक्तियों ने प्रश्नोत्तरी पत्रक की पूर्ति कराना स्वीकार नहीं किया उनमें से अधिकांश अशिक्षित या संकुचित विचार धारा के लोग थे।

इस प्रकार यह ज्ञात हुआ कि बहुत ही थोड़े व्यक्ति जिन्होंने प्रश्नोत्तरी पत्रक का उत्तर नहीं दिये, उनके अतिरिक्त अधिकांश व्यक्तियों का सहयोग सदैव मिलता रहा। भले ही प्रश्नोत्तरी पत्रक का उत्तर लेने के लिये उनके निवास स्थान पर अनेक बार जाने पड़ा हो, या उनका समझाने में अधिक समय लगा हो या निवास स्थान ढूँढने में अधिक परेशानी उठानी पड़ी हो। अन्तत: सर्वेक्षण कार्य बहुत ही आनन्ददायक रहा। सर्वेक्षण करने से यह ज्ञात हुआ कि सर्वेक्षणकर्त्ता को धैर्यवान, व्यवहार कुशल तथा क्षेत्र की रीति-रिवाजों से भली भाँति परिचित होना चाहिए। इसके साथ ही साथ प्रश्नोत्तरी पत्रक को पूर्ति करने का काल सामान्य रूपेण शान्तिपूर्ण होना आवश्यक है।

अध्याय - 5

उपलब्धियाँ

नगर एवं ग्रामीण पृष्ठ भूमि

प्रस्तुत शीर्षक के अन्तर्गत ग्रामीण एवं नगर क्षेत्र का प्रभाव पुरुष प्रतिवादियों एवं उनकी पत्नियों की विवाह आयु पर क्या पड़ता है यह ज्ञात करने का यत्न किया गया है। जिसके लिए सर्वप्रथम न्यादर्श में उपलब्ध पुरुष प्रतिवादी जिनका स्थायी निवास स्थान नगर या ग्रामीण क्षेत्र था उनका अलग-अलग विभाजन करके अध्ययन प्रारम्भ किया गया है । ग्रामीण क्षेत्र के पुरुषों एवं उनकी पत्नियों की अलग-अलग विवाह आयु तथा उनके विवाह-आयु के बीच कोई सह-सम्बन्ध है या नहीं इसकी जानकारी प्राप्त करने का भी प्रयत्न किया गया है । तदुपरान्त नगर क्षेत्र के पुरुषों एवं उनकी पत्नियों का अलग - अलग विवाह-आयु तथा उनके विवाह-आयु के बीच सह सम्बन्ध गुणांक निकालने का यत्न किया गया है ।

ग्रामीण एवं नगर क्षेत्र के पुरुषों एवं उनकी पत्नियों की विवाह-आयु का तुलनात्मक अध्ययन पृथक - पृथक मिश्रित पुरुषों एवं उनकी पत्नियों की विवाह आयु के परिप्रेक्ष्य में किया गया है । साथ ही मिश्रित पुरुषों एवं उनकी पत्नियों की विवाह-आयु के मध्य सह-सम्बन्ध गुणांक निकाल कर, ग्रामीण एवं नगर क्षेत्र के पुरुषों एवं उनकी पत्नियों के बीच निकाले गये सह-सम्बन्ध गुणांक से तुलनात्मक रूप से अध्ययन किया गया है ।

सारिणी संख्या - 18

ग्रामोत्पन्न पुरुष प्रतिवादियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण

पुरुषों की विवाह आयु (वर्षों में)	पुरुषों की संख्या	प्रतिशत
12 से कम	1	0.49
12 - 14	3	1.46
14 - 16	15	7.32
16 - 18	27	13.17
18 - 20	45	21.95
20 - 22	51	24.88
22 - 24	31	15.12
24 - 26	20	9.76
26 - 28	5	2.44
28 - 30	3	1.46
30 व अधिक	4	1.95
योग :	205	100

यह सारिणी पुरुष प्रतिवादी के जन्म स्थान के अनुसार निर्मित की गयी है। इसमें केवल ग्राम्य उत्पन्न व्यक्ति ही हैं।

प्रस्तुत न्यादर्श में ग्राम्य में उत्पन्न 205 पुरुष हैं।

ग्राम्य में उत्पन्न 205 पुरुष प्रतिवादियों का वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण इस प्रकार मिला है कि कुल 205 में से 1(0.49प्रतिशत) 3(1.46 प्रतिशत), 15 (7.32 प्रतिशत), 27 (13.17 प्रतिशत) 45(21.95 प्रतिशत), 51 (24.88)प्रतिशत), 31(15.12प्रतिशत) 20 (9.76 प्रतिशत), 5(2.44 प्रतिशत), 3 (1.46 प्रतिशत) तथा 4 (1.95 प्रतिशत) का विवाह क्रमशः 12 से कम, (12-14), (14-16), (16-18), (18-20), (20-22), (22-24), (24-26), (26-28), (28-30) तथा 30 व अधिक आयु वाले ग्रुप में हुआ था।

इस वर्ग के न्यादर्श के पुरुषों में ऐसे लगभग नगण्य हैं जिनका विवाह 12 वर्ष से पूर्व की आयु में हुआ हो। इसमें ऐसे व्यक्तियों का सबसे बड़ा समूह है जिनका विवाह (20-22) वर्ष की आयु वाले ग्रुप में हुआ है। इन व्यक्तियों का अनुपात 24.88 प्रतिशत है। यह स्मरणीय है कि इस ग्रुप से कम आयु वाले ग्रुपों में विवाह करने वालों का अनुपात, इससे अधिक आयु वाले ग्रुपों में विवाह करने वालों के अनुपात से अधिक है। यह अनुपात क्रमशः 44.39 प्रतिशत तथा 30.73 प्रतिशत है।

उपर्युक्त सारिणी से यह स्पष्टतः प्रदर्शित होता है कि लगभग तीन चौथाई व्यक्तियों का विवाह 22 वर्ष से पूर्व एवं लगभग एक चौथाई व्यक्तियों का विवाह 22 वर्ष व अधिक आयु में हुआ है। ग्राम्योत्पन्न व्यक्तियों की वैवाहिक आयु का भूयिष्ठक 20.46 वर्ष है।

सारिणी संख्या - 19

ग्रामोत्पन्न पुरुष प्रतिवादियों की पत्नियों का वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण

पत्नियों की विवाह आयु (वर्षों में)	पुरुषों की संख्या	प्रतिशत
12 से कम	25	12.19
12- 14	31	15.12
14 - 16	50	24.40
16 - 18	45	21.95
18 - 20	32	15.61
20 - 22	19	9.27
22 - 24	2	0.97
24 व अधिक	1	0.49
योग :	205	100

यह सारिणी पुरुष प्रतिवादि के जन्मस्थान के अनुसार प्रस्तुत की गई है । इसमें केवल गाँव में उत्पन्न व्यक्ति ही सम्मिलित है ।

सम्प्रति निदर्शन में गाँव में उत्पन्न हुए 205 व्यक्ति ही हैं ।

गाँव में उत्पन्न हुए 205 पुरुष प्रतिवादियों की पत्नियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण इस प्रकार है कि 25(12.19 प्रतिशत)

31(15.12 प्रतिशत), 50(24.40 प्रतिशत), 45(21.95 प्रतिशत) 32(15.61 प्रतिशत), 19(9.27 प्रतिशत), 2(0.97 प्रतिशत) तथा 1(0.49 प्रतिशत) पुरुषों की पत्नियों का विवाह क्रमशः 12 से कम, (12-14), (14-16), (16-18), (18-20), (20-22), (22-24), तथा 24 से अधिक आयु वाले ग्रुप में हुआ था।

इस वर्ग के न्यादर्श के पुरुषों की पत्नियों में से ऐसी महिलाएँ लगभग नगण्य हैं जिनका विवाह 22 वर्ष व अधिक की आयु में हुआ है। इनका अनुपात 1.46 प्रतिशत है। सबसे बड़ा समूह ऐसे व्यक्तियों का है जिनकी पत्नियों का विवाह (14-16 वर्ष) की आयु वाले ग्रुप में हुआ है। इनका अनुपात 24.39 प्रतिशत है। यह स्मरणीय है कि इस ग्रुप से कम आयु वाले ग्रुपों में विवाह करने वाली महिलाओं का अनुपात, इससे अधिक आयु वाले ग्रुपों में विवाह करने वाली महिलाओं के अनुपात से कम है। यह अनुपात क्रमशः 27.32 प्रतिशत तथा 48.29 प्रतिशत है।

इस तालिका से यह स्पष्टतः है कि लगभग आधे व्यक्तियों की पत्नियों का विवाह 16 वर्ष से पूर्व तथा आधे व्यक्तियों की पत्नियों का विवाह 16 व अधिक आयु में हुआ है। गाँव में उत्पन्न व्यक्तियों की पत्नियों की वैवाहिक आयु का मध्यिका 15.58 वर्ष है।

सारिणी संख्या - 20

ग्राम्योत्पन्न पुरुष प्रतिवादियों तथा उनकी पत्नियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण

पुरुषों की विवाह आयु (वर्षों में)/ पत्नियों की विवाह आयु (वर्षों में)	12 से कम	12-14	14-16	16-18	18-20	20-22	22-24,	24-26,	26-28,	28-30	30 से ऊपर	टोटल
12 से कम	1	3	7	5	2	3	2	1			1	25
12-14			4	6	14	2	3	2				31
14-16			3	13	13	15	3	1	1		1	50
16-18				3	12	16	8	3	1	1	1	45
18-20			1		4	13	3	8	1	2		32
20-22						2	12	3	2			19
22-24								2				2
24-26											1	1
टोटल	1	3	15	27	45	51	31	20	5	3	4	205

यह सारिणी पुरुष प्रतिवादी के जन्म-स्थान के अनुसार प्रस्तुत की गई है। इसमें केवल गांव में उत्पन्न व्यक्ति ही हैं।

प्रस्तुत निदर्शन में ग्राम्योत्पन्न 205 व्यक्ति ही हैं।

गांव में उत्पन्न 205 पुरुष प्रतिवादियों तथा उनकी पत्नियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण इस सारिणी में प्रस्तुत किया गया है। इस सारिणी से यह

प्रतीत होता है कि गाँव वाले पुरुषों तथा उनकी पत्नियों की वैवाहिक आयु में परिवर्तन एक ही दिशा में हो रहा है या विपरीत दिशा में हो रहा है । इसके लिए कार्ल पियर्सन की सह-सम्बन्ध गुणांक विधि प्रयुक्त की गई है । जिसका सूत्र निम्नलिखित है ।

$$r = \frac{n\sum f.dx.dy - (\sum f.dx)(\sum f.dy)}{\sqrt{\sum f.dx^2 \times n - (\sum f.dx)^2}\sqrt{\sum f.dy^2 \times n - (\sum f.dy)^2}}$$

इस सूत्र से निष्कासित सह-सम्बन्ध गुणांक +0.848 है । अर्थात उच्च श्रेणी का धनात्मक सह-सम्बन्ध है । जिससे यह स्पष्ट होता है कि गाँव वाले पुरुषों की वैवाहिक आयु की वृद्धि के साथ ही साथ उनकी पत्नियों की वैवाहिक आयु में भी वृद्धि होती है ।

सारिणी संख्या - 21

नगर में उत्पन्न पुरुषों प्रतिवादियों की वैवाहिक आयु के अनुसार

वितरण

पुरुषों की विवाह-आयु (वर्षों में)	पुरुषों की संख्या	प्रतिशत
12 से कम	3	0.32
12- 14	1	0.10
14- 16	18	1.91
16- 18	55	5.85
18- 20	163	17.32
20- 22	258	27.42
22-24	191	20.30
24-26	147	15.62
26-28	50	5.31
28- 30	30	3.19
30 से अधिक	25	2.66
योग :	941	100

यह सारिणी पुरुष प्रतिवादी के जन्म-स्थान के अनुसार उपलब्ध है । इसमें मात्र नगर में उत्पन्न व्यक्ति ही हैं ।

कम्प्रति स्यादर्श में 941 व्यक्तियों का जन्म नगर में हुआ है।

नगर में उत्पन्न 941 पुरुष प्रतिवादियों का वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण इस प्रकार है कि 941 व्यक्तियों में 3(0.32 प्रतिशत), 1(0.10)प्रतिशत), 18 (1.91 प्रतिशत), 55(5.58 प्रतिशत), 163(17.32 प्रतिशत), 258 (27.42 प्रतिशत), 191(20.30प्रतिशत), 147(15.62 प्रतिशत), 50(5.31 प्रतिशत), 30(3.19) प्रतिशत) तथा 25(2.66 प्रतिशत) का विवाह क्रमशः 12 से कम, (12-14), (14-16), (16-18), (18-20), (20-22), (22-24), (24-26), (26-28), (28-30) तथा 30 से अधिक आयु वाले ग्रुप में हुआ था।

इस वर्ग के स्यादर्श के पुरुषों में से ऐसे व्यक्ति लगभग नगण्य हैं जिनका विवाह 14 वर्ष से पूर्व की आयु में हुआ है। सबसे बड़ा समूह ऐसे व्यक्तियों का है जिनका विवाह (20-22 वर्ष) की आयु वाले ग्रुप में हुआ है। इनका अनुपात 27.42 प्रतिशत है। यह स्मरणीय है कि इस ग्रुप से कम आयु वाले ग्रुपों में विवाह करने वालों का अनुपात इससे अधिक आयु वाले ग्रुपों में विवाह करने वालों के अनुपात से कम है। यह अनुपात क्रमशः 25.50 प्रतिशत तथा 47.08 प्रतिशत है।

इस सारिणी से यह स्पष्ट होता है कि लगभग आधे व्यक्तियों का विवाह 22 वर्ष से पूर्व तथा आधे व्यक्तियों का विवाह 22 वर्ष व अधिक की आयु में हुआ है । नगर में उत्पन्न हुए व्यक्तियों की वैवाहिक - आयु का भूयिष्ठक 21.17 वर्ष है ।

सारिणी संख्या - 22

शहर में उत्पन्न पुरुष प्रतिवादियों की पत्नियों का वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण

पुरुषों की पत्नियों के विवाह की आयु वर्षों में	पुरुषों की संख्या	प्रतिशत
12 से कम	68	7.22
12- 14	125	13.28
14 - 16	171	18.17
16 - 18	202	21.46
18 - 20	175	18.60
20- 22	96	10.21
22 - 24	71	7.55
24 व उससे अधिक	33	3.51
योग	941	100

यह सारिणी पुरुष प्रतिवादी के जन्म-स्थान के अनुसार निर्मित है। इसमें मात्र नगर में उत्पन्न व्यक्ति ही हैं।

प्रस्तुत निदर्शन में 941 पुरुषों का जन्म शहर में हुआ था ।

शहर में उत्पन्न 941 पुरुष प्रतिवादियों की पत्नियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण इस प्रकार है कि 941 पुरुषों में 68(7.22 प्रतिशत), 125(13.28 प्रतिशत), 171 (18.17 प्रतिशत), 202(21.46 प्रतिशत), 175(18.69 प्रतिशत) तथा 96(10.21 प्रतिशत), 71(7.55 प्रतिशत) तथा 33 (3.51 प्रतिशत) क्रमशः पुरुषों की पत्नियों का विवाह क्रमशः 12 से कम, (12-14), (14-16), (16-18), (18-20), (20-22), (22-24), तथा 24 व अधिक आयु वाले ग्रुप में हुआ था ।

इस वर्ग के उत्तरदाता के पुरुषों की पत्नियों में ऐसी महिलाएँ लगभग नगण्य हैं जिनकी कि विवाह 24 व इससे अधिक आयु में हुआ है । इनका अनुपात 3.51 प्रतिशत है । सबसे बड़ा समूह ऐसे पुरुषों का है जिनकी पत्नियों का विवाह (16-18 वर्ष) की आयु वाले ग्रुप में हुआ है । यह स्मरणीय है कि इस ग्रुप से कम आयु वाले ग्रुपों में विवाह करने वाली महिलाओं का अनुपात, इससे अधिक वर्ष की आयु वाले ग्रुपों में विवाह करने वाली महिलाओं के अनुपात से अधिक है । यह अनुपात क्रमशः 38.67 प्रतिशत तथा 39.87 प्रतिशत है ।

इस तालिका से यह स्पष्ट है कि लगभग 60 प्रतिशत पुत्रों की पत्नियों का विवाह 18 वर्ष से पूर्व की आयु में तथा लगभग 40 प्रतिशत पुत्रों की पत्नियों का विवाह 18 वर्ष व इससे अधिक आयु में हुआ है । शहर में उत्पन्न पुत्रों की पत्नियों की वैवाहिक - आयु का मूयिष्ठक 17.06 वर्ष है ।

सारिणी संख्या नं० - 23

नगर में उत्पन्न पुरुषों एवं उनकी पत्नियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण

पुरुषों की विवाह आयु वर्षों में / पुरुषों की स्त्रियों की विवाह आयु वर्षों में	12 से कम	12-14	14-16	16-18	18-20	20-22	22-24	24-26	26-28	28-30	30+	टोटल
12 से कम	3	0	9	18	16	14	4	2	1	1		68
12- 14		1	6	18	50	26	18	2	2	1	1	125
14-16			3	16	52	69	15	10	4	1	1	171
16 - 18				2	39	90	59	3	5	1	3	202
18 - 20				1	6	58	70	31	4	2	3	175
20 - 22						1	22	52	15	4	2	96
22 - 24							2	45	12	6	6	71
24 व इससे अधिक							1	2	7	14	9	33
टोटल	3	1	18	55	163	258	191	147	50	30	25	941

यह सारिणी पुरुष प्रतिवादि के जन्म स्थान के अनुसार है। इसमें मात्र नगर में उत्पन्न हुए व्यक्ति की प्रविष्टि है।

सम्पूर्ण निदर्शन में 941 व्यक्तियों का जन्म शहर में हुआ है ।

शहर में उत्पन्न 941 पुरुष प्रतिवादियों तथा उनकी पत्नियों की वैवाहिक -आयु के अनुसार वितरण इस सारिणी में है । इस वर्ग के पुरुषों एवं उनकी पत्नियों की वैवाहिक -आयु का सह-सम्बन्ध गुणांक कार्ल पियर्सन के सह- सम्बन्ध गुणांक विधि द्वारा निकाला गया है । यह सह सम्बन्ध गुणांक + 0.6661 है । अर्थात मध्यम श्रेणी का धनात्मक सह-सम्बन्ध गुणांक है । जिससे यह स्पष्ट है कि नगर में उत्पन्न व्यक्तियों की वैवाहिक - आयु के साथ - साथ उनकी पत्नियों की वैवाहिक - आयु में भी परिवर्तन एक ही दिशा में हो रहा है ।

सारिणी संख्या - 24

गाँव एवं नगर में उत्पन्न पुरुष प्रत्यर्थियों का वैवाहिक आयु के अनुसार पृथक पृथक वितरण तथा मिश्रित रूप से उनका उनकी विवाह-आयु के अनुसार वितरण

	गाँव में उत्पन्न		नगर में उत्पन्न		मिश्रित	
पुरुषों की विवाह आयु (वर्षों में)	पुरुषों की संख्या	प्रतिशत	पुरुषों की संख्या	प्रतिशत	योग	प्रतिशत
12 से कम	1	0.49	3	0.32	4	0.35
12 - 14	3	1.46	1	0.10	4	0.35
14 - 16	15	7.32	18	1.91	33	2.88
16 - 18	27	13.17	55	5.85	82	7.16
18 - 20	45	21.95	163	17.32	208	18.15
20 - 22	51	24.83	258	27.42	309	26.96
22 - 24	31	15.12	191	20.30	222	19.37
24 - 26	20	9.76	147	15.62	167	14.57
26 - 28	5	2.44	50	5.31	55	4.80
28 - 30	3	1.46	30	3.19	33	2.88
30 व इससे अधिक	4	1.95	25	2.66	29	2.53
योग	205	100	941	100	1146	100

यह सारिणी यह दर्शाती है कि गाँव में उत्पन्न पुरुषों

का अनुपात 0.49 प्रतिशत है तथा नगर में उत्पन्न पुरुषों का अनुपात 0.32 प्रतिशत है जबकि इन दोनों प्रकार के व्यक्तियों के योग का अनुपात 0.35 प्रतिशत है जिनका विवाह 12 वर्ष के पूर्व आयु वाले ग्रुप में हुआ है । गाँव में उत्पन्न पुरुषों का अनुपात 1.46 प्रतिशत है तथा नगर में उत्पन्न हुए पुरुषों का अनुपात 0.10 प्रतिशत है जबकि इन दोनों प्रकार के व्यक्तियों के योग का अनुपात 0.35 प्रतिशत है जिनका विवाह (12-14 वर्ष) की आयु वाले ग्रुप में हुआ है । गाँव में उत्पन्न पुरुषों का अनुपात 7.32 प्रतिशत तथा नगर में उत्पन्न पुरुषों का अनुपात 1.91 प्रतिशत है जबकि इन दोनों प्रकार के व्यक्तियों के योग का अनुपात 2.38 प्रतिशत है जिनका विवाह (14- 16 वर्ष) की आयु वाले ग्रुप में हुआ है । गाँव में उत्पन्न पुरुषों का अनुपात 13.17 प्रतिशत तथा नगर में उत्पन्न पुरुषों का अनुपात 5.85 प्रतिशत है जबकि इन दोनों प्रकार के व्यक्तियों के योग का अनुपात 7.16 प्रतिशत है जिनका विवाह (16-18 वर्ष) की आयु वाले ग्रुप में हुआ है । गाँव में उत्पन्न पुरुषों का अनुपात 21.95 प्रतिशत एवं नगर में उत्पन्न पुरुषों का अनुपात 17.32 प्रतिशत है जबकि इन दोनों प्रकार के व्यक्तियों के योग का अनुपात 18.15 प्रतिशत है जिनका विवाह (18-20 वर्ष) की आयु वाले ग्रुप में हुआ है । गाँव में उत्पन्न पुरुषों का अनुपात 24.88 प्रतिशत तथा शहर में उत्पन्न पुरुषों का अनुपात 27.42 प्रतिशत है जबकि इन दोनों प्रकार के व्यक्तियों के योग का अनुपात 26.96

प्रतिशत है जिनका विवाह (20-22) वर्ष की आयु वाले ग्रुप में हुआ है । गाँव में उत्पन्न पुरुषों का अनुपात 15.12 प्रतिशत है एवं नगर में उत्पन्न पुरुषों का अनुपात 20.30 प्रतिशत है जबकि इन दोनों प्रकार के व्यक्तियों के योग का अनुपात 19.37 प्रतिशत है जिनका विवाह (22-24) वर्ष की आयु वाले ग्रुप में हुआ है । गाँव में उत्पन्न पुरुषों का अनुपात 9.76 प्रतिशत एवं नगर में उत्पन्न पुरुषों का अनुपात 15.62 प्रतिशत है जबकि इन दोनों प्रकार के व्यक्तियों के योग का अनुपात 14.57 प्रतिशत है जिनका विवाह (24-26) वर्ष की आयु वाले ग्रुप में हुआ है । गाँव मे उत्पन्न पुरुषों का अनुपात 2.44 प्रतिशत एवं नगर में उत्पन्न पुरुषों का अनुपात 5.31 प्रतिशत है जबकि दोनों प्रकार के व्यक्तियों के योग का अनुपात 4.80 प्रतिशत है जिनका विवाह (26-28) वर्ष की आयु वाले ग्रुप में हुआ है । गाँव में उत्पन्न पुरुषों का अनुपात 1.46 प्रतिशत एवं नगर में उत्पन्न पुरुषों का अनुपात 3.19 प्रतिशत है जबकि इन दोनों प्रकार के व्यक्तियों के योग का अनुपात 2.83 प्रतिशत है जिनका विवाह (28-30 वर्ष) की आयु वाले ग्रुप में हुआ है । गाँव में उत्पन्न पुरुषों का अनुपात 1.95 प्रतिशत एवं नगर में उत्पन्न पुरुषों का अनुपात 2.66 प्रतिशत है जबकि इन दोनों प्रकार के व्यक्तियों के योग का अनुपात 2.53 प्रतिशत है जिनका विवाह 30 व अधिक आयु वाले ग्रुप में हुआ है ।

इस सारिणी से यह स्पष्टतः प्रदर्शित होता है कि 12 वर्ष से पूर्व की वैवाहिक आयु वाले ग्रुप से लेकर 20-22 वर्ष) की वैवाहिक

आयु वाले ग्रुप तक विवाह करने वालों में गाँव में उत्पन्न व्यक्तियों का अनुपात, नगर में उत्पन्न व्यक्तियों के अनुपात से अधिक है। जबकि (22-24 वर्ष) की वैवाहिक-आयु वाले ग्रुप से लेकर 30 व अधिक की वैवाहिक-आयु वाले ग्रुपों में विवाह करने वालों में गाँव में उत्पन्न व्यक्तियों का अनुपात, नगर में उत्पन्न व्यक्तियों के अनुपात से कम है। इसके साथ ही साथ यह भी स्पष्ट है कि दोनों प्रकार के व्यक्तियों में 12 वर्ष से पूर्व की वैवाहिक-आयु वाले ग्रुप से लेकर (20-22 वर्ष) की वैवाहिक आयु वाले ग्रुप तक विवाह करने वालों का अनुपात क्रमशः वृद्धि पर है तथा इसके बाद क्रमशः घटते हुए 30 व अधिक की वैवाहिक आयु वाले ग्रुप तक घट रहा है। अतः स्पष्टतः शब्दों में यह कहा जा सकता है कि गाँव में उत्पन्न व्यक्तियों की वैवाहिक-आयु नगर में उत्पन्न व्यक्तियों की वैवाहिक-आयु से कम है। नगर में उत्पन्न व्यक्तियों की वैवाहिक आयु गाँव में उत्पन्न व्यक्तियों की वैवाहिक आयु से अधिक है। गाँव में उत्पन्न व्यक्तियों की वैवाहिक-आयु का मूल्यांक 20.46 वर्ष है और नगर में उत्पन्न व्यक्तियों की वैवाहिक आयु का मूल्यांक 21.17 वर्ष है, जबकि इन दोनों प्रकार के सम्मिलित व्यक्तियों की वैवाहिक आयु का मूल्यांक 21.07 वर्ष है।

सारिणी संख्या - 25

गाँव एवं नगर में उत्पन्न पुरुष प्रतिवादियों की पत्नियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण तथा इन दोनों प्रकार के सम्मिलित व्यक्तियों की पत्नियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण

पुरुषों की पत्नियों की विवाह आयु (वर्षों में)	गाँव में पैदा हुए		शहर में पैदा हुए		मिश्रित	
	पुरुषों की संख्या	प्रतिशत	पुरुषों की संख्या	प्रतिशत	योग	प्रतिशत
12 से कम	25	12.19	68	7.23	93	8.12
12-14	31	15.12	125	13.28	156	13.61
14 - 16	50	24.40	171	18.17	221	19.28
16 -18	45	21.95	202	21.46	247	21.55
18 - 20	32	15.61	175	18.60	207	18.06
20- 22	19	9.27	96	10.21	115	10.04
22 - 24	2	0.97	71	7.55	73	6.37
24 व उससे अधिक	1	0.49	33	3.51	34	2.97
योग	205	100	941	100	1146	100

यह सारिणी यह दर्शाती है कि गाँव में उत्पन्न पुरुषों की पत्नियों का अनुपात 12.19 प्रतिशत है और नगर में उत्पन्न पुरुषों की पत्नियों का अनुपात

7.23 प्रतिशत है, जबकि इन दोनों प्रकार के पुरुषों की पत्नियों का अनुपात 8.12 प्रतिशत है जिनका विवाह 12 वर्ष से पूर्व की आयु वाले ग्रुप में हुआ है। गाँव में उत्पन्न पुरुषों की पत्नियों का अनुपात 15.12 प्रतिशत और नगर में उत्पन्न पुरुषों की पत्नियों का अनुपात 13.28 प्रतिशत है। जबकि इन दोनों प्रकार के पुरुषों की पत्नियों का अनुपात 13.61 प्रतिशत है जिनका विवाह (12-14) वर्ष की आयु वाले ग्रुप में हुआ है। गाँव में उत्पन्न पुरुषों की पत्नियों का अनुपात 24.40 प्रतिशत है और नगर में उत्पन्न पुरुषों की पत्नियों का अनुपात 18.17 प्रतिशत है, जबकि इन दोनों प्रकार के सम्मिलित पुरुषों की पत्नियों का अनुपात 19.28 प्रतिशत है जिनका विवाह (14-16 वर्ष) की आयु वाले ग्रुप में हुआ है। गाँव में उत्पन्न पुरुषों की पत्नियों का अनुपात 21.95 प्रतिशत है और नगर में उत्पन्न पुरुषों की पत्नियों का अनुपात 21.46 प्रतिशत है, जबकि इन दोनों प्रकार के सम्मिलित पुरुषों की पत्नियों का अनुपात 21.55 प्रतिशत है जिनका विवाह (16 -18) वर्ष की आयु वाले ग्रुप में हुआ है। गाँव में उत्पन्न पुरुषों की पत्नियों का अनुपात 15.61 प्रतिशत है तथा नगर में उत्पन्न पुरुषों की पत्नियों का अनुपात 18.60 प्रतिशत है, जबकि इन दोनों प्रकार के सम्मिलित व्यक्तियों की पत्नियों का अनुपात 18.06 प्रतिशत है जिनका विवाह (18-20 वर्ष) की आयु वाले ग्रुप में हुआ है। गाँव में उत्पन्न पुरुषों की पत्नियों का अनुपात 9.27 प्रतिशत है और नगर में उत्पन्न पुरुषों की पत्नियों का अनुपात 10.21 प्रतिशत है, जबकि इन दोनों प्रकार के सम्मिलित पुरुषों की

पत्नियों का अनुपात 10.04 प्रतिशत है जिनका विवाह (20-2. वर्ष) की आयु वाले ग्रुप में हुआ है। गाँव में उत्पन्न पुरुषों की पत्नियों का अनुपात 0.57 प्रतिशत है और नगर में उत्पन्न पुरुषों की पत्नियों का अनुपात 7.55 प्रतिशत है, जबकि इन तीनों प्रकार के सम्मिलित पुरुषों की पत्नियों का अनुपात 5.37 प्रतिशत है जिनका विवाह (22-24 वर्ष) की आयु वाले ग्रुप में हुआ है। गाँव में उत्पन्न पुरुषों की पत्नियों का अनुपात 0.49 प्रतिशत है तथा नगर में उत्पन्न पुरुषों की पत्नियों का अनुपात 3.51 प्रतिशत है,- जबकि इन तीनों प्रकार के सम्मिलित पुरुषों की पत्नियों का अनुपात 2.97 प्रतिशत है जिनका विवाह (24 व अधिक) की आयु वाले ग्रुप में हुआ है।

इस सारिणी से यह स्पष्टतः प्रतीत होता है कि 12 वर्ष से पूर्व की वैवाहिक-आयु वाले ग्रुप से लेकर 16-18 वर्ष की वैवाहिक आयु वाले ग्रुप तक के विवाह करने वालों में गाँव में उत्पन्न पुरुषों की पत्नियों का अनुपात नगर में उत्पन्न पुरुषों की पत्नियों के अनुपात से अधिक है जबकि (18-20 वर्ष) की वैवाहिक आयु वाले ग्रुप से लेकर (24 व अधिक) की वैवाहिक-आयु वाले ग्रुप तक गाँव में उत्पन्न पुरुषों की पत्नियों की अनुपात, नगर में उत्पन्न पुरुषों की पत्नियों के अनुपात से कम है। इसके साथ ही साथ यह भी स्पष्ट है कि 12 वर्ष से पूर्व की वैवाहिक-आयु वाले ग्रुप से लेकर (16-18वर्ष) की

वैवाहिक आयु वाले पुरुष एक गाँव में उत्पन्न पुरुषों की पत्नियों
[illegible] का अनुपात गाँव तथा नगर दोनों प्रकार के सम्मिलित पुरुषों
की पत्नियों के अनुपात से अधिक है और इससे बाद वाले पुरुषों से
कम है जबकि 12 वर्ष से कम की वैवाहिक आयु वाले पुरुष एक नगर में
पैदा हुए पुरुषों की पत्नियों का अनुपात गाँव तथा नगर दोनों में उत्पन्न
पुरुषों की पत्नियों के अनुपात से कम है तथा इसके बाद वाले पुरुषों में अधिक
है। अतः स्पष्टतः यह कहा जा सकता है कि [नगर की अपेक्षा] गाँव में उत्पन्न पुरुषों
की पत्नियों की वैवाहिक आयु कम है। गाँव में उत्पन्न पुरुषों की
पत्नियों की वैवाहिक आयु का भूयिष्ठक 15.58 वर्ष है और नगर में उत्पन्न
पुरुषों की पत्नियों की वैवाहिक आयु का भूयिष्ठक 17.06 वर्ष है जबकि
गाँव और नगर दोनों में उत्पन्न सम्मिलित पुरुषों की वैवाहिक-आयु का
भूयिष्ठक 16.73 वर्ष है।

सारिणी संख्या - 26

गाँव तथा नगर में उत्पन्न सम्मिलित पुरुष प्रतिवादि यों का और उनकी पत्नियों का उनकी वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण

पुरुषों की विवाह आयु वर्षों में / पुरुषों के पत्नियों की विवाह की आयु	12 से कम	12-14	14-16	16-18	19-20	20-22	22-24	24-26	26-28	28-30	30+	टोटल
12 से कम	4	3	16	23	18	17	6	3	1	1	1	93
12-14	0	1	10	24	64	28	21	4	2	1	1	156
14-16	0	0	6	29	65	84	18	11	5	1	2	221
16-18	0	0	6.	5	51	106	67	6	6	2	4	247
18-20	0	0	1	1	10	71	73	39	5	4	3	207
20-22	0	0	0	0	6	3	34	55	17	24	2	115
22-24	0	0	0	0	0	0	2	47	12	6	6	73
24-26	0	0	0	0	0	0	1	2	17	16	10	34
टोटल	4	4	33	82	208	209	222	167	55	33	29	1146

यह सारिणी पुरुष प्रतिवादि के जन्म स्थान के अनुसार है इसमें गाँव तथा नगर में उत्पन्न सम्मिलित पुरुष के प्रतिवादि ही है ।

[illegible] प्राप्त न्यादर्श [illegible] 1146 थी ।

भारत [illegible] और तथा [illegible] में उत्पन्न [illegible]

युवकों व आश्रितों [illegible] वैवाहिक आयु के अनुसार

[illegible] उत्पन्न [illegible] वर्ग के युवकों एवं उनके आश्रितों

की वैवाहिक आयु [illegible] एवं [illegible] की [illegible]-

सम्बन्ध गुणांक प्राप्त हुआ है । इस वर्ग के युवकों एवं उनके आश्रितों

की वैवाहिक आयु [illegible] गुणांक + 0.7026 है ।

[illegible] है कि इस वर्ग के युवकों [illegible] आयु तथा

उनके आश्रितों की वैवाहिक आयु में परिवर्तन एक [illegible] दिशा में हो रहा

है । इस वर्ग के युवकों एवं उनके आश्रितों की वैवाहिक आयु में मध्यम

कोटि का धन-सहसम्बन्ध है ।

तालिका 20 एवं तालिका 23 में ग्रामीण [illegible] उत्पन्न युवकों

एवं उनके आश्रितों की वैवाहिक आयु का [illegible] गुणांक + 0.848

है [illegible] उत्पन्न युवकों तथा उनके आश्रितों की वैवाहिक आयु

का सह सम्बन्ध गुणांक + 0.6661 तालिका 26 में ग्रामीण एवं नगर दोनों

से उत्पन्न सम्मिलित युवकों तथा उनके आश्रितों की वैवाहिक आयु का

धन सह सम्बन्ध गुणांक + 0.7025 है ।

अतः [illegible] गाँव में उत्पन्न युवकों तथा उनकी पत्नियों की वैवाहिक आयु [illegible] सहसम्बन्ध पाया गया [illegible]

में उत्पन्न युवकों तथा उनकी पत्नियों की वैवाहिक आयु में धनात्मक सहसम्बन्ध पाया गया है [illegible] होने से उत्पन्न [illegible] युवकों तथा उनकी पत्नियों की वैवाहिक आयु [illegible] सहसम्बन्ध गुणांक, गाँव में उत्पन्न युवकों तथा उनकी पत्नियों की वैवाहिक आयु के धनात्मक सहसम्बन्ध गुणांक से एक ओर ~~नगर~~ नगर में उत्पन्न युवकों एवं उन पत्नियों की वैवाहिक आयु के धनात्मक सहसम्बन्ध गुणांक से [illegible] है। अर्थात् गाँव में उत्पन्न युवकों की वैवाहिक आयु और उनकी पत्नियों की वैवाहिक आयु में परिवर्तन, नगर में उत्पन्न युवकों की वैवाहिक आयु और उनकी पत्नियों की वैवाहिक आयु में परिवर्तन, नगर अथवा गाँव में उत्पन्न [illegible] युवकों की वैवाहिक आयु और उनकी पत्नियों की वैवाहिक आयु में परिवर्तन को एक ही दिशा में [illegible] रहा है, [illegible] इन दोनों में [illegible] है।

धर्म

विभिन्न धर्मों का प्रभाव उनके अनुयायियों के विवाह आयु पर क्या पड़ता है यह बात जानने का यथा सम्भव प्रयास इस शीर्षक के अन्तर्गत किया गया है । इसके लिये सर्वप्रथम हमने अपने अध्ययन क्षेत्र इलाहाबाद नगर के अन्तर्गत न्यादर्श द्वारा उपलब्ध सभी धर्मों के अनुयायियों को पृथक कर लिया है । हमारे न्यादर्श में हिन्दू, मुस्लिम सिक्ख तथा ईसाई धर्म के अनुयायी थे । हमने क्रमशः हिन्दू, मुस्लिम सिक्ख तथा ईसाई धर्म के अनुयायी पुरुषों एवं उनकी पत्नियों की विवाह-आयु का अलग अलग ज्ञात करने की कोशिश की है । साथ ही क्रमशः हिन्दू ,मुस्लिम, सिक्ख तथा ईसाई धर्म के अनुयायी पुरुषों एवं उनकी पत्नियों की विवाह-आयु के बीच सह सम्बन्ध गुणांक भी पृथक पृथक निकालने का प्रयत्न किया गया है । तदुपरान्त इन चारों धर्मों के अनुयायी पुरुषों एवं उनकी पत्नियों की वैवाहिक आयु का तुलनात्मक अध्ययन भी किया गया है । जिससे यह स्पष्ट हो जाय कि किस धर्म के अनुयायी पुरुषों एवं किस धर्म के अनुयायी पत्नियों की वैवाहिक आयु अधिक है तथा किसकी कम । यह भी जानने का प्रयास किया गया है कि किस धर्म के अनुयायी पुरुषों एवं उनकी पत्नियों की वैवाहिक आयु के बीच सह-सम्बन्ध गुणांक अधिक है तथा किस धर्म

के अन्तर्गत है। इसके लिए इन चारो भागों के अनुपात, कुमारों एवं उनकी परिणयों की वैवाहिक आयु के मध्य मान तथा आवश्यकता गुणांक का तुलनात्मक अध्ययन भी प्रस्तुत किया गया है।

भाई

सारिणी— 27

हिन्दू भगनिवासियों युवक प्रतिवादियों का वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण

युवकों की विवाह आयु (वर्षों में)	युवकों की संख्या	प्रतिशत
12 से कम	4	0.49
12-14	4	0.49
14-16	31	3.78
16-18	67	8.16
18-20	161	19.61
20-22	215 ~~158~~	26.19 ~~19.24~~
22-24	158	19.24
24-26	106	12.91
26-28	34	4.14
28-30	21	2.56
30 व उससे अधिक	20	2.43
योग	821	100

यह सारिणी: पुरुष प्रश्नावली से धर्मानुसार . . . गई है जिसमें एक मात्र हिन्दू धर्मावलम्बी व्यक्ति को लिए गए है।

सम्प्रति न्यादर्श मे 821 ऐसे पुरुष प्रतिभागी थे जो हिन्दू धर्म को अंगीकार करते थे।

821 हिन्दू धर्मावलम्बी पुरुष प्रतिभागियो का वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण इस प्रकार मिला कि 821 व्यक्तियो मे 4 (00.49 प्रतिशत) 4 (00.49 प्रतिशत), 31 (3.78 प्रतिशत), 67 (8.16 प्रतिशत) 161 (19.61 प्रतिशत), 215 (26.19 प्रतिशत), 158 (19.24 प्रतिशत) 106 (12.9 प्रतिशत), 34 (4.14 प्रतिशत), 21 (2.56 प्रतिशत) तथा 20 (2.43 प्रतिशत) का वैवाहिक आयु वर्ग क्रमश: 12 से कम, (12-14), (14-16), (16-18), (18-20), 20-22), (22-24), (24-26), (26-28), (28-30), तथा 30 एवं अधिक वर्ष की आयु वाले ग्रुप मे था।

इस वर्ग के न्यादर्श के पुरुषो मे से ऐसे व्यक्ति लगभग नगण्य है। जिनका विवाह 14 वर्ष से कम आयु मे हुआ है। ऐसे पुरुषो का अनुपात 0.98 प्रतिशत है। सबसे बड़ा समूह उन पुरुषो का है जिनका

वैवाहिक आयु ग्रुप 20-22 वर्ष है । इनका अनुपात 26.19 प्रतिशत है । यह स्मरणीय है कि इस ग्रुप से कम वैवाहिक आयु वाले ग्रुपों में विवाह करने वालों का अनुपात, इससे अधिक वैवाहिक आयु वाले ग्रुपों में विवाह करने वालों के अनुपात से कम है । जिनका अनुपात क्रमशः 32.52 प्रतिशत तथा 41.29 प्रतिशत है ।

इस सारिणी से यह लक्षित होता है कि लगभग 60 प्रतिशत व्यक्तियों का विवाह 22 वर्ष से पूर्व एवं लगभग 40 प्रतिशत व्यक्तियों का विवाह 22 वर्ष व इससे अधिक आयु में हुआ है । निम्न व्यावसायिक व्यक्तियों की विवाह आयु का भूयिष्ठक 20.97 वर्ष है ।

सारिणी -23

हिन्दू धर्मावलम्बी उत्तरदाता प्रतिभागियों के वैवाहिक सम्बन्धों की आयु के अनुसार वितरण :-

उत्तरदाताओं की पत्नियों की वैवाहिक आयु (वर्षों में)	उत्तरों की संख्या	प्रतिशत
12 से कम	75	9.13
12-14	119	14.49
14-16	153	18.64
16-18	189	23.02
18-20	142	17.30
20-22	77	9.38
22-24	44	5.36
24 व इससे अधिक	22	2.68
योग	821	100.00

यह सारिणी उत्तरदाता प्रतिभागियों के धर्मानुसार बनाई गई है जिसमे केवल हिन्दू धर्मावलम्बी व्यक्ति ही सम्मिलित किये गये है ।

सम्पूर्ण प्रयागर्थियों में 821 ~~व्यक्ति~~ ऐसे पुरुष उत्तरदाता थे जो हिन्दू धर्म के अनुयायी थे।

हिन्दू धर्मावलम्बी ~~उत्तरदाताओं की वैवाहिक आयु~~ 821 पुरुष उत्तरदाताओं की पत्नियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण इस प्रकार है कि 821 व्यक्ति के 75(9.13 प्रतिशत), 119(14.49 प्रतिशत) 153(18.64 प्रतिशत), 189(23.02 प्रतिशत) 142(17.30 प्रतिशत), 77((9.38 प्रतिशत), 44(5.36 प्रतिशत), तथा 22 (2.68 प्रतिशत) पत्नियाँ है इनका विवाह क्रमशः 12 से कम (12-14), (14-16), (16-18), (18-20), (20-22), (22-24) तथा 24 व उससे अधिक आयु वर्ग में हुआ था।

इस वर्ग के प्रयागर्थियों के पुरुषों में उनकी अत्यल्प संख्या है जिनकी पत्नियों का विवाह 24 या उससे अधिक आयु वर्ग में हुआ है। इन पुरुषों का अनुपात 2.68 प्रतिशत है। ऐसे पुरुषों का सबसे बड़ा समूह है जिनकी पत्नियों का विवाह (16-18) वर्ष की आयु वाले वर्ग में सम्पन्न हुआ है। इन पुरुषों का अनुपात 23.02 प्रतिशत है। यह स्पष्ट है कि इस वर्ग से कम आयु वाले वर्गों में विवाह करने वाली महिलाओं का अनुपात, इससे अधिक आयु वाले वर्गों में विवाह करने वाली महिलाओं के अनुपात से अधिक है। इन दोनों का अनुपात क्रमशः 42.27 प्रतिशत तथा 34.71 प्रतिशत है।

उक्त तालिका से स्पष्ट होता है कि लगभग 65 प्रतिशत मुस्लिम पत्नियों का विवाह 13 वर्ष से पूर्व तथा लगभग 35 प्रतिशत मुस्लिम पत्नियों का विवाह 13 वर्ष या इससे अधिक आयु में हुआ है। हिन्दू धर्मावलम्बी मुस्लिम पत्नियों की विवाह-आयु का मध्यांक 16.00 वर्ष है।

सारिणी संख्या--29

हिन्दू धार्मिकों की पुत्र व पुत्रियों तथा उन[illegible] पति[illegible] की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण

पु० को प० को विवाह आयु वर्षों मे	पु० की विवाह की आयु वर्षों मे	12 से कम	12-14	14-16	16-18	18-20	20-22	22-24	24-26	26-28	28-30	30 व इससे अधिक	योग
12 से कम		2	2 [illegible]	15	20	10	15	5	1	1	1	1	75
12-14			2	10	19	51	15	15	3	2	1	2	119
14-16				5	22	58	49	7	9	2	1		153
16-18					6	53	39	45	5	3	2	1	189
18--20				1	1	4	45	[illegible]8	23	5	2	3	142
20-22							2	25	[illegible]3	12	4	1	77
22-24								2	30	6	2	4	44
24 व इससे अधिक								1	2	3	9	8	22
योग		4	4	31	67	161	215	158	106	34	21	21	821

यह सारिणी पुत्र प्रतिवादी के धर्मानुसार है जिसमें केवल हिन्दू धर्म के अनुयायी ~~भी~~ व्यक्तियों को सम्मिलित किया गया है।

सम्बन्धित निष्कर्ष में हिन्दू धर्म के युवकों ... तालिका 42। ... है गये । हिन्दू धर्मावलम्बी युवकों एवं उनकी पत्नियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण, इस तालिका में प्रस्तुत किया गया है । इस तालिका में हिन्दू धर्मावलम्बी युवकों तथा उनकी पत्नियों की वैवाहिक आयु में सह-सम्बन्ध कार्ल पियर्सन की सह-सम्बन्ध गुणांक विधि द्वारा निकाला गया है । इस विधि द्वारा निकाला गया सह-सम्बन्ध गुणांक = 0. 6723 है । अर्थात् इस वर्ग के युवकों तथा उनकी पत्नियों की वैवाहिक आयु में मध्यम कोटि का ~~धन~~ धनात्मक सह सम्बन्ध है । अतः स्पष्ट: यह कहा जा सकता है कि हिन्दू धर्मावलम्बी युवकों की वैवाहिक आयु जैसे-जैसे बढ़ती है वैसे वैसे उनकी पत्नियों की वैवाहिकआयु में भी वृद्धि होती है। एवं इस प्रकार उनकी वैवाहिक आयु भी घटती जाती है ।

सारिणी संख्या --30

मुस्लिम धर्मावलम्बी युवक प्रत्याशियों का विवाह की आयु के अनुसार विवरण :

युवकों की विवाह आयु (वर्षों में)	युवकों की संख्या	प्रतिशत
12 से कम	0	0
12-14	0	0
14-16	2	0.68
16-18	15	5.10
18-20	47	15.99
20-22	93	31.63
22-24	60	20.41
24-26	55	18.71
26-28	14	4.76
28-30	3	1.02
30 व उससे अधिक	5	1.70
योग	294	100.00

यह सारिणी युवक प्रत्याशियों के वर्षानुसार निर्मित हुई है। जिसमें केवल मुस्लिम धर्मावलम्बी व्यक्तियों को सम्मिलित किया गया है।

सामाजिक निदर्शन में 294 मुस्लिम धर्म के अनुयायी व्यक्ति थे। मुस्लिम धर्मावलम्बी युवकों / व्यक्तियों का वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण इस प्रकार पाया गया। 294 युवकों में 2(0.68 प्रतिशत), 15(5.10 प्रतिशत), 47(15.99 प्रतिशत), 93 (31.63 प्रतिशत), 60(20.41 प्रतिशत), 55(18.71 प्रतिशत), 14(4.76 प्रतिशत), 3(1.02 प्रतिशत) तथा 5 (1.70 प्रतिशत) का विवाह क्रमशः (14-16), (16-18), (18-20), (20-22), (22-24), (24-26), (26-28), (28-30) तथा 30 व उससे अधिक आयु वाले ग्रुप में हुआ था।

इस वर्ग के न्यादर्श में ऐसे युवक लगभग नगण्य हैं जिनका विवाह 16 वर्ष से कम की आयु में हुआ हो। इनमें ऐसे व्यक्तियों का सबसे बड़ा समूह है जिनका विवाह (20-22) वर्ष की आयु वाले ग्रुप में हुआ है। इन व्यक्तियों का अनुपात 31.63 प्रतिशत है। यह स्मरणीय है कि इस ग्रुप से कम वर्षों की आयु वाले ग्रुपों में विवाह करने वाले व्यक्तियों का अनुपात, इससे अधिक वर्षों की आयु वाले ग्रुपों में विवाह करने वाले व्यक्तियों के अनुपात से कम है। यह अनुपात क्रमशः 21.77 प्रतिशत तथा 46.60 प्रतिशत है।

इस सारणी से यह विदित होता है कि लगभग 53 प्रतिशत उत्तरदाताओं का विवाह 22 वर्ष से पूर्व हुआ था तथा 47 प्रतिशत उत्तरदाताओं का विवाह 22 वर्ष व अधिक की आयु में हुआ है। मुस्लिम धर्मानुयायी युवकों की वैवाहिक आयु का माध्यक 21.16 वर्ष है।

सारिणी संख्या - 31

मुस्लिम युवक प्रतिवादियों की पत्नियों का वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण :

युवकों की पत्नियों की विवाह आयु (वर्षों में)	युवकों की संख्या	प्रतिशत
12 से कम	18	6.12
12-14	36	12.25
14-16	67	22.79
16-18	57	19.39
18-20	60	20.41
20-22	34	11.56
22-24	18	6.12
24 व इससे अधिक	4	1.36
योग	294	100

प्रस्तुत सारिणी युवक प्रतिवादियों के धर्मानुसार है जिसमें केवल मुस्लिम धर्मावलम्बी व्यक्ति ही है ।

[illegible] निदर्शन में से मुस्लिम धर्मानुयायी 294 व्यक्ति थे। मुस्लिम धर्मानुयायी 294 पुरुषों में [illegible] की पत्नियों की वास्तविक आयु के अनुसार [illegible] ज्ञात हुआ है कि 294 महिलाओं में 13([illegible].12 प्रतिशत), 36(12.2[illegible] प्रतिशत) 67(22.79 प्रतिशत), 57(1[illegible] प्रतिशत), [illegible]0(20.41 प्रतिशत), 34(11.[illegible]6 प्रतिशत), 1[illegible](6.12 प्रतिशत) तथा 4(1.36 प्रतिशत) पुरुषों की पत्नियों का विवाह क्रमश: "12 से कम", (12-14), (14-16), (16-18), (18-20), (20-22), (22-24) तथा "24 वर्ष से अधिक" आयु वाले ग्रुप में हुआ था।

इस वर्ग के न्यादर्श के पुरुषों की पत्नियों में भी ऐसी महिलाएँ लगभग नगण्य हैं जिनका विवाह 24 वर्ष व अधिक की आयु में हुआ हो इन पुरुषों की पत्नियों का अनुपात 1.36 प्रतिशत है। ऐसे पुरुषों की पत्नियों का सबसे बड़ा समूह है जिनका विवाह (14-16) वर्ष की आयु वाले ग्रुप में हुआ है। इन पुरुषों की पत्नियों का अनुपात 22.79 प्रतिशत है। यह कारण यह है कि इस ग्रुप से कम आयु वाले ग्रुपों में विवाह करने वाली महिलाओं का अनुपात, इससे अधिक वर्ष की आयु वाले ग्रुपों में विवाह करने वाली महिलाओं के अनुपात से कम है।

यह अनुपात क्रमशः 13.37 प्रतिशत तथा 53.34 प्रतिशत है ।

इस सारिणी से यह प्रतीत होता है कि लगभग 40 प्रतिशत युवकों की पत्नियों का विवाह 16 वर्ष से पूर्व तथा लगभग 60 प्रतिशत युवकों की पत्नियों का विवाह 16 वर्ष व अधिक की आयु में हुआ है । मुस्लिम धर्मानुयायी युवकों की पत्नियों की वैवाहिक आयु का भूयिष्ठक 15.51 वर्ष है ।

सारिणी संख्या - 32

मुस्लिम धर्मावलम्बी पुरुष प्रत्याशियों तथा उनकी पत्नियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण :

पुरुष की / स्त्री की विवाह आयु (वर्ष में)	12 से कम	12-14	14-16	16-18	18-20	20-22	22-24	24-26	26-28	28-30	30 व उससे अधिक	योग
12 से कम			1	3	9	2	1	2				18
12-14				5	12	12	6	1				36
14-16			1	7	12	30	10	4	1	1	1	67
16-18					8	22	21	1	3		2	57
18-20					6	26	13	13	2			60
20-22						1	9	20	3		1	34
22-24								14	3	1		18
24 व उससे अधिक									2	1	1	4
कुल योग :			2	15	47	93	60	55	14	3	5	294

यह सारिणी पुरुष प्रतिवादी के धर्मानुसार प्रस्तुत की गई है।

जिसमे कि मात्र मुस्लिम धर्मावलम्बी व्यक्ति ही है।

सम्मिलित निदर्शों में मुस्लिम धर्मानुयायी 294 व्यक्ति थे ।

मुस्लिम धर्मावलम्बी 294 पुरुषों तथा उनकी पत्नियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण उक्त तालिका में दिखाया गया है । इसमें मुस्लिम धर्मानुयायी पुरुषों एवं उनकी पत्नियों के वैवाहिक आयु में सह-सम्बन्ध कार्ल पियर्सन के सह-सम्बन्ध गुणांक विधि द्वारा निकाला गया है । इस विधि द्वारा निकाला गया सह-सम्बन्ध गुणांक + 0.2647 है । अर्थात् इस वर्ग के पुरुषों तथा उनकी पत्नियों के वैवाहिक आयु में निम्न कोटि से भी कम धनात्मक सह-सम्बन्ध है । अतः स्पष्टतः समझा जा सकता है कि मुस्लिम धर्मानुयायी पुरुषों के वैवाहिक आयु के अधिक या कम होने पर उनकी पत्नियों की वैवाहिक आयु भी अधिक या कम हो जाती है । अर्थात् इनके आयु में कोई ऐसा स्पष्ट सम्बन्ध नहीं दिखायी देता है स्पष्टतः सह-सम्बन्ध नहीं है ।

सारिणी संख्या 33

सिक्ख धर्मावलम्बी पुरुष प्रतिवादियों का वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण :

पुरुषों की विवाह आयु (वर्षों में)	पुरुषों की संख्या	प्रतिशत
12 से कम	0	0
12-14	0	0
14-16	0	0
16-18	0	0
18-20	0	0
20-22	1	7.14
22-24	1	7.14
24-26	5	35.72
26-28	3	21.43
28-30	1	7.14
30 व इससे अधिक	3	21.43
योग :	14	100.00

यह सारिणी पुरुष प्रतिवादी धर्मानुसार निर्मित हुई है। जिसमें कि केवल सिक्ख धर्मानुयायी व्यक्ति ही है।

सम्प्रति न्यादर्श में सिक्ख धर्मानुयायी मात्र 14 व्यक्ति ही थे ।

14 सिक्ख धर्मानुयायी 14 पुरुष प्रतिवादियों के वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण का प्रदर्शन है कि 14 व्यक्तियों में 1(7.14 प्रतिशत), 5(35.72 प्रतिशत), 3(21.43 प्रतिशत), 1(7.14 प्रतिशत), तथा 3(21.43 प्रतिशत) पुरुषों का विवाह क्रमशः (20-22), (22-24), (24-26), (26-28), (28-30), तथा " 30 वर्ष से अधिक आयु वाले ग्रुप में हुआ था ।

इस वर्ग के न्यादर्श के पुरुषों में 20 वर्ष से पूर्व की आयु में विवाह करने वालों की संख्या शून्य है । अर्थात् 20 वर्ष से पूर्व की आयु में किसी का विवाह नहीं हुआ है । सर्वाधिक वर्ग समूह ऐसे पुरुषों का है जिनका विवाह (24-26 वर्ष) की आयु वाले ग्रुप में हुआ है । ऐसे उन पुरुषों का अनुपात 35.72 प्रतिशत है । यह स्मरणीय है कि इस ग्रुप से कम वर्षों की आयु वाले ग्रुपों में विवाह करने वाले पुरुषों का अनुपात उससे अधिक वर्षों की आयु वाले ग्रुपों में विवाह करने वाले पुरुषों के अनुपात से कम है। जो क्रमशः 14.28 प्रतिशत तथा 50.00 प्रतिशत है ।

इस सारिणी से यह स्पष्ट होता है कि आधे व्यक्तियों का विवाह 26 वर्ष से पूर्व की आयु में तथा आधे व्यक्तियों का विवाह 26 वर्ष व अधिक की आयु में हुआ है । सिक्ख धर्मानुयायी पुरुष प्रतिवादियों की विवाह-आयु का भूयिष्ठक 25.33 वर्ष है ।

सारिणी संख्या -34

सिक्ख धर्मावलम्बी पुरुष प्रतिभागियों की पत्नियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण ।

पुरुषों की पत्नियों की विवाह आयु (वर्षों)	पुरुषों की संख्या	प्रतिशत
12 से कम	0	0
12-14	1	7.14
14-16	1	7.14
16-18	1	7.14
18-20	2	14.29
20-22	1	7.14
22-24	7	50.00
24 व उससे अधिक	1	7.14
योग:	14	99.99=100

यह सारिणी पुरुष प्रतिभागी के धर्मानुसार बनाई गई है । इसमें केवल सिक्ख धर्म अनुयायी व्यक्ति ही सम्मिलित है ।

सम्प्रति न्यादर्श में 14 ऐसे पुरुष थे जो सिक्ख धर्मानुयायी थे ।

सिक्ख धर्मानुयायी 14 अर्थात् प्रतिवादियों की पत्नियों का वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण इस प्रकार है । 14 व्यक्तियों की पत्नियों में 1(7.14 प्रतिशत), 1(7.14 प्रतिशत), 1 (7.14 प्रतिशत) 2(14.29 प्रतिशत), 1(7.14 प्रतिशत), 7(50.00 प्रतिशत तथा 1(7.14 प्रतिशत पुरुषों की पत्नियों का विवाह क्रमश: (12-14), (14-16), (16-18) (18-20), 20-22), 22-24) तथा 24 व अधिक आयु वर्ग में हुआ है ।

इस वर्ग के न्यादर्श में पुरुषों की पत्नियों का विवाह 12 वर्ष के से पूर्व की आयु में नहीं हुआ था । सबसे बड़ा समूह ऐसे पुरुषों की पत्नियों का है जिनका विवाह (22-24) वर्ष की आयु वाले ग्रुप में हुआ था । इन व्यक्तियों का अनुपात 50.00 प्रतिशत है । यह स्मरणीय है कि इस ग्रुप में कम आयु वाले ग्रुपों में विवाह करने वाली स्त्रियों का अनुपात, उससे अधिक वर्षों की आयु वाले ग्रुपों में विवाह करने वाली स्त्रियों के अनुपात से बहुत अधिक है । यह अनुपात क्रमश: 42.86 तथा 7.14 प्रतिशत है ।

इन सारिणियों से यह स्पष्ट है कि सिक्ख धर्मानुयायियों लगभग 43 प्रतिशत पुरुषों की पत्नियों का विवाह 22 वर्ष से पूर्व तथा लगभग 57 प्रतिशत पुरुषों की पत्नियों का विवाह 22 व अधिक की आयु मे हुआ था । इस वर्ग के पुरुषों की पत्नियों का वैवाहिक आयु का भूयिष्ठक 23 वर्ष है अर्थात् सिक्ख धर्मानुयायी स्त्रियों का वैवाहिक आयु का भूयिष्ठक 23 वर्ष है ।

सारिणी संख्या - 35

शिक्षा कार्यकर्ताओं प्रतिवादियों द्वारा उनकी पत्नियों का वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण ।

लड़की की विवाह आयु वर्षों में	पुरुष की विवाह आयु वर्षों में	12 से कम	12-14	14-16	16-18	18-20	20-22	22-24	24-26	26-28	28-30	30 व इससे अधिक	योग
12 से कम													
12-14						1							1
14-16							1						1
16-18											1		1
18-20								2					2
20-22								1					1
22-24								2	2	1	2		7
24 व इससे अधिक									1				1
योग :						1	1	5	3	1	3		14

यह सारिणी पुरुष प्रतिवादी के कथनानुसार प्रस्तुत की गई है । इसमें केवल शिक्षा कार्यकर्ता पुरुष ही है ।

सम्मिलित न्यादर्श में भाग । 4 सिक्ख धर्मावलम्बी पुरुष एवं उनकी पत्नियाँ थीं ।

सिक्ख धर्मानुयायी पुरुषों तथा उनकी पत्नियों का वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण सारणी में उपलब्ध है । इस वर्ग के पुरुषों तथा उनकी पत्नियों की विवाह-आयु में सह-सम्बन्ध निकालने के लिए कार्ल पियर्सन की सह-सम्बन्ध गुणांक विधि प्रयुक्त हुई है । इस विधि से निकाला गया सह-सम्बन्ध गुणांक + 0.4114 है ।

इस सारिणी से यह स्पष्ट है कि सिक्ख धर्मानुयायी पुरुषों तथा उनकी पत्नियों का वैवाहिक आयु में निम्न कोटि का धनात्मक सह सम्बन्ध है । अर्थात् इस वर्ग के पुरुषों की विवाह-आयु में परिवर्तन होने पर उनकी पत्नियों की विवाह-आयु में ~~परिवर्तन होने पर उनकी पत्नियों की विवाह-आयु प्रकार में भी परिवर्तन~~ उसी प्रकार होता है ~~जिस प्रकार पुरुषों की वैवाहिक आयु में परिवर्तन होता है~~ ।

सारिणी - 36

ईसाई धर्मावलम्बी युवक प्रतिभागियों का वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण ।

युवकों की विवाह आयु (वर्षों में)	युवकों की संख्या	प्रतिशत
12 से कम	0	0
12-14	0	0
14-16	0	0
16-18	0	0
18-20	0	0
20-22	0	0
22-24	3	17.65
24-26	1	5.88
26-28	4	23.53
28-30	8	47.06
30 व इससे अधिक	1	5.88
योग:	17	100.00

यह सारिणी युवक प्रतिभागी के धर्मानुसार निर्मित है। इसमें केवल ईसाई धर्मानुयायी व्यक्ति ही लिए गए हैं।

सम्प्रति निदर्शन में मात्र 17 व्यक्ति ईसाई धर्मानुयायी थे ।

~~17~~ ईसाई धर्मानुयायी 17 पुरुषों की वैवाहिक आयु के अनुसार विवरण इस प्रकार है । 17 व्यक्तियों में 3(17.65 प्रतिशत) 1(5.88 प्रतिशत), 4(23.53 प्रतिशत), 8(47.06 प्रतिशत) तथा 1(5.88 प्रतिशत) पुरुषों का विवाह क्रमशः (22-24), (24-26), (26-28), (28-30) तथा "30 से अधिक" की आयु वाले ग्रुप में हुआ था ।

इस वर्ग के न्यादर्श के व्यक्तियों में ऐसे पुरुषों का सबसे बड़ा समूह है जिनका विवाह (28-30 वर्ष) की आयु वाले ग्रुप में हुआ था । इनका अनुपात 47.06 प्रतिशत है । यह स्मरणीय है कि इस ग्रुप से कम आयु वाले ग्रुपों में विवाह करने वाले पुरुषों का अनुपात, इससे अधिक आयु वाले ग्रुप में विवाह करने वाले पुरुषों के अनुपात से अधिक है । यह अनुपात क्रमशः 47.06 प्रतिशत तथा 5.88 प्रतिशत है । इस वर्ग के पुरुषों में कोई भी पुरुष ऐसा नहीं है जिसका विवाह 22 वर्ष से पूर्व की आयु में हुआ था । 22 वर्ष से पूर्व की आयु में विवाह करने वाले पुरुषों का अनुपात शून्य प्रतिशत है ।

इस सारिणी से यह दृष्टिगत होता है कि 22 से 30 वर्ष की आयु में लगभग 96 प्रतिशत तथा 30 व अधिक आयु में ईसाई धर्मानुयायी ~~आयु में~~ लगभग 4 प्रतिशत व्यक्तियों का विवाह हुआ जो ईसाई धर्मानुयायी पुरुषों की वैवाहिक आयु का भूयिष्ठक 23.72 वर्ष है।

सारिणी - 37

ईसाई ग्राम विजम्बी पुरुष प्रतिवादियों की पत्नियों का वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण ।

पुरुषों की पत्नियों की विवाह आयु (वर्षों में)	पुरुषों की संख्या	प्रतिशत
12 से कम	0	0
12-14	0	0
14-16	0	0
16-18	0	0
18-20	3	17.65
20-22	3	17.65
22-24	4	23.53
24 व इससे अधिक	7	41.17
योग:	17	100.00

यह सारिणी पुरुष प्रतिवादी के धर्मानुसार है जिसमें केवल ईसाई धर्मानुयायी व्यक्ति ही सम्मिलित हैं।

सम्मिलित निदर्शन में कसाई व्यवसायी मात्र 17 व्यक्ति थे।

कसाई व्यवसायी 17 उत्तर प्रदायियों की पत्नियों का वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण इस प्रकार है कि 17 व्यक्तियों की पत्नियों में 3(17.65 प्रतिशत), 3(17.65 प्रतिशत), 4(23.53 प्रतिशत) तथा 7 (41.17 प्रतिशत) जिनका विवाह क्रमशः (18-20), (20-22), (22-24) तथा "24 व अधिक" आयु वाले ग्रुप में हुआ था।

इस वर्ग के न्यादर्श के युवकों में ऐसा कोई भी युवक नहीं है जिसकी पत्नी का विवाह 18 वर्ष से कम की आयु में हुआ हो। ऐसे युवकों का सबसे बड़ा समूह है जिनकी पत्नियों का विवाह "24 वर्ष व अधिक" आयु वाले ग्रुप में हुआ है। इन युवकों का अनुपात 41.17 प्रतिशत है। यह स्मरणीय है कि (18-20) वर्ष की वैवाहिक आयु वाले ग्रुप से लेकर (22-24) वर्ष की वैवाहिक आयु वाले ग्रुप तक विवाह करने वाली महिलाओं का अनुपात "24 व अधिक" आयु वाले ग्रुप में विवाह करने वाली महिलाओं के अनुपात से अधिक है। यह अनुपात क्रमशः 58.83 प्रतिशत तथा 41.17 प्रतिशत है। इस तालिका से यह स्पष्टतः अंकित होता है कि कसाई व्यवसायी युवकों की पत्नियों की वैवाहिक आयु का भूयिष्ठक "24 व अधिक" के वैवाहिक आयु वाले ग्रुप में है।

सारिणी - 38

ईसाई धर्मावलम्बी युक्त प्रतिवादियों के अनुसार उनकी वैवाहिक पत्नियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण ।

पु० की पत्नि की वैवाहिक आयु वर्षों में / पु० की वैवाहिक आयु वर्षों में	12 से कम	12-14	14-16	16-18	18-20	20-22	22-24	24-26	26-28	28-30	30 व इससे अधिक	योग
12से कम												
12-14												
14-16												
16-18												
18-20						2			1			3
20-22							1	2				3
22-24						1		1	2			4
24 व इससे अधिक								1	5	1		7
योग						3	1	4	8	1		17

यह सारिणी युक्त प्रतिवादी के धर्मानुसार प्रस्तुत की गई है । जिसमें केवल ईसाई धर्मावलम्बी व्यक्ति लिए गए हैं ।

अर्थात् [illegible] में ईसाई धर्मानुयायी मात्र 17 व्यक्ति ही थे ।

ईसाई धर्मानुयायी 17 पुरुष प्रतिचयनियों तथा उनकी पत्नियों का वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण तालिका में उपलब्ध है । इस वर्ग के पुरुषों तथा उनकी पत्नियों के वैवाहिक आयु में सह-सम्बन्ध निकालने के लिये कार्ल पियर्सन की सह-सम्बन्ध गुणांक विधि प्रयोग में लायी गयी है । इस विधि से निकाला गया सह-सम्बन्ध गुणांक + 0.6220 है ।

इस तालिका से यह ज्ञात होता है कि ईसाई धर्मानुयायी पुरुषों तथा उनकी पत्नियों के वैवाहिक आयु में मध्यम कोटि का धनात्मक सह सम्बन्ध है । अर्थात् ईसाई धर्मानुयायी पुरुषों के वैवाहिक आयु अधिक (या कम) होने पर उनकी पत्नियों की वैवाहिक आयु भी अधिक (या कम) होती है । दोनों के ही वैवाहिक आयु में परिवर्तन एक ही प्रकार से होता है ।

सारिणी - 39

विभिन्न धर्मावलम्बी युवक प्रतिवादियों का वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण ।

युवके धर्म विवाह की आयु	हिन्दू		मुस्लिम		सिक्ख		इसाई		योग	
	युवक संख्या	प्रतिशत	युवक संख्या	प्रतिशत	युवक संख्या	प्रतिशत	युवक संख्या	प्रतिशत		प्रतिशत
12 वर्ष से कम	4	0.49	0	0	0	0	0	0	4	0.35
2-14	4	0.49	0	0	0	0	0	0	4	0.35
4-16	31	3.78	2	0.68	0	0	0	0	33	[illegible].88
6-18	67	8.16	15	5.10	0	0	0	[illegible]	82	7.16
-20	161	19.61	47	15.99	0	0		0	208	18.15
-22	215	26.19	93	31.63	1	7.14	0	0	309	26.96
-24	158	19.24	60	20.41	1	7.14	3	17.65	222	19.37
-26	106	12.91	55	18.71	5	35.72	1	5.88	167	14.57
-28	34	4.14	14	4.76	3	21.43	4	23.53	55	4.80
-30	21	2.56	3	1.02	1	7.14	8	47.06	33	2.88
वर्ष व से अधिक	20	2.43	5	1.70	3	21.43	1	5.88	29	2.53
टोटल	821	100	294	100	14	100	17	100	1146	100

इस सारिणी में विभिन्न धर्मावलम्बी युवक प्रतिवादियों का उनकी वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण प्रस्तुत किया गया है

सम्प्रति न्यादर्श में कुल 1146 पुरुषों में से 821 (71.64 प्रतिशत) हिन्दू, 2 4(25.65 प्रतिशत) मुस्लिम, 14 (1.221 प्रतिशत) सिक्ख तथा 17(1.48 प्रतिशत) ईसाई धर्म के मानने वाले व्यक्ति थे ।

इस सारिणी से यह स्पष्ट होता है कि हिन्दू धर्मानुयायी पुरूषों का अनुपात 0.49 प्रतिशत है तथा अन्य धर्मानुयायी का अनुपात शून्य प्रतिशत है जिनका विवाह 12 वर्ष से कम आयु वाले ग्रुप में हुआ है । हिन्दू धर्मानुयायी पुरूषों का अनुपात 0.49 प्रतिशत है तथा अन्य धर्मानुयायी पुरूषों का अनुपात शून्य प्रतिशत है जिनका विवाह 12-14 वर्ष की आयु वाले ग्रुप में हुआ । हिन्दू धर्मानुयायी पुरूषों का अनुपात 3.78 प्रतिशत है.मुस्लिम धर्मानुयायी पुरूषों का अनुपात 0.68 प्रतिशत है तथा अन्य धर्मानुयायी पुरूषों का अनुपात शून्य प्रतिशत है जिनका विवाह (14-16 वर्ष) की आयु वाले ग्रुप में हुआ है । हिन्दू धर्मानुयायी का अनुपात 8.16 प्रतिशत है, मुस्लिम धर्मानुयायी पुरूषों का अनुपात 5.10 प्रतिशत है तथा अन्य धर्मानुयायी पुरूषों का अनुपात शून्य प्रतिशत है जिनका विवाह 16-18 वर्ष की आयु वाले ग्रुप में हुआ है ।

हिन्दू धर्मानुयायी पुरूषों का अनुपात 19.24 प्रतिशत है, मुस्लिम धर्मानुयायी पुरूषों का अनुपात 20.41 प्रतिशत है, सिक्ख धर्मानुयायी मानने वाले पुरूषों का अनुपात 7.14 प्रतिशत है तथा ईसाई धर्मानुयायी वाले पुरूषों का अनुपात 17.65 प्रतिशत है। जिनका विवाह (22-24 वर्ष) की आयु वाले ग्रुप मे हुआ है। हिन्दू धर्मानुयायी पुरूषों का अनुपात 12.91 प्रतिशत है, मुस्लिम धर्मानुयायी पुरूषों का अनुपात 13.71 प्रतिशत है तथा ईसाई धर्मानुयायी पुरूषों का अनुपात 5.88 प्रतिशत है जिनका विवाह (24-26 वर्ष) की आयु वाले ग्रुप मे हुआ है। हिन्दू धर्मानुयायी पुरूषों का अनुपात 4.14 प्रतिशत है, मुस्लिम धर्मानुयायी पुरूषों का अनुपात 4.76 प्रतिशत है, सिक्ख धर्मानुयायी पुरूषों का अनुपात 21.43 प्रतिशत है तथा ईसाई धर्मानुयायी पुरूषों का अनुपात 23.53 प्रतिशत है जिनका विवाह 26-28 वर्ष की आयु वाले ग्रुप मे हुआ है। हिन्दू धर्मानुयायी पुरूषों का अनुपात 2.56 प्रतिशत है, मुस्लिम धर्मानुयायी पुरूषों का अनुपात 1.02 प्रतिशत है, सिक्ख धर्मानुयायी पुरूषों का अनुपात 7.14 प्रतिशत है तथा ईसाई धर्मानुयायी पुरूषों का अनुपात 47.06 प्रतिशत है जिनका विवाह 28-30 वर्ष की आयु वाले ग्रुप मे हुआ है। हिन्दू धर्मानुयायी

पुरुषों का अनुपात 2.47 प्रतिशत है, मुस्लिम धर्मानुयायी पुरुषों का अनुपात 1.70 प्रतिशत है, सिक्ख धर्मानुयायी पुरुषों का अनुपात 21.43 प्रतिशत है तथा आर्य धर्मानुयायी पुरुषों का अनुपात 5.88 प्रतिशत है जिनका विवाह "30 व अधिक" आयु वाले ग्रुप मे हुआ है। जबकि हिन्दू, मुस्लिम, सिक्ख तथा आर्य इन चारों धर्मों के अनुयायी पुरुषों के वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण निम्न प्रकार है : 0.35 प्रतिशत

पुरुषों का विवाह "12 से कम" 0.35 प्रतिशत

पुरुषों का विवाह (12-14), 2.89 प्रतिशत

पुरुषों का विवाह (14-16), 7.16 प्रतिशत

पुरुषों का विवाह (16-18), 19.15 प्रतिशत

पुरुषों का विवाह (18-20), 26.96 प्रतिशत

पुरुषों का विवाह (20-22) 19.37 प्रतिशत

पुरुषों का विवाह (22-24) 14.57 प्रतिशत

पुरुषों का विवाह (24-26) 4.80 प्रतिशत

पुरुषों का विवाह (26-28) 2.83 प्रतिशत

पुरुषों का विवाह (28-30) तथा 2.53 प्रतिशत पुरुषों का विवाह "30 व अधिक" की आयु वाले ग्रुपों मे हुआ है।

इन सारिणयों से यह स्पष्ट है कि हिन्दू धर्मानुयायी पुरुषों की वैवाहिक आयु की अपेक्षा मुस्लिम धर्मानुयायी पुरुषों की वैवाहिक आयु अधिक है। हिन्दू, मुस्लिम दोनों धर्मों के अनुयायी पुरुषों के वैवाहिक आयु की अपेक्षा सिक्खा धर्मानुयायी पुरुषों का वैवाहिक आयु अधिक है। हिन्दू, मुस्लिम, सिक्खा इन तीनों धर्मों के अनुयायी पुरुषों की वैवाहिक आयु की अपेक्षा ईसाई धर्मानुयायी पुरुषों की वैवाहिक आयु अधिक है। हिन्दू धर्मानुयायी पुरुषों की वैवाहिक आयु का भूयिष्ठक 20.97 वर्ष है, मुस्लिम अनुयायी पुरुषों की वैवाहिक आयु का भूयिष्ठक 21.1 वर्ष है, सिक्खा धर्मानुयायी पुरुषों की वैवाहिक आयु का भूयिष्ठक 25.[illegible]3 वर्ष है तथा ईसाई धर्मानुयायी पुरुषों की विवाह आयु का भूयिष्ठक 28.72 वर्ष है। जबकि इन चारों धर्मों के अनुयायी के पुरुषों की वैवाहिक आयु का भूयिष्ठक 21.74 वर्ष है।

सारिणी -40

विभिन्न धर्मावलम्बी युक्त प्रतिवादियों की पत्नियों का वैवाहिक आयु के अनुसार वि...

पत्नियों की विवाह आयु वर्षों में / धर्म	हिन्दू पु० संख्या	हिन्दू प्रतिशत	मुस्लिम पु० सं०	मुस्लिम प्रति०	सिक्ख पु०सं०	सिक्ख प्रति०	ईसाई पु०सं०	ईसाई प्रति०	सभी धर्मों के योग	[cut off]
12 वर्ष से कम	75	9.13	18	6.12	0	0	0	0	93	[cut off]
12-14	119	14.49	36	12.25	1	7.14	0	0	156	13[cut off]
14-16	153	18.64	67	22.79	1	7.14	0	0	221	1[cut off]
16-18	189	23.02	57	19.39	1	7.14	0	0	247	21[cut off]
18-20	142	17.30	60	20.41	2	14.29	3	17.65	207	18[cut off]
20-22	77	9.38	34	11.56	1	7.14	3	17.65	115	10[cut off]
22-24	44	5.36	18	6.12	7	50.00	4	23.33	73	6.[cut off]
24 वर्ष तथा उससे अधिक	22	2.68	4	1.36	1	7.14	7	41.17	34	2.[cut off]
टोटल	821	100	294	100	14	100	17	100	1146	1[cut off]
माध्यिका	16.86 वर्ष		15.5 वर्ष		23 वर्ष		24 वर्ष			

को पत्नियों का वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण उपलब्ध है ।

प्रस्तुत न्यादर्श के कुल 1146 पुरुषों में से 821 (71.64 प्रतिशत) हिन्दू, 294(25.65 प्रतिशत) मुसलमान,14(1.22 प्रतिशत) सिक्ख तथा 17(1.48 प्रतिशत) ईसाई धर्म के अनुयायी व्यक्ति थे ।

इस सारिणी से यह दृष्टिगत होता है कि हिन्दू-धर्मानुयायी पुरुषों का अनुपात 9.13 प्रतिशत, मुस्लिम धर्मानुयायी पुरुषों का अनुपात 6.12 प्रतिशत तथा सिक्ख व ईसाई धर्मानुयायी पुरुषों का अनुपात शून्य प्रतिशत है । जिनकी पत्नियों का विवाह 12 वर्ष से कम आयु वाले ग्रुप में हुआ है । हिन्दू धर्मानुयायी पुरुषों का अनुपात 14.48 प्रतिशत, मुस्लिम धर्मानुयायी पुरुषों का अनुपात 12.25 प्रतिशत, सिक्ख धर्मानुयायी पुरुषों का अनुपात 7.14 प्रतिशत तथा ईसाई धर्मानुयायी पुरुषों का अनुपात शून्य प्रतिशत है ।

पत्नियों का विवाह 12-14 वर्ष की आयु वाले ग्रुप में हुआ है । हिन्दू धर्मानुयायी पुरुषों का अनुपात 18.64 प्रतिशत, मुस्लिम धर्मानुयायी पुरुषों का अनुपात 22.79 प्रतिशत, सिक्ख धर्मानुयायी पुरुषों का अनुपात 7.14 प्रतिशत तथा ईसाई धर्मानुयायी पुरुषों का अनुपात शून्य प्रतिशत है जिनकी पत्नियों का विवाह 14-16 वर्ष

की आयु वाले पुरुषों के ग्रुप में हुआ है । हिन्दू धर्मानुयायी पुरुषों का अनुपात 23.02 प्रतिशत, मुस्लिम धर्मानुयायी पुरुषों का अनुपात 19.39 प्रतिशत, सिक्ख धर्मानुयायी पुरुषों का अनुपात 7.14 प्रतिशत तथा इसाई धर्मानुयायी पुरुषों का अनुपात शून्य प्रतिशत है जिनकी पत्नियों का विवाह 16-18 वर्ष की आयु वाले ग्रुप में हुआ है । हिन्दू धर्मानुयायी वाले पुरुषों का अनुपात 17.30 प्रतिशत, मुस्लिम धर्मानुयायी पुरुषों का अनुपात 20.41 प्रतिशत, सिक्ख धर्मानुयायी पुरुषों का अनुपात 14.29 प्रतिशत तथा इसाई धर्मानुयायी पुरुषों का अनुपात 17.65 प्रतिशत है जिनकी पत्नियों का विवाह 18-20 वर्ष की आयु वाले ग्रुप में हुआ है । हिन्दू धर्मानुयायी पुरुषों का अनुपात प्रतिशत, मुस्लिम धर्मानुयायी पुरुषों का अनुपात 11.56 प्रतिशत , सिक्ख धर्मानुयायी पुरुषों का अनुपात 7.14 प्रतिशत तथा इसाई धर्मानुयायी पुरुषों का अनुपात 17.65 प्रतिशत है जिनकी पत्नियों का विवाह 20-22 वर्ष की आयु वाले ग्रुप में हुआ है । हिन्दू धर्मानुयायी पुरुषों का अनुपात 5.36 प्रतिशत, मुस्लिम धर्मानुयायी पुरुषों का अनुपात 6.12 प्रतिशत ,सिक्ख धर्मानुयायी पुरुषों का अनुपात 50 प्रतिशत तथा इसाई धर्मानुयायी पुरुषों का अनुपात 23.33 प्रतिशत है जिनकी पत्नियों का विवाह 22-24 वर्ष की आयु वाले ग्रुप में हुआ है ।

हिन्दू धर्मानुयायी पुरूषों का अनुपात 2.69 प्रतिशत, मुस्लिम धर्मानुयायी पुरूषों का अनुपात 1.36 प्रतिशत, सिक्ख धर्मानुयायी पुरूषों का अनुपात 7.14 प्रतिशत तथा ईसाई धर्मानुयायी पुरूषों का अनुपात 41.17 प्रतिशत है जिनकी पत्नियों का विवाह 24 व उससे अधिक की आयु वाले ग्रुप मे हुआ है । जबकि इन चारो धर्मों के अनुयायी पुरूषो मे से 8.12 प्रतिशत पुरूषों की पत्नियों का विवाह "12 से कम", 13.61 प्रतिशत पुरूषों की पत्नियों का विवाह 12-14 , 19.23 प्रतिशत पुरूषों की पत्नियों का विवाह 14-16 , 21.55 प्रतिशत पुरूषों की पत्नियों का विवाह 16-18 , 18.06 प्रतिशत पुरूषों की पत्नियों का विवाह 18-20 , 10.04 प्रतिशत पुरूषों की पत्नियों का विवाह 20-22, 6.37 प्रतिशत पुरूषों की पत्नियों का विवाह (22-24) तथा 2.97 प्रतिशत पुरूषों कोपत्नियों का विवाह "24 व अधिक" आयु वाले ग्रुप मे हुआ है ।

इस सारिणी से यह स्पष्टतः लक्षित होता है कि हिन्दू धर्मानुयायी पुरूषों की पत्नियों का विवाह, मुस्लिम धर्मानुयायी पुरूषों की पत्नियों के वैवाहिक आयु से अधिक आयु मे हुआ है । मुस्लिम धर्मानुयायी पुरूषों की पत्नियों की वैवाहिक आयु अन्य तीनो धर्मों के अनुयायी

पुरूषों की पत्नियों की वैवाहिक आयु से कम है तथा इसाई धर्मानुयायी पुरूषों की पत्नियों की वैवाहिक आयु अन्य तीनों धर्मों के अनुयायी पुरूषों कीपत्नियों की वैवाहिक आयु से अधिक है । सिक्ख धर्मानुयायी पुरूषों की पत्नियों की वैवाहिक आयु इसाई धर्मानुयायी पुरूषों की पत्नियों की वैवाहिक आयु से कम है लेकिन हिन्दू तथा मुस्लिम दोनों धर्मों के अनुयायी पुरूषों की पत्नियों की वैवाहिक आयु से अधिक है । हिन्दू ,मुस्लिम,सिक्ख तथा इसाई धर्म के अनुयायीपुरूषों की पत्नियों की वैवाहिक आयु का माध्यिक क्रमश: 16.86 वर्ष, 15.5 वर्ष, 23 वर्ष तथा 24 वर्ष है । जबकि इन चारों धर्मों के अनुयायी पुरूषों की पत्नियों की वैवाहिक आयु का माध्यिक 16.73 वर्ष है ।

हिन्दू, मुस्लिम,सिक्ख तथा इसाई के अनुयायी पुरूषों तथा उनकी पत्नियों की वैवाहिक आयु का सह-सम्बन्ध गुणांक क्रमश: + 0.6723, + 0.2647 , + 0.4114 तथा + 0.6220 है जो तालिका 29, 32, 35, तथा 38 से निकाला गया है जबकि इन चारों धर्मों के पुरूषों तथा उनकी पत्नियों की वैवाहिक आयु का सह सम्बन्ध गुणांक + 0.7026 है जो तालिका 26 से निकाला गया है ।

अतः यह स्पष्ट होता है कि मुस्लिम धर्मावलम्बी पुरूषों तथा उनकी पत्नियों की वैवाहिक आयु का सह सम्बन्ध गुणांक अन्य तीनों धर्मों के अनुयायी पुरूषों तथा उनकी पत्नियों कीवैवाहिक आयु

के सह सम्बन्ध गुणांक से कम है । सबसे अधिक हिन्दू धर्मावलम्बी पुरुषों तथा उनकी पत्नियों की वैवाहिक आयु का सह-सम्बन्ध गुणांक है । मुस्लिम धर्मानुयायी पुरुषों तथा उनकी पत्नियों का वैवाहिक आयु सह-सह सम्बन्ध गुणांक से सिक्ख धर्मावलम्बी पुरुषों तथा उनकी पत्नियों का वैवाहिक आयु सह-सम्बन्ध गुणांक अधिक है । ईसाई धर्मानुयायी पुरुषों तथा उनकी पत्नियों का वैवाहिक आयु का सह-सम्बन्ध गुणांक हिन्दू धर्म से कम तथा सिक्ख धर्मानुयायी से अधिक है । सम्मिलित पुरुषों तथा उनकी पत्नियों का वैवाहिक आयु सह-सम्बन्ध, गुणांक पृथक पृथक धर्मों के अनुयायी के गुणांक से अधिक है ।

जाति
=====

प्रस्तुत शीर्षक के अन्तर्गत हिन्दू धर्म के विभिन्न जाति के पुरुषप्रतिवादीयों का उनकी विवाह-आयु के ऊपर उनकी जाति का क्या प्रभाव पड़ा है यह जानने की कोशिश की गई है। इसके लिए सर्वप्रथम न्यादर्श में लिये गये हिन्दू धर्म के अनुयायियों का विभाजन ब्राहम्मण, क्षत्रिय, कायस्थ, वैश्य, पैकशनल, पिछड़ी तथा अनुसूचित जाति के अनुसार करके, अध्ययन आरम्भ किया गया। क्रमश: ब्राहमण, क्षत्रिय, कायस्थ, वैश्य, पैकशनल, पिछड़ी तथा अनुसूचित जाति के पुरुष प्रतिवादियों तथा उनकी पत्नियों का अलग अलग क्रमश: उनकी विवाह आयु- को ज्ञात करने का प्रयत्न किया गया है। साथ ही इन सभी जाति के पुरुषो एवं उनकी पत्नियों की विवाह आयु के बीच सह-सम्बन्ध अलग अलग निकालने का यत्न किया गया है तदुपरान्त इन सभी जाति के पुरुषो तथा उनकी पत्नियों की विवाह -आयु का तुलनात्मक अध्ययन अलग अलग- प्रस्तुत किया गया है।

1- विभिन्न जाति के पुरुषों एवं उनकी पत्नियों की विवाह आयु के बीच निकाले गये सह सम्बन्ध गुणांक का तुलनात्मक अध्ययन किया गया है जिससे यह स्पष्ट हो जायगा कि किस जाति से सम्बन्धित विवाह- आयु का सह-सम्बन्ध गुणांक अधिक है तथा जिसका कम। साथ ही साथ यह भी स्पष्ट हो जायगा कि विभिन्न जाति से सम्बन्धित उनकी विवाह- आयु के सह-सम्बन्ध गुणांक में कोई आपसी सम्बन्ध है या नहीं।

ब्राह्मण पुरुष प्रतिवादियों ~~सारिणी-41~~ का वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण

पुरुषों की विवाह आयु (वर्षों में)	पुरुषों की संख्या		प्रतिशत -
12 से कम	0	00	0.00 प्रति०
12-14	1		0.73 प्रति
14-16	4		2.94 "
16-18	7		5.15 "
18-20	23		16.91 "
20-22	32		23.53 "
22-24	27		19.85 "
24-26	18		13.24 "
26-28	8		5.88 "
28-30	5		3.68 "
30 व अधिक	11		8.09 "
योग	136		100.00 प्रति०

यह सारिणी पुरुष प्रतिवादी के जाति के अनुसार है।

इसमें मात्र ब्राह्मण जाति के ही व्यक्ति है।

सम्प्रति न्यादर्श में 136 कुल प्रतिवादी ब्राह्मण जाति के है।

विवाह आयु के अनुसार 136 ब्राह्मण प्रतिवादियों का विवरण इस प्रकार मिला है कि 136 व्यक्तियों में 1(0.73 प्रतिशत), 4(2.94 प्रति०) 7(5.15 प्रतिशत), 23(16.91 प्रतिशत)32(23.53 प्रतिशत) 27(19.85 प्रतिशत), 18(13.24 प्रतिशत),8(5.88 प्रतिशत) 5(3.68 प्रतिशत) तथा 11(8.09 प्रतिशत)का विवाह क्रमश: (12-14),(14-16),(16-18) (18-20(,(20-22),(22-24), (24-26),(26-28),(28-30),तथा 30 व अधिक आयु वाले ग्रुप में हुआ था।

इस वर्ग के न्यादर्श के पुरुषों में ऐसे व्यक्ति लगभग नगण्य है जिनका विवाह 14 वर्ष से कम की आयु में हुआ है सबसे बड़ा समूह ~~उनमें~~ ऐसे पुरुषों का है जिनका विवाह (20-22) वर्ष की आयु वाले ग्रुप में हुआ है। इनका अनुपात 23.53 प्रतिशत है। यह स्मरणीय है कि इस ग्रुप से कम आयु वाले ग्रुप में विवाह करने वाले पुरुषों का अनुपात,इससे अधिक आयु वाले ग्रुपों में विवाह करने वाले पुरुषों को अनुपात से कम है। जिनका अनुपात क्रमश: 25.73 प्रतिशत एवं 50.74 प्रतिशत है।

इस सारिणी से यह स्पष्ट है कि 74-27 प्रतिशत पुरुषों का विवाह 22 वर्ष से कम की आयु में और 25-73 प्रतिशत पुरुषोंका विवाह 22 व अधिक की आयु में हुआ है। ब्राह्मणों के विवाह आयु का माध्यिका 21.28 वर्ष है।

ब्राह्मण जाति के सारिणी-42 पुरुषों प्रतियोगियों की पत्नियों की आयु के अनुसार वितरण ।

पुरुषों के पत्नियों के विवाह आयु (वर्षो.में)	पुरुषों की संख्या	प्रतिशत
12 से कम	9	6.62 प्रतिशत
12-14	20	14.71 "
14-16	23	16.91 "
16-18	27	19.85 "
18-20	23	16-91 "
20-22	16	11.76 "
22-24	11	8.09 "
24 इससे अधिक	7	5.15 "
योग	136	100.00 प्रतिशत

यह सारिणी पुरुष प्रतिवादी के जाति के अनुसार है जिसमें कि केवल ब्राह्मण जाति के व्यक्ति ही है ।

सम्प्रति न्यादर्श में 136 आवरणगण है ।

136 आवरणगण प्रत्याशियों के कुल को पत्नियों वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण इस प्रकार है कि 137 पुरुषों में 9(6.62 प्रतिशत) 20(14-71 प्रतिशत), 23(16.91 प्रतिशत), 27 (19.85 प्रतिशत) 23(16.91 प्रतिशत) . 16(11.76 प्रतिशत), 11(8.09 प्रतिशत) तथा 7(5.15 प्रतिशत) पुरुषों के पत्नियों का विवाह क्रमश: 12 से कम, (12-14), 14-16) ,(16-18) .(18-20) 20-22) , (22-24) तथा , 24 व अधिक वर्ष की आयु वाले ग्रुप में हुआ था ।

इस वर्ग के न्यादर्श के पुरुषों में ऐसे ~~अधिक~~ पुरुषों का सब से बड़ा समूह ऐसे है जिनको पत्नियों का विवाह(16-18)वर्ष की आयु वाले ग्रुप में हुआ था उनका अनुपात 19.85 प्रतिशत है । इस ग्रुप से कम वर्ष की आयु वाले ग्रुपों में विवाह करने वाली महिलाओं का अनुपात इस ग्रुप से अधिक आयु वाले ग्रुपों में विवाह करने वालों के अनुपात से कम है । यह अनुपात क्रमश: 38.24 प्रतिशत तथा 41.91 प्रतिशत है ।

इस तालिका से यह स्पष्ट है कि 58.09 प्रतिशत ब्राह्मणों की पत्नियों का विवाह 18 वर्ष से कम की आयु में हुआ है तथा 41.91 प्रतिशत ब्राह्मणों की पत्नियों का विवाह 18 व अधिक वर्ष की आयु में हुआ है। ब्राह्मणों की पत्नियों की वैवाहिक - आयु का भूयिष्ठक 17 वर्ष है।

सारिणी 43

आत्मसमर्पण जाति के कुल अपराधियों एवं उनकी पत्नियों की वास्तविक आयु के अनुसार वितरण

[illegible]	12 से कम	12-14	14-16	16-18	18-20	20-22	22-24	24-26	26-28	28-30	30 से ऊपर	योग
[illegible]			2	1	2	4						9
[illegible]		1	1		12	3	2			1		20
[illegible]			1	6	2	6	3	5				23
[illegible]					7	12	6		1		1	27
[illegible]						6	10	3	2		2	23
[illegible]						1	5	4	4	1	1	16
[illegible]							1	5	1	1	3	11
[illegible]								1		2	4	7
		1	4	7	23	32	27	18	8	5	11	136

यह सारिणी आत्मसमर्पण जाति के कुल अपराधियों एवं उनकी पत्नियों की आयु के अनुसार वितरण दर्शाती है।

सम्प्रति ग्वालियर में 136 आत्मसमर्पण कुल अपराधी थे।

~~वैवाहिक~~ इस वर्ग के पुरुषों एवं उनकी पत्नियों की वैवाहिक आयु का सह-सम्बन्ध गुणांक कार्ल पियर्सन की सह-सम्बन्ध गुणांक की विधि द्वारा ज्ञात किया गया है। इस वर्ग के पुरुषों एवं उनकी पत्नियों की वैवाहिक आयु का सह-सम्बन्ध गुणांक + 0.706 है।

जिससे यह स्पष्ट है कि ब्राह्मणों की जाति के पुरुषों एवं उनकी पत्नियों की वैवाहिक आयु में मध्यम श्रेणी का धनात्मक सह-सम्बन्ध है। अर्थात् ब्राह्मण जाति के पुरुषों की वैवाहिक आयु के अधिक होने पर उनकी पत्नियों की वैवाहिक आयु भी अधिक होती है तथा कम होने पर कम होती है।

सारिणी 44

क्षत्रिय जाति के पुरूष प्रतिवादियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण

पुरूषों की विवाह आयु (वर्षों में)	पुरूषों की संख्या	प्रतिशत
12 से कम	0	0
12-14	1	1.50
14-16	1	1.50
16-18	6	8.95
18-20	3	4.48
20-22	16	23.88
22-24	11	16.42
24-26	20	29.84
26-28	6	8.96
28.30	1	1.49
30 उससे अधिक	2	2.98
योग	67	100.00

प्रस्तुत सारिणी से यह स्पष्ट है कि न्यादर्शी प्रतिदर्श में 67 पुरूष क्षत्रिय वर्ग से संबंधित है।

कुल क्षत्रिय वर्ग के 67(100 प्रतिशत) प्रतिवादी सदस्यों में से किसी भी पुरुष का विवाह 12 वर्ष से कम आयु में नहीं हुआ था । 1(1.50प्रतिशत) प्रतिवादी पुरुष का विवाह (12-14 वर्षों की आयु ग्रुप में हुआ था । 1(1.50प्रतिशत) पुरुष का विवाह 14-16 वर्ष की आयु ग्रुप में हुआ था । 6(8.95 प्रतिशत पुरुषों का विवाह (16-18 वर्षों की आयु ग्रुप में हुआ था । 3(4.48 प्रतिशत) पुरुषों का विवाह (18-20 वर्षों की आयु ग्रुप में हुआ था । 16(23.88 प्रतिशत) पुरुषों का विवाह 20-22 वर्ष की आयु ग्रुप में हुआ था । 11(16-42 प्रतिशत) पुरुषों का विवाह 22-24 वर्ष के आयु ग्रुप में हुआ था । 20(29.84 प्रतिशत) पुरुषों का विवाह 24-26 वर्ष की आयु ग्रुप में हुआ था । 6(8.95 प्रतिशत) पुरुषों का विवाह (26-28वर्ष की आयु ग्रुप में हुआ था 1 ।(1.49 प्रतिशत व्यक्ति का । विवाह (28-30 वर्ष (की आयु ग्रुप में हुआ था 2(2.98 प्रतिशत) पुरुषों का विवाह (30-वर्ष से) अधिक आयु ग्रुप में हुआ था

प्रतिशत विश्लेषण से स्पष्ट है कि क्षत्रियों में अधिक तम प्रतिशत लोगों का विवाह (24-26 वर्ष) आयु ग्रुपमें हुआ था । साथ ही साथ यह भी स्पष्ट है कि 12 वर्ष से कम आयु ग्रुप में किसी का भी विवाह नहीं हुआ था तथा (12-14 वर्ष) की आयु ग्रुप एवं

14-16 वर्ष आयु ग्रुप एवं 29-30 वर्ष ग्रुप ग्रुपमें एक एक व्यक्तियों का विवाह हुआ था । यों वैवाहिक लगभग नगण्य है ।

जनजातीय जाति के पुरुषों में से 40.31 प्रतिशत पुरुषों का विवाह 22 वर्ष से कम की आयु में और 59.69 प्रतिशत पुरुषों का विवाह 22 व उससे अधिक वर्ष की आयु में हुआ है ।

जनजातियों के वैवाहिक आयु का भूयिष्ठक 24.78 वर्ष वर्ष है और समान्तर माध्य 22.82 वर्ष है ।

सारिणी- 45

क्षत्रिय जाति के पुरुष प्रतिवादियों की पत्नियों की आयु के अनुसार विवरण

पुरुष की पत्नियों की विवाह आयु (वर्षों में)	पुरुषों की संख्या	प्रतिशत
12 से कम	4	5.97
12-14	7	10.45
14-16	10	14.93
16-18	19	28.36
18-20	8	11.93
20-22	10	14.93
22-24	9	13.43
24- से अधिक	0	0
योग -	67	100

प्रस्तुत सारिणी से स्पष्ट है कि 67(100 प्रतिशत (क्षत्रिय पुरुष प्रतिवादियों में से 4(5.97 प्रतिशत) पुरुषों की पत्नियों का विवाह 12 वर्ष से कम आयु में हुआ था। 7(1045 प्रतिशत पुरुषों की पत्नियों का विवाह (12-14 वर्ष) की आयु ग्रुप में हुआ था 10(14.93 प्रति0) पुरुषों की पत्नियों का विवाह (14.16 वर्ष) की आयु ग्रुप में हुआ था।

10(14.93 प्रतिशत) पुरुषों की स्त्रियों का (विवाह 20-22 वर्ष) की आयु ग्रुप में हुआ था । 9(13.43 प्रतिशत) पुरुषों की स्त्रियों का विवाह 22-24 वर्ष की आयु ग्रुप में हुआ था और किसी भी महिला का विवाह 24 एवं अधिक आयु ग्रुप में नहीं हुआ था ।

प्रतिशत विश्लेषण से स्पष्ट है कि क्षत्रिय पुरुषों की पत्नियों का विवाह का अधिक प्रतिशत (16-18 वर्ष) की आयु ग्रुप में था तथा न्यूनतम प्रतिशत 24 वर्ष एवं अधिक आयु ग्रुप में था ।

क्षत्रिय जाति के पुरुषों की पत्नियों में से 59.71 प्रतिशत पत्नियों का विवाह 18 वर्ष से कम की आयु में तथा 40.29 प्रतिशत पत्नियों का विवाह 18 व अधिक वर्ष की आयु में हुआ है ।

क्षत्रिय पुरुषों की पत्नियों की वैवाहिक आयु का माध्यिका 16.9 वर्ष तथा समान्तर माध्य 17.56 वर्ष है ।

सारिणी - 46

क्षत्रिय जाति के कुल प्रतिवादियों एवं उनकी पत्नियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण

पत्नी की विवाह आयु वर्षों में	पुरुष की विवाह की आयु (वर्षों में)											
	12	12-14	14-16	16-18	18-20	20-22	22-24	24-26	26-28	28-30	30 व उससे अधिक	योग
2 से कम			1	1				1			1	4
2-14		1		3			1		1		1	7
4-16				2	1	6	1					10
6-18					1	9	6	1	2			19
8-20					1	1	1	5				8
0-22							2	5	2	1		10
2-24 व अधिक								8	1			9
4 से अधिक												
योग		1	1	6	3	16	11	20	6	1	2	67

सम्प्रति न्यादर्श में क्षत्रिय जाति के 67 पुरुष प्रतिवादी थे ।

उस वर्ग के पुरुषों एवं उनकी पत्नियों की वैवाहिक आयु का सह- सम्बन्ध गुणांक , कार्ल पियर्सन की सह-सम्बन्ध गुणांक विधि द्वारा निकासित है । इनका यह सह-सम्बन्ध गुणांक + 0. 4631 है ।

जिससे यह स्पष्ट है कि क्षत्रिय जाति के पुरुषों एवं उनकी पत्नियों की वैवाहिक आयु में मध्यम कोटि का धनात्मक सह-सम्बन्ध है (अर्थात क्षत्रिय जाति के पुरुषों की वैवाहिक जाति के पुरुषों की वैवाहिक आयु के बढ़ने पर उनकी पत्नियों की वैवाहिक आयु भी बढ़ती है तथा घटने पर घटती है ।

सारिणी -47

कायस्थ जाति के पुरुष प्रतिवादियों का उनकी विवाह-आयु के अनुसार वितरण

पुरुष की विवाह आयु (वर्षों में)	पुरुषों की संख्या	प्रतिशत
12 से कम	0	0.00
12-14	0	0.00
14-16	1	0.79
16-18	2	1.57
18-20	9	7.09
20-22	22	17.32
22-24	31	24.41
24-26	36	28.35
26-28	10	7.87
28-30	11	8.66
30 व अधिक	5	3.94
योग	127	100 प्रतिशत

यह सारिणी पुरुष प्रतिवादि के जाति के अनुसार

है जिसमें केवल कायस्थ ही हैं ।

प्रति न्यादर्श में 127 कायस्थ जाति के व्यक्ति हैं ।

वैवाहिक आयु के अनुसार 127 कायस्थ पुरुषों प्रतिवादियों का वितरण इस प्रकार है कि कुल 127 (100 प्रतिशत) पुरुषों में 1(0.79 प्रतिशत),2(1.57 प्रतिशत), 9(7.09 प्रतिशत),22(17.32 प्रतिशत),31 (24.41 प्रतिशत),36(28.35 प्रतिशत),10(7.87 प्रतिशत) 11(8.66 प्रतिशत) तथा 5(3.94 प्रतिशत) व्यक्तियों का विवाह क्रमशः (14-16),(16-18),(18-20),(20-22),(22-24),(24-26),(26-28),(28-30) तथा 30 से अधिक आयु वाले ग्रुप में हुआ था ।

इस वर्ग के न्यादर्श के पुरुषों में ऐसे व्यक्ति लगभग नगण्य हैं जिनका विवाह 16 वर्ष से कम की आयु में हुआ है । इन का अनुपात 0.79 प्रतिशत है । ऐसे पुरुषों का सबसे बड़ा समूह है जिनका विवाह (24-26(वर्ष की आयु वाले ग्रुप में हुआ है । इनका अनुपात 28.35 प्रतिशत है । यह स्मरणीय है कि इस ग्रुप से कम आयु वाले ग्रुपों में विवाह करने वाले पुरुषों का अनुपात इस ग्रुप से अधिक आयु वाले ग्रुपों में विवाह करने वाले पुरुषों के अनुपात से कम है । यह अनुपात क्रमशः 51.18 प्रतिशत तथा 20.47 प्रतिशत है ।

इस सारिणी से यह स्पष्टतः प्रदर्शित होता है कि कायस्थ जाति के पुरुषों में 26.77 प्रतिशत पुरुषों का विवाह 22 वर्ष से पूर्व की आयु में हुआ है तथा 73.23 प्रतिशत पुरुषों का विवाह 22 वर्ष व अधिक आयु में हुआ है। कायस्थ जाति के पुरुषों की वैवाहिक आयु का भूयिष्ठक 24.33 वर्ष तथा समान्तर माध्य 23.92 वर्ष है।

सारिणी - 48

कायस्थ प्रतिभागियों के पत्नियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण ।

युवकों की पत्नियों की विवाह आयु	युवकों की संख्या	प्रतिशत
12 से कम	7	5.51
12-14	11	8.66
14-16	10	7.83
16-18	20	15.75
18-20	35	27.56
20-22	22	17.32
22-24	11	8.66
24 व अधिक	11	8.66
योग	127	100

यह सारिणी युवक प्रतिभागि के जाति के अनुसार है । इसमे मात्र कायस्थ ~~मात्र~~ जाति के व्यक्ति हैं ।

सम्प्रति न्यादर्श में 127 परिवार कायस्थ हैं। वैवाहिक आयु के अनुसार 127 कायस्थ कुल प्रत्याशियों की पत्नियों का वितरण इस प्रकार है कि 7 (5.51 प्रतिशत) 11 (8.66 प्रतिशत), 10 (7.83 प्रतिशत), 20 (15.75 प्रतिशत), 35 (27.56 प्रतिशत), 22 (17.32 प्रतिशत), 11 (8.66 प्रतिशत) तथा 11 (8.66 प्रतिशत) कुलों की पत्नियों का विवाह क्रमश: "12 से कम", (12-14), (14-16) (16-18), (18-20), (20-22), (22-24) तथा "24 व अधिक" आयु वाले समूह में हुआ था।

इस वर्ग के न्यादर्श के कुलों में ऐसे कुलों का सबसे बड़ा समूह है जिनका विवाह (18-20) वर्ष की आयु वाले समूह में हुआ है। इनका अनुपात 27.56 प्रतिशत है। यह स्मरणीय है कि इस समूह से कम आयु वाले समूहों में विवाह करने वाली महिलाओं का अनुपात, इस समूह से अधिक आयु वाले समूह में विवाह करने वाली महिलाओं के अनुपात से अधिक है। इनका अनुपात क्रमश: 37.80 प्रतिशत तथा 34.64 प्रतिशत है।

इस सारिणी से यह स्पष्ट है कि कायस्थ प्रत्याशियों की स्त्रियों का विवाह 18 वर्ष से कम की आयु में 37.80 प्रतिशत है तथा 18 व अधिक आयु में 62.20 प्रतिशत है। कायस्थ महिलाओं की वैवाहिक आयु का माध्यिका 19.07 वर्ष और समान्तर माध्य 17.62 वर्ष है।

सारिणी - 49

कायस्थ जाति के पुरुष प्रशिक्षार्थियों एवं उनकी पत्नियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण ।

पुरुषों/पत्नियों की विवाह आयु वर्गों में	12से कम	12-14	14-16	16-18	18-20	20-22	22-24	24-26	26-28	28-30	30 व इससे अधिक	योग
12 से कम			1	1		2	2		1			7
12-14				1	5	1	3	1				11
14-16					1	6	1	2				10
16-18					2	7	6	3		2		20
18-20					1	6	12	11	2	2	1	35
20-22							7	11	3	1		22
22-24								7	2	1	1	11
24 व इससे अधिक								1	2	5	3	11
योग			1	2	9	22	31	36	10	11	5	127

इस सारिणी में केवल कायस्थ जाति के पुरुष प्रशिक्षार्थियों एवं उनकी पत्नियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण दिखाया गया है ।

सम्प्राप्ति न्यादर्श में कायस्थ जाति के 127 पुरुष प्रतिभागी हैं।

इस सारिणी में कायस्थ जाति के पुरुषों एवं उनकी पत्नियों की वैवाहिक आयु का सह-सम्बन्ध गुणांक कार्ल पियर्सन की सह-सम्बन्ध गुणांक विधि द्वारा ज्ञात किया गया है। इस कायस्थ वर्ग के पुरुषों एवं उनकी पत्नियों की विवाह-आयु का सह-सम्बन्ध गुणांक + 0.5937 है।

जिससे यह स्पष्ट है कि कायस्थ जाति के पुरुषों एवं उनकी पत्नियों की वैवाहिक आयु में मध्यम श्रेणी का धनात्मक सह-सम्बन्ध पाया है। अर्थात् कायस्थ जाति के पुरुषों की वैवाहिक आयु के अधिक होने पर उनकी पत्नियों की वैवाहिक आयु भी अधिक होती है और कम होने पर कम होती है।

सारिणी —50

वैश्य जाति के पुरुष प्रतिवादियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण।

पुरुष की विवाह आयु (वर्षों में)	पुरुषों की संख्या	प्रतिशत
12 से कम		
12-14	1	0.78
14-16	1	0.78
16-18	8	6.20
18-20	27	20.93
20-22	41	31.77
22-24	30	23.25
24-26	14	10.85
26-28	5	3.88
28-30	1	0.78
30 व अधिक	1	0.78
योग	129	100.00

यह सारिणी पुरुष प्रतिवादि के जाति के अनुसार है। इससे

वैश्य
भाग/जाति के भी व्यक्ति हैं।

सम्मति का वर्ग में 129 पुरुष वैश्य जाति के हैं।

वैवाहिक आयु के अनुसार 129 वैश्य जाति के पुरुष प्रतिवादियों का वितरण इस प्रकार है कि 129 पुरुषों में 1 (0.73 प्रतिशत) 1 (0.73 प्रतिशत), 8 (6.20 प्रतिशत) 27 (20.93 प्रतिशत), 41 (31.77 प्रतिशत) 30 (23.25 प्रतिशत), 14 (10.85 प्रतिशत), 5 (3.83 प्रतिशत) 1 (0.73 प्रतिशत) तथा 1 (0.74 प्रतिशत) व्यक्तियों का विवाह क्रमशः (12-14), (14-16), (16-18), (18-20), (20-22), (22-24), (24-26), (26-28), (28-30) तथा "30 व अधिक" आयु वाले ग्रुप में हुआ था।

इस वर्ग के न्यादर्श के पुरुषों में ऐसा कोई भी पुरुष नहीं है जिसका विवाह 12 वर्ष से कम की आयु में हुआ हो। ऐसे पुरुषों का सबसे बड़ा अनुपात है जिनका विवाह (20-22) वर्ष की आयु वाले ग्रुप में हुआ है। यह अनुपात 31.77 प्रतिशत है। यह स्मरणीय है कि इस ग्रुप से कम आयु वाले ग्रुपों में विवाह करने वालों का अनुपात, इस ग्रुप से अधिक आयु वाले ग्रुपों में विवाह करने वालों के अनुपात से कम है। यह अनुपात क्रमशः 28.69 प्रतिशत तथा 39.54 प्रतिशत है।

इस सारिणी से यह स्पष्ट है कि वैश्य जाति के 60.46 प्रतिशत युवकों का विवाह 22 वर्ष से कम की आयु में हुआ है। और 22 व अधिक आयु में विवाह करने वालों का अनुपात 39.54 प्रतिशत है। वैश्य जाति के युवकों की वैवाहिक आयु का माध्यिका 21.12 वर्ष एवं समान्तर माध्य 21.49 वर्ष है।

सारिणी- 8।

वैश्य जाति के पुरुष प्रतिवादियों की पत्नियों की वैवाहिक आयु के अनुसार विवरण।

पुरुषों की पत्नियों की विवाह आयु वर्षों में	पुरुषों की संख्या	प्रतिशत
12 से कम	13	10.11
12-14	16	12.40
14-16	17	13.17
16-18	36	26.90
18-20	29	22.48
20-22	11	8.52
22-24	5	3.87
24 व अधिक	2	1.55
योग :	129	100

यह सारिणी पुरुष प्रतिवादी के जाति के अनुसार है। इसमें मात्र १२९ जाति के व्यक्ति ही है।

सम्प्रति न्यादर्श में 129 पुरुष वैश्य जाति के है।

129 वैश्य जाति के पुरूष प्रतिभागियों की पत्नियों का वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण का आधार है कि कुल 129 (100 प्रतिशत) पुरूषों में 13 (10.11 प्रतिशत), 16 (12.40 प्रतिशत) 17 (13.17 प्रतिशत) 36 (27.90 प्रतिशत), 29 (22.48 प्रतिशत), 11 (8.52 प्रतिशत) 5 (3.87 प्रतिशत) तथा 2 (1.55 प्रतिशत) पुरूषों की स्त्रियों का विवाह क्रमशः 12 से कम, (12-14), (14-16), (16-18), (18-20), (20-22), (22-24), तथा 24 व अधिक आयु वाले ग्रुप में हुआ था ।

इस वर्ग में "व्यापारी" के पुरूषों में ऐसे पुरूषों का सबसे बड़ा समूह है जिनकी स्त्रियों का विवाह (16-18) वर्ष की आयु वाले ग्रुप में हुआ है । इनका अनुपात 27.90 प्रतिशत है । यह स्मरणीय है कि इस ग्रुप से कम आयु वाले ग्रुपों में विवाह करने वाली स्त्रियों का अनुपात, इस ग्रुप से अधिक आयु वाले ग्रुपों में विवाह करने वाली स्त्रियों के अनुपात से कम है । यह अनुपात क्रमशः 35.68 प्रतिशत तथा 36.42 प्रतिशत है ।

इस सारिणी से यह स्पष्ट है कि वैश्य जाति के पुरूषों की स्त्रियों में से 63.58 प्रतिशत महिलाओं का विवाह 18 वर्ष से कम आयु में हुआ है एवं 36.42 प्रतिशत पुरूषों की स्त्रियों का विवाह 18 वर्ष व अधिक वर्ष आयु में हुआ है । वैश्य जाति के पुरूषों की स्त्रियों की वैवाहिक आयु का प्रायिक 17.46 वर्ष तथा समान्तर माध्य 16.783 वर्ष है ।

सारिणी- 52

वैश्य जाति के पुरुष प्रतिवादियों एवं उनकी पत्नियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण ।

पु0 की पत्नियों की वैवाहिक आयु वर्गों में / पु0 की विवाह आयु वर्गों में	12से कम	12-14	14-16	16-18	18-20	20-22	22-24	24-26	26-28	28-30	30 व उससे अधिक	योग
12 से कम		1	1	5	3	1	2					13
12-14				1	11	2		1			1	16
14-16					9	6		1	1			17
16-18				1	2	24	8	1				36
18-20				1	2	8	16	2				29
20-22							4	5	2			11
22-24								4	1			5
24 व अधिक									1	1		2
योग		1	1	8	27	41	30	14	5	1	1	129

इस सारिणी में केवल वैश्य जाति के पुरुष प्रतिवादियों एवं उनकी पत्नियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण प्रस्तुत है ।

सम्प्रति न्यादर्श में 129 वैश्य जाति के पुरुष प्रतिवादी हैं ।

इस तालिका में वैश्य जाति के पुरुषों एवं उनकी पत्नियों की वैवाहिक (आयु) का सह-सम्बन्ध गुणांक कार्ल पियर्सन की सह सम्बन्ध गुणांक विधि द्वारा प्राप्त किया गया है। इस वर्ग के पुरुषों एवं उनकी पत्नियों की वैवाहिक आयु का सह-सम्बन्ध गुणांक +0.6498 है।

जिससे यह स्पष्ट है कि वैश्य जाति के पुरुषों एवं उनकी पत्नियों की वैवाहिक आयु में मध्यम कोटि का धनात्मक सह-सम्बन्ध है। अर्थात् वैश्य जाति के पुरुषों की वैवाहिक आयु के अधिक होने पर उनकी पत्नियों की वैवाहिक आयु भी अधिक होती है और कम होने पर कम होती है।

सारिणी - 53

फेरीवर जाति के पुरुष प्रतिवादियों का वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण

पुरुषों का विवाह आयु (वर्षों)	उत्तरों की संख्या	प्रतिशत
12 से कम	0	0.00
12-14	1	2.33
14-16	3	6.98
16-18	3	6.98
18-20	9	20.92
20-22	15	34.88
22-24	6	13.95
24-26	3	6.98
26-28	2	4.65
28-30	0	0.00
30 व उससे अधिक	1	2.33
योग	43	100.00

यह सारिणी पुरुष प्रतिवादियों के जाति के अनुसार है ।

इनमें प्रत्येक पेशेवर जाति के व्यक्ति हैं।

सम्प्रति न्यादर्श में 43 पेशेवर जाति के व्यक्ति लिये हैं।

पेशेवर जाति के 43 युवक प्रतिभागियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण का आधार है कि 43 (100 प्रतिशत) में 1(2.33 प्रतिशत) 3(6.98 प्रतिशत) 3(6.98 प्रतिशत), 9(20.92 प्रतिशत), 15(34.88 प्रतिशत), 6(13.95 प्रतिशत), 3(6.98 प्रतिशत), 2(4.65 प्रतिशत) एवं 1(2.33 प्रतिशत) युवकों का विवाह क्रमशः 12-14, 14-16, 16-18, 18-20, 20-22, 22-24, 24-26, 26-28, तथा 30 व उससे अधिक आयु वाले ग्रुप में हुआ था।

इस वर्ग के न्यादर्श के युवकों में ऐसा कोई भी युवक नहीं है जिसका विवाह 12 से कम तथा 28-30 वर्ष की आयु वाले ग्रुप में हुआ है। सबसे बड़ा समूह ऐसे युवकों का है जिनका विवाह 20-22 वर्ष की आयु वाले ग्रुप में हुआ है। इनका अनुपात 34.88 प्रतिशत है। यह स्मरणीय है कि इस ग्रुप से कम आयु वाले ग्रुपों में विवाह करने वालों का अनुपात, इससे अधिक आयु वाले ग्रुपों में विवाह करने वालों के अनुपात से अधिक है। यह अनुपात क्रमशः 37.20 प्रतिशत तथा 27.91 प्रतिशत है।

इस तालिका से यह स्पष्ट है कि मेहतर जाति के युवकों में 72.09 प्रतिशत युवकों का विवाह 22 वर्ष से कम की आयु में हुआ है तथा 27.91 प्रतिशत युवकों का विवाह 22 व अधिक आयु में हुआ है। मेहतर जाति के युवकों की वैवाहिक आयु का मध्यांक 20.4 वर्ष है।

सारिणी- 54

पेशेवर जाति के पुरुष प्रतिभागियों की पत्नियों का वैवाहिक आयु के अनुसार विवरण ।

पुरुषों की पत्नियों की विवाह आयु (वर्षों में)	पुरुषों की संख्या	प्रतिशत
12 से कम	5	11.63
12–14	8	18.60
14–16	12	27.91
16–18	11	25.58
18–20	4	9.30
20–22	2	4.65
22–24	0	0.00
24 व अधिक	1	2.33
योग	43	100.00

यह सारिणी पुरुष प्रतिभागों के जाति के अनुसार है । इसमें मात्र पेशेवर जाति के व्यक्ति ही है ।

सम्प्रति न्यादर्श में 43 व्यक्ति पेशेवर जाति के हैं।

43 पेशेवर जाति के पुरुष प्रतिवादियों की पत्नियों का वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण इस प्रकार है कि 43 (100 प्रतिशत) में 5(11.63 प्रतिशत),8(18.60 प्रतिशत),12(27.91प्रतिशत) ।। (22.58 प्रतिशत),4(9.30 प्रतिशत),2,2(4.65 प्रतिशत) तथा 1(2.33 प्रतिशत) पुरुषों की पत्नियां का विवाह क्रमशः "12 से कम" 12-14, 14-16, 16-18, 18-20, 20-22, 22-24, तथा 24 व अधिक" आयु वाले ग्रुप में हुआ है।

इस वर्ग के न्यादर्श में पुरुषों की पत्नियों में से 22-24 वर्ष की आयु वाले ग्रुप में एक का भी विवाह नहीं हुआ है। ऐसी पत्नियों का सबसे बड़ा समूह है जिनका विवाह 14-16 वर्ष की आयु वाले ग्रुप में हुआ है। इनका अनुपात 27.91 प्रतिशत है। यह स्मरणीय है कि इस ग्रुप से कम आयु वाले ग्रुपों में विवाह करने वाली स्त्रियों का अनुपात, इससे अधिक आयु वाले ग्रुपों में विवाह करने वाली स्त्रियों के अनुपात से कम है। यह अनुपात क्रमशः 30.23 प्रतिशत तथा 41.86 प्रतिशत है।

इन तालिकाओं से यह स्पष्ट है कि पेशेवर जाति के गुरुओं की पत्नियों में 83.72 प्रतिशत स्त्रियों का विवाह 18 वर्ष से कम की आयु तथा 16.28 प्रतिशत स्त्रियों का विवाह 18 व अधिक आयु में हुआ है। पेशेवर जाति के गुरुओं की पत्नियों की वैवाहिक आयु का भूयिष्ठक 15.6 वर्ष है।

सारिणी - 55

पेशेवर जाति के पुरुषों/पतियों एवं उनकी पत्नियों का वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण।

पु0/कु0 की नि0 विवाह आयु वर्षों में	12 कम	12-14	14-16	16-18	18-20	20-22	22-24	24-26	26-28	28-30	30 से अधिक	योग
12 से कम	0	1	1	1	1	1						5
12-14	0	0	2	2	2	1		1				8
14-16	0	0	0	0	4	6	1		1			12
16-18	0	0	0	0	2	5	4					11
18-20	0	0	0	0	0	2	1		1			4
20-22	0	0	0	0	0	0	0	2				2
22-24												
24 +											1	1
योग	0	1	3	3	9	15	6	3	2		1	43

यह सारिणी पेशेवर जाति के पुरुषों एवं उनकी पत्नियों की वैवाहिक आयु के अनुसार है।

प्रस्तुत न्यादर्श में 43 व्यक्ति ही पेशेवर जाति के हैं ।

पेशेवर जाति के 43 [illegible] उत्तरदाता अधिकारियों एवं उनकी पत्नियों की वैवाहिक आयु का सह-सम्बन्ध गुणांक ज्ञात करने के लिए सह-सम्बन्ध गुणांक विधि द्वारा ज्ञात किया गया है । यह सह-सम्बन्धगुणांक +0.7921 है ।

इससे यह स्पष्ट है कि पेशेवर जाति के पुरुषों एवं उनकी पत्नियों की वैवाहिक आयु में उच्च कोटि का धनात्मक सह-सम्बन्ध है । अर्थात् पेशेवर जाति के पुरुषों की वैवाहिक आयु के बढ़ने पर उनकी पत्नियों की वैवाहिक आयु भी बढ़ती है तथा घटने पर घटती है ।

सारिणी - 50

पिछड़ी जाति के युवक प्रतिवादियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण ।

युवकों की विवाह की आयु (वर्षों में)	युवकों की संख्या	प्रतिशत
12 से कम	1	0.74
12-14	0	0.00
14-16	10	7.41
16-18	19	14.07
18-20	27	20.00
20-22	41	30.37
22-24	22	16.30
24-26	11	8.15
26-28	1	0.74
28-30	3	2.12
30 से अधिक	0	0.00
योग	135	100.00

यह सारिणी युवक प्रतिवादियों के जाति के अनुसार है । इसमें मात्र पिछड़ी जाति के ही व्यक्ति है ।

प्रस्तुत न्यादर्श में 135 व्यक्ति जो पिछड़ी जाति के है।

135 पिछड़ी जाति के युवक उत्तरदाताओं का वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण इस प्रकार है। जिन 135(100 प्रतिशत) युवकों में 1(0.74 प्रतिशत), 10(7.41 प्रतिशत), 19(14.07 प्रतिशत), 27(20.00 प्रतिशत), 41(30.37 प्रतिशत), 22(16.30 प्रतिशत), 11(8.15 प्रतिशत), 1(0.74 प्रतिशत) तथा 3 (2.22 प्रतिशत) युवकों का विवाह क्रमशः "12 से कम", (14-16), (16-18), (18-20), (20-22), (22-24), (24-26), (26-28), तथा (28-30 वर्ष) की आयु वाले ग्रुप मे हुआ था।

इस वर्ग के न्यादर्श के युवकों मे ऐसे व्यक्ति नगण्य है जिनका विवाह 14 वर्ष से कम की आयु मे हुआ है। 30 वर्ष की व अधिक की आयु मे किसी भी युवक का विवाह नही हुआ है। ऐसे युवकों का सबसे बड़ा समूह है जिनका विवाह 20-22 वर्ष की आयु वाले ग्रुप मे हुआ है। इनका अनुपात 30.37 प्रतिशत है। यह स्मरणीय है कि इस ग्रुप से कम आयु वाले ग्रुपों मे विवाह करने वालों का अनुपात, इस ग्रुप से अधिक आयु वाले ग्रुपों मे विवाह करने वालों के अनुपात से अधिक है। यह अनुपात क्रमशः 42.22 प्रतिशत व तथा 27.41 प्रतिशत है।

इस सारिणी से यह स्पष्ट है कि पिछड़ी जाति के पुरुष प्रतिवादियों में 72.59 प्रतिशत पुरुषों का विवाह 22 वर्ष से कम आयु में हुआ है और 22 वर्ष से अधिक आयु में विवाह करने वालों का अनुपात 27.41 प्रतिशत है। पिछड़ी जाति के पुरुषों की वैवाहिक आयु का भूयिष्ठक 20.84 वर्ष है।

सारिणी - 57

पिछड़ी जाति के पुरुष प्रतिवादियों की पत्नियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण ।

पुरुष की पत्नियों की विवाह आयु (वर्षों में)	पुरुषों की संख्या	प्रतिशत
12 से कम	10	7.41
12-14	28	20.74
14-16	30	22.22
16-18	26	19.26
18-20	26	19.26
20-22	8	5.93
22-24	7	5.18
24 से अधिक	0	0.00
योग	135	100

यह सारिणी पुरुष प्रतिवादी के जाति के अनुसार है । इसमें मात्र पिछड़ी जाति के ही व्यक्ति है ।

सम्प्रति न्यादर्श में 135 व्यक्ति ही पिछड़ी जाति के हैं ।

135 पिछड़ी जाति के पुरुषों प्रतिवादियों की पत्नियों का वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण इस प्रकार है कि 135(100 प्रतिशत) में से

10(7.41 प्रतिशत) 28(20.74 प्रतिशत),30(22.22 प्रतिशत),

26(19.26 प्रतिशत),26(19.26 प्रतिशत),3(5.93 प्रतिशत) तथा

7(5.18 प्रतिशत) पुरुषों की स्त्रियों का विवाह क्रमशः "12 से कम" (12-14)

(14-16),(16-18),(18-20),(20-22), तथा (22-24-) वर्षों की आयु वाले

ग्रुप में हुआ था।

इस वर्ग के उत्तरदाताओं में पुरुषों में कोई भी ऐसा पुरुष नहीं है जिसकी पत्नी का विवाह 24 व अधिक आयु में हुआ है। ऐसे व्यक्तियों का सबसे बड़ा समूह है जिनकी पत्नियों का विवाह(14-16) वर्षों की आयु वाले ग्रुप में हुआ है। उनका अनुपात 22.22 प्रतिशत है। यह स्मरणीय है कि इस ग्रुप से कम आयु वाले ग्रुपों में विवाह करने वाली स्त्रियों का अनुपात उससे अधिक आयु वाले ग्रुपों में विवाह करने वाली स्त्रियों के अनुपात से कम है। यह अनुपात क्रमशः 28.15 प्रतिशत तथा 49.63 प्रतिशत है।

इस सारिणी से यह स्पष्ट है कि पिछड़ी जाति के लगभग आधे व्यक्तियों की पत्नियों का विवाह 16 वर्ष से कम की आयु में तथा लगभग आधे व्यक्तियों की पत्नियों का विवाह 16 व अधिक आयु ग्रुप में हुआ है। पिछड़ी जाति के पुरुषों की पत्नियों की वैवाहिक आयु का भूयिष्ठक 14.66 वर्ष तथा समान्तर मध्य 16.22 वर्ष है।

सारिणी 58

पिछड़ी जाति के पुरुष प्रतिभागियों एवं उनकी पत्नियों की वैवाहिक आयु के अनुसार विवरण

पु० की वैवाहिक आयु वर्षों में / पु० पत्नी	12 से कम	12-14	14-16	16-18	18-20	20-22	22-24	24-26	26-28	28-30	30+	योग
12 से कम	1	0	3	1	2	2			*	1		10
12-14	0	0	4	8	7	5	4					28
14-16	0	0	3	7	8	10	1			1		30
16-18	0	0	0	3	10	13						26
18-20	0	0	0	0	0	11	14	1				26
20-22	0	0	0	0	0	0	2	5		1		8
22-24							1	5	1			7
24-26											0	0
योग	1	0	10	19	26	41	22	11	1	3	0	135

यह सारिणी पिछड़ी जाति के पुरुषों एवं उनकी पत्नियों की वैवाहिक आयु के अनुसार है।

सम्पत्ति न्यादर्श में 135 पिछड़ी जाति के पुरुष प्रतिवादी है।

इस सारिणी से पिछड़ी जाति के पुरुष प्रतिभागियों एवं उनकी पत्नियों की वैवाहिक आयु का यह सम्बन्ध गुणांक काई स्क्वेयर विधि

की सह- सम्बन्धता गुणांक विधि द्वारा निकाला गया है यह सह-सम्बन्धता गुणांक 0.5946 है ।

जिससे पता चलता है कि पिछड़ी जाति के युवकों एवं उनकी पत्नियों की वैवाहिक आयु में मध्यम कोटि का धनात्मक सह-सम्बन्धता है । अर्थात पिछड़ी जाति के युवकों की वैवाहिक वृध्दि पर उनकी पत्नियों की विवाह - आयु में भी वृध्दि होती है ऐसा पता चल रहा है ।

सारिणी 59

अनुसूचित जाति के पुरुष प्रतिभागियों की वैवाहिक आयु के अनुसार विवरण

पुरुषों का विवाह आयु(वर्षों में)	पुरुषों का संख्या	प्रतिशत
12- से कम	3	1.63 प्रतिशत
12-14	0	0.00 "
14-16	12	6.52 "
16-18	21	11.41 "
18-20	58	31.52 "
20-22	53	28.81 "
22-24	31	16.85 "
24-26	4	2.17 "
26-28	2	1.09 "
28-30	0	0.00 "
30- से अधिक	0	0.00 "
योग	184	100.00 "

प्रस्तुत सारिणी से यह स्पष्ट है कि न्यादर्श सर्वेक्षण में

184 पुरुष ही ~~अनुसूचित जाति के~~ अनुसूचित जाति के है ।

कुल 184(100प्रतिशत) अनुसूचित जाति के पुरुषों में 3(1.63 प्रति0) पुरुषों का विवाह 12 वर्ष से कम आयु ग्रुप में हुआ था 12(6.52 प्रति0) का विवाह 14-16 वर्ष के आयु ग्रुप में हुआ था, 21(11.41 प्रति0) का विवाह 16-18 वर्ष के आयु ग्रुप में हुआ था, 58(31.52 प्रति0) का विवाह 18-20 वर्ष के आयु ग्रुप में हुआ था, 53(28.81 प्रति0) का विवाह 20-22 वर्ष के आयु ग्रुप में हुआ था, 31(16.85 प्रति0) का विवाह 28-24 वर्ष के आयु ग्रुप में हुआ था, 4(2.17 प्रति0) का विवाह 24-26 वर्ष के आयु ग्रुप में हुआ था, 2(1.09 प्रति0) का विवाह 26-28 वर्ष के आयु ग्रुप में हुआ था और किसी भी अनुसूचित जाति के पुरुष का विवाह, 12-14 वर्ष आयु ग्रुप या 28-30 वर्ष आयु ग्रुप या 30 व अधिक आयु व ग्रुप में नहीं हुआ था।

अनुसूचित जाति प्रतिशत विश्लेषण से स्पष्ट है कि पुरुषों में अधिकतम प्रतिशत 31-52 लोगों का विवाह 18-20 वर्ष के आयु ग्रुप में हुआ था अनुसूचित जाति के पुरुषों की वैवाहिक आयु का भूयिष्ठक 19-76 वर्ष है।

सारिणी 60

अनुसूचित जाति के कुल अधिकारियों की पत्नियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण ।

पुरुषों की पत्नियों की विवाह की आयु (वर्षों में)	पुरुषों की संख्या	प्रतिशत
12 से कम	27	14.66 प्रतिशत
12.14	29	15.75 "
14-16	51	27.72 "
16-18	50	27.18 "
19-20	17	9.24 "
20-22	8	4.35 "
22-24	1	0.54 "
24- से अधिक	1	0.54 "
योग	184	99.98=100

अनुसूचित जाति के प्रस्तुत सारिणी से स्पष्ट है कि 184(100 प्रति0) पुरुषों में 27(14.66 प्रतिशत) पुरुषों की स्त्रियों का विवाह 12 वर्ष से कम आयु ग्रुप में हुआ था . 29(15.75) पुरुषों की स्त्रियों का विवाह 12-14 वर्ष आयु ग्रुप में हुआ था । 51 (27.72 प्रति0) पुरुषों की स्त्रियों का

विवाह 14-16 वर्ष आयु ग्रुप में हुआ था 50(27.18 प्रति0) पुरुषों की स्त्रियों का विवाह 16-18 वर्ष आयु ग्रुप में हुआ था 17-(9.24 प्रति0) पुरुषों की स्त्रियों का विवाह 18-20 वर्ष आयु ग्रुप में हुआ था 8(4.35 प्रति0) पुरुषों की स्त्रियों का विवाह 20-22 वर्ष के आयु ग्रुप में हुआ था और एक (0.54 प्रति0) पुरुष की स्त्री का विवाह 22-24 वर्ष आयु ग्रुप तथा 1(0.54 प्रति0) पुरुष की स्त्री का विवाह 24 व अधिक वर्ष की आयु वाले ग्रुप में हुआ था ।

प्रतिशत विश्लेषण से ज्ञात है कि अनुसूचित जाति के पुरुषों में सर्वाधिक प्रतिशत (27.72 प्रति0)का विवाह 14-16 वर्ष की आयु ग्रुप में हुआ था सब से कम प्रतिशत (0.54 प्रति0) का विवाह 22-24 वर्ष ग्रुप तथा 24 व अधिक आयु ग्रुप में है । अनुसूचित जाति के पुरुषों की स्त्रियों की वैवाहिक आयु का भूयिष्ठक 15.91 वर्ष एवं समान्तर माध्य 15.37 वर्ष है ।

सारिणी 61

अनुसूचित जाति के पुरुष प्रतिवादियों एवं उनकी पत्नियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण ।

पुरु0 / पुरु0	12 से कम	12-14	14-16	16-18	18-20	20-22	22-24	24-26	26-28	28-30	30+	योग
12 से कम	3	0	6	10	2	5	1					27
12-14			3	3	14	7	5		1			29
14-16			2	6	25	14		1				51
16-18			0	2	14	19	15					50
18-20			1			11	4	1				17
20-22						1	5	1	1			8
22-24							0	1				1
24-26							1					1
योग	3	0	12	21	58	53	31	4	2	0	0	184

इस सारिणी में केवल अनुसूचित जाति के पुरुष प्रतिवादियों एवं उनकी पत्नियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण प्रस्तुत है ।

सम्प्रति न्यादर्श में 184 अनुसूचित जाति के पुरुष प्रतिवादी है ।

इस सारिणी से अनुसूचित जाति के पुरुषों एवं उनकी पत्नियों की वैवाहिक आयु का सह-सम्बन्ध गुणांक कार्ल पियर्सन की सह-सम्बन्ध गुणांक

विधि द्वारा ज्ञात किया गया है। इस जाति के पुरुषों एवं उनकी पत्नियों की यह वैवाहिक आयु का सह-सम्बन्ध गुणांक + 0.5202 है।

इससे यह स्पष्ट है कि अनुसूचित जाति के पुरुषों एवं उनकी पत्नियों की वैवाहिक आयु में मध्यम कोटि का धनात्मक सह-सम्बन्ध है। अर्थात अनुसूचित जाति के पुरुषों की वैवाहिक आयु के बढ़ने पर उनकी पत्नियों की वैवाहिक आयु में भी वृद्धि हो बढ़ती है तथा घटने पर घटती है।

सारणी 62

विभिन्न जाति के पुरुष प्रतिवादियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण तथा उनकी वैवाहिक आयु का भूयिष्ठक व सामान्तर माध्य हिन्दू धर्म के अनुसार में।

12 से कम आयु	ब्राह्मण सं0	ब्राह्मण प्रति0	क्षत्रिय सं0	क्षत्रिय प्रति0	कायस्थ सं0	कायस्थ प्रति0	वैश्य सं0	वैश्य प्रति0	पिछड़ी सं0	पिछड़ी प्रति0	पिछड़ी जाति सं0	पिछड़ी जाति प्रति0	अनुसूचित जाति सं0	अनुसूचित जाति प्रति0
12	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	[illegible]	0.74	3	1.63
12-14	1	0.73	1	1.50	0	0	1	0.78	1	2.33	0	0	0	0
14-16	4	2.94	1	1.50	1	0.79	1	0.78	3	6.98	10	7.41	12	6.52
16-18	7	5.15	6	8.95	2	1.57	8	6.20	3	6.98	19	14.07	21	11.41
18.20	23	16.91	3	4.48	9	7.09	27	20.93	9	20.92	27	20.00	58	32.52
20.22	32	23.53	16	23.88	22	17.32	41	31.77	15	34.88	41	30.37	53	28.81
22.24	27	19.85	11	16.42	[illegible]	24.41	30	23.25	6	13.95	22	16.36	31	16.85
24-26	18	13.24	20	29.84	36	28.35	14	10.85	3	6.98	11	8.15	4	2.17
26-28	8	5.38	6	8.96	10	7.87	5	3.88	2	4.65	1	0.74	2	1.09
28.30	5	3.68	1	1.49	11	8.66	1	0.78	0	0	3	2.22	0	0
30 से अधिक	11	8.09	2	2.98	5	3.94	1	0.78	1	2.33	0	0	0	0
योग	136	100	67	100	127	100	129	100	43	100	135	100	184	100
वि0 की आयु भूयिष्ठक	21	28	24	78	24	32	21	12	20	80	20	80	19	75
वास्तविक विवाह की आयु का समान्तर माध्य (वर्षों में)	22	60	22.	82	23	92	21	49	0			0		0

नोट: विवाह की आयु का मानक विचलन ज्ञात नहीं किया जा सकता है।

इस तालिका में हिन्दू धर्मानुयायी विभिन्न जाति के पुरुष प्रतिभागियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण तथा उनकी वैवाहिक आयु का माध्यिका व समान्तर माध्य प्रस्तुत है। हिन्दू धर्मानुयायी पुरुष प्रतिभागियों की ब्राह्मण, क्षत्रिय, कायस्थ, वैश्य, पेशेवर जाति, पिछड़ी जाति तथा अनुसूचित जाति के पुरुष प्रतिभागियों की वैवाहिक आयु का माध्यिका क्रमशः 21.28 वर्ष, 24.79 वर्ष, 24.32 वर्ष, 21.12 वर्ष 20.8 वर्ष, तथा 19.76 वर्ष है और उनकी वैवाहिक आयु का समान्तर माध्य क्रमशः 22.6 वर्ष, 22.[illegible] वर्ष, 23.92 वर्ष, 21.49 वर्ष, 20.77 वर्ष, 20.4 वर्ष तथा 19.85 वर्ष है। जिससे यह स्पष्ट है कि हिन्दू धर्मानुयायी पुरुषों में कायस्थ जाति के पुरुषों की वैवाहिक आयु सबसे अधिक है तथा अनुसूचित जाति के पुरुषों की वैवाहिक आयु सबसे कम है। पेशेवर जाति और और पिछड़ी जाति के पुरुषों की वैवाहिक आयु अनुसूचित जाति के पुरुषों की वैवाहिक आयु से अधिक है जबकि ब्राह्मण, क्षत्रिय, कायस्थ एवं वैश्य जाति के पुरुषों की वैवाहिक आयु से कम है। ब्राह्मण जाति के पुरुषों की वैवाहिक आयु वैश्य जाति के पुरुषों की वैवाहिक आयु से अधिक है जबकि कायस्थ तथा क्षत्रिय जाति के पुरुषों की वैवाहिक आयु से कम है। क्षत्रिय जाति के पुरुषों की वैवाहिक आयु कायस्थ जाति के पुरुषों की वैवाहिक आयु से कम तथा अन्य सभी जातियों के पुरुषों की वैवाहिक आयु से अधिक है।

अतः यह स्पष्ट है कि कायस्थ, क्षत्रिय, ब्राह्मण, वैश्य, पेशेवर जाति, पिछड़ी जाति तथा अनुसूचित जाति के पुरुषों की विवाह आयु क्रमशः घटते क्रम से है।

सारिणी - 63

विभिन्न जाति धर्म के अनुयायी वैवाहिक विभिन्न जाति पुरुष प्रतिवादियों की पत्नियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण तथा उनकी आयु का मध्यिका व समान्तर माध्य

वि० आयु वर्षों में	ब्राह्मण सं०	ब्राह्मण प्रतिशत	क्षत्रिय सं०	क्षत्रिय प्रतिशत	कायस्थ सं०	कायस्थ प्रतिशत	वैश्य सं०	वैश्य प्रतिशत	पं० सनल सं०	पं० सनल प्रतिशत	पिछड़ी जाति सं०	पिछड़ी जाति प्रति	अनुसूचित जाति सं०	अनुसूचित जाति प्रतिशत
12	9	6.62	4	5.97	7	5.51	13	10.11	5	11.63	10	7.41	27	14.66
12-14	20	14.71	7	10.45	11	8.66	16	12.40	8	18.60	28	20.74	29	15.75
14-16	23	16.91	10	14.93	10	7.88	17	13.17	12	27.91	30	22.22	51	27.71
16-18	27	19.85	19	28.36	20	15.75	36	27.90	11	25.58	26	19.26	50	27.18
18-20	23	16.91	8	11.93	35	27.56	29	22.48	4	9.30	26	19.26	17	9.24
20-22	16	11.76	10	14.93	22	17.32	11	8.52	2	4.65	8	5.93	8	4.35
22-24	11	8.09	9	13.43	11	8.66	5	3.87	0	0%	7	5.19	1	0.54
से 24 वर्ष व उससे अधिक		5.150	0	0%	11	8.66	2	1.55	1	2.33	0	0/	1	0.54
योग	136	100	67	100	126	100	129	100	43	100%	135	100%	184	100%
वि० आयु मध्यिका (वर्ष में)	17 वर्ष		16.9 वर्ष		19.07 वर्ष		17.45 वर्ष		15.6 वर्ष		14.66 वर्ष		15.9 वर्ष	
वि० आयु० का समान्तर माध्य वर्ष	17.39		17.56		17.62		16.783		-0-		16.22		15.37	

उक्त तालिका में हिन्दू धर्मानुयायी विभिन्न जाति के पुरुष प्रतिवादियों की पत्नियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण तथा उनकी वैवाहिक आयु का भूयिष्ठक व समान्तर माध्य प्रदर्शित किया गया है ।

सम्प्रति न्यादर्श में उपलब्ध 821 हिन्दू धर्मानुयायी पुरुष प्रतिवादियों 136 ब्राह्मण, 67 क्षत्रिय, 127 कायस्थ, 129 वैश्य, 43 पेशेवर जाति, 135 पिछड़ी जाति तथा 184 अनुसूचित जाति के पुरुष प्रतिवादी है ।

ब्राह्मण, क्षत्रिय, कायस्थ, वैश्य पेशेवर जाति, पिछड़ी तथा अनुसूचित जाति के पुरुषों के पत्नियों की वैवाहिक आयु का भूयिष्ठक क्रमशः 17 वर्ष 16.9 वर्ष, 19.07 वर्ष, 17.45 वर्ष, 15.6 वर्ष, 14.6 वर्ष, तथा 15.9 वर्ष है, जबकि समान्तर माध्य क्रमशः 17.39 वर्ष, 17.56 वर्ष, 17.62 वर्ष 16.783 वर्ष, 16.22 वर्ष तथा 15.37 वर्ष है ।

विभिन्न जाति के पुरुषों की पत्नियों की वैवाहिक आयु के भूयिष्ठक से यह स्पष्ट होता है कि कायस्थ जाति के पुरुषों की पत्नियों की वैवाहिक आयु का भूयिष्ठक सबसे अधिक है तथा पिछड़ी जाति के पुरुषों की पत्नियों की वैवाहिक आयु का भूयिष्ठक सबसे कम है । कायस्थ वैश्य, ब्राह्मण, क्षत्रिय, अनुसूचित, पेशेवर जाति, तथा पिछड़ी जातियों के पुरुषों की पत्नियों की भूयिष्ठक क्रमशः घटता गया है ।

नोट: विवाह की आयु का समान्तर माध्य मालूम नहीं किया जा सकता है ।

अतः यह स्पष्ट है कि कायस्थ जाति के पुरुषों की पत्नियों की वैवाहिक आयु अन्य जातियों के पुरुषों की पत्नियों की वैवाहिक आयु से अधिक है। पेशेवर जाति पिछड़ी व अनुसूचित जाति के पुरुषों की पत्नियों की वैवाहिक आयु ब्राम्हण, क्षत्रिय तथा वैश्य जाति के पुरुषों की पत्नियों की वैवाहिक आयु से कम है। कायस्थ, वैश्य, ब्राम्हण क्षत्रिय, अनुसूचित, पेशेवर जाति तथा पिछड़ी जाति के पुरुषों की पत्नियों की वैवाहिक आयु क्रमशः घटते क्रम में है।

सारिणी - 64

विभिन्न जाति के युवक प्रतिवादियों एवं उनकी पत्नियों की वैवाहिक आयु के बीच सह-सम्बन्ध गुणांक

जाति	युवकों एवं उनकी पत्नियों की वैवाहिक आयु के बीच सह-सम्बन्ध गुणांक ।
ब्राह्मण	+ 0.~~465~~ 706
क्षत्रिय	+ 0.463
कायस्थ	+ 0.5957
वैश्य	+ 0.6498
पेशावर	+ 0.7921
पिछड़ी	+ 0.5946
अनुसूचित	+ 0.5202

ब्राह्मण ,क्षत्रियकायस्थ,वैश्य,पेशेवर व्यक्ति ,पिछड़ी तथा अनुसूचित जाति के युवकों एवं उनकी पत्नियों की वैवाहिक आयु का सह-सम्बन्धगुणांक निकाला गया है क्रमश: सारिणी 43,46,49,52, 55,58, तथा 61 से ज्ञात किया गया है । यह क्रमश: + 0.906, +0.463 + 0.5957, +0.6498, + 0.7921, + 0.5946 तथा + 0.5202 है ।

जिससे यह स्पष्ट है कि क्षत्रिय जाति के पुरुषों एवं उनकी पत्नियों की वैवाहिक आयु में सह-सम्बन्धता गुणांक अन्य जातियों के पुरुषों एवं उनकी पत्नियों की वैवाहिक आयु के सह सम्बन्धता से कम है। पेशेवर जाति के पुरुषों एवं पत्नियों की वैवाहिक आयु में सह-सम्बन्धता अन्य जातियों के पुरुषों एवं उनकी पत्नियों की वैवाहिक आयु के सह-सम्बन्धता से अधिक है। स्मरणीय है कि पेशेवर ब्राह्मण, वैश्य, पिछड़ी, कायस्थ, अनुसूचित तथा क्षत्रिय जाति के पुरुषों एवं उनकी पत्नियों की वैवाहिक आयु में सह-सम्बन्धता क्रमशः घटते क्रम में है।

पुरुष की शिक्षा

इस शीर्षक के अन्तर्गत पुरुष की शिक्षा का उनकी वैवाहिक आयु के ऊपर प्रभाव को ज्ञात करने का प्रयास किया गया है शिक्षास्तर के बढ़ने के साथ-साथ पुरुषों की विवाह आयु किस प्रकार से बढ़ती है तथा घटने के साथ घटती किस प्रकार जाती है इस का अध्ययन करने का प्रयास किया गया है ।

उपर्युक्त उद्देश्य की प्राप्ति हेतु अध्येता द्वारा प्राप्त 1146 पुरुषों को अशिक्षित, साक्षर, प्राइमरी जूनियर हाई स्कूल, हाई स्कूल एवं इण्टरमीडिएट, स्नातक एवं स्नातकोत्तर तथा पत्नी की शिक्षा स्तर के आधार पर विभाजित करके पृथक पृथक उनकी वैवाहिक आयु का अध्ययन करने का प्रयास किया गया है तदुपरान्त उपर्युक्त शिक्षा स्तर द्वारा विभाजित पुरुषों की वैवाहिक आयु का तुलनात्मक अध्ययन करने का प्रयत्न किया गया है ।

-4-

~~[illegible] स्नातक एवं स्नातकोत्तर [illegible]~~

अशिक्षित युवक अधिकारियों [illegible] के अनुसार वितरण ।

सारणी - 65

युवकों की विवाह आयु वर्षों में	युवकों की संख्या	प्रतिशत
12	2	0.84
12-14	2	0.84
14-16	10	4.20
16-18	28	11.76
18.20	69	28.99
20.22	77	32.35
22-24	24	10.09
24-26	20	8.40
26-28	4	1.68
28-30	1	0.42
30 व अधिक	1	0.42
	[illegible]	100

यह सारिणी युवक प्रतिभागियों के शैक्षिक स्तर के अनुसार है। जिसमें मात्र अशिक्षित व्यक्ति हैं।

अनुसूचित जातियों में इन युवकों की संख्या 238 था।

उपर्युक्त युवक प्रतिभागियों के वैवाहिक आयु के अनुसार किया गया वर्गीकरण इस प्रकार मिला है कि 238(100 प्रतिशत) में से 2(0.84 प्रतिशत), 2(0.84 प्रतिशत) 10.(4.20 प्रतिशत), 28(11.76 प्रतिशत), 69(22.9 प्रतिशत) 77.(32.35 प्रतिशत) .24(10.0 प्रतिशत), ~~64(22.90 प्रतिशत)~~, 20.(8.40 प्रतिशत), 4(1.68 प्रतिशत), 1(0.42 प्रतिशत) तथा 1(0.42 प्रतिशत) युवकों का विवाह क्रमशः 12 से कम, 12-14, 14-16, 16-18, 18-20, 20-22, 22-24, 24-26, 26-28, 28-30, तथा 30 से अधिक आयु वाले ग्रुप में हुआ था।

इस वर्ग के प्रतिदर्श के युवकों में सबसे छोटा समूह उन युवकों का है जिनका विवाह 28-30 तथा 30 व अधिक आयु वाले ग्रुप में हुआ है। इनका अनुपात क्रमशः 0.42 प्रतिशत तथा 0.42 प्रतिशत है। इसमें सबसे बड़ा समूह उन युवकों का है जिनका विवाह 20-22 वर्ष की आयु वाले ग्रुप में हुआ है। ~~इस~~ इनका अनुपात 32.35 प्रतिशत है। यह भी स्पष्ट है कि इस ग्रुप से कम आयु वाले ग्रुपों में विवाह करने वाले युवकों का अनुपात, इससे अधिक आयु वाले ग्रुपों में विवाह करने वालों के अनुपात से अधिक है। इनका अनुपात क्रमशः 46.63 प्रतिशत है तथा 21.01 प्रतिशत है।

इस सारिणी से यह स्पष्ट है कि विवाहित युवती प्रतिवादियों में 73.93 प्रतिशत युवतियों का विवाह 22 वर्ष से कम की आयु में तथा 21.01 प्रतिशत युवतियों का विवाह 22 वर्ष व अधिक आयु में हुआ है। इन युवतियों की वैवाहिक आयु का माध्यिका 20.19 वर्ष और समान्तर माध्य 20.429 वर्ष है।

सारिणी - 86

साक्षर युवक प्रतिभागियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण।

युवकों की विवाह आयु वर्षों में	युवकों की संख्या	प्रतिशत
12	1	0.91
12-14	2	1.82
14-16	6	5.45
16-18	17	15.45
18-20	23	20.91
20-22	29	26.36
22-24	21	19.10
24-26	7	6.36
26-28	3	2.73
28-30	1	0.91
30 व अधिक	0	0
योग :	110	100

इस सारिणी से पुरुष प्रतिवादियों के शैक्षिक स्तर के अनुसार जिनमें मात्र साक्षर व्यक्ति हैं।

सम्प्रति न्यादर्श में इन पुरुषों की संख्या 110 था।

उपर्युक्त पुरुष प्रतिवादियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण इस प्रकार मिला है कि 110 (100 प्रतिशत) में 1 (0.91 प्रतिशत) 2(1.82 प्रतिशत), 6(5.45 प्रतिशत), 17(15.45 प्रतिशत), 23 (20.91 प्रतिशत), 29(26.36 प्रतिशत), 21(19.10 प्रतिशत) 7(6.36 प्रतिशत), 3 (2.72 प्रतिशत) तथा 1(0.91 प्रतिशत) पुरुषों का विवाह क्रमशः 12 से कम, 12-14, 14-16, 16-18, 18-20, 20-22, 22-24, 24-26, 26-28, तथा 28-30 वर्ष की आयु वाले ग्रुप में हुआ था। 30 व अधिक आयु वाले ग्रुप में विवाह करने वालों की संख्या शून्य थी।

इस वर्ग के न्यादर्श के पुरुषों में सबसे छोटा समूह उन व्यक्तियों का है जिनका विवाह 12 से कम या 28-30 वर्ष की आयु वाले ग्रुप में हुआ है। इन व्यक्तियों का अनुपात क्रमशः 0.91 प्रतिशत तथा 0.91 प्रतिशत है। सबसे बड़ा ग्रुप उन पुरुषों का है जिनका विवाह 20-22 वर्ष की आयु वाले ग्रुप में हुआ है। इनका अनुपात 26.36 प्रतिशत है।

यह स्मरणीय है कि इस युग से कम आयु वाले युवकों से विवाह करने वाले पुरुषों का अनुपात, उससे अधिक आयु वाले युवकों से विवाह करने वाले के अनुपात से अधिक है। इनका अनुपात क्रमशः 44.55 प्रतिशत तथा 29.10 प्रतिशत है।

इस सारिणी से यह स्पष्ट है कि साक्षर पुरुष प्रतिभागियों में 70-90 प्रतिशत पुरुषों का विवाह 22 वर्ष से कम की आयु में तथा 29.10 प्रतिशत पुरुषों का विवाह 22 व अधिक आयु में हुआ है। इन पुरुषों की वैवाहिक आयु का भूयिष्ठक 20.85 वर्ष तथा समान्तर माध्य 20.31 वर्ष है।

सारिणी — 67

पुरुष प्रतिवादियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण जिन्होंने प्राईमरी स्तर की शिक्षा प्राप्त की है।

पुरुषों की विवाह आयु वर्षों में	पुरुषों की संख्या	प्रतिशत
12-	1	0.71
12-14	0	0
14-16	5	3.55
16-18	13	9.22
18.20	25	17.73
20.22	51	36.17
22.24	26	18.44
24.26	15	10.64
26.28	2	1.42
28.30	0	0
30.व अधिक	3	2.12
योग :	141	100

यह तालिका पुरुष प्रतिवादी के शैक्षिक स्तर के अनुसार है जिसमें मात्र माध्यमिक स्तर तक शिक्षा प्राप्त किए हुए व्यक्तियों को है।

सम्पूर्ण न्यादर्श में इन पुरुषों की संख्या 141 थी।

उपर्युक्त पुरुषों में वैवाहिक आयु के अनुसार विवरण इस प्रकार मिलता है कि 141 (100 प्रतिशत) में से 1(0.71 प्रतिशत),5(3.55 प्रतिशत), 13(9.22 प्रतिशत),25(17.73 प्रतिशत) 51(36.17 प्रतिशत)26(18.44 प्रतिशत), 15(10.64 प्रतिशत),2(1.42 प्रतिशत) तथा 3(2.12 प्रतिशत) पुरुषों का विवाह क्रमशः 12 से कम, 14-16 16-18,18-20, 20-22, 22-24, 24-26 ,26-28, 28-30 तथा 30 व अधिक आयु वाले ग्रुपों में हुआ था। 12-14 तथा 28-30 वर्ष की आयु वाले ग्रुप में किसी भी व्यक्ति का विवाह नहीं हुआ था।

इस वर्ग के न्यादर्श के पुरुषों में सबसे छोटा समूह उन पुरुषों का है जिनका विवाह 26-28 वर्ष की आयु वाले ग्रुप में हुआ है। इनका अनुपात 1.42 प्रतिशत है। सबसे बड़ा समूह उन व्यक्तियों का है जिनका विवाह 20-22 वर्ष की आयु वाले ग्रुप में हुआ है। इनका अनुपात 36.17 प्रतिशत है।

यह स्मरणीय है कि [illegible] युग से कम आयु वाली युवतियों से विवाह करने वाले पुरुषों का अनुपात, उससे अधिक आयु वाली युवतियों में विवाह करने वालों के अनुपात से कम है। इनका अनुपात क्रमशः 31.21 प्रतिशत तथा 32.62 प्रतिशत है।

इस सारिणी से यह स्पष्ट है कि ग्रामीण क्षेत्र के शिक्षा प्राप्त किए हुए पुरुषों में 66.[illegible]3 प्रतिशत पुरुषों का विवाह 22 व अधिक आयु में हुआ है। इन पुरुषों की वैवाहिक आयु का माध्यिका 21 वर्ष है।

सारिणी - 68

पुरुष प्रतिवादियों की वैवाहिक आयु के अनुसार विवरण जिन्होंने जूनियर हाई स्कूल स्तर की शिक्षा ग्रहण किया था।

पुरुषों की विवाह आयु वर्षों में	पुरुषों की संख्या	प्रतिशत
12	0	0
12-14	0	0
14-16	6	5.41
16-18	8	7.21
18.20	32	28.83
20.22	30	27.03
22.24	15	13.51
24.26	10	9.01
26.28	1	0.90
28.30	5	4.50
30. व उससे अधिक	4	3.60
	111	100

यह तालिका पुरुष प्रतिवादी के वैवाहिक स्तर के अनुसार उपलब्ध है जिसमें मात्र अविवाहित हार्द ... को विवाह प्राप्त किए हुए व्यक्ति हैं ।

सम्प्रति न्यादर्श में उन पुरुषों की संख्या 111 था ।

उपर्युक्त पुरुषों की वैवाहिक आयु के अनुसार विवरण इस प्रकार मिलता है कि 111 (100 प्रतिशत) में 6(5.41 प्रतिशत),8(7.21 प्रतिशत),32(28.83 प्रतिशत) 30(27.03 प्रतिशत),15(13.51 प्रतिशत),10(9.01 प्रतिशत),1(0.90 प्रतिशत)5(4.50 प्रतिशत तथा 4(3.60 प्रतिशत) पुरुषों का विवाह क्रमशः 14-16, 16-18, 18-20, 20-22, 22-24, 24-26, 26-28,28-30 तथा 30 व अधिक आयु वाले ग्रुप में हुआ था । 12 से कम तथा 12-14 वर्ष की आयु वाले ग्रुप में एक भी पुरुष का विवाह नहीं हुआ था ।

इस वर्ग के न्यादर्श के पुरुषों में सबसे छोटा समूह उन पुरुषों का है जिनका विवाह 26-28 वर्ष की आयु वाले ग्रुप में हुआ है । उनका अनुपात 0.90 प्रतिशत है । सबसे बड़ा समूह उन पुरुषों का है जिनका विवाह 18-20 वर्ष की आयु वाले ग्रुप में हुआ है उनका अनुपात 28.83 प्रतिशत है । यह स्मरणीय है कि इस ग्रुप से कम आयु वाले ग्रुपों में विवाह करने वाले पुरुषों का अनुपात, इससे अधिक आयु वाले ग्रुपों में विवाह

~~निवास~~ करने वालों के अनुपात में व[illegible] है। [illegible] पुरुष[illegible] [illegible]त: 12.62 प्रतिशत तथा 60.[illegible] प्रतिशत [illegible] है। [illegible] [illegible]द्वारा निकाला गया [illegible] 20-22 निकला हुआ है।

उक्त तालिकाओं से स्पष्ट है कि जूनियर हाई स्कूल स्तर की शिक्षा प्राप्त किए हुए पुरुषों में 68.43 प्रतिशत पुरुषों का विवाह 22 वर्ष से कम की आयु में तथा 31.52 प्रतिशत पुरुषों का विवाह 22 व अधिक आयु में हुआ था। इन पुरुषों की वैवाहिक आयु का भूयिष्ठक 21.36 वर्ष तथा समान्तर माध्य 21.22 वर्ष है।

सारिणी - 69

पुरुष प्रतिवादियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण जो हाई स्कूल एवं इण्टरमीडिएट स्तर की शिक्षा प्राप्त किये थे।

पुरुषों की विवाह आयु वर्षों में	पुरुषों की संख्या	प्रतिशत
12	0	0
12-14	0	0
14-16	5	1.56
16-18	11	3.43
18-20	44	13.71
20.22	77	23.99
22.24	84	26.14
24.26	63	19.63
26-28	14	4.36
2.30	12	3.74
30 व उससे अधिक	11	3.43
	321	99.99=100

यह तालिका पुरुष प्रतिवादी के विवाह की आयु के अनुसार है जिसमें भारतीय एवं पाश्चात्य शिक्षा प्राप्त किए हुए व्यक्ति हैं।

सम्प्रति इस वर्ग में इन पुरुषों की संख्या 321 थी।

उपर्युक्त व्यक्तियों को वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण इस प्रकार मिलता है कि 321 (100 प्रतिशत) में से 5(1.56 प्रतिशत), 44(13.71 प्रतिशत), 77(23.99 प्रतिशत) 84(26.14 प्रतिशत), 63(19.63 प्रतिशत), 14(4.36 प्रतिशत) 12(3.74 प्रतिशत) तथा 11 (3.43 प्रतिशत) पुरुषों का विवाह क्रमशः 14-16, 16-18, 18-20 20-22, 22-24, 24-26, 26-28, 28-30 तथा 30 से अधिक आयु वाले ग्रुप में हुआ था। 12 से कम अर्थात 12-14 वर्ष की आयु वाले ग्रुप में किसी भी व्यक्ति का विवाह नहीं हुआ था।

इस वर्ग के स्नातकों के पुरुषों में सबसे छोटा समूह उन पुरुषों का है जिनका विवाह 14-16 वर्ष की आयु वाले ग्रुप में हुआ था। इनका अनुपात 1.56 प्रतिशत है। सबसे बड़ा समूह उन पुरुषों का है जिनका विवाह 22-24 वर्ष की आयु वाले ग्रुप में हुआ है। इनका अनुपात 26.14 प्रतिशत है। यह स्मरणीय है कि इस ग्रुप से कम आयु वाले ग्रुपों में विवाह करने वाले पुरुषों का अनुपात, ~~इससे अधिक आयु वाले पुरुषों का अनुपात,~~ इससे अधिक आयु वाले ग्रुपों में विवाह करने वालों के अनुपात से अधिक है। इनका अनुपात क्रमशः 42.69 प्रतिशत और 31.16 है।

इन सारिणी से यह स्पष्ट है कि हाई स्कूल एवं इण्टरमीडिएट के स्तर की शिक्षा प्राप्त किए हुये युवकों में से 42.69 प्रतिशत युवकों का विवाह 22 वर्ष से कम की आयु में तथा 57.30 प्रतिशत युवकों का विवाह 22 व अधिक आयु में हुआ है। इन युवकों की वैवाहिक आयु का भूयिष्ठक 22.50 वर्ष और समान्तर माध्य 23.20 वर्ष है।

सारिणी - 70

पुरुष प्रतिवादियों का [illegible] वैवाहिक आयु के अनुसार

वितरण को सारणी एवं [illegible] वक्र से दिखाया [illegible] है ।

पुरुषों की विवाह आयु (वर्षों में)	पुरुषों की संख्या	प्रतिशत
12	0	0
12-14	0	0
14-16	1	0.49
16-18	5	2.49
18.20	15	7.46
20-22	42	20.90
22-24	45	22.39
24-26	51	25.37
26-28	22	10.95
28.30	11	5.47
30 व उससे अधिक	9	4.48
योग:	201	100

यह तालिका पुरुष और बालकों के वैवाहिक स्तर के अनुसार है जिसमें ग्राम स्तर एवं ग्रामीण स्तर का वितरण लिए हुये दर्शाया है ।

ग्रामीण न्यादर्श में इन पुरुषों की संख्या 201 थी ।

उपर्युक्त पुरुषों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण इस प्रकार मिलता है कि 201 (100 प्रतिशत) में से 1 (0.49 प्रतिशत), 5(2.49 प्रतिशत), 15(7.46 प्रतिशत), 42(20.90 प्रतिशत), 45(22.39 प्रतिशत), 51(25.37 प्रतिशत), 22(10.95 प्रतिशत), 11(5.47 प्रतिशत) तथा 9(4.48 प्रतिशत) वाले पुरुषों का विवाह क्रमशः 14-16, 16-18, 18-20, 20-22, 22-24, 24-26, 26-28, 28-30 तथा 30 व अधिक आयु वाले ग्रुप में हुआ था इनमें से ऐसा कोई भी पुरुष नहीं था जिसका विवाह 12 से कम अर्थात 12-14 वर्ष की आयु वाले ग्रुप में हुआ हो ।

इस वर्ग के न्यादर्श के पुरुषों में सबसे छोटा समूह उन पुरुषों का है जिनका विवाह 14-16 वर्ष की आयु वाले ग्रुप में हुआ है । इनका अनुपात 0.49 प्रतिशत है । सबसे बड़ा समूह उन पुरुषों का है जिनका विवाह 24-26 वर्ष की आयु वाले ग्रुप में हुआ है । इनका अनुपात 25.37 प्रतिशत है । यह उल्लेखनीय है कि इस ग्रुप से कमआयु वाले ग्रुपों मे विवाह करने वाले पुरुषों का अनुपात , इससे अधिक आयु वाले ग्रुपों में विवाह करने वाले के अनुपात से अधिक है । इनका अनुपात क्रमशः 53.73 प्रतिशत है और 20.90 प्रतिशत है ।

इस तालिका से यह स्पष्ट है कि स्नातक एवं स्नातकोत्तर के स्तर की शिक्षा प्राप्त किये हुये युवकों में 31.34 प्रतिशत युवकों का विवाह 22 वर्ष से कम की आयु में तथा 68.66 प्रतिशत युवकों का विवाह 2[illegible] अधिक वर्ष की आयु में हुआ है। इन युवकों की वैवाहिक आयु का बहुलांक 24.[illegible] वर्ष तथा समान्तर माध्य 23.73 वर्ष है।

सारिणी - 71

पुरुष प्रतिवादियों को वैवाहिक आयु के आधार विभाजन जिसे जो तकनीकी स्तर को लिखना अलग किया गया।

पुरुषों की विवाह आयु वर्षों में	पुरुषों की संख्या	प्रतिशत
12	0	0
12-14	0	0
14-16	0	0
16-18	0	0
18-20	0	0
20-22	3	12.50
22-24	7	29.16
24.26	1	4.17
26.28	9	37.50
28.28	3	12.50
30 व इससे अधिक	1	4.17
योग:	24	100

[illegible] युव[illegible] के [illegible]

अनुसार भी [illegible] हैं ।

[illegible] युवतियों [illegible] 24 थी ।

उपर्युक्त युवतियों का विवाह आयु के अनुसार विश्लेषण इस प्रकार मिलता है कि 24(100 प्रतिशत) में 3(12.50 प्रतिशत), 7(29.1[illegible] प्रतिशत) 1(4.17 प्रतिशत), 9(37.50 प्रतिशत), 3(12.50 प्रतिशत) तथा 1 (4.17 प्रतिशत) युवतियों का विवाह क्रमशः 20-22, 22-24, 24-26 26-28, 28-30 तथा 30 व अधिक आयु वाले ग्रुप में हुआ था । इनमें ऐसा कोई भी युवती नहीं था जिसका विवाह 12 से कम, 12-14, 14-16 16-18 तथा 18-20 वर्ष की आयु वाले ग्रुप में हुआ हो ।

इस वर्ग के व्यक्तियों में युवतियों में सबसे बड़ा समूह उन युवतियों का है जिनका विवाह 26-28 वर्ष की आयु वाले ग्रुप में हुआ है । इनका अनुपात 37.50 प्रतिशत है । यह स्पष्ट होता है कि इस ग्रुप से कम आयु वाले ग्रुपों में विवाह करने वाले युवतियों का अनुपात, इससे अधिक आयु वाले ग्रुपों में विवाह करने वालों के अनुपात से अधिक है । जिनका अनुपात क्रमशः 45.83 प्रतिशत तथा 16.67 प्रतिशत है ।

उक्त सारिणी से यह स्पष्ट है कि ग्रामीण क्षेत्र की शिक्षा ग्रहण किये हुए युवकों में 12.50 प्रतिशत युवकों का विवाह 22 वर्ष से कम की आयु में तथा 37.50 प्रतिशत युवकों का विवाह 22 व अधिक आयु में हुआ है। इन युवकों की वैवाहिक आयु का माध्यिका 26.50 वर्ष तथा समान्तर माध्य 25.42 वर्ष है।

सारिणी नं2

शिक्षा स्तर के आधार पर विभाजित पुरुष प्रतिभागियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण तथा वैवाहिक आयु का अनुपिण्डक एवं समान्तर माध्य

शिक्षा/पुरुषों की स्तर विवाह आयु वर्षों में	12	12-14	14-16	16-18	18-20	20-22	22-24	24-26	26-28	28-30	30 व से अधिक	अनुपिण्डक योग	समान्तर माध्य वर्षों में
अशिक्षित	2	2	10	28	69	77	24	20	4	1	1	238	20.439
साक्षर	1	2	6	27	23	29	21	7	3	1	0	110	20.31
प्राइमरी	1	0	5	13	25	51	26	15	2	0	3	141	0.08
जूनियर हाई स्कूल	0	0	6	8	32	30	15	10	1	5	4	111	21.22
हाई स्कूल एवं इण्टरमीडिएट	0m	0	5	11	44	77	84	63	14	12	11	321	23.20
स्नातकोत्तर	0	0	1	5	15	42	45	51	22	11	9	201	23.73
तकनीकी	0	0	0	0	0	3	7	1	9	3	1	24	25.42
योग	4	4	33	82	208	309	222	167	55	33	29	1146	

यह सारिणी शिक्षा स्तर के आधार पर विभाजित पुरुष प्रतिवादियों को वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण तथा उनकी वैवाहिक आयु का क्रमशः भूयिष्ठक एवं समान्तर माध्य को उपलब्ध कराती है।

सम्प्रति न्यादर्श में 1146 पुरुष प्रतिवादियों में 238 अशिक्षित, 110 साक्षर, 141 प्राइमरी, 111 जूनियर हाई स्कूल, 321 हाई स्कूल एवं इण्टरमीडिएट, 201 स्नातक एवं स्नातकोत्तर तथा 24 तकनीकी शिक्षा स्तर के पुरुष थे।

उपर्युक्त अशिक्षित, साक्षर, प्राइमरी, जूनियर हाई स्कूल, हाई स्कूल एवं इण्टरमीडिएट, स्नातक एवं स्नातकोत्तर तथा तकनीकी शिक्षा स्तर के पुरुष प्रतिवादियों की वैवाहिक आयु का भूयिष्ठक क्रमशः 20.19 वर्ष, 20.85 वर्ष, 21.36 वर्ष, 22.50 वर्ष, 24.34 वर्ष तथा 26.50 वर्ष था तथा उनकी वैवाहिक आयु का समान्तर माध्य क्रमशः 20.43 वर्ष, 20.31 वर्ष, 21.22 वर्ष, 23.20 वर्ष, 25.73 वर्ष तथा 25.12 वर्ष था।

शिक्षा स्तर के आधार पर विभाजित पुरुष प्रतिवादियों में अशिक्षित पुरुष प्रतिवादियों की वैवाहिक आयु का भूयिष्ठक सबसे कम तथा तकनीकी ज्ञान वाले पुरुष प्रतिवादियों की वैवाहिक आयु का भूयिष्ठक

सबसे अधिक है । इनका भूयिष्ठक क्रमशः 20.10 वर्ष तथा 20.50 वर्ष है । अशिक्षित, साक्षर, प्राइमरी, जूनियर, हाई स्कूल, हायर सेकेण्डरी एवं इण्टरमीडिएट, स्नातक एवं स्नातकोत्तर तथा तकनीकी शिक्षा स्तर के पुरुष प्रतिवादियों की वैवाहिक आयु का भूयिष्ठक क्रमशः बढ़ता गया है ।

यह स्मरणीय है कि प्राथमिक शिक्षा के स्तर के पुरुषों की वैवाहिक आयु का भूयिष्ठक कम है, जबकि उच्च शिक्षा स्तर के पुरुषों की वैवाहिक आयु का भूयिष्ठक अधिक है ।

जिस प्रकार से पुरुषों की वैवाहिक आयु का भूयिष्ठक बढ़ रहा है उसी प्रकार से पुरुषों की वैवाहिक आयु का समान्तर माध्य भी बढ़ रहा है ।

सारिणी से यह स्पष्ट है कि अशिक्षित पुरुषों की वैवाहिक आयु सबसे कम है तथा तकनीकी शिक्षा स्तर के पुरुषों की वैवाहिक आयु सबसे अधिक है । अशिक्षित, साक्षर, प्राइमरी, जूनियर हाई स्कूल हाई स्कूल एवं इण्टरमीडिएट, स्नातक एवं स्नातकोत्तर तथा तकनीकी शिक्षा-स्तर के पुरुषों की वैवाहिक आयु क्रमशः बढ़ती गयी है । प्राथमिक शिक्षा स्तर के पुरुषों की वैवाहिक आयु कम है ~~लेकिन उच्च शिक्षा स्तर के पुरुषों की वैवाहिक आयु कम है~~ लेकिन उच्च शिक्षा स्तर के पुरुषों की वैवाहिक आयु अधिक है । अर्थात शिक्षा स्तर के बढ़ने के साथ साथ पुरुषों की वैवाहिक आयु बढ़ती गयी है ।

स्त्री की शिक्षा

इस शीर्षक के अन्तर्गत स्त्री की शिक्षा का प्रभाव उनकी विवाह आयु पर क्या पड़ता है यह जानने का प्रयास किया गया है ।

चयनित जिले में प्रथम न्यादर्श में पाये गये 1146 कृषकों की पत्नियों को उनकी शिक्षा-स्तर के आधार पर उनको अलग अलग विभाजित करके उनकी वैवाहिक आयु का अध्ययन करने का प्रयास किया गया है । तद् पश्चात् अशिक्षित, साक्षर प्राईमर, जूनियर हाई स्कूल, हाईस्कूल एवं इण्टरमीडिएट, स्नातक एवं स्नातकोत्तर शिक्षा स्तर द्वारा विभाजित स्त्रियों की वैवाहिक आयु का अध्ययन तुलनात्मक रूप से करने का प्रयत्न किया गया है ।

सारिणी - 73

पुरुष प्रशिक्षार्थियों की पत्नियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण जिनकी पत्नियाँ अशिक्षित था ।

पत्नियों की विवाह आयु वर्षों में	पुरुषों की संख्या	प्रतिशत
12	71	9.63
12-14	115	15.60
14-16	153	20.76
16,18	166	22.52
18,20	117	15.88
20-22	68	9.2[illegible]
22-24	38	5.16
24, इससे अधिक	9	1.22
योग:	737	100

यह तालिका पुरुष प्रतिवादियों की पत्नियों के शिक्षा स्तर के अनुसार निर्मित है जिसमें कि केवल अशिक्षित पत्नियों को सम्मिलित किया गया है ।

सम्पूर्ण न्यादर्श में 737 पुरुष उत्तरदाताओं की पत्नियाँ अशिक्षित थीं ।

उपर्युक्त पुरुष प्रतिवादियों की पत्नियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण इस प्रकार मिला है कि 737 (100 प्रतिशत) में 71 (9.63 प्रतिशत), 115 (15.60 प्रतिशत), 153 (20.76 प्रतिशत) 166 (22.52 प्रतिशत), 117 (15.83 प्रतिशत), 68 (9.23 प्रतिशत), 38 (5.16 प्रतिशत) तथा 9 (1.22 प्रतिशत) पुरुषों की स्त्रियों का विवाह क्रमशः 12 से कम, 12-14, 14-16, 16-18, 18-20, 20-22, 22-24, 24-26 व अधिक आयु वाले ग्रुप में हुआ था ।

समग्र के न्यादर्श के पुरुषों में से सबसे छोटा समूह उन पुरुषों का है जिनकी स्त्रियों का विवाह 24 व अधिक आयु वाले ग्रुप में हुआ है । इनका अनुपात 1.22 प्रतिशत है । इसमें सबसे बड़ा समूह ऐसे पुरुषों का है जिनकी स्त्रियों का विवाह 16-18 वर्ष की आयु वाले ग्रुप में हुआ है ।

उनका अनुपात 22.[illegible]2 प्रतिशत है। पर स्पष्ट होता है कि इस ग्रुप से कम आयु वाले ग्रुपों में विवाह करने वाली स्त्रियों का अनुपात इससे अधिक है (आयु वाले ग्रुपों में विवाह करने वाली स्त्रियों का अनुपात से अधिक है)। इनका अनुपात क्रमशः 45.99 प्रतिशत तथा 31.49 प्रतिशत है।

इस तालिका से यह स्पष्ट है कि अशिक्षित परिवारों में 45.99 प्रतिशत स्त्रियों का विवाह 16 वर्ष से कम की आयु में तथा 54.01 प्रतिशत स्त्रियों का विवाह 16 व अधिक वर्ष की आयु में हुआ है। इन स्त्रियों की वैवाहिक आयु का समान्तर माध्य 16.43 वर्ष है।

सारिणी - 74

पुरुष प्रतिवादियों की पत्नियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण जिनकी पत्नियाँ साक्षर थीं ।

लड़कों की पत्नियों की विवाह आयु वर्षों में	पुरुषों की संख्या	प्रतिशत
12	7	10.94
12-14	7	10.94
14-16	15	23.44
16.18	12	18.75
18.20	12	18.75
20.22	5	7.81
22.24	5	7.81
24 व इससे अधिक	1	1.56
योग :	64	100

यह तालिका पुरुष प्रतिवादियों की पत्नियों की शिक्षा स्तर के अनुसार उपलब्ध है जिसमें कि केवल साक्षर पत्नियों को सम्मिलित किया गया है।

सम्प्रति न्यादर्श में 64 पुरुष प्रतिवादियों की पत्नियाँ साक्षर थीं।

उपर्युक्त पुरुष प्रतिवादियों की पत्नियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण इस प्रकार मिलता है कि 64(100 प्रतिशत) में 7(10.94 प्रतिशत) 7(10.94 प्रतिशत), 15(23.44 प्रतिशत),12(18.75 प्रतिशत) 12(18.75 प्रतिशत),5(7.81 प्रतिशत),5(7.81 प्रतिशत) तथा 1(1.56 प्रतिशत) पुरुषों की स्त्रियों का विवाह क्रमशः 12 से कम ,12-14, 14-16, 16-18, 18-20, 20-22, 22-24 तथा 24 व अधिक आयु वाले समूह में हुआ था।

इस वर्ग के न्यादर्श के पुरुषों में सबसे छोटा समूह उन पुरुषों का है जिनकी स्त्रियों का विवाह 24 व अधिक आयु वाले समूह में हुआ है। इनका अनुपात 1.56 प्रतिशत है। इनमें सबसे बड़ा समूह उन पुरुषों का है जिनकी स्त्रियों का विवाह 14-16 वर्ष की आयु वाले समूह में हुआ है।

इनका अनुपात 23.44 वर्ष है। यह स्मरणीय है कि [illegible] पुरुषों से कम आयु वाले पुरुषों से विवाह करने वाली स्त्रियों का अनुपात, उससे अधिक आयु वाले पुरुषों से विवाह करने वाली स्त्रियों के अनुपात से कम है। इनका अनुपात क्रमशः 21.33 वर्ष तथा 54.68 वर्ष है।

इस सारिणी से यह स्पष्ट है कि साक्षर स्त्रियों में 54.32 प्रतिशत स्त्रियों का विवाह 16 से कम तथा 54.32 प्रतिशत पत्नियों का विवाह 16 से अधिक आयु में हुआ है। इन स्त्रियों की वैवाहिक आयु का समान्तर माध्य 16.28 वर्ष है।

सारिणी -- 75

युवक अभियुक्तों की पत्नियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण, जिनकी पत्नियों ने प्राइमरी स्तर की शिक्षा प्राप्त की थी ।

युवकों की पत्नियों की विवाह आयु वर्षों में	युवकों की संख्या	प्रतिशत
12	7	7.07
12-14	11	11.11
14.16	24	24.24
16.18	25	25.25
18.20	18	18.18
20.22	11	11.11
22.24	3	3.03
24 व उससे अधिक	0	0
योग :	99	99.99=100

यह तालिका पुरुष प्रतिवादियों की पत्नियों के शिक्षा स्तर के अनुसार प्रस्तुत है जिसमें मात्र प्राथमिक शैक्षिक स्तर की पत्नियाँ ही है।

सम्प्रति न्यादर्श में 99 पुरुष प्रतिवादी स्त्रियों ने प्राथमिक स्तर की शिक्षा प्राप्त ~~केवल~~ की थी।

उपर्युक्त पुरुष प्रतिवादियों का उनकी पत्नियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण इस प्रकार मिला है कि 99(100 प्रतिशत) में 7(7.07 प्रतिशत), 11(11.11 प्रतिशत), 24(24.24 प्रतिशत), मे 25(25.25 प्रतिशत), 18(18.18 प्रतिशत), 11(11.11 प्रतिशत) तथा 3(3.03 प्रतिशत) पुरुषों की स्त्रियों का विवाह क्रमश: 12 से कम 12-14, 14-16, 16-18, 18-20, 20-22, 22-24 वर्ष की आयु वाले ग्रुप में हुआ था। 24 से अधिक वर्ष की आयु वाले ग्रुप मे किसी भी स्त्री का विवाह नहीं हुआ है।

इस वर्ग के न्यादर्श के पुरुषों में सबसे छोटा समूह उन पुरुषों का है जिनकी पत्नियों का विवाह 22-24 वर्ष की आयु वाले ग्रुप में हुआ है इनका अनुपात 3.03 वर्ष है। ~~इनमें सबसे बड़ा समूह उन पुरुषों का है जिनकी पत्नियों का विवाह 22-24 वर्ष की आयु वाले ग्रुप में हुआ है~~।

~~इनका अनुपात 3.03 वर्ष है~~। इनमें सबसे बड़ा समूह उन युवतियों का है जिनकी स्त्रियों का विवाह 16-18 वर्ष की आयु वाले ग्रुप में हुआ है। इनका अनुपात 2[illegible] प्रतिशत है। यह सारणी से स्पष्ट है कि कम ग्रुप से कम वर्ष की आयु वाले ग्रुपों में विवाह करने वाली स्त्रियों का अनुपात सबसे अधिक आयु वाले ग्रुपों में विवाह करने वाली स्त्रियों के अनुपात से अधिक है इनका अनुपात क्रमशः 42.42 प्रतिशत तथा 32.32 प्रतिशत है।

इस सारिणी से यह स्पष्ट है कि जिन स्त्रियों ने प्राथमिक स्तर की शिक्षा प्राप्त की थी उनमें 42.42 प्रतिशत स्त्रियों का विवाह 16 वर्ष से कम की आयु में तथा 57.[illegible]7 प्रतिशत स्त्रियों का विवाह 16 व अधिक आयु में हुआ है। इन स्त्रियों की वैवाहिक आयु का समान्तर माध्य 16.64 वर्ष है।

सारिणी- 76

कुल पुरुष प्रतिभागियों की पत्नियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण, जिनकी पत्नियों की शिक्षा जूनियर हाई स्कूल तक थी ।

पुरुषों की पत्नियों की विवाह आयु वर्षों में	पुरुषों की संख्या	प्रतिशत
12	3	5.09
12-14	10	16.95
14-16	9	15.25
16,18	19	32.20
18,20	9	15.25
20.22	6	10.17
22.24	3	5.09
24. व इससे अधिक	0	0
योग:	59	100

यह सारिणी पुरुष प्रतिवादियों की पत्नियों के शिक्षा स्तर के अनुसार है जिसमें मात्र जूनियर हाई स्कूल शिक्षा के स्तर की स्त्रियाँ हैं।

सम्प्रति न्यादर्श में 59 पुरुषों की प्रतिवादियों की पत्नियों के शिक्षा का स्तर जूनियर हाई स्कूल शिक्षा थी।

उपर्युक्त पुरुष प्रतिवादियों का उनकी पत्नियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण इस प्रकार मिला है कि 59(100 प्रतिशत) में 3(5.09 प्रतिशत), 10(16.95 प्रतिशत) 9(15.25 प्रतिशत), 19(32.20 प्रतिशत) 9(15.25 प्रतिशत), 6(10.17 प्रतिशत) तथा 3(5.09 प्रतिशत) स्त्रियों का विवाह क्रमशः 12 से कम, 12-14, 14-16, 16-18, 18-20, 20-22, 22-24 वर्षों की आयु वाले ग्रुप में हुआ था। 24 व अधिक आयु वाले ग्रुप में किसी भी स्त्री का विवाह नहीं हुआ था।

क्योंकि इस वर्ग के पुरुषों में सबसे छोटा समूह उन पुरुषों का है जिनकी स्त्रियों का विवाह 22-24 वर्षों की आयु वाले ग्रुप में हुआ है। इनका अनुपात 5.09 प्रतिशत है। इसमें सबसे बड़ा समूह उन पुरुषों का है जिनकी स्त्रियों का विवाह 16-18 वर्षों की आयु वाले ग्रुप में हुआ है। इनका अनुपात 32.20 प्रतिशत है। यह स्मरणीय है कि कम से कम आयु वाले ग्रुपों में विवाह करने वाली स्त्रियों का अनुपात उससे अधिक आयु

ग्रुपों मे विवाह करने वाली स्त्रियों के अनुपात से अधिक है । उनका अनुपात क्रमशः 37.29 प्रतिशत तथा 30.51 प्रतिशत है ।

इस सारिणी से यह स्पष्ट है कि जिन स्त्रियों ने जूनियर हाई स्कूल स्तर की शिक्षा प्राप्त की थी उनमें 37.29 प्रतिशत स्त्रियों का विवाह 16 वर्ष से कम की आयु में तथा 62.71 प्रतिशत स्त्रियों का विवाह 16 व अधिक आयु में हुआ है । इन स्त्रियों की वैवाहिक आयु का समान्तर माध्य 16.74 वर्ष है ।

सारिणी - ५७

पुरुष आदिवासियों की पत्नियों की वैवाहिक आयु के अनुसार विवरण, जिनकी पत्नियों ने हाई स्कूल या इण्टरमीडिएट स्तर की शिक्षा प्राप्त की थी ।

पुरुषों की पत्नियों की विवाह आयु (वर्षों में)	पुरुषों की संख्या	प्रतिशत
12	4	3.05
12.14	12	9.16
14.16	19	14.50
16.18	23	17.56
18.20	37	28.24
20.22	13	9.93
22.24	10	7.63
24 व उससे अधिक	13	9.93
	131	100

यह सारिणी पुरुष प्रतिवादियों की पत्नियों के शिक्षा स्तर के अनुसार है जिसमें मात्र नाइट स्कूल एवं इण्टरमीडिएट शिक्षा के स्तर की पत्नियाँ हैं।

सम्प्रति न्यादर्श 131 पुरुष प्रतिवादी की पत्नियों की शिक्षा का स्तर हाई स्कूल या इण्टरमीडिएट है।

उपर्युक्त पुरुष प्रतिवादियों का उनकी पत्नियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण इस प्रकार किया है कि 131 (100 प्रतिशत) में 4(3.05 प्रतिशत), 12(9.16 प्रतिशत) 19(14.50 प्रतिशत) ,23 (17.56 प्रतिशत), 37(28.24 प्रतिशत), 13(9.93 प्रतिशत),10(7.63 प्रतिशत) तथा 13 (9.93 प्रतिशत) स्त्रियों का विवाह क्रमशः 12 से कम 12-14, 14-16, 16-18, 18-20, 20-22, 22-24 तथा 24 व अधिक आयु वाले ग्रुप में हुआ था।

इस वर्ग के न्यादर्श के पुरुषों में से सबसे छोटा समूह उन पुरुषों का है जिनकी स्त्रियों का विवाह 12 से कम आयु वाले ग्रुप में हुआ है इनका अनुपात 3,05 प्रतिशत है। इनमें सबसे बड़ा समूह उन पुरुषों का है जिनकी स्त्रियों का विवाह 18-20 वर्ष की आयु वाले ग्रुप में हुआ है। जिसका अनुपात 28.24 प्रतिशत है। यह स्मरणीय है कि इस ग्रुप से कम आयु वाले ग्रुपों में विवाह करने वाली स्त्रियों का अनुपात, उससे अधिक आयु वाले ग्रुपों मे विवाह करने वाली स्त्रियों के अनुपात से अधिक है। इनका अनुपात क्रमशः

44.27 प्रतिशत तथा 27.49 प्रतिशत है ।

उक्त सारिणी से यह स्पष्ट है कि जिन स्त्रियों ने हाई स्कूल या इण्टरमीडिएट स्तर की शिक्षा प्राप्त की थी उनमें 26.71 प्रतिशत स्त्रियों का विवाह 16 वर्ष से कम की आयु में तथा 73.29 प्रतिशत स्त्रियों का विवाह 16 व अधिक आयु में हुआ है । इन स्त्रियों की वैवाहिक आयु का समान्तर माध्य 18.27 वर्ष है ।

सारिणी -- 78

पुरुष प्रतिवादियों की पत्नियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण, जिनकी पत्नियों ने स्नातक तथा स्नातकोत्तर स्तर की शिक्षा प्राप्त की थी।

पुरुष की पत्नियों की विवाह आयु (वर्षों में)	पुरुषों की संख्या	प्रतिशत
12	1	1.79
12-14	1	1.79
14-16	1	1.79
16-18	2	3.57
18.20	14	25.00
20.22	12	21.42
22.24	14	25.00
24 व उससे अधिक	11	19.64
योग :	56	100

यह तालिका पुरुष प्रतिवादियों की पत्नियों के शिक्षा स्तर के अनुसार है जिसमें स्नातक या स्नातकोत्तर शिक्षा के स्तर की स्त्रियाँ हैं।

सम्पूर्ण न्यादर्श में 56 पुरुष प्रतिवादी की पत्नियों ने स्नातक या स्नातकोत्तर स्तर की शिक्षा ग्रहण किया है।

उपर्युक्त पुरुष प्रतिवादियों की पत्नियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण इस प्रकार मिला है कि 56 (1 0 प्रतिशत) में 1 (1.79 प्रतिशत), 1 (1.79 प्रतिशत), 1 (1.79 प्रतिशत) 2 (3.57 प्रतिशत), 14 (25.00 प्रतिशत) 12 (21.42 प्रतिशत), 14 (25.00) प्रतिशत तथा 11 (19.64 प्रतिशत) स्त्रियों का विवाह क्रमशः 12 से कम, 12-14, 14-16, 16-18, 18-20, 20-22, 22-24, तथा 24 व उससे अधिक आयु वाले ग्रुप में हुआ था।

इस वर्ग के न्यादर्श के पुरुषों में इन पुरुषों का सबसे छोटा समूह है जिनकी स्त्रियों का विवाह 12 से कम या 12-14 या 14-16 वर्ष की आयु वाले ग्रुप में हुआ है। इनका अनुपात 1.79 प्रतिशत है। इनका अनुपात 1.79 प्रतिशत है। इसमें सबसे बड़ा समूह उन पुरुषों का है जिनकी पत्नियों का विवाह 18-20 या 22-24 वर्ष की आयु वाले ग्रुप में हुआ है इनका अनुपात 25 प्रतिशत है।

इन आंकड़ों से यह स्पष्ट है कि जिन स्त्रियों ने ~~पत्नियों~~ स्नातक या स्नातकोत्तर स्तर की शिक्षा प्राप्त की थी उनमें 5.37 प्रतिशत स्त्रियों का विवाह 16 वर्ष से कम की आयु में तथा 94.63 प्रतिशत स्त्रियों का विवाह 16 व अधिक आयु में हुआ है। इन स्त्रियों की वैवाहिक आयु का समान्तर माध्य 21.21 वर्ष है।

सारिणी-79

शिक्षा स्तर के आधार पर विभाजित पत्नियों की वैवाहिक आयु अनुसार वितरण तथा उनकी वैवाहिक आयु का समान्तर माध्य ।

शिक्षा स्तर / पत्नियों की विवाह आयु वर्षों में	12	12-14	14-16	16-18	18-20	20-22	22-24	24 व इससे अधिक	योग	समान्तर माध्य वर्षों में
अशिक्षित	71	115	153	166	117	68	38	9	737	16.48
साक्षर	7	7	15	12	12	5	5	1	64	16.28
प्राइमरी	7	11	24	25	18	11	3	0	99	16.64
जूनियर हाई स्कूल	3	10	9	19	9	6	3	0	59	16.74
हाई स्कूल एवं इण्टरमीडिएट	4	12	19	23	37	13	10	13	131	18.27
स्नातक या स्नातकोत्तर	1	1	1	2	14	12	14	11	56	21.21
योग :	93	156	221	247	207	115	73	34	1146	

यह तालिका शिक्षा-स्तर के आधार पर विभाजित पत्नियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण तथा उनकी वैवाहिक आयु के समान्तर माध्य की उपाख्या करती है ।

सम्पूर्ण न्यादर्श में कुल 1146 पुरुष प्रतिवादियों की पत्नियों में 737 अशिक्षित, 64 साक्षर, 99 प्राइमरी, 59 जूनियर हाई स्कूल 131 हाई स्कूल या इण्टरमीडिएट तथा 56 स्नातक एवं स्नातकोत्तर शिक्षा स्तर के थीं ।

उपर्युक्त अशिक्षित, साक्षर, प्राइमरी, जूनियर हाई स्कूल, हाई स्कूल एवं इण्टरमीडिएट तथा स्नातक एवं स्नातकोत्तर शिक्षा स्तर की स्त्रियों की वैवाहिक आयु का समान्तर माध्य क्रमश: 16.48 वर्ष, 16.28 वर्ष, 16.64 वर्ष, 16.74 वर्ष, 18.27 वर्ष तथा 21.21 वर्ष रहा था ।

शिक्षा-स्तर के आधार पर विभाजित स्त्रियों में साक्षर स्त्रियों की वैवाहिक आयु का समान्तर माध्य सबसे कम 16.28 वर्ष है । इनमें स्नातक एवं स्नातकोत्तर शिक्षा के स्तर की स्त्रियों की वैवाहिक आयु का समान्तर माध्य सबसे अधिक 21.21 वर्ष है । यह स्मरणीय है कि हाई स्कूल एवं इण्टरमीडिएट शिक्षा स्तर की स्त्रियों की वैवाहिक आयु का समान्तर माध्य अशिक्षित, साक्षर, प्राइमरी तथा जूनियर हाई स्कूल शिक्षा

के स्तर की स्त्रियों की वैवाहिक आयु के समान्तर माध्य से अधिक है लेकिन स्नातक एवं स्नातकोत्तर शिक्षा स्तर की स्त्रियों की वैवाहिक आयु से कम है । साक्षर,अशिक्षित,प्राईमरी,जूनियर हाई स्कूल, हाई स्कूल एवं इण्टरमीडिएट तथा स्नातक एवं स्नातकोत्तर शिक्षा स्तर की स्त्रियों की वैवाहिक आयु का समान्तर माध्य क्रमशः बढ़ता गया है ।

इस सारिणी से यह स्पष्ट है कि सबसे कम आयु पर उन स्त्रियों का विवाह हुआ है जो साक्षर थी तथा सबसे अधिक आयु पर उन स्त्रियों का विवाह हुआ है जो स्नातक एवं स्नातकोत्तर शिक्षा स्तर की थी । साक्षर, अशिक्षित, प्राईमरी,जूनियर हाई स्कूल ,हाई स्कूल एवं इण्टरमीडिएट तथा स्नातक एवं स्नातकोत्तर शिक्षा स्तर की स्त्रियों की वैवाहिक आयु क्रमशः बढ़ती गयी है। अर्थात् जैसे जैसे शिक्षा स्तर बढ़ता गया है वैसे वैसे स्त्रियों की विवाह आयु बढ़ती गयी है ।

पुरुष प्रतिवादियों का व्यवसाय

न्यादर्श में पाये गये पुरुष प्रतिवादियों के व्यवसाय तथा उनकी वैवाहिक आयु में कोई सम्बन्ध है या नहीं, इसका इस शीर्षक के अन्तर्गत विभिन्न दृष्टिकोण से विस्तृत अध्ययन करने का प्रयास किया गया है ।

सर्वप्रथम न्यादर्श में पाये गये 1146 पुरुषों प्रतिवादियों का विभाजन विभिन्न व्यवसाय के आधार पर किया गया है । हमारे अध्ययन के अन्तर्गत व्यवसाय को पेशेवर, नौकरी, वाणिज्य, कुशल कामगार अकुशल कामगार तथा कृषि व्यवसाय के रूप में विभक्त किया गया है । साथ ही बेरोजगार व्यक्तियों का पृथक अध्ययन इसी शीर्षक के अन्तर्गत किया गया है । व्यवसाय के अनुसार विभक्त पेशेवर नौकरी, वाणिज्य, कुशल, कामगार अकुशल कामगार, कृषि तथा बेरोजगार पुरुषों तथा उनकी पत्नियों की वैवाहिक आयु का पृथक पृथक विस्तृत अध्ययन करने का प्रयास किया गया है । साथ उपर्युक्त वर्ग के पुरुषों एवं उनकी पत्नियों की वैवाहिक आयु में सहसम्बन्ध स्थापित करने का भी प्रयत्न किया गया है । उक्त वर्ग के पुरुषों एवं उनके पत्नियों की वैवाहिकआयु का पृथक पृथक तुलनात्मक अध्ययन प्रस्तुत किया गया है । इसके साथ ही उपर्युक्त वर्ग के पुरुषों एवं उनकी पत्नियों की वैवाहिक आयु में सह-सम्बन्ध गुणांक का तुलनात्मक अध्ययन करने का प्रयास किया गया है ।

सारिणी 91

पेशेवरपुरुष प्रतिवादियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण

पुरुषों की विवाह-आयु (वर्षों में)	पुरुषों की संख्या	प्रतिशत
12 से कम	0	0·00
12-14	0	0·00
14-16	0	0·00
16-18	4	5·06
18-20	6	7·62
20-22	14	17·71
22-24	13	16·44
24-26	18	22·78
26-28	13	16·44
28-30	6	7·62
30 व अधिक	5	6·33
योग	79	100·00

प्रस्तुत सारिणी में पेशेवर पुरुषों का वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण है ।

कुम्प्रति न्यादर्श में ऐसे पुरुषों की संख्या 79 थी ।

उपर्युक्त पुरुषों का वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण इस प्रकार मिला है कि 79 (79(100) में 4 (5.06%) , 6(7.62%) , 14(17.71%) , 13(16.44%), 18(22.78%), 13(16.44%), 6(7.62%) तथा 5(6.33%) पुरुषों का विवाह क्रमशः 16-18, 18-20 20-22, 22-24, 24-26, 26-28, 28-30, तथा 30 वर्ष अधिक आयु वाले ग्रुप में हुआ था तथा 12 वर्ष से कम, 12-14, 14-16, वर्ष की आयु ग्रुपों में किसी का भी विवाह नहीं हुआ था ।

इस वर्ग के न्यादर्श में ऐसे पुरुषों का सबसे बड़ा समूह है जिनका विवाह 24-26 वर्ष की आयु वाले ग्रुप में हुआ है । इनका अनुपात 22.78% है । यह स्मरणीय है कि इस ग्रुप से कम आयु वाले ग्रुपों में विवाह करने वाले पुरुषों का अनुपात , इससे अधिक आयु वाले ग्रुपों में विवाह करने वालों के अनुपात से अधिक है यह अनुपात क्रमशः 46.83% तथा 30.39% है ।

इस सारिणी से यह स्पष्ट है कि पेशेवर पुरुष प्रतिवादियों में 30.39% पुरुषों का विवाह 22 वर्ष से कम की आयु वाले ग्रुप में हुआ है तथा 69.61% पुरुषों का विवाह 22 वर्ष व अधिक की आयु में हुआ है। ऐसे पुरुषों की वैवाहिक-आयु का भूयिष्ठक 25वर्ष है तथा समान्तर माध्य 24.11 वर्ष है ।

सारिणी -

पेशेवर पुरुष प्रतिवादियों का उनकी पत्नियों की वैवाहिक आयु के

अनुसार वितरण

पुरुषों की पत्नियों की विवाह आयु (वर्षों में)	पुरुषों की संख्या	प्रतिशत
12 से कम	5	6.33
12-14	10	12.66
14-16	7	8.86
16-18	10	12.66
18-20	14	17.71
20-22	12	15.18
22-24	15	18.98
24 व अधिक	6	7.62
योग	79	100.00

इस सारिणी में पेशेवर पुरुष प्रतिवादियों की पत्नियों की वैवाहिक-आयु के अनुसार वितरण है ।

प्रस्तुत न्यादर्श में इन पुरुषों की संख्या 79 थी ।

उपर्युक्त पुरुषों पत्नियों की वैवाहिक-आयु के अनुसार वितरण इस प्रकार मिला है कि 79 (100 प्रतिशत) में 5(6.33 प्रतिशत), 10(12.66 प्रतिशत), 7(8.86 प्रतिशत) 10(12.66)प्रतिशत), 14(17.71 प्रतिशत), 12(15.18 प्रतिशत) 15(18.98 प्रतिशत) तथा 6(7.62 प्रतिशत) पुरुषों की स्त्रियों का विवाह क्रमशः 12 से कम, 12-14, 14-16, 16-18, 18-20, 20-22, 22-24 तथा 24 व इससे अधिक आयु में हुआ था ।

इस वर्ग के न्यादर्श के पुरुषों में ऐसे पुरुषों का सबसे बड़ा समुह है जिनकी पत्नियों का विवाह 22-24 वर्ष की आयु वाले ग्रुप में हुआ है । इनका अनुपात 18.98 प्रतिशत है । यह स्मरणीय है कि इस ग्रुप से कम आयु वाले ग्रुपों में विवाह करने वाली स्त्रियों का अनुपात, इससे अधिक आयु वाले ग्रुप में विवाह करने वालों के अनुपात से अधिक है । यह अनुपात क्रमशः 73.40 प्रतिशत तथा 7.62 प्रतिशत है ।

इस सारिणी से यह स्पष्ट है कि पेशेवर पुरुष प्रतिवादियों में 40.51 प्रतिशत पुरुषों की स्त्रियों का विवाह 18 वर्ष से कम की आयु में हुआ है तथा 59.49 प्रतिशत पुरुषों की स्त्रियों का विवाह 18 व अधिक आयु में हुआ है। ऐसे पुरुषों की स्त्रियों की वैवाहिक आयु का भूयिष्ठक 19.33 वर्ष और समान्तर माध्य 18.65 वर्ष है ।

सारिणी - 82

पेशेवर पुरुष प्रतिवादियों एवं उनकी पत्नियों का वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण

पुरुषों की विवाह आयु (वर्षों में) / पुरुषों की पत्नियों की विवाह आयु (वर्षों में)	12से कम	12-14	14-16	16-18	18-20	20-22	22-24	24-26	26-28	28-30	30 व अधिक	योग
12 से कम				1	2	2						5
12 -14					4	3	1	1		1		10
14 - 16				3		3	1					7
16- 18						5	4		1			10
18 - 20						1	6	5	1		1	14
20- 22							1	3	6	2		12
22- 24								8	5		2	15
24 - 26 व इससे अधिक								1		3	2	6
योग	0	0	0	4	6	14	13	18	13	6	5	79

इस सारिणी में पेशेवर पुरुष प्रतिवादियों एवं उनकी पत्नियों का वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण प्रस्तुत किया गया है। प्रस्तुत न्यादर्श में इन पुरुषों की संख्या 79 थी। इस सारिणी से उपर्युक्त पुरुषों तथा उनकी पत्नियों के वैवाहिक आयु के मध्य

सह-सम्बन्ध निकाला गया है । कार्ल पियर्सन की रैखीय सह-सम्बन्ध/गुणांक विधि द्वारा निकाला गया सह-सम्बन्ध गुणांक + 0.564 है ।

अतः यह स्पष्ट है कि पेशेवर पुरुष प्रतिवादियों एवं उनकी पत्नियों की वैवाहिक आयु में मध्यम कोटि का धनात्मक सह-सम्बन्ध है । अर्थात उपर्युक्त पुरुषों की वैवाहिक आयु बढ़ने या घटने के साथ साथ उनकी पत्नियों की वैवाहिक आयु बढ़ती या घटती है ।

सारिणी 83

नौकरी करने वाले पुरुष प्रतिवादियों का वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण

पुरुषों की विवाह आयु (वर्षों में)	पुरुषों की संख्या	प्रतिशत
12 से कम	1	0.24
12 - 14	1	0.24
14- 16	8	1.91
16 - 18	17	4.06
18 - 20	51	12.17
20 - 22	98	23.52
22- 24	99	23.76
24 - 26	89	20.98
26 - 28	28	6.68
28 - 30	14	3.34
30 व उससे अधिक	13	3.10
योग	419	100.00

प्रस्तुत सारिणी में नौकरी करने वाले पुरुषों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण है ।

प्रति न्यादर्श में पुरुषों की संख्या 419 थी ।

उपर्युक्त पुरुषों का वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण इस प्रकार है कि 419(100) में से 1(0.24), 1(0.24%) 8(1.91), 17(4.06), 51(12.17), 98 (23.52), 99(23.76), 89(20.98), 28(6.68), 14 (3.34), तथा 13(3.10) पुरुषों का विवाह क्रमशः 12 वर्ष से कम , 12-14 14-16, 16-18, 18-20, 20-22, 22-24, 24-26, 26-28, 28-30 तथा 30 से अधिक आयु ग्रुप में हुआ था ।

इस वर्ग के न्यादर्श में ऐसे पुरुषों का सबसे बड़ा समूह है जिनका विवाह 22-24 वर्ष की आयु वाले ग्रुप में हुआ है । इनका अनुपात 23.76 प्रतिशत है ।

यह स्मरणीय है कि इस ग्रुप से कम आयु वाले ग्रुपों में विवाह करने वाले पुरुषों का अनुपात, इससे अधिक वर्ष की आयु वाले ग्रुपों में विवाह करने वालों के अनुपात से अधिक है । यह अनुपात क्रमशः 42.14 तथा 34.10% है ।

इस सारिणी से यह स्पष्ट है कि नौकरी करने वाले पुरुष प्रतिवादियों में 42.14 % का विवाह 22 वर्ष से कम आयु में तथा 57.86% का विवाह 22 वर्ष से अधिक की आयु में हुआ है । इन पुरुषों की औसत वैवाहिक आयु का मध्यिका 22.18 वर्ष और समान्तर माध्य 22.74 वर्ष है ।

====

सारिणी 85

नौकरी करने वाले पुरुष प्रतिवादियों की पत्नियों का वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण

पुरुषों की पत्नियों की विवाह आयु (वर्षों में)	पुरुषों की संख्या	प्रतिशत
12 से कम	22	5.25
12-14	47	11.22
14-16	63	15.04
16-18	97	23.15
18-20	81	19.33
20-22	55	13.12
22-24	38	9.07
24 व अधिक	16	3.82
योग	419	100.00

इस सारिणी में नौकरी करने वाले पुरुष प्रतिवादियों की पत्नियों का वैवाहिक-आयु के अनुसार वितरण प्रस्तुत है ।

अध्ययन न्यादर्श में इन पुरुषों की संख्या 419 है ।

उपर्युक्त पुरुषों की पत्नियों का वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण इस प्रकार मिला है कि 419(100प्रतिशत) में से 22(5.25 प्रतिशत) 47(11.22 प्रतिशत), 63((15.04प्रतिशत), 97(23.15प्रतिशत), 81(19.33 प्रतिशत), 55(13.12 प्रतिशत (, 38(9.07प्रतिशत), तथा 16 (3.82 प्रतिशत) पुरुषों की पत्नियों का विवाह क्रमशः 12 वर्ष से कम, 12-14, 14-16, 16-18, 18-20, 20-22, 22-24, 24 व अधिक आयु में हुआ था ।

इस वर्ग के न्यादर्श के पुरुषों में ऐसे पुरुषों का सबसे बड़ा समूह है जिनकी पत्नियों का विवाह 16-18 वर्ष की आयु वाले ग्रुप में हुआ है । इनका अनुपात 19.98प्रतिशत है यह स्मरणीय है कि इस ग्रुप से कम आयु वाले ग्रुपों में विवाह करने वाली स्त्रियों का अनुपात, इससे अधिक आयु वाले ग्रुपों में विवाह करने वाली स्त्रियों के अनुपात से कम है । यह अनुपात क्रमशः 31.51 तथा 45.34 प्रतिशत है ।

इस सारिणी से यह स्पष्ट है कि नौकरी करने वाले पुरुष प्रतिवादियों में 54.66प्रतिशत पुरुषों की पत्नियों का विवाह 18 वर्ष से कम में हुआ है तथा 45.34 प्रतिशत पुरुषों की पत्नियों का विवाह 18 वर्ष से अधिक आयु में हुआ है । इन पुरुषों की पत्नियों की वैवाहिक आयु का बहुलक 17.36 वर्ष है और समान्तर माध्य 17.70 वर्ष है ।

सारिणी

नौकरी करने वाले पुरुष प्रतिवादियों एवं उनकी पत्नियों का वैवाहिक - आयु के अनुसार वितरण ।

पुरुषों की विवाह आयु (वर्षों में) / पुरुषों की पत्नियों की विवाह आयु (वर्षों में)	12से कम	12-14	14-16	16-18	18-20	20-22	22-24	24-26	26-28	28-30	30 व अधिक	योग
12 से कम	1	0	4	5	4	3	3	1			1	22
12-14		1	1	3	19	7	13	2	1			47
14-16			2	6	11	27	6	7	3			63
16-18				2	14	40	30	6	3	1	1	97
18-20			1	1	3	20	27	22	3	2	2	81
20-22						1	18	28	6	1	1	55
22-24							2	22	7	3	4	38
24-26 व उससे अधिक								1	5	7	3	16
योग	1	1	8	17	51	98	99	89	28	14	13	419

प्रस्तुत सारिणी में नौकरी करने वाले पुरुष प्रतिवादियों एवं उनकी पत्नियों का वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण प्रस्तुत किया गया है ।

अत: सम्प्रति न्यादर्श में इन पुरुषों की संख्या 419 थी। इस सारिणी से उपर्युक्त पुरुषों एवं उनकी पत्नियों के वैवाहिक आयु के मध्य यह सम्बन्ध निकाला गया है। कार्ल पियर्सन की सह सम्बन्ध गुणांक विधि द्वारा निकाला गया यह रैखीय सह सम्बन्ध गुणांक = + 0.6398 है।

अत: यह स्पष्ट है कि नौकरी करने वाले पुरुष प्रतिवादियों एवं उनकी पत्नियों की वैवाहिक आयु में मध्यम कोटि का धनात्मक सम्बन्ध है अर्थात उपर्युक्त पुरुषों की वैवाहिक आयु बढ़ने के साथ-साथ उनकी पत्नियों की आयु बढ़ती है।

सारणी ९८

वाणिज्य व्यवसाय के पुरुषों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण ।

पुरुषों की विवाह आयु (वर्षों में)	पुरुषों की संख्या	प्रतिशत
12 से कम	0	0.00
12-14	1	0.29
14-16	7	2.03
16-18	20	5.75
18-20	82	23.57
20-22 96	96	27.58
22-24	74	21.26
24-26	43	12.35
26- 28	10	2.87
28-30	6	1.73
30 व अधिक	9	2.58
योग	348	100.00

प्रस्तुत सारिणी में वाणिज्य व्यवसाय के पुरुषों का वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण इस प्रकार मिला है कि 348 (100 प्रतिशत) में से

0(0.00प्रतिशत), 1(0.29प्रतिशत), 7(2.03प्रतिशत), 20(5.75प्रतिशत), 82(23.57 प्रतिशत), 96(27.58प्रतिशत), 74(21.26प्रतिशत), 43(12.35प्रतिशत), 10(2.87 प्रतिशत), 6(1.73प्रतिशत) तथा 9(2.58प्रतिशत) पुरुषों का विवाह क्रमशः 12 वर्ष कम, 12-14, 14-16, 16-18, 18-20, 20-22, 22-24, 24-26, 26-28, 28-30, तथा 30 व अधिक आयु ग्रुपों में हुआ था ।

इस वर्ग के न्यादर्श में ऐसे पुरुषों का सबसे बड़ा समूह है जिनका विवाह 20-22 वर्ष की आयु वाले ग्रुप में हुआ है । इनका अनुपात 27.58 प्रतिशत है । यह स्मरणीय है कि इस ग्रुप से कम आयु वाले ग्रुपों में विवाह करने वाले पुरुषों का अनुपात, इससे अधिक आयु वाले ग्रुपों में विवाह करने वाले पुरुषों के अनुपात से कम है । इनका अनुपात क्रमशः 31.63 प्रतिशत तथा 40.79 प्रतिशत है ।

इस सारिणी से यह स्पष्ट है कि वाणिज्य व्यवसाय के पुरुष प्रतिवादियों में 59.21प्रतिशत का विवाह 22 वर्ष से कम आयु में तथा 40.79 प्रतिशत का विवाह 22 वर्ष व उससे अधिक आयु में हुआ है । इन पुरुषों की वैवाहिक आयु का भूयिष्ठक 20.93 वर्ष और समान्तर माध्य 21.65 वर्ष है ।

सारिणी 87

वाणिज्य व्यवसाय के पुरुषों की पत्नियों का वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण ।

पु0 की पत्नियों की विवाह आयु (वर्षों में)	पुरुषों की संख्या	प्रतिशत
12 से कम	25	7.18
12-14	45	12.93
14-16	84	24.12
16-18	74	21.26
18-20	68	19.53
20-22	30	8.61
22-24	14	4.06
24 व अधिक	8	2.21
योग	348	100.00

प्रस्तुत सारिणी मे " वाणिज्य व्यवसाय के पुरुषों की पत्नियो" के वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण प्रस्तुत किया गया है । सम्पूर्ण न्यादर्श में इन पुरुषों की संख्या 348 है ।

उपर्युक्त पुरुषों की पत्नियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण इस प्रकार मिला है कि 348(100 प्रतिशत) में 25(7.81 प्रतिशत), 45(12.93 प्रतिशत), 84(24.12 प्रतिशत), 74(21.26 प्रतिशत), 68(19.53 प्रतिशत), 30(8.61 प्रतिशत), 14(4.06 प्रतिशत), तथा 8(2.21 प्रतिशत) पुरुषों की स्त्रियों का विवाह 12 से कम, 12-14, 14-16, 16-18, 18-20, 20-22, 22-24, तथा 24 वर्ष व अधिक आयु वाले ग्रुप में हुआ था ।

इस ~~न्यादर्श~~ वर्ग के न्यादर्श के पुरुषों में ऐसे पुरुषों का सबसे बड़ा समूह है जिनकी पत्नियों का विवाह 14-16 वर्ष की आयु ग्रुप में हुआ है । इनका अनुपात 24.12 प्रतिशत है । यह स्मरणीय है कि इस ग्रुप से कम आयु वाले ग्रुपों में विवाह करने वाली स्त्रियों का अनुपात, इससे अधिक आयु वाले ग्रुपों में विवाह करने वालों के अनुपात से कम है । इनका अनुपात क्रमशः 20.11 प्रतिशत तथा 55.67 प्रतिशत है ।

इस सारिणी से यह स्पष्ट है कि वाणिज्य व्यवसाय के पुरुषों की पत्नियों में से 65.49 प्रतिशत पुरुषों की पत्नियों का विवाह 18 वर्ष से कम की आयु में तथा 34.51 प्रतिशत का विवाह 18 वर्ष व अधिक आयु में हुआ है । ऐसे पुरुषों की स्त्रियों की वैवाहिक आयु का भूयिष्ठक 15.59 वर्ष है और समान्तर माध्य 16.73 वर्ष है ।

सारिणी ४४

ऐसे पुरुषों तथा उनकी पत्नियों का वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण जिनका व्यवसाय वाणिज्य है

पुरुषों की विवाह आयु (वर्षों में) / पुरुषों की पत्नियों की विवाह आयु (वर्षों में)	12 से कम	12-14	14-16	16-18	18-20	20-22	22-24	24-26	26-28	28-30	30 व अधिक	योग
12 से कम		1	6	6	3	3	3	2	1			25
12-14			1	7	24	9	2	1			1	45
14-16				6	33	31	7	6			1	84
16-18				1	16	30	22		2		3	74
18-20					6	22	30	8	1	1		68
20-22						1	9	15	4		1	30
22-24								11	1	2		1[illegible]
24 व अधिक							1		1	3	3	8
योग	0	1	7	20	82	96	74	43	10	6	9	348

प्रस्तुत सारिणी में इन पुरुष प्रतिवादियों तथा उनकी पत्नियों की वैवाहिक आयु का वितरण प्रदर्शित किया गया है जिनका व्यवसाय वाणिज्य था ।

सम्प्रति न्यादर्श में इन पुरुषों की संख्या 348 है ।

इससारिणी से उपर्युक्त पुरुषों तथा उनकी पत्नियों के मध्य सह-सम्बन्ध निकाला गया है । कार्ल पियर्सन की सह संबंध गुणांक विधि द्वारा निकाला गया यह रैखीय सह-संबंध गुणांक = + 0.6630 है ।

अतः यह स्पष्ट है कि वाणिज्य व्यवसाय के पुरुषों तथा उनकी पत्नियों की वैवाहिक आयु में मध्यम कोटि का धनात्मक सह संबंध है अर्थात पुरुषों की वैवाहिक आयु बढ़ने या घटने के साथ-साथ उनकी पत्नियों की वैवाहिक आयु भी बढ़ती या घटती है ।

सारिणी 89

कुशल कामगार पुरुष प्रतिवादियों का वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण।

पुरुषों की विवाह आयु (वर्षों में)	पुरुषों की संख्या	प्रतिशत
12 से कम	1	1.02
12-14	1	1.02
14-16	9	9.18
16-18	11	11.23
18-20	15	15.31
20-22	39	39.79
22-24	10	10.21
24-26	7	7.14
26-28	1	1.02
28-30	3	3.06
30 व अधिक	1	1.02
योग	98	100.00

प्रस्तुत सारिणी में कुशल कामगार पुरुषों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण प्रदर्शित किया गया है।

सम्प्रति न्यादर्श में इन पुरुषों की संख्या 98 थी । उपर्युक्त पुरुषों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण इस प्रकार मिला है कि 98(100 प्रतिशत) में से 1(1·02 प्रतिशत), 1(1·02 प्रतिशत), 9(9·18 प्रतिशत), 11(11·23 प्रतिशत), 15(15·31 प्रतिशत), 39(39·79 प्रतिशत), 10(10·21 प्रतिशत), 7(7·14 प्रतिशत) 1(1·02 प्रतिशत), 3(3·06 प्रतिशत) तथा 1 (1·02 प्रतिशत) पुरुषों का विवाह क्रमशः 12 केवल, 12-14, 14-16, 16-18, 18-20, 20-22, 22-24, 24-26, 26-28, 28-30, तथा 30 व अधिक आयु ग्रुप में हुआ था ।

इस वर्ग के न्यादर्श में इन पुरुषों का सबसे बड़ा समूह है जिनका विवाह 20-22 वर्ष के आयु ग्रुप में हुआ था । इनका अनुपात 39·79 प्रतिशत था । यह स्मरणीय है कि इस ग्रुप से कम आयु वाले ग्रुपों में विवाह करने वाले पुरुषों का अनुपात, इससे अधिक आयु में वाले ग्रुपों में विवाह करने वालों के अनुपात से अधिक है । इनका अनुपात क्रमशः 36·76 प्रतिशत तथा 22·45 प्रतिशत है ।

इस सारिणी से यह स्पष्ट है कि कुशल कामगार पुरुष प्रतिवादियों में 77·55 प्रतिशत का विवाह 22 वर्ष से कम आयु में तथा 22·45 प्रतिशत का विवाह 22 वर्ष व अधिक की आयु में हुआ है । इन पुरुषों की वैवाहिक आयु का भूयिष्ठक 20·91 वर्ष और समान्तर माध्य 20·41 वर्ष है ।

सारिणी १०

कुशल कामगार पुरुष प्रतिवादियों की पत्नियों का वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण ।

पु० की पत्नियोंकी विवाह आयु (वर्षों में)	पुरुषों की संख्या	प्रतिशत
12 से कम	16	16.33
12-14	16	16.33
14-16	22	22.45
16-18	24	24.48
18-20	10	10.21
20-22	3	3.06
22-24	5	5.10
24 व अधिक	2	2.04
योग	98	100.00

इस सारिणी में कुशल कामगार पुरुष प्रतिवादियों की पत्नियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण प्रस्तुत किया गया है।

सम्प्रति न्यादर्श में इन पुरुषों की संख्या ९८ थी ।

उपर्युक्त पुरुषों कि पत्नियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण इस प्रकार उपलब्ध है कि 98 (100 प्रतिशत) में से 16(16.33 प्रतिशत), 16(16.33 प्रतिशत), ~~5(5.10प्रतिशत)~~, 22(22.45प्रतिशत) , 24(24.48प्रतिशत) , 10(10.21 प्रतिशत), 3(3.06 प्रतिशत), 5(5.10 प्रतिशत), तथा 2(2.04 प्रतिशत), पुरुषों की पत्नियों का विवाह क्रमशः 12 वर्ष से कम , 12-14, 14-16, 16-18, 18-20, 20-22, 22-24, तथा 24 व अधिक आयु में हुआ था ।

इस वर्ग के न्यादर्श के पुरुषों में उन पुरुषों का सबसे बड़ा समूह है जिनकी पत्नियोंका विवाह 16-18 वर्ष की आयु वाले ग्रुप में हुआ है । जिनका अनुपात 24.48 प्रतिश त है । यह स्मरणीय है कि इस ग्रुप से कम आयु वाले ग्रुपों मे विवाह करने वाली स्त्रियों का अनुपात इससे अधिक आयु वाले ग्रुपों में विवाह करने वाली स्त्रियों के अनुपात से अधिक है । इनका अनुपात क्रमशः 55.11 प्रतिशत तथा 20.41 प्रतिशत है ।

इस सारिणी से यह स्पष्ट है कि कुशल कामगार पुरुष प्रतिवादियों की पत्नियों में 79.59 प्रतिशत पुरुषों की पत्नियों का विवाह 18 वर्ष से कम आयु में तथा 20.41 प्रतिशत पुरुषों की पत्नियों का विवाह 18 वर्ष या अधिक आयु मे हुआ है । इन पुरुषों की पत्नियोंकी वैवाहिक आयु का बहुलक 15.1 वर्ष और समान्तर माध्य 14.72 वर्ष है ।

सारिणी 91

कुशल कामगार पुरुष प्रतिवादियों एवं उनकी पत्नियों का वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण ।

पु० की विवाह आयु वर्षों में / पु० की पत्नियों की विवाह आयु वर्षों में	12 से कम	12-14	14-16	16-18	18-20	20-22	22-24	24-26	26-28	28-30	30 व अधिक	योग
12 से कम	1	1	3	4	4	3						16
12-14				4	5	6			1			16
14-16			2	3	1	14	2					22
16-18			4		5	10	5					24
18-20						6	2	1		1		10
20-22							1	2				3
22-24								4		1		5
24 से अधिक										1	1	
योग	1	1	9	11	15	39	10	7	1	3	1	98

[illegible]

प्रस्तुत सारिणी के कुशल कामगार पुरुष प्रतिवादियों एवं उनकी पत्नियों का वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण उपलब्ध किया गया है ।

सम्प्रति न्यादर्श में इन पुरुषों की संख्या 98 थी ।

उक्त सारिणी से उपर्युक्त पुरुषों तथा उनकी पत्नियों के वैवाहिक आयु के मध्य सह संबंध निकाला गया है । कार्ल पियर्सन की सह संबंध गुणांक विधि द्वारा निकाला गया यह रैखीय सह संबंध गुणांक = + 0.6624 है ।

अतः यह स्पष्ट है कि कुशल कामगार प्रतिवादियों एवं उनकी पत्नियों का वैवाहिक आयु में मध्यम कोटि का धनात्मक सह संबंध है अर्थात उपर्युक्त पुरुषों की वैवाहिक आयु बढ़ने या घटने के साथ साथ उनकी पत्नियों की वैवाहिक आयु बढ़ती है या घटती है ।

सारिणी 92

अकुशल कामगार पुरुष प्रतिवादियों का उनकी वैवाहिक आयु के ~~आयु~~ अनुसार वितरण ।

पुरुषों की विवाह आयु (वर्षों में)	पुरुषों की संख्या	प्रतिशत
12 से कम	1	0.82
12-14	0	0.00
14-16	5	4.09
16-18	25	20.48
18-20	33	27.06
20-22	33	27.06
22-24	15	12.30
24-26	4	3.27
26-28	2	1.64
28-30	3	2.46
30 व अधिक	1	0.82
योग	122	100.00

प्रस्तुत सारिणी में अकुशल कामगार पुरुषों का वितरण उनकी वैवाहिक आयु के अनुसार प्रदर्शित किया गया है ।

सम्प्रति न्यादर्श में इन पुरुषों की संख्या 122 थी ।

उपर्युक्त पुरुषों का वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण इस प्रकार मिला है कि 122 (100 प्रतिशत) में से 1(0.82 प्रतिशत), 0(0.00प्रतिशत), 6(4.9प्रतिशत), 25(20.48 प्रतिशत) , 33(27.06 प्रतिशत), 33(27.06प्रतिशत) , 15(12.30प्रतिशत), 4(3.27प्रतिशत), 2(1.64 प्रतिशत) 3(2.46%) तथा 1 (0.82 प्रतिशत) पुरुषों का विवाह क्रमशः 12 वर्ष से कम , 12-14, 14-16, 16-18, 18-20, 20-22, 22-24, 24-26, 26-28, 28-30, तथा 30 व अधिक आयु ग्रुप में हुआ था ।

इस वर्ग के न्यादर्श में इन पुरुषों का सबसे बड़ा समूह था जिनका विवाह 20-22 वर्ष के आयु ग्रुप में हुआ था । इनका अनुपात 27.06 प्रतिशत है । यह स्मरणीय है कि इस ग्रुप से कम आयु वाले ग्रुपों में विवाह करने वालों पुरुषों का अनुपात , इससे अधिक आयु वाले ग्रुपों में विवाह करने वालों के अनुपात से कम है । इनका अनुपात क्रमशः 25.39 प्रतिशत तथा 47.55 प्रतिशत है ।

इस सारिणी से यह स्पष्ट है कि अकुशल कामगार पुरुष प्रतिवादियों में 52.45 प्रतिशत का विवाह 22 वर्ष से कम तथा 47.55प्रतिशत का विवाह 22 वर्ष व अधिक आयु में हुआ था इन पुरुषों का वैवाहिक आयु का बहुलक 20 और समान्तर माध्य 20.07 वर्ष है ।

सारिणी 93

अकुशल कामगार पुरुष प्रतिवादियों की पत्नियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण

पुरुषों की पत्नियों की विवाह आयु (वर्षों में)	पुरुषों की संख्या	प्रतिशत
12 से कम	19	15.58
12-14	29	23.76
14-16	25	20.48
16-18	23	18.86
18-20	14	11.48
20-22	9	7.38
22-24	1	0.82
24 वर्ष अधिक	2	1.64
योग	122	100.00

प्रस्तुत सारिणी में अकुशल कामगार पुरुष प्रतिवादियों की पत्नियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण किया गया है।

सम्पूर्ण न्यादर्श में इन पुरुषों की संख्या 122 थी।

उपर्युक्त पुरुषों की पत्नियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण इस प्रकार मिला है कि 122(100 प्रतिशत) में से 19 (15.58 प्रतिशत) 29(23.76 प्रतिशत), 25(20.48प्रतिशत), 23(18.86प्रतिशत), 14(11.48 प्रतिशत), 9(7.38 प्रतिशत), 1(0.82 प्रतिशत), तथा 2(1.64 प्रतिशत) पुरुषों की पत्नियों का विवाह क्रमशः 12 से कम, 12-14, 14-16, 16-18, 18-20, 20-22, 22-24, ~~24-26~~, तथा 24 वर्ष अधिक आयु में हुआ था ।

इस वर्ग में न्यादर्श के पुरुषों में उन पुरुषों का सबसे बड़ा समूह है जिनकी पत्नियों का विवाह 12-14 वर्ष के आयु ग्रुप में हुआ है । इनका अनुपात 23.76 प्रतिशत है । यह स्मरणीय है कि इस ग्रुप से कम आयु वाले ग्रुपों में विवाह करने वाली स्त्रियों का अनुपात इससे अधिक वर्ष की आयु वाले ग्रुपों में विवाह करने वाली स्त्रियों के अनुपात से कम है । इनका अनुपात क्रमशः 15.58 प्रतिशत तथा 6.66 प्रतिशत है ।

इस सारिणी से यह स्पष्ट है कि अकुशल कामगार पुरुष प्रतिवादियों में 78.68 पुरुषों की पत्नियों का विवाह 18 वर्ष से कम आयु में तथा 21.32 प्रतिशत पुरुषों की पत्नियों का विवाह 14 वर्ष या अधिक की आयु में हुआ है । इन पुरुषों की पत्नियों की वैवाहिक आयु का भूयिष्ठक 15.11 वर्ष और समान्तर माध्य 15.41 वर्ष है ।

सारिणी 94

अकुशल कामगार पुरुष प्रतिवादियों एवं उनकी पत्नियों का वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण ।

पुरुषों की विवाह आयु (वर्षों में) / पुरुषों की पत्नियों की विवाह आयु (वर्षों में)	12 से कम	12-14	14-16	16-18	18-20	20-22	22-24	24-26	26-28	28-30	30 व अधिक	योग
12 से कम	1		2	6	5	4				1		19
12-14			2	8	9	8	2					29
14-16			1	9	9	6						25
16518				2	9	3	8			1		23
18-20					1	12	1					14
20-22							4	3	1	1		9
22-24								1				1
24 व अधिक									1	1	1	3
योग :	1	0	5	25	33	33	15	4	2	3	1	12

प्रस्तुत सारिणी में अकुशल कामगार पुरुष प्रतिवादियों तथा उनकी पत्नियों का वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण उपलब्ध किया गया है ।

प्रस्तुत न्यादर्श में इन पुरुषों की संख्या 122 है । इस सारिणी से उपर्युक्त पुरुषों तथा उनकी पत्नियों की वैवाहिक आयु के मध्य सह संबंध निकाला गया है । कार्ल पियर्सन की सह-संबंध गुणांक विधि द्वारा प्राप्त यह रैखीय सहसंबंध गुणांक= +0.5987 है ।

अतः यह स्पष्ट है कि अकुशल कामगार पुरुषों तथा उनकी पत्नियों के वैवाहिक आयु में मध्यम कोटि का धनात्मक सह संबंध है अर्थात उपर्युक्त पुरुषों की वैवाहिक आयु बढ़ने या घटने के साथ साथ उनकी पत्नियों की वैवाहिक आयु बढ़ती या घटती है ।

सारिणी 98

कृषि व्यवसाय के पुरुष प्रतिवादियों का वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण ।

पुरुषों की विवाह आयु (वर्षों में)	पुरुषों की संख्या	प्रतिशत
12 से कम	0	0
12-14	0	0
14-16	0	0
16-18	1	3.45
18-20	17	58.62
20-22	6	20.69
22-24	5	17.24
24-26	0	0
26-28	0	0
28-30	0	0
30 व अधिक	0	0
योग	29	100

प्रस्तुत सारिणी में कृषि व्यवसाय के पुरुषों का

वितरण उनकी वैवाहिक आयु के अनुसार प्रस्तुत किया गया है ।

सम्प्रति न्यादर्श में ऐसे पुरुषों की संख्या 29 थी ।

उपर्युक्त पुरुषों का उनकी वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण इस प्रकार उपलब्ध है कि 29(100 प्रतिशत) में 1(3.45 प्रतिशत), 17 (58.62 प्रतिशत), 6(20.69 प्रतिशत) 5(17.24 प्रतिशत), व्यक्तियों का विवाह क्रमशः 16-18, 18-20, 20-22, तथा 22-24 वर्ष की आयु में हुआ तथा 12 से कम 12-14, 24-26, 26-28, 28-30, 30 से अधिक आयु किसी का भी विवाह नहीं हुआ था ।

इस वर्ग के न्यादर्श में इन पुरुषों का सबसे बड़ा समूह था जिनका विवाह 18-20 वर्ष के आयु ग्रुप में हुआ था । इनका अनुपात 58.62 प्रतिशत था । यह स्मरणीय है कि इस ग्रुप से कम आयु वाले ग्रुपों में विवाह करने वाले पुरुषों का अनुपात, इससे अधिक आयु वाले ग्रुपों में विवाह करने वालों के अनुपात से कम है । इनका अनुपात क्रमशः 3.45 प्रतिशत तथा 37.93 प्रतिशत है ।

इस सारिणी से यह स्पष्ट है कि कृषि व्यवसाय के पुरुष प्रतिवादियों में 82.76 प्रतिशत व्यक्तियों का विवाह 22 वर्ष से कम आयु में तथा 17.24 प्रतिशत पुरुषों का विवाह 22 वर्ष से अधिक आयु में हुआ है । इन पुरुषों की वैवाहिक आयु का भूयिष्ठक 19.18 वर्ष और समान्तर माध्य 19.63 वर्ष है ।

सारिणी ९६

कृषि व्यवसाय के पुरुष प्रतिवादियों की पत्नियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण ।

पुरुषों की पत्नियों की विवाह आयु (वर्षों में)	पुरुषों की संख्या	प्रतिशत
12 से कम	1	3.45
12-14	3	10.34
14-16	12	41.38
16-18	6	20.69
18-20	6	20.69
20-22	1	3.45
22-24	0	0
24-26 व अधिक	0	0
योग	29	100

प्रस्तुत सारिणी में कृषि व्यवसाय के पुरुष प्रतिवादियों की पत्नियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण प्रस्तुत किया गया है ।

अनुसूचित जनजाति में इन पुरुषों की संख्या 29 थी ।

उपर्युक्त पुरुषों की पत्नियोंका वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण इस प्रकार प्राप्त हुआ है कि 29(100प्रतिशत) में से 1(3.45प्रतिशत), 3(10.34प्रतिशत), 12(41.38प्रतिशत), 6(20.69प्रतिशत), 6(20.69प्रतिशत), तथा 1(3.45प्रतिशत) पुरुषों की स्त्रियों का विवाह क्रमशः 12 से कम, 12-14, 14-16, 16-18, 18-20, तथा 20-22 वर्ष की आयु वाले ग्रुपों में हुआ था ।

इस वर्ग के न्यादर्श के पुरुषों में इन पुरुषों का सबसे बड़ा समूह है जिनकी पत्नियों का विवाह 41-16 वर्ष के आयु ग्रुप में हुआ है इनका अनुपात 41.38 प्रतिशत था । यह स्मरणीय है कि इस ग्रुप से कम आयु वाले ग्रुपों में विवाह करने वाली स्त्रियों का अनुपात, इससे अधिक आयु वाले ग्रुपों में विवाह करने वाली स्त्रियों के अनुपात से कम है । इनका अनुपात क्रमशः 13.79 प्रतिशत तथा 44.83 प्रतिशत है ।

इस सारिणी से यह स्पष्ट है कि कृषि व्यवसाय वाले पुरुष प्रतिवादियों में 55.17प्रतिशत पुरुषों की पत्नियों का विवाह 16 वर्ष से कम आयु वाले में तथा 44.83 प्रतिशत स्त्रियों का विवाह 16 वर्ष व अधिक आयु में हुआ है । इन पुरुषों की पत्नियों की वैवाहिक आयु का बहुलक 15.2 वर्ष और समान्तर माध्य 15.97 वर्ष है ।

सारिणी 97

कृषि व्यवसाय के पुरुष प्रतिवादियों तथा उनकी पत्नियों का वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण ।

पु० की विवाह आयु (वर्षों में) / पु० की पत्नियों की विवाह आयु (वर्षों में)	12 से कम	12-14	14-16	16-18	18-20	20-22	22-24	24-26	26-28	28-30	30 व अधिक	योग
12 से कम						1						1
12-14					1	1	1					3
14-16				1	10	0	1					12
16-18					6							6
18-20						4	2					6
20-22							1					1
22-24												0
24व अधिक												0
योग	0	0	0	1	17	6	5	0	0	0	0	29

इस सारिणी में कृषि व्यवसाय के पुरुष प्रतिवादियों एवं उनकी पत्नियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण प्रदर्शित किया गया है ।

सम्पूर्ण न्यादर्श में इन पुरुष प्रतिवादियों की संख्या 29 थी ।

इस सारिणी से उपर्युक्त पुरुषों तथा पत्नियों की वैवाहिक आयु के मध्य सह संबंध निकालने का प्रयास किया गया है । कार्ल पियर्सन की सह संबंध गुणांक विधि द्वारा प्राप्त सह संबंध गुणांक = + 0.3631 है ।

अतः यह स्पष्ट है कि कृषि व्यवसाय के पुरुष प्रतिवादियों तथा उनकी पत्नियों का वैवाहिक आयु में मध्यम कोटि का धनात्मक सह संबंध है । अर्थात उपर्युक्त पुरुषों की वैवाहिक आयु बढ़ने या घटने के साथ - साथ उनकी पत्नियों की वैवाहिक आयु बढ़ती या घटती है ।

सारिणी 98

दुग्ध के व्यवसायी पुरुष प्रतिवादियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण ।

पुरुषों की विवाह आयु (वर्षों में)	पुरुषों की संख्या	प्रतिशत
12 से कम	1	5.88
12-14	0	0.00
14-16	1	5.88
16-18	4	23.53
18-20	0	0
20-22	4	23.53
22-24	3	17.65
24-26	4	23.53
26-28	0	0
28-30	0	0
30 व अधिक	0	0
योग	17	100

प्रस्तुत सारिणी में दूध के व्यवसायी पुरुष प्रतिवादियों का वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण प्रस्तुत किया गया है ।

सम्प्रति न्यादर्श में इन पुरुषों की संख्या 17 थी ।

उपर्युक्त पुरुषों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण इस प्रकार मिला है कि 17 (100 प्रतिशत) में 1(5.88 प्रतिशत), 0(शून्य प्रतिशत), 1(5.88 प्रतिशत), 4(23.53 प्रतिशत), 0 (शून्य प्रतिशत), 4(23.53 प्रतिशत), 3(17.65 प्रतिशत) तथा 4(23.53 प्रतिशत) पुरुषों का विवाह क्रमशः 12 से कम, 12 -14, 14 -16, 16- 18, 18- 20, 20 - 22, 22- 24 तथा 24- 26 वर्ष की आयु वाले ग्रुप में हुआ था ।

इस वर्ग के पुरुषों में कोई भी पुरुष ऐसा नहीं है जिसका विवाह 26 व अधिक आयु में हुआ है । इसके साथ ही साथ 12-14 तथा 18 -20 वर्ष की आयु वाले ग्रुप में भी किसी का विवाह नहीं हुआ है । 16- 18, 20 - 22 तथा 24 - 26 वर्ष की आयु वाले ग्रुपों क्रमशः

ए क दूसरे के बराबर लोगों का विवाह हुआ है । इनका अनुपात क्रमशः 23.53 प्रतिशत है साथ ही साथ यह भी स्मरणीय है कि यही अनुपात सबसे अधिक है ।

इस सारिणी से यह स्पष्ट है कि दूध के व्यवसायी पुरुष प्रतिवादियों की वैवाहिक आयु का भूयिष्ठक 21 वर्ष है ।

इस वर्ग के पुरुषों में से 58.82 प्रतिशत पुरुषों का विवाह 22 वर्ष से कम की आयु में तथा 41.18 प्रतिशत पुरुषों का विवाह 22 व अधिक वर्ष की आयु में हुआ है ।

सारिणी 99

दूध के व्यवसायी पुरुष प्रतिवादियों की पत्नियों का वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण ।

पुरुषों की पत्नियों की विवाह आयु (वर्षों में)	पुरुषों की संख्या	प्रतिशत
12 से कम	2	11.76
12-14	2	11.76
14-16	1	5.88
16-18	5	29.42
18-20	4	23.55
20-22	3	17.66
22-24	0	0
24 व अधिक	0	0
योग	17	100

प्रस्तुत सारिणी में दूध के व्यवसायी पुरुष प्रतिवादियों की पत्नियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण प्रदर्शित किया गया है ।

कम्प्रति न्यादर्शों में इन पुरुषों की संख्या 17 थी ।

उपर्युक्त पुरुषों की पत्नियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण इस प्रकार मिला है कि 17(100 प्रतिशत में से 2(11.76प्रतिशत), 2(11.76प्रतिशत), 1(5.88प्रतिशत), 5(29.42प्रतिशत), 4(23.55 प्रतिशत) तथा 3(17.66 प्रतिशत), का विवाह 12 वर्ष से कम, 12-14, 14-16, 16-18, 18-20 तथा 20-22 वर्ष की आयु ग्रुप में हुआ था ।

इस वर्ग के न्यादर्श के पुरुषों में इन पुरुषों का सबसे बड़ा समूह है जिनकी पत्नियों का विवाह 16-18 वर्ष के आयु ग्रुप में हुआ है । इनका अनुपात 29.42 प्रतिशत था । यह स्मरणीय है कि इस ग्रुप से कम आयु वाले ग्रुपों में विवाह करने वाली स्त्रियों का अनुपात, इससे अधिक आयु वाले ग्रुपों में विवाह करने वाली स्त्रियों के अनुपात से कम है । इनका अनुपात क्रमशः 29.40 तथा 41.21 प्रतिशत है ।

इस सारिणी से यह स्पष्ट है कि दुग्ध के व्यवसायी पुरुष प्रतिवादियों में 58.82 प्रतिशत पुरुषों की पत्नियों का विवाह 18 वर्ष से कम आयु में तथा 41.21 प्रतिशत पुरुषों की पत्नियों का विवाह 18 वर्ष व अधिक आयु में हुआ है । इन पुरुषों की पत्नियों का वैवाहिक आयु का भूयिष्ठक 17.6 वर्ष तथा समान्तर माध्य 16.89 वर्ष है ।

सारिणी 180

दूध के व्यवसाय के पुरुष प्रतिवादियों एवं उनकी पत्नियों का वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण ।

पु0की वैवाहिक आयु(वर्षों में) / पु0कीपत्नियों की व्याह आयु (वर्षों में)	12से कम	12-14	14-16	16-18	18-20	20-22	22-24	24-26	26-28	28-30	30 व अधिक	योग
12 से कम	1		1									2
12-14				2								2
14-16				1								1
16-18				1		4						5
18-20							3	1				4
20-22								3				3
22-24												0
24 व अधिक												0
योग	1	0	1	4	0	4	3	4	0	0	0	17

प्रस्तुत सारिणी में दूध का व्यवसाय वाले पुरुषों एवं उनकी पत्नियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण उपलब्ध किया गया है ।

सम्पूर्ण न्यादर्श में वैवाहिक इन पुरुषों की संख्या 17 थी ।

इस सारिणी से उपर्युक्त पुरुषों तथा उनकी पत्नियों की वैवाहिक आयु के मध्य सह संबंध निकाला गया है । कार्ल पियर्सन की सह संबंध गुणांक विधि द्वारा प्राप्त यह सह संबंध गुणांक =+0 9414 है ।

इससे यह स्पष्ट है कि उपर्युक्त पुरुष प्रतिवादियों तथा उनकी पत्नियों की वैवाहिक आयु के मध्य उच्च कोटि का धनात्मक सह संबंध है अर्थात उपर्युक्त पुरुषों की वैवाहिक आयु बढ़ने के साथ साथ उनकी पत्नियों की वैवाहिक आयु भी बढ़ती या घटती है ।

प्रतीक

सारिणी 10।

बेरोजगार पुरुष प्रतिवादियों का वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण ।

पुरुषों की विवाह आयु (वर्षों में)	पुरुषों की संख्या	प्रतिशत
12 से कम	0	0
12-14	1	2.9
14-16	3	8.8
16-18	4	11.8
18-20	9	26.5
20-22	11	32.4
22-24	2	5.9
24-26	2	5.9
26-28	1	2.9
28-30	1	2.9
30 व अधिक	0	0
योग	34	100

प्रस्तुत सारिणी में बेरोजगार पुरुषों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण प्रदर्शित किया गया है ।

सम्प्रति न्यादर्श में इन पुरुषों की संख्या 34 रही ।

उपर्युक्त पुरुषों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण इस प्रकार मिला है कि 34 (100 प्रतिशत)में से 1(2.9 प्रतिशत), 3(8.8प्रतिशत), 2(5.9प्रतिशत), 1(2.9 प्रतिशत), 1(2.9 प्रतिशत) पुरुषों का विवाह क्रमशः 12 - 14 , 14- 16, 16 - 18 , 18- 20 , 20 - 22 , 22- 24 , 24 -26 , 26 - 28 , तथा 28 - 30 वर्ष व अधिक आयु ग्रुप में हुआ था 12 वर्ष से कम तथा 30 वर्ष व अधिक आयु ग्रुप में किसी का भी विवाह नहीं हुआ था ।

इस वर्ग के न्यादर्श में इन पुरुषों का सबसे बड़ा समूह है जिनका विवाह 20-22 वर्ष की आयु वाले ग्रुप में हुआ है । इनका अनुपात 32.4 प्रतिशत है । यह स्मरणीय है कि इस ग्रुप से कम आयु वाले ग्रुपों में विवाह करने वाले पुरुषों का अनुपात , इससे अधिक आयु

वाले ग्रुपों में विवाह करने वालों के अनुपात से अधिक है । इनका अनुपात क्रमशः 50.00 प्रतिशत तथा 17.6 प्रतिशत है ।

इस सारिणी से यह स्पष्ट है कि बेरोजगार पुरुष प्रतिवादियों में से 82.4 प्रतिशत का विवाह 22 वर्ष से कम आयु में तथा 17.6 प्रतिशत पुरुषों का विवाह 22 व अधिक आयु में हुआ है । इन पुरुषों की वैवाहिक आयु का भूयिष्ठक 21 वर्ष है तथा समान्तर माध्य 21 वर्ष है ।

सारिणी 102

बेरोजगार पुरुष प्रतिवादियों का उनकी पत्नियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण ।

पुरुषों की पत्नियों की विवाह आयु (वर्षों में)	पुरुषों की संख्या	प्रतिशत
12 से कम	3	8.8
12-14	4	11.8
14-16	7	20.6
16-18	8	23.4
18-20	10	29.4
20-22	2	5.8
22-24	0	0
24 व अधिक	0	0
योग	34	(99.9 =100)

इस सारिणी में बेरोजगार पुरुष प्रतिवादियों की पत्नियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण उपलब्ध किया गया है ।

सम्प्रति न्यादर्श में इन पुरुषों की संख्या 34 थी ।

उपर्युक्त पुरुषों की पत्नियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण इस प्रकार मिला है कि कुल 34(100 प्रतिशत) में (3(8.8प्रतिशत), 4(11.8प्रतिशत), 7(20.6 प्रतिशत), 8 (23.4 प्रतिशत), 10(29.4 प्रतिशत), 2(5.8 प्रतिशत) पुरुषों की पत्नियों का विवाह क्रमशः 12 वर्ष से कम, 12-14, 14-16, 16-18, 18-20, तथा 20 -22 वर्ष के आयु ग्रुप में हुआ था । 22-24 तथा 24 वर्ष से अधिक आयु ग्रुप में किसी का भी विवाह नहीं हुआ था ।

इस वर्ग के न्यादर्श के पुरुषों में इन पुरुषों का सबसे बड़ा समूह है जिनकी पत्नियों का विवाह 18-20वर्ष की आयु ग्रुप में हुआ है । इनका अनुपात 29.4प्रतिशत है । यह स्मरणीय है कि इस ग्रुप से कम आयु वाले ग्रुपों में विवाह करने वाली स्त्रियों का अनुपात, इससे अधिक आयु वाले ग्रुपों में विवाह करने वाली स्त्रियों

के अनुपात से अधिक है । इनका अनुपात क्रमशः 64.7 प्रतिशत तथा 5.8 प्रतिशत है ।

इस सारिणी से यह स्पष्ट है कि बेरोजगार पुरुष प्रतिवादियों में 4.1 प्रतिशत की स्त्रियों का विवाह 20 वर्ष तक की आयु में तथा 5.8 प्रतिशत पुरुषों की पत्नियों का विवाह 20 वर्ष से अधिक की आयु में हुआ है । इन पुरुषों की पत्नियों का वैवाहिक आयु का भूयिष्ठक 16.82 वर्ष और समान्तर माध्य 16.42 वर्ष है ।

सारिणी 103

बेरोजगार पुरुष, पतिवादियों एवं उनकी पत्नियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण ।

पु० की विवाह आयु (वर्षों में) / पु० की पत्नियों की विवाह आयु (वर्षों में)	12 से कम	12-14,	14-16,	16-18,	18-20,	20-22,	22-24,	24-26,	26-28,	28-30	30 से अधिक	योग
12 से कम		1			1	1						3
12-14			2		2							4
14-16			1	4	1					1		7
16-18					5	3						8
18-20						6	2	1	1			10
20-22						1		1				2
22-24												0
24 व अधिक												0
योग	0	1	3	4	9	11	2	2	1	1	0	34

प्रस्तुत सारिणी में बेरोजगार पुरुष प्रतिवादियों एवं उनकी पत्नियों का वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण किया गया है ।

सम्प्रति न्यादर्श में इन पुरुषों की संख्या 34 थी ।

इस सारिणी से उपर्युक्त पुरुषों तथा उनकी पत्नियों की वैवाहिक आयु के मध्य सह संबंध निकाला गया है । कार्ल पियर्सन की सह संबंध गुणांक विधि द्वारा प्राप्त यह रेखीय सह संबंध गुणांक + 0.5740 है ।

अतः यह स्पष्ट है कि बेरोजगार पुरुष प्रतिवादियों एवं उनकी पत्नियों के मध्य मध्यम कोटि धनात्मक सह संबंध है । अर्थात उपर्युक्त पुरुषों की वैवाहिक आयु बढ़ने या घटने से उनकी पत्नियों की वैवाहिक आयु बढ़ती या घटती है ।

सारिणी 104

पुरुष प्रतिवादियों का वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण, जिनका उनके [redacted] व्यवसाय के अनुसार विभक्त किया गया था ।

पु० की विवाह आयु (वर्षों में) / व्यवसाय	12से कम	12-14	14-16	16-18	18-20	20-22	22-24	24-26	26-28	28-30	30 व अधिक	योग	वि०आयु आपुयिठक (वर्षों में)	वि० आयु समान्तर म (वर्षों में)
पेशेवर	0	0	0	4	6	14	13	18	13	6	5	79	25	24.11
नौकरी	1	1	8	17	51	98	99	89	28	14	13	419	22.18	23.74
वाणिज्य	0	1	7	20	82	96	74	43	10	6	9	348	20.93	21.65
कुशल कामगार	1	1	9	11	15	39	10	7	1	3	1	98	20.9685	20.41
अकुशल कामगार	1	0	5	25	33	33	15	4	2	3	1	122	20	20.07
कृषि	0	0	0	1	17	6	5	0	0	0	0	29	19.18	19.63
दूध का व्यापार	1	0	1	4	0	4	3	4	0	0	0	17	21	20.4
बेरोजगार	0	1	3	4	9	11	2	2	1	4	20	36	20	20

प्रस्तुत सारिणी में पुरुष प्रतिवादियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण को दर्शाता है जिनको उनके व्यवसाय के अनुसार विभक्त किया गया था ।

सम्प्रति न्यादर्श में 79 पेशेवर, 419 नौकरी, 348 वाणिज्य, 98 कुशल कामगार, 122 अकुशल कामगार, 29 कृषि तथा 17 दूध का व्यवसाय करने वाले लोग थे एवं 34 व्यक्ति बेरोजगार थे ।

इस सारिणी में उपर्युक्त व्यक्तियों की वैवाहिक आयु का भूयिष्ठक तथा समान्तर माध्य पृथक-पृथक दर्शाया गया है । पेशेवर नौकरी, वाणिज्य, अकुशल कामगार, कुशल कामगार, कृषि तथा दूध का व्यवसाय करने वाले एवं बेरोजगार व्यक्तियों की वैवाहिक आयु का भूयिष्ठक क्रमशः 25 वर्ष, 22·18 वर्ष, 20·93 वर्ष, 20 वर्ष, 20·905 वर्ष, 19·18 वर्ष, 21 वर्ष एवं 20 वर्ष है तथा समान्तर माध्य क्रमशः 24·11 वर्ष, 22·74 वर्ष, 21·65 वर्ष, 20·07 वर्ष, 20·41 वर्ष, 19·63 वर्ष, 20·42 वर्ष एवं 20 वर्ष है ।

इस वर्ग के न्यादर्श के पुरुषों में से पेशेवर पुरुषों की वैवाहिक आयु का भूयिष्ठक व समान्तर माध्य सबसे अधिक है जो कि

क्रमशः 25 वर्ष तथा 24.11 वर्ष है । सबसे कम कृषि में लगे हुए व्यक्तियों की वैवाहिक आयु का भूयिष्ठक व समान्तर माध्य है जो कि क्रमशः 19.18 वर्ष तथा 19.63 वर्ष है । यह स्मरणीय है कि अकुशल कामगार तथा बेरोजगार व्यक्तियों की वैवाहिक आयु का भूयिष्ठक व समान्तर माध्य कृषि में लगे हुए व्यक्तियों के भूयिष्ठक व समान्तर माध्य से अधिक है, जबकि अन्य व्यवसाय में लगे हुए व्यक्तियों के भूयिष्ठक व समान्तर माध्य से कम है ।

इस सारिणी से यह स्पष्ट है कि कृषि, अकुशल कामगार तथा बेरोजगार व्यक्तियों की वैवाहिक आयु अन्य व्यवसाय में लगे हुए व्यक्तियों की वैवाहिक आयु से कम है तथा इन व्यक्तियों की वैवाहिक आयु की तुलना में नौकरी और वाणिज्य में लगे हुए व्यक्तियों की वैवाहिक आयु क्रमशः घटती गयी है ।

सारिणी 105

पुरुष प्रतिवादियों की पत्नियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण जिनकी (पुरुषों की) उनके व्यवसाय के अनुसार विभक्त किया गया था ।

व्यवसाय	पत्नियों की विवाह आयु (वर्षों में)								योग	विवाह आयु का भूयिष्ठक	विवाह आयु का समान्तर माध्य
	12 से कम	12-14	14-16	16-18	18-20	20-22	22-24	24 व अधिक			
पेशेवर	5	10	7	10	14	12	15	6	79	19.33	18.65
नौकरी	22	47	63	97	81	55	38	16	419	17.36	17.70
वाणिज्य	25	45	84	74	68	30	14	8	348	15.59	16.73
कुशल कामगार	16	16	22	24	10	3	5	2	98	15.12	14.72
अकुशल कामगार	19	29	25	23	14	9	1	2	122	15.11	15.41
कृषि	1	3	12	6	6	1	0	0	29	15.2	15.97
दूध के व्यवसायी	2	2	1	5	4	3	0	0	17	17.6	16.89
बेरोजगार	3	4	7	8	10	12	0	0	64	34 16.82	16.42

इस सारिणी में पुरुष प्रतिवादियों की पत्नियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण को प्रस्तुत किया गया है। जिनको उनके व्यवसाय के अनुसार विभक्त किया गया था।

सम्पूर्ण न्यादर्श में 79 पेशेवर, 419 नौकरी, 348 वाणिज्य, 122 अकुशल कामगार, 98 कुशल कामगार, 29 कृषि तथा 17 दूध के व्यवसायी व्यक्ति थे तथा 34 व्यक्ति बेरोजगार थे।

इस सारिणी में उपर्युक्त व्यक्तियों के पत्नियों की वैवाहिक आयु के बृहिष्ठक तथा समान्तर माध्य पृथक-पृथक दर्शाया गया है। पेशेवर, नौकरी, अकुशल कामगार, कुशल कामगार कृषि तथा दूध के व्यवसायी एवं बेरोजगार व्यक्तियों के पत्नियों की वैवाहिक आयु का बृहिष्ठक क्रमशः 19.33 वर्ष, 17.36 वर्ष, 15.59 वर्ष 15.12 वर्ष, 15.11 वर्ष, 15.2 वर्ष, 17.6 वर्ष तथा 16.82 वर्ष है और समान्तर माध्य क्रमशः 18.65 वर्ष, 17.70 वर्ष, 16.73 वर्ष, 15.41 वर्ष, 14.72 वर्ष, 15.97 वर्ष, 16.98 वर्ष तथा 16.72 वर्ष है।

इस वर्ग के न्यादर्श के पुरुषों में पेशेवर पुरुषों की पत्नियों की वैवाहिक आयु का बृहिष्ठक व समान्तर माध्य सबसे अधिक है, जो कि क्रमशः 19.33 वर्ष व 18.65 वर्ष है और सबसे कम अकुशल कामगार व्यक्तियों की पत्नियों की वैवाहिक आयु का बृहिष्ठक है जो कि

कि 15.11 वर्ष है। यह स्पष्ट है कि नौकरी करने वाले व्यक्तियों के पत्नियों की वैवाहिक आयु का भूयिष्ठक एवं समान्तर माध्य पेशेवर व्यक्तियों के पत्नियों की वैवाहिक आयु के भूयिष्ठक समान्तर माध्य से कम है लेकिन अन्य सभी व्यवसायों में लगे हुये व्यक्तियों के पत्नियों की वैवाहिक आयु के भूयिष्ठक व समान्तर माध्य से अधिक है। बेरोजगार व्यक्तियों के पत्नियों की वैवाहिक आयु का भूयिष्ठक पेशेवर तथा नौकरी करने वाले व्यक्तियों के पत्नियों की वैवाहिक आयु के भूयिष्ठक से कम है लेकिन अन्य व्यवसायों में लगे हुए व्यक्तियों के पत्नियों की वैवाहिक आयु के भूयिष्ठक से अधिक है। वाणिज्य में लगे हुए व्यक्तियों के पत्नियों की वैवाहिक आयु का समान्तर माध्य पेशेवर तथा नौकरी में लगे हुये व्यक्तियों के पत्नियों की वैवाहिक आयु के समान्तर माध्य से कम है, जबकि अन्य व्यवसाय में लगे हुये व्यक्तियों के पत्नियों की वैवाहिक आयु के समान्तर माध्य से अधिक है।

इस तालिका से यह स्पष्ट है कि अकुशल कामगार व्यक्तियों के पत्नियों की वैवाहिक आयु सबसे कम तथा पेशेवर व्यक्तियों के पत्नियों की वैवाहिक आयु सबसे अधिक है। नौकरी करने वाले हुए के व्यवसायी बेरोजगारी तथा वाणिज्य में लगे हुए व्यक्तियों के पत्नियों की वैवाहिक आयु से कम है तथा अकुशल कामगार कृषि तथा कुशल कामगार व्यक्तियों के पत्नियों की वैवाहिक आयु से अधिक है।

सारिणी - 106

कुल प्रतिवादियों एवं उनकी पत्नियों की वैवाहिक आयु के मध्य पृथक पृथक सह-सम्बन्धता गुणांक, जिनको उनके पृथक पृथक व्यवसाय के अनुसार विभाजित किया गया था।

व्यवसाय	कुल प्रतिवादियों एवं उनकी पत्नियों की वैवाहिक आयु के मध्य सह-सम्बन्धता गुणांक
पेशेवर	+ 0.504
नौकरी	+ 0.6398
वाणिज्य	+ 0.6630
कुशल कामगार	+ 0.6624
अकुशल कामगार	+ 0.5987
कृषि	+ 0.3631
कुछ का व्यवसाय	+ 0.9414
बेरोजगार	+ 0.5740

प्रस्तुत सारिणी में पेशेवर नौकरी, वाणिज्य, कुशल कामगार अकुशल कामगार, कृषि, कुछ का व्यवसाय तथा बेरोजगार व्यक्तियों को अलग अलग उनके तथा उनकी पत्नियों की वैवाहिक आयु के

मध्य सह - सम्बन्ध गुणांक क्रमश: + 0.564, + 0.6398, +0.6630, +0.6624, +0.5987, +0.3631, +0.9414 तथा + 0.5740 है ।

इनमें सबसे अधिक वैवाहिक सह- सम्बन्ध गुणांक कुशल का व्यवसाय करने वाले व्यक्तियों का है तथा सबसे कम वैवाहिक सह-सम्बन्ध गुणांक कृषि करने वालों का है । कुशल का व्यवसाय, वाणिज्य कुशल कामगार, नौकरी अकुशल कामगार बेरोजगार पेशेवर तथा कृषि व्यवसाय में लगे पुरुषों एवं उनकी पत्नियों की वैवाहिक आयु के मध्य निकाला गया सह-सम्बन्ध गुणांक क्रमश: घटते क्रम में है ।

पुरुष प्रतिवादियों के पिता का व्यवसाय

प्रस्तुत तालिका के अन्तर्गत पुरुष प्रतिवादियों के पिता के पृथक पृथक व्यवसाय का पुरुष प्रतिवादियों तथा उनकी पत्नियों की वैवाहिक आयु के ऊपर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन करने का प्रयास किया गया है। साथ ही पुरुष प्रतिवादियों के पिता के पृथक पृथक व्यवसाय के अनुसार विभाजित पुरुष प्रतिवादियों एवं उनकी पत्नियों की वैवाहिक आयु के मध्य सह-सम्बन्ध निकाल कर तुलनात्मक अध्ययन करने का प्रयत्न किया गया है। इसके लिये पूर्व प्रथम व्यवसाय को पेशेवर, नौकरी, वाणिज्य, कुशल कामगार, अकुशल कामगार, कृषि तथा कृषि- का व्यवसाय में विभाजित करके इससे सम्बन्ध रखने वाले पुरुष प्रतिवादियों के पिता वाले वर्ग को अलग अलग कर लिया फिर इन अलग अलग किए हुए वर्गों को क्रमशः उपर्युक्त उद्देश्यों की प्राप्ति हेतु अध्ययन करने का प्रयास किया गया है।

सारिणी - 107

पुरूष प्रतिवादियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण जिनके पिता पेशेवर व्यवस्था के थे ।

पुरूषों की विवाह आयु (वर्षों में)	पुरूषों की संख्या	प्रतिशत
12 से कम	0	0
12-14	0	0
14-16	0	0
16-18	2	2.94
18-20	10	14.71
20-22	10	14.71
22-24	16	23.53
24-26	12	17.65
26-28	8	11.76
28-30	4	5.88
30 व अधिक	6	8.82
योग	68	100.00

यह सारिणी पुरूष प्रतिवादी के पिता के व्यवसाय के अनुसार बनाई गई है। जिसमें कि केवल पेशेवर व्यक्ति लिये गये है।

सम्पूर्ण न्यादर्श में 68 ऐसे पुरूष प्रतिवादी थे जिनके पिता पेशेवर व्यवसाय करते थे।

पेशेवर पिता वाले 68 पुरूष प्रतिवादियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण इस प्रकार मिला है कि 68 (100 प्रतिशत) में 2(2.94 प्रतिशत), 10(14.71 प्रतिशत), 10(14.71 प्रतिशत), 16(23.53 प्रतिशत)12(17.65 प्रतिशत), 8(11.76 प्रतिशत), 12(17.65 प्रतिशत) 8(11.76 प्रतिशत), 4(5.88 प्रतिशत) तथा 6(8.82 प्रतिशत) पुरूषों का विवाह क्रमश: 16-18, 18-20, 20-22, 22-24, 24-26, 26-28, 28-30 तथा 30 व अधिक आयु वाले ग्रुप में हुआ था।

इस वर्ग के न्यादर्श के पुरूषों में ऐसा कोई भी पुरूष नहीं है जिसका विवाह 16 वर्ष से कम की आयु में हुआ हो। इन पुरूषों का सबसे बड़ा समूह है जिनका विवाह 22-24 वर्ष की आयु वाले ग्रुप में हुआ है। इनका अनुपात 23.53 प्रतिशत है। इन पुरूषों का सबसे छोटा समूह है जिनका विवाह 16-18 वर्ष की आयु वाले ग्रुप में हुआ है। इनका अनुपात 2.94 प्रतिशत है। यह स्मरणीय है कि 22-24 वर्ष की वैवाहिक आयु वाले ग्रुप से कम आयु वाले ग्रुपों में विवाह करने वाले पुरूषों का अनुपात, इससे अधिक आयु वाले ग्रुपों में विवाह करने वाले पुरूषों के अनुपात से कम है। इनका अनुपात क्रमश: 32.36 प्रतिशत और 44.11 प्रतिशत है।

इस सारिणी से यह स्पष्ट है कि पेशेवर पिता वाले पुरुष प्रतिवादियों में 55.89 प्रतिशत पुरुषों का विवाह 24 वर्ष से कम आयु में तथा 55.89 प्रतिशत पुरुषों का विवाह 24 वर्ष व अधिक आयु में हुआ है। पेशेवर पिता वाले पुरुष प्रतिवादियों की वैवाहिक आयु का भूयिष्ठक 23.2 वर्ष और समान्तर माध्य 23.823 वर्ष है।

सारणी — 108

पेशेवर पिता वाले पुरुष प्रतिवादियों की पत्नियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण।

पुरुष प्रति की पत्नियों की विवाह आयु वर्षों में	पुरुषों की संख्या	प्रतिशत
12 से कम	5	7.35
12-14	8	11.76
14-16	13	19.12
16-18	5	7.35
18-20	17	25.00
20-22	9	13.24
22-24	4	5.88
24 व अधिक	7	10.29
योग	68	100

यह सारिणी पुरुष प्रतिवादी के पिता के व्यवसाय के अनुसार है जिसमे मात्र पेशेवर व्यक्ति ही है।

सम्प्रति न्यादर्श मे 68 पुरूष प्रतिवादी थे जिनके पिता पेशेवर थे ।

पेशेवर पिता वाले 68 पुरूष प्रतिवादियों की पत्नियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण इस प्रकार मिला है कि 68(100 प्रतिशत) में से 5(7.35 प्रतिशत), 8(11.76 प्रतिशत) 13(19.12 प्रतिशत) 5(7.35 प्रतिशत), 17(25.00 प्रतिशत) 9(13.24 प्रतिशत) 4((5.88 प्रतिशत) तथा 7(10.29 प्रतिशत) पुरूषों की पत्नियों का विवाह क्रमशः 12 से कम, 12-14 14-16, 16-18, 18-20, 20-22, 22-24 24-26, 26-28, तथा 24 से अधिक आयु वाले ग्रुप मे हुआ था ।

इस वर्ग के न्यादर्श के पुरूषों मे से इन पुरूषों का सबसे बडा अनुपात है जिनकी पत्नियों का विवाह 18-20 वर्ष की आयु वाले ग्रुप मे हुआ है । यह स्मरणीय है कि इस ग्रुप के कम आयु वाले ग्रुपों मे विवाह करने वाली स्त्रियों का अनुपात से अधिक है इनका अनुपात क्रमशः 45.58 प्रतिशत तथा 29.41 प्रतिशत है ।

इस सारिणी से यह स्पष्ट है कि 70.58 प्रतिशत पुरूषों की पत्नियों का विवाह 20 वर्ष से कम की आयु मे तथा 29.41 प्रतिशत पुरूषों की पत्नियों का विवाह 20 वर्ष व अधिक आयु मे हुआ है पेशेवर पिता वाले पुरूषों प्रतिवादियों की पत्नियों का वैवाहिक आयु मायिष्ठक 19.2 वर्ष तथा समान्तर मध्य 18.00 वर्ष है ।

सारिणी - 109

पेशेवर पिता वाले युवक प्रतिवादियों एवं उनकी पत्नियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण ।

पु० की विवाह आयु वर्षों में / पु० पत्नियों की विवाह आयु वर्षों में	12 से कम	12-14	14-16	16-18	18-20	20-22	22-24	24-26	26-28	28-30	30+	योग
12 से कम				1	2	1	1					5
12-14					3	2	2			1		8
14-16				1	4	3	1	4				13
16-18						2	2		1			5
18-20					1	2	9	2	2		1	17
20-22							1	4	3	1		9
22-24								1	1		2	4
24-26								1	1	2	3	7
योग				2	10	10	16	12	8	3	6	68

इस सारिणी में पेशेवर पिता वाले युवक प्रतिवादियों एवं उनकी पत्नियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण प्रस्तुत है ।

इस सारिणी से पेशेवर पिता वाले पुरुष प्रतिवादियों एवं उनकी पत्नियों की वैवाहिक आयु में सह-सम्बन्ध निकाला गया है। कार्ल पियर्सन की सह-सम्बन्ध गुणांक निकालने की विधि द्वारा निकाला गया यह सह सम्बन्ध गुणांक + 0.56 है।

जिससे यह स्पष्ट है कि पेशेवर पिता वाले पुरुष प्रतिवादियों एवं उनकी पत्नियों की वैवाहिक आयु में मध्यम कोटि का धनात्मक सह-सम्बन्ध है। अर्थात् पेशेवर पिता वाले पुरुष प्रतिवादियों की वैवाहिक आयु के बढ़ने या घटने पर उनकी पत्नियों की वैवाहिक आयु भी बढ़ती या घटती है।

सारिणी - 11C

जिनके पिता नौकरी करते थे ऐसे पुरूष प्रतिवादियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण ।

पुरूषों की विवाह आयु (वर्षों में)	पुरूषों की संख्या	प्रतिशत
12 से कम	0	0
12-14	0	0
14-16	5	1.89
16-18	18	6.79
18-20	25	9.43
20-22	55	20.75
22-24	59	22.26
24-26	52	19.62
26-28	21	7.93
28-30	17	6.42
30 व अधिक	13	4.91
योग	265	100.00

यह प्रतिवादी के पिता के व्यवसाय के यह सारणी, जिनके पिता नौकरी करते थे, ऐसे पुरूष प्रतिवादियों की वैवाहिक आयु के

वितरण को है सम्प्रति न्यादर्श में इन पुरुषों की संख्या 265 थी ।

वैवाहिक उपयुक्त पुरुषों की आयु के अनुसार इस प्रकार मिला है कि 265(100 प्रतिशत) में 5(1.89 प्रतिशत) , 18(6.79 प्रतिशत), 59(22.26 प्रतिशत), 52(19.62 प्रतिशत), 21 (7.93 प्रतिशत),17(6.42 प्रतिशत), तथा 13(4.91 प्रतिशत) का विवाह क्रमशः (14-16),(16-18),18-20),(20-22), (22-24)(24-26),(26-28) (28-30) तथा 30 व अधिक आयु वाले ग्रुप में हुआ था ।

इस वर्ग के न्यादर्श के पुरुषों में उन पुरुषों का सबसे बड़ा समूह है जिनका विवाह 22-24 वर्ष की आयु वाले ग्रुप में हुआ है । यह स्मरणीय है कि इस ग्रुप से कम आयु वाले ग्रुपों में विवाह करने वाले पुरुषों का अनुपात, इससे अधिक आयु वाले ग्रुपों में विवाह करने वालों के अनुपात के बराबर है और 14 वर्ष से कम की आयु में किसी भी पुरुष का विवाह नहीं हुआ है ।

इस सारिणी से यह स्पष्ट है कि उन पुरुषों में 61.13 प्रतिशत पुरुषों का विवाह 24 वर्ष से कम की आयु में तथा 38.87 प्रतिशत पुरुषों का विवाह 24 व अधिक आयु में हुआ है । इन पुरुषों (अर्थात् जिनके पिता नौकरी करते थे) की वैवाहिक आयु का माध्यिका 22.72 वर्ष और समान्तर माध्य 23.135 वर्ष है ।

सारणी 111

जिनके पिता नौकरी करते थे, ऐसे युवा प्रतिवादियों की पत्नियों की आयु के अनुसार वितरण ।

युवाओं की पत्नियों की विवाह आयु वर्षों में	युवाओं की संख्या	प्रतिशत
12 से कम	14	5.66
12-14	24	9.06
14-16	37	13.96
16-18	57	21.51
18-20	52	19.62
20-22	34	13.21
22-24	32	12.08
24 व उससे अधिक	13	4.90
योग	265	100.00

यह सारिणी, जिनके पिता नौकरी करते थे, ऐसे युवा प्रतिवादियों की पत्नियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण को दर्शाती है । सम्प्रति न्यादर्श में इन युवाओं की संख्या 265 थी ।

उपर्युक्त पुरुषों का उनकी पत्नियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण इस प्रकार मिला है कि 265 (100 प्रतिशत)मे से 15(5.66 प्रतिशत),24(9.06) 37(13.96 प्रतिशत),57(21.51 प्रतिशत) 52(19.62 प्रतिशत),35(13.21 प्रतिशत),32(12.08 प्र तिशत) तथा 13(4.90 प्र तिशत) पुरुषों की पत्नियों का विवाह क्रमशः 15 से कम (12-14),(14-16) ,16-18, 18-20, 20-22, 22-24, तथा 24 व इससे अधिक आयु वाले ग्रुप मे हुआ था ।

इस कर्मिकन्यादर्श के पुरुषों मे इन पुरुषों का सबसे बड़ा समूह है जिनकी पत्नियों का विवाह 16-18 वर्ष की आयु वाले ग्रुप मे हुआ है । यह स्मरणीय है कि इस ग्रुप से कम आयु वाले ग्रुपो मे विवाह करने वाली स्त्रियों का अनुपात, इससे अधिक आयु वाले ग्रुपो मे विवाह करने वाली स्त्रियों के अनुपात से कम है ।

इस सारिणी से यह स्पष्ट है कि इन पुरुषों मे 50.19 प्र तिशत पुरुषों की स्त्रियों का विवाह 18 वर्ष से कम की आयु मे और शेष 49.81 प्र तिशत पुरुषों की स्त्रियों का विवाह 18 वर्ष व अधिक आयु मे हुआ है । इन पुरुषों(अर्थात् जिनके पिता नौकरी करते थे) की कीपत्नियों की वैवाहिक आयु का भायिष्ठिक 17.6 वर्ष और समान्तर माध्य 18.05 वर्ष है ।

सारिणी - 112

जिनके पिता नौकरी करते थे ऐसे पुरुषों एवं उनकी पत्नियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण।

पु०की स्त्रियों की विवाह आयु वर्षों में / पु०की विवाह आयु वर्षों में	12 से कम	12-14	14-16	16-18	18-20	20-22	22-24	24-26	26-28	28-30	30 +	योग
12 से कम		3	3	3		4	1				1	14
12-14			6	8	2	66		1			1	24
14-16		2	6	5	24	6	2	2				37
16-18			2	8	24	16	3			1	3	57
18-20			1	1	14	16	15	1		3	1	52
20-22					1	10	15	6		2	1	25
22-24						1	15	10		3	3	32
24 +							1	1		8	3	13

इस सारिणी में जिनके पिता नौकरी करते थे ऐसे 268 पुरुषों एवं उनकी पत्नियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण उपलब्ध है।

इस सारिणी से उपर्युक्त पुरुषों एवं उनकी पत्नियों की वैवाहिक आयु में सह-सम्बन्ध निकाला गया है ।

इस सारिणी से कार्ल पियर्सन को सह-सम्बन्ध गुणांक विधि द्वारा निकाला गया यह सह-सम्बन्ध गुणांक + 0.620 है ।

यह स्पष्ट है कि ऐसे पुरुषों जिनके पिता नौकरी करते थे एवं उनकी पत्नियों की वैवाहिक आयु में मध्यम कोटि का धनात्मक सह-सम्बन्ध है । अर्थात् उपर्युक्त पुरुषों की वैवाहिक आयु के बढ़ने के या घटने के साथ साथ उनकी पत्नियों की वैवाहिक आयु भी बढ़ती है या घटती है ।

सारिणी - 113

जिनके पिता व्यापार करते हो ऐसे पुरूष प्रतिवादियों को वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण।

पुरूषों की विवाह आयु (वर्षों में)	पुरूषों की संख्या	प्रतिशत
12 से कम	0	0
12-14	0	0
14-16	7	1.86
16-18	19	5.05
18-20	79	21.01
20-22	104	27.66
22-24	77	20.48
24-26	61	16.22
26-28	16	4.26
28-30	7	1.86
30 व अधिक	6	1.59 ~~99.99=~~
योग	376	99.99=100 प्रतिशत

यह सारिणी जिनके पिता व्यापार करते थे ऐसे पुरूष प्रतिवादियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण को दर्शाती

है । सम्प्रति व्यापारियों में इन पुरुषों की संख्या 376 थी ।

उपर्युक्त पुरुषों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण इस प्रकार मिला है कि 376 (100 प्रतिशत) में 7(1.86 प्रतिशत), 19(2.05 प्रतिशत), 79(21.01 प्रतिशत),104(27.66 प्रतिशत), 77(20.48 प्रतिशत), 61 (61.82 प्रतिशत),16(4.26 प्रतिशत), 7(1.86 प्रतिशत) तथा 6(1.59 प्रतिशत) पु रुषों का विवाह क्रमश: 14-16, 16-18 18-20,20-22, 22-24, 24-26, 26-28, 28-30 तथा 30 व अधिक आयु वाले ग्रुप में हुआ था ।

इस वर्ग के व्यापारी पुरुषों में उन पुरुषों का सबसे बड़ा समूह है जिनका विवाह 20-22 वर्ष की आयु वाले ग्रुप में हुआ है । उनका अनुपात 27.66 प्रतिशत है । यह स्मरणीय है कि इस ग्रुप से कम आयु वाले ग्रुपों में विवाह करने वाले पुरुषों का अनुपात,इससे अधिक आयु वाले ग्रुपों में विवाह करने वालों के अनुपात से कम है । उनका अनुपात क्रमश: 27.92 प्रतिशत और 44.41 प्रतिशत है ।

इस सारिणी से यह स्पष्ट है कि ऐसे पुरुषों में 55.58 प्रतिशत पुरुषों का विवाह 22 वर्ष से कम की आयु में तथा 44.41 प्रतिशत पुरुषों का विवाह 22 व अधिक आयु में हुआ है । इन पुरुषों (अर्थात् जिनके पिता व्यापार करते थे) की वैवाहिक आयु का मध्यिका 20.96 वर्ष तथा और समान्तर माध्य 21.88 वर्ष है ।

सारिणी— 114

पुरूष प्रतिवादियों की पत्नियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण जिनके पिता व्यापार करते थे ।

पुरूषों की पत्नियों की विवाह आयु (वर्षों में)	पुरूषों की संख्या	प्रतिशत
12 से कम	30	7.98
12-14	42	11.17
14-16	74	19.68
16-18	92	24.47
18-20	70	18.62
20-22	39	10.37
22-24	20	5.32
24 व अधिक	9	2.39
योग	376	100

यह सारिणी, पुरूष प्रतिवादियों की पत्नियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण प्रदर्शित करती है जिनके पिता व्यापार करते थे । सम्प्रति न्यादर्श में इन पुरूषों की संख्या 376 थी ।

उपर्युक्त पुरूषों की पत्नियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण इस प्रकार मिला है कि 376(100 प्रतिशत) मे 30(7.93 प्रतिशत), 42(11.17 प्रतिशत), 74(19.68 प्रतिशत) 92(24.47 प्रतिशत), 70(18.62 प्रतिशत),39(10.37 प्रतिशत), पुन 20(5.32 प्रतिशत) तथा 9(2.39 प्रतिशत) पुरूषों की स्त्रियों की विवाह क्रमशः 12 से कम , 12-14, 14-16 16-18, 18-20, 20-22, 22-24 तथा 24 व अधिक आयु वाले ग्रुप मे हुआ था ।

इस वर्ग के न्यादर्श के पुरूषों मे इन पुरूषों का सबसे बड़ा समूह है जिनकी पत्नियों का विवाह 16-18 वर्ष की आयु वाले ग्रुप मे हुआ है । इनका अनुपात 24.47 प्रतिशत है । यह स्मरणीय है कि इस ग्रुप से कम आयु वाले ग्रुपों मे विवाह करने वाली स्त्रियों का अनुपात, इससे अधिक आयु वाले ग्रुपों मे विवाह करने वाली स्त्रियों के अनुपात से अधिक है । इनका अनुपात क्रमशः 38.93 प्रतिशत तथा 36.70 प्रतिशत है ।

इस सारिणी से यह स्पष्ट है कि इन पुरूषों मे 63.30 प्रतिशत पुरूषों की स्त्रियों का विवाह 18 वर्ष की कम आयु मे तथा 36.70 प्रतिशत पुरूषों की स्त्रियों का विवाह 18 व अधिक आयु वाले ग्रुप मे हुआ है । इन पुरूषों (अर्थात् पिता व्यापार करते थे) की पत्नियों की वैवाहिक आयु का माध्यिका 16.9 वर्ष और समान्तर माध्य 16.309 वर्ष है ।

सारिणी - 115

पुरुष प्रतिवादियों एवं उनकी पत्नियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण जिन पुरुषों के पिता व्यापार करते थे ।

पुरुषों/ पुरुषों की पत्नियों की विवाह आयु वर्षों में / विवाह आयु वर्षों में	12से कम	12-14	14-16	16-18	18-20	20-22	22-24	24-26	26-28	28-30	30+	योग
12 से कम			6	7	8	7		1	1			30
12-14				5	21	10	4	2				42
14-16			1	7	25	31	5	5				74
16-18					21	34	29	2	5		1	92
18-20					4	21	28	13	2	1	1	70
20-22						1	10	22	5		1	39
22-24								16	1	2	1	20
24 +							1		2	4	2	9
कुल योग			7	19	79	104	77	61	16	7	6	376

यह सारिणी पुरुष प्रतिवादियों एवं उनकी पत्नियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण को उपलब्ध करता है कि पुरुष प्रतिवादियों के पिता व्यापार करते थे सम्प्रति न्यादर्श में कुल 376 पुरुष प्रतिवादी थे ।

इस सारिणी से उपर्युक्त पुरूषों एवं उनकी पत्नियों की वैवाहिक आयु में रेखीय सह-सम्बन्ध गुणांक ज्ञात किया गया है। कार्ल पियर्सन की रेखीय सह-सम्बन्ध गुणांक विधि द्वारा निकाला गया यह सह-सम्बन्ध गुणांक + 0.6918 है।

यह स्पष्ट है कि जिनके पिता व्यापार करते थे उन पुरूष प्रतिवादियों एवं उनकी पत्नियों की वैवाहिक आयु में मध्यम कोटि का धनात्मक सह-सम्बन्ध है। अर्थात् इन पुरूषों की वैवाहिक आयु के बढ़ने या घटने के साथ साथ उनकी पत्नियों की आयु भी बढ़ती है या घटती है।

सारिणी 116

ऐसे पुरूष प्रतिवादियों के वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण जिनके पिता कुशल कामगार थे ।

पुरूषों की विवाह आयु वर्षों में	पुरूषों की संख्या	प्रतिशत
12 से कम	1	0.82
12-14	0	0.00
14-16	4	3.28
16-18	15	12.28
18-20	23	18.86
20-22	48	39.36
22-24	18	14.74
24-26	6	4.92
26-28	4	3.28
28-30	3	2.46
30 व अधिक	0	00.00
योग	122	100.00

यह सारिणी ऐसे पुरूष प्रतिवादियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण को दर्शाती है जिनके पिता कुशल कामगार थे। सैम्पल न्यादर्श में इन पुरूषों की संख्या 122 थी ।

उपर्युक्त पुरुषों का उनकी वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण इस प्रकार मिला है कि 122 (100 प्रतिशत) मे से 1 (0.82 प्रतिशत) 0 (शून्य प्रतिशत), 4 (3.28 प्रतिशत), 15 (12.23 प्रतिशत), 23 (18.86 प्रतिशत) 48, (39.36 प्रतिशत), 18 (14.74 प्रतिशत), 6 (4-92 प्रतिशत) 4 (3.28 प्रतिशत), 3 (2.46 प्रतिशत) तथा 0 (शून्य प्रतिशत) पुरुषों का विवाह क्रमशः 12 से कम, 12-14, 14-16, 16-18, 18-20, 20-22, 22-24, 24-26, 26-28, 28-30 तथा 30 व अधिक आयु वाले ग्रुप मे हुआ था ।

इस वर्ग के न्यादर्श के पुरुषों मे ऐसे पुरुष नगण्य है जिनका विवाह 14 वर्ष से पूर्व तथा 30 वर्ष से अधिक कीआयु मे हुआ है । इन पुरुषों का सबसे बडा समूह है जिनका विवाह 20-22 वर्ष की आयु वाले ग्रुप मे हुआ है जिनका अनुपात 39.36 प्रतिशत है । यह स्मरणीय है कि इस ग्रुप से कम आयु वाले ग्रुपों मे विवाह करने वाले पुरुषों का अनुपात इससे अधिक आयु वाले ग्रुपो मे विवाह करने वाले के अनुपात से अधिक है इनका अनुपात क्रमशः 35.24 प्रतिशत तथा 25.40 प्रतिशत है ।

इस सारिणीसे यह स्पष्ट है कि इन पुरुषों मे 74.40 प्रतिशत पुरुषों का विवाह 22 वर्ष से कम और 25.40 प्रतिशत पुरुषों का विवाह 22 व अधिक आयु मे हुआ है । इन पुरुष प्रतिवादियो की वैवाहिक आयु का मूयिष्ठक 20.909 वर्ष एवं समान्तर माध्य 20.738 वर्ष है जिनके पिता कृषि कामगार थे ।

सारिणी - 117

. युवक प्रशिक्षार्थियों की पत्नियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण जिनके पिता [redacted] कुशल कामगार थे।

युवकों की पत्नियों की विवाह आयु (वर्षों में)	युवकों की संख्या	प्रतिशत
12 से कम	14	11.46
12-14	22	18.04
14-16	23	18.85
16-18	32	26.24
18-20	18	14.74
20-22	10	8.20
22-24	1	0.82
24 व अधिक	2	1.64
योग	122	100.00

यह सारिणी युवक प्रशिक्षार्थियों की पत्नियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण को दर्शाती है जिनके पिता कुशल कामगार थे। सम्बन्धित न्यादर्श में इनकी संख्या 122 थी।

उपर्युक्त युवकों की पत्नियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण इस प्रकार मिला है कि 122 (100 प्रतिशत) में से 14 (11.46 प्रतिशत) 22(18.04 प्रतिशत), 23(18.86 प्रतिशत), 32(26.24 प्रतिशत), 18(14.74 प्रतिशत), 10(8.20) 1(0.82 प्रतिशत) तथा 2(1.64 प्रतिशत) युवकों की स्त्रियों का विवाह क्रमश: 12 से कम 12-14, 14-16, 16-18, 18-20, 20-22 22-24 तथा 24 व अधिक आयु वाले समूहों में हुआ है ।

इस वर्ग के प्यादर्श के युवकों की पत्नियों में उन स्त्रियों का सबसे बड़ा समूह है जिनका विवाह 16-18 वर्ष की आयु वाले समूह में हुआ है । इनके अनुपात 26.24 प्रतिशत है । यह स्मरणीय है कि इस समूह से कम आयु वाले समूहों में विवाह करने वाली स्त्रियों अनुपात इससे अधिक आयु वाले समूहों में विवाह करने वाली स्त्रियों के अनुपात से अधिक है । इनका अनुपात क्रमश: 48.16 प्रतिशत तथा 25.40 प्रतिशत है ।

इस सारिणी से यह स्पष्ट है कि जिन युवक प्रतिवादियों के पिता कुशल कामगार थे उनकी पत्नियों में 74.60 प्रतिशत स्त्रियों का विवाह 18 वर्ष से कम तथा 25.40 प्रतिशत स्त्रियों का विवाह 18 वर्ष व अधिक आयु में हुआ है । उपर्युक्त युवकों की पत्नियों की वैवाहिक आयु का भूयिष्ठक 16.78 वर्ष और समान्तर माध्य 15.68 वर्ष है ।

सारिणी — 118

ऐसे पुत्रों प्रतिवादियों एवं उनकी पत्नियों की विवाहिक आयु के अनुसार वितरण जिनके पिता कुशल कामगार थे।

पुत्रों / पुत्रियों की विवाह आयु वर्षों में / पुत्रों विवाह आयु वर्षों में	12से कम	12-14	14-16	16-18	18-20	20-22	22-24	24-28	26-28	28-30	30 व अधिक	योग
12 से कम	1		2	4	1	5				1		14
12-14			2	6	7	4	3			[illegible]		22
14-16				3	7	11	1			1		23
16-18				2	7	17	6					32
18-20					1	11	4	2				18
20-22							4	3	2	1		10
22-24								1	0			1
24 व अधिक									2			2
योग	1	0	4	15	23	48	18	6	4	3	0	122

इस सारिणी में उक्त पुत्रों प्रतिवादियों एवं उनकी पत्नियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण को दर्शाया गया है जिनके पिता

कुशल कामगार थे । सम्पूर्ण तिदर्श में इन पुरुषों की संख्या 122 थी ।

इस सारिणी से उपर्युक्त पुरुषों एवं उनकी पत्नियों की वैवाहिक आयु के सह-सम्बन्ध गुणांक निकाला गया है । कार्ल पियर्सन की रेखीय सह-सम्बन्ध गुणांक विधि द्वारा निकला गया यह सह सम्बन्ध गुणांक (+0.59 4) है ।

इस सारिणी से यह स्पष्ट है कि जिन पुरुष प्रतिवादियों के पिता कुशल कामगार थे इन पुरुष प्रतिवादियों एवं उनकी पत्नियों की वैवाहिक आयु के मध्य मध्यम कोटि का धनात्मक सह-सम्बन्ध है । अर्थात् उपर्युक्त पुरुषों की वैवाहिक आयु के बढ़ने या घटने के साथ साथ उनकी पत्नियों की वैवाहिक आयु बढ़ती या घटती है ।

सारिणी 119

पुरूष प्रतिवादियों के वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण, जिनके पिता अकुशल कामगार थे ।

पुरुषों की विवाह आयु (वर्षों में)	पुरुषों की संख्या	प्रतिशत
12 से कम	2	1.98
12-14	0	0.00
14-16	4	3.96
16-18	10	9.90
18-20	35	34.65
20-22	27	26.74
22-24	12	11.88
24-26	6	5.94
26-28	2	1.98
28-30	1	0.99
30 व अधिक	2	1.98
योग	101	100 %

यह सारिणी पुरूष प्रतिवादियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण को दर्शाती है जिनके पिता अकुशल कामगार थे । सम्प्रति न्यादर्श में इन पुरूषों की संख्या 101 थी ।

उपर्युक्त पुरूषों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण का प्रकार मिला है कि 101 (100 प्रतिशत) मे 2(1.98 प्रतिशत),0 (शून्य प्रतिशत) 4(3.96 प्रतिशत), 10(9.90 प्रतिशत) 35(34.65 प्रतिशत 27(26.74 प्रतिशत), 12(11.88 प्रतिशत), 6(5.94 प्रतिशत) तथा 2(1.98 प्रतिशत),1(0.99 प्रतिशत) तथा 2 (1.98 प्रतिशत) पुरूषों का विवाह क्रमशः 12 से कम , 12-14 , 14-16, 16-18, 18-20, 20-22, 22-24, 24-26, 26-28, 28-30 तथा 30 व अधिक आयु वाले ग्रुप मे हुआ था ।

इस वर्ग के न्यादर्श मे पुरूषों मे उन पुरूषों का सबसे बड़ा समूह है जिनका विवाह 18-20 वर्ष की आयु वाले ग्रुप मे हुआ है । इनका अनुपात 34.65 प्रतिशत है । 12-14 वर्ष की आयु वाले ग्रुप मे किसी भी पुरूष प्रतिवादी का विवाह नही हुआ है यह स्मरणीय है कि 18-20 वर्ष की आयु वाले ग्रुप मे कम आयु वाल ग्रुपो मे विवाह करने वाले पुरूषों का अनुपात उससे अधिक आयु वाले ग्रुपो मे विवाह करने वालो के अनुपात से कम है इनका अनुपात क्रमशः 15.84 प्रतिशत तथा 49.51 प्रतिशत है ।

इस सारिणी से यह स्पष्ट है कि जिनके पिता अकुशल कामगार थे उन पुरूषों मे 50.49 प्रतिशत पुरूषों का विवाह 20 वर्ष से कम की आयु मे तथा 49.51 प्रतिशत पुरूषों का विवाह 20 व अधिक आयु मे हुआ है । उपर्युक्त पुरूषों की वैवाहिक आयु- भूयिष्ठक 19.51 वर्ष समान्तर माध्य 20.347 वर्ष है ।

सारिणी -120

उन पुरुष प्रतिवादियों की पत्नियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण जिनके पिता अकुशल कामगार थे ।

पुरुषों व पत्नियों की विवाह आयु (वर्षों में)	पुरुषों की संख्या	प्रतिशत
12 से कम	16	15.84
12-14	26	25.75
14-16	23	22.77
16-18	16	1[illegible].84
18-20	9	8.91
20-22	6	5.94
22-24	3	2.97
24 व अधिक	2	1.98
योग	101	100.00

यह सारिणी पुरुष प्रतिवादियों की पत्नियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण को प्रस्तुत करती है जिन के पिता अकुशल कामगार थे ।

सम्प्रति न्यादर्श में इन युवा प्रतिवादियों की संख्या 101 था।

उपर्युक्त युवकों की पत्नियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण इस प्रकार मिला है कि 101 (100 प्रतिशत) में 16(15.84 प्रतिशत) 26(25.75 प्रतिशत), 23(22.77 प्रतिशत),16(15.84 प्रतिशत), 9(8.91 प्रतिशत)6(5.94 प्रतिशत),3(2.97 प्रतिशत) तथा 2(1.98 प्रतिशत) युवकों की स्त्रियों का विवाह क्रमशः 12 से कम,12-14, 14-16, 16-18, 18-20, 20-22, 22-24, तथा 24 व अधिक आयु वाले ग्रुप में हुआ है।

इस वर्ग के न्यादर्श के युवकों की पत्नियों में उन स्त्रियों का सबसे बड़ा समूह है जिनका विवाह 12-14 वर्ष की आयु वाले ग्रुप में हुआ है। इनका अनुपात 25.75 प्रतिशत है। यह स्मरणीय है कि इस समूह से कम आयु वाले ग्रुपों में विवाह करने वाली ~~सभी~~ स्त्रियों के अनुपात से कम है। इनका अनुपात क्रमशः 15.84 प्रतिशत तथा 58.41 प्रतिशत है।

इस सारिणी से यह स्पष्ट है कि जिन युवा प्रतिवादियों के पिता अकुशल कामगार थे उनकी पत्नियों में 41.59 प्रतिशत स्त्रियों का विवाह 14 वर्ष से कम की आयु में तथा शेष 58.41 प्रतिशत स्त्रियों का विवाह 14 वर्ष व अधिक की आयु में हुआ है। उपर्युक्त युवकों की ~~स्त्रियाँ~~ पत्नियों की वैवाहिक आयु का भूयिष्ठक 13.53 वर्ष एवं समान्तर माध्य 15 वर्ष है।

सारिणी —— 121

ऐसे पुरूष प्रतिवादियों एवं उनकी पत्नियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण जिनके पिता अकुशल कामगार थे ।

पु0/पु0 की विवाह आयु / पत्नियों की विवाह आयु वर्षों में	12 से कम	12-14	14-16	16-18	18-20	20-22	22-24	24-26	26-28	28-30	30 व उससे अधिक	योग
12 से कम	2		1	6	4	3						16
12-14			3	3	13	5		1	1			26
14-16				1	12	8	2					23
16-18					6	5	8					16
18-20						6	3					9
20-22							2	3	1			6
22-24								2		1		3
24 व अधिक											2	2
योग	2		4	10	35	27	15	6	2	1	2	101

इस सारिणी में उन पुरूष प्रतिवादियों एवं उनकी पत्नियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण को प्रदर्शित किया गया है जिनकी पत्नियों के पिता अकुशल कामगार थे । इस प्रति न्यादर्श में इन पुरूषों की संख्या 101 थी ।

इस सारिणी से उपर्युक्त पुरुषों एवं उनकी पत्नियों की वैवाहिक आयु के मध्य सह-सम्बन्ध निकाला गया है। कार्ल पियर्सन की रेखीय सह-सम्बन्ध गुणांक विधि द्वारा निकाला गया यह सह-सम्बन्ध गुणांक + 0.7889 है।

इस सारिणी से यह स्पष्ट है कि जिन पुरुष प्रतिवादियों की पत्नियों के पिता कुशल कामगार थे उन पुरुष प्रतिवादियों एवं उनकी स्त्रियों की वैवाहिक आयु के मध्य उच्च कोटि का धनात्मक सह-सम्बन्ध है अर्थात् उपर्युक्त पुरुषों की वैवाहिक आयु के बढ़ने एवं घटने के साथ साथ क्रमशः उनकी पत्नियों की विवाह आयु बढ़ती तथा घटती है।

सारिणी — 122

पुरुष प्रतिवादियों का उनकी वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण, जिनके पिता कृषि करते थे ।

पुरुषों की विवाह आयु (वर्षों में)	पुरुषों की संख्या	प्रतिशत
12 से कम	1	0.53
12-14	4	2.12
14-16	12	6.36
16-18	14	7.41
18-20	31	16.40
20-22	57	30.15
22-24	36	19.04
24-26	27	14.28
26-28	4	2.12
28-30	1	0.23
30 व अधिक	2	1.06
योग	189	100.00

यह सारिणी पुरुष प्रतिवादियों का उनकी वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण को प्रदर्शित करती है जिनके पिता का व्यवसाय कृषि था

सम्प्रति न्यादर्श में इन पुरुष प्रतिआदियों की संख्या 189 था।

उपर्युक्त पुरुषों का उनकी वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण इस प्रकार मिला है कि 189(100 प्रतिशत) में से 1(0.53 प्रतिशत), 4(2.12 प्रतिशत), 12(6.36 प्रतिशत), 14(7.41 प्रतिशत), 31 (16.40 प्रतिशत),57 (30.15 प्रतिशत), 36(19.04 प्रतिशत),27 (14.28 प्रतिशत), 4(2.12 प्रतिशत) 1(0.53 प्रतिशत) तथा 2 (1.06 प्रतिशत) पुरुषों का विवाह क्रमशः 12 से कम , 12-14, 14-16, 16-18, 28-20, 20-22,22-24, 24-26, 26-28, 28-30, तथा 30 व अधिक वर्ष आयु वाले ग्रुप में हुआ था।

इस वर्ग के न्यादर्श के पुरुषों में से इन पुरुषों का सब से बड़ा समूह है जिनका विवाह 20-22 वर्ष की आयु वाले ग्रुप में हुआ है। इनका अनुपात 30.15 प्रतिशत है। स्मरणीय है कि इस ग्रुप से कम आयु वाले ग्रुपोंमें विवाह करने वाले पुरुषों का अनुपात इससे अधिक आयु वाले ग्रुपों में विवाह करने वालों के अनुपात से कम है इनका अनुपात क्रमशः 32.82 प्रतिशत एवं 37.03 प्रतिशत है। 12 से कम तथा 28-30 वर्ष की आयु वाले ग्रुपों में विवाह करने वाले पुरुषों का अनुपात अन्य ग्रुपों में विवाह करने वालों की अपेक्षा कम है।

इस सारिणी से यह स्पष्ट है कि जिनके पिता का व्यवसाय कृषि था उन पुरुष परिव्राजियों में 62.975 प्रतिशत पुरुषों का विवाह 22 वर्ष से कम की आयु में तथा 37.03 प्रतिशत पुरुषों का विवाह 22 व अधिक वर्ष की आयु में हुआ है। उपर्युक्त पुरुषों की वैवाहिक आयु का भूयिष्ठक 21.10 एवं समान्तर माध्य 21 वर्ष है।

सारिणी —— 123

पुरुष प्रतिवादियों की पत्नियों की वैवाहिक आयु के अनुसार विवरण, जिनके पिता का व्यवसाय कृषि था ।

पुरुषों की पत्नियों की विवाह आयु (वर्षों में)	पुरुषों की संख्या	प्रतिशत
12 से कम	11	5.82
12-14	30	15.83
14-16	47	24.92
16-18	37	19.57
18-20	37	19.57
20-22	13	6.88
22-24	13	6.88
24 व अधिक	1	0.53
योग	189	100.00

यह सारिणी पुरुष प्रतिवादियों की पत्नियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण को दर्शाती है जिनके पिता का व्यवसाय कृषि था ।

सम्प्रति न्यादर्श में इन पुरूष प्रतिवादियों की संख्या 189 थी ।

उपर्युक्त पुरूषों की पत्नियों को वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण इस प्रकार मिला है कि 189(100 प्रतिशत) में से 11 (5.82 प्रतिशत), 30(15.83 प्रतिशत), 47(24.92 प्रतिशत), 37(19.57 प्रतिशत), 13(6.88 प्रतिशत) तथा 1(0.53 प्रतिशत) पुरूषों की स्त्रियों का विवाह क्रमशः 12 से कम, 12-14, 14-16, 16-18, 18-20, 20-22,22-24, तथा 24 व अधिक आयु वाले ग्रुपों में हुआ था ।

इस वर्ग के न्यादर्श के पुरूषों की पत्नियों में इन स्त्रियों का सबसे छोटा समूह है जिनका विवाह 24 व अधिक आयु में हुआ है । इसमें सबसे बड़ा समूह उन पुरूषों का है जिनकी पत्नियों का विवाह 14-16 वर्ष की आयु वाले ग्रुप में हुआ है । इनका अनुपात 24.92 प्रतिशत है । यह स्मरणीय है कि इस समूह से कम आयु वाले ग्रुपों में विवाह करने वाली स्त्रियों का अनुपात अधिक आयु वाले ग्रुपों में विवाह करने वाली स्त्रियों के अनुपात से कम है इनका अनुपात क्रमशः 21.65 प्रतिशत एवं 53.43 प्रतिशत है ।

इस सारिणी से यह स्पष्ट होता है कि जिनके पिता का व्यवसाय कृषि था ऐसे पुरूष प्रतिवादियों की पत्नियों में 46.57 प्रतिशत स्त्रियों का विवाह 16 वर्ष से कम की आयु में तथा 53.43 प्रतिशत स्त्रियों का विवाह 16 व अधिक आयु में हुआ है । उपर्युक्त पुरूषों की पत्नियों की वैवाहिक आयु का भूयिष्ठक 15.25 वर्ष एवं समान्तर माध्य 15.64 वर्ष है ।

सारिणी —— 124

युवक प्रतिवादियों एवं उनकी पत्नियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण, जिन युवकों के पिता का व्यवसाय कृषि था ।

युवकों/पत्नियों की विवाह आयु वर्षों में / युवकों विवाह आयु वर्षों में	12 से कम	12–14	14–16	16–18	18–20	20–22	22–24	24–26	26–28	28–30	30 व अधिक	योग
12 से कम	1	3	3	1		1	1	1				11
12–14		1	5	2	10	5	6	1				30
14–16			3	9	11	16	3	2	1		2	47
16–18				1	8	17	9	1		1		37
18–20			1	1	2	17	9	6	1			37
20–22						1	7	5				13
22–24							1	11	1			13
24 से अधिक									1			1
योग	1	4	12	14	31	57	36	27	4	1	2	199

इस सारिणी में इन युवक प्रतिवादियों का जिनके पिता का व्यवसाय कृषि था तथा उनकी पत्नियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण को उपलब्ध किया गया है ।

सम्ग्र रीति न्यादर्श में इन पुरुषा प्रतिवादियों की संख्या 189 थी ।

इस सारिणी से उपर्युक्त पुरुषों एवं उनकी पत्नियों की वैवाहिक आयु के मध्य सह-सम्बन्ध निकाला गया है । कार्ल पियर्सन की रेखीय सह-सम्बन्ध गुणांक विधि द्वारा निकाला गया यह सह सम्बन्ध गुणांक + 0.5657 है ।

इस सारिणी से यह स्पष्ट है कि इन पुरुषा प्रतिवादियों का जिनके पिता का व्यवसाय कृषि था वैवाहिक आयु तथा उनकी पत्नियों की वैवाहिक आयु के मध्य मध्यम कोटि का धनात्मक सह-सम्बन्ध है । अर्थात् उपर्युक्त पुरुषों की वैवाहिक आयु के बढ़ने एवं घटने पर उनकी पत्नियों की वैवाहिक आयु घटती एवं बढ़ती है ।

सारिणी — 125

पुरूष प्रतिवादियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण जिनके पिता कृषि का व्यवसाय ~~[illegible]~~ करते थे।

पुरूषों की विवाह आयु (वर्षों में)	पुरूषों की संख्या	प्रतिशत
12 से कम	0	0
12-14	0	0
14-16	1	4
16-18	4	16
18-20	5	20
20-22	8	32
22-24	4	16
24-26	3	12
26-28	0	0
28-30	0	0
30 व अधिक	0	0
योग	25	100.00

यह सारिणी पुरूष प्रतिवादियों का उनकी वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण प्रदर्शाती है जिनके पिता कृषि का व्यवसा करते थे।

सम्प्रति व्यवसाय वर्ग में इन पुरुषों की संख्या 25 थी ।

उपर्युक्त पुरुषों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण इस प्रकार मिला है कि 25(100 प्रतिशत) में से 1(4 प्रतिशत),4(16 प्रतिशत),5(20 प्रतिशत) 8(32 प्रतिशत) 4(16 प्रतिशत) 3(12 प्रतिशत) पुरुषों का विवाह क्रमशः 14-16, 16-18, 18-20, 20-22, 22-24 तथा 24-26 वर्ष की आयु वाले ग्रुप में ~~विवाह करने वालों की संख्या शून्य~~ हुआ था ।

इस वर्ग के व्यवसाय के पुरुषों में सबसे बड़ा समूह इन पुरुषों का है जिनका विवाह 20-22 वर्ष की आयु वाले ग्रुप में हुआ था । 12 से कम, 12-14 26-28, 28-30, तथा 30 व अधिक आयु वाले ग्रुप विवाह करने वालों की संख्या शून्य थी ।

इस वर्ग व्यवसायवर्ग के पुरुषों में सबसे बड़ा समूह इन पुरुषों का है जिनका विवाह 20-22 वर्ष की आयु वाले ग्रुप में हुआ है इनका अनुपात 32 प्रतिशत है यह स्मरणीय है कि इस ग्रुप से कम आयु वाले ग्रुपों में विवाह कर ने वाले पुरुषों का अनुपात इससे अधिक आयु वाले ग्रुपों में विवाह करने वालों के अनुपात से अधिक है । इनके अनुपात क्रमशः 40 प्रतिशत एवं 28 प्रतिशत है ।

इस तालिका से यह स्पष्ट है कि जिनके पिता दुग्ध का व्यवसाय करते थे इन पुरुष प्रतिवादियों में से 72 प्रतिशत पुरुषों का विवाह 22 वर्ष से कम की आयु में तथा 28 प्रतिशत पुरुषों का विवाह 22 व अधिक वर्ष की आयु में हुआ है उपर्युक्त पुरुषों की वैवाहिक आयु का भूयिष्ठक 20.857 वर्ष एवं समान्तर माध्य 20.52 वर्ष है ।

सारिणी —— 126

ऐसे पुरुष प्रतिवादियों की पत्नियों की विवाह-आयु के अनुसार वितरण, जिनके पिता कृषि का व्यवसाय करते थे ।

पुरुषों की पत्नियों की विवाह आयु (वर्षों में)	पुरुषों की संख्या	प्रतिशत
12 से कम	2	8
12-14	4	16
14-16	4	16
16-18	8	32
18-20	4	16
20-22	3	12
22-24	0	0
24 व उससे अधिक	0	0
योग	25	100.00

यह सारिणी उन पुरुष प्रतिवादियों की पत्नियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण को प्रदर्शित करती है जिन पुरुषों के पिता कृषि का व्यवसाय करते थे ।

सम्प्रति उत्तरदाता में इन पुरुषों की संख्या 25 थी ।

उपर्युक्त पुरुषों की पत्नियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण इस प्रकार मिला है कि 25(100 प्रतिशत) में 2(8 प्रतिशत), 4 (16 प्रतिशत), 4(16 प्रतिशत), 8(32 प्रतिशत), 4(16 प्रतिशत) तथा 3(12 प्रतिशत) पुरुषों की स्त्रियों का विवाह क्रमशः 12 से कम, 12-14, 14-16, 16-18, 18-20, 20-22, वर्ष की आयु वाले ग्रुप में हुआ था । कोई भी पुरुष प्रतिवादी ऐसा नहीं था जिनकी स्त्रियों का विवाह 22-24 तथा 24 व अधिक आयु वाले ग्रुप में हुआ था ।

इस वर्ग के उत्तरदाता के पुरुषों में से सबसे बड़ा समूह उन पुरुषों का है जिनकी स्त्रियों का विवाह 16-18 वर्ष की आयु वाले ग्रुप में हुआ है । इनका अनुपात 32 प्रतिशत है । यह स्मरणीय है कि इस ग्रुप से कम आयु वाले ग्रुपों में विवाह करने वाली स्त्रियों का अनुपात, उससे अधिक आयु वाले ग्रुपों में विवाह करने वाली स्त्रियों के अनुपात से अधिक है । इनके अनुपात क्रमशः 40 प्रतिशत एवं 28 प्रतिशत है ।

इस सारिणी से यह स्पष्ट है कि उन पुरुष प्रतिवादी की जिनके पिता ~~का~~ दूध का व्यवसाय करते थे, की पत्नियों में 72 प्रतिशत स्त्रियों का ~~कि~~ विवाह 18 वर्ष से कम की आयु में तथा 28 प्रतिशत स्त्रियों का विवाह 18 व अधिक आयु में हुआ है । उपर्युक्त पुरुषों की पत्नियों की वैवाहिक आयु का भूयिष्ठक 17 वर्ष एवं समान्तर माध्य 16.36 वर्ष है ।

सारिणी —— 127

पुरुष प्रतिवादियों एवं उनकी पत्नियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण, जिन पुरुष प्रतिवादियों के पिता कृषि का व्यवसाय करते थे।

पु० की पत्नियों की विवाह आयु वर्षों में / पु० की विवाह आयु वर्षों में	12 से कम	12-14	14-16	16-18	18-20	20-22	22-24	24-26	26-28	28-30	30 व उससे अधिक	योग
12 से कम			1		1							2
12-14				2	2							4
14-16				2	1	1						4
16-18					1	7						8
18-20							4					4
20-22								3				3
22-24												0
24 व उससे अधिक												0
योग	0	0	1	4	5	8	4	3	0	0	0	25

इस सारिणी में जिन पुरुष प्रतिवादियों के पिता कृषि का व्यवसाय करते थे उनका तथा उनकी पत्नियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण को प्रस्तुत किया गया है।

सम्प्रति व्यादर्श में इन पुरुष प्रतिवादियों की संख्या 25 थी ।

इस सारिणी से उपर्युक्त पुरुष प्रतिवादियों एवं उनकी पत्नियों की वैवाहिक आयु के मध्य सह-सम्बन्ध निकाला गया है । कार्ल पियर्सन की रेखीय सह-सम्बन्ध गुणांक विधि द्वारा निकाला गया यह सह-सम्बन्ध गुणांक + 0.6421 है ।

इस सारिणी से यह स्पष्ट है कि जिनके पिता कृषि का व्यवसाय करते थे इन पुरुष प्रतिवादियों एवं उनकी पत्नियों की वैवाहिक आयु के मध्य कोटि का धनात्मक सह-सम्बन्ध है । अर्थात् जब उपर्युक्त पुरुषों की वैवाहिक आयु बढ़ती या घटती है तो उनकी पत्नियों की वैवाहिक आयु भी बढ़ती या घटती है ।

सारणी - 128

पुरुष प्रतिवादियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण जिनको उनके पिता के व्यवसाय के अनुसार वितरण किया किया गया था

व्यवसाय / पुरुषों की विवाह की आयु वर्षों में	12 से कम	12-14	14-16	16-18	18-20	20-22	22-24	24-26	26-28	28-30	30 से अधिक	योग	म0	मा0 मध्य वर्षों में
पेशेवर	0	0	0	2	10	10	16	12	8	4	6	68	23.2	23.82
नौकरी	0	0	5	18	25	55	59	52	21	17	13	265	22.72	23.13
वाणिज्य	0	0	7	19	79	104	77	61	16	7	6	376	20.96	21.88
कुशल कारीगर	1	0	4	15	23	48	18	6	4	3	0	122	20.90	20.73
अकुशल कामगार	2	0	4	10	35	27	12	6	2	1	2	101	19.51	20.34
कृषि	1	4	12	14	31	57	36	27	4	1	2	189	21.10	21.00
कुल का व्यापार	0	0	1	4	5	8	4	3	0	0	0	25	20.85	20.52

प्रस्तुत सारिणी में पुरुष प्रतिभागियों का वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण तथा उनकी वैवाहिक आयु का भूयिष्ठक तथा समान्तर माध्य प्रस्तुत किया गया है जिनको उनके पिता के व्यवसाय के अनुसार विभाजित किया गया था ।

सम्प्रति न्यादर्श में 1146 पुरुष थे जिनके उनके पिता के व्यवसाय के अनुसार विभाजित करने पर क्रमशः पेशेवर, नौकरी, वाणिज्य, कुशल कामगार, अकुशल कामगार कृषि तथा छुट्टा के व्यवसायी ग्रुप में क्रमशः 68, 265, 376, 122, 101, 189 तथा 22 पुरुष मिले है ।

पेशेवर, नौकरी, वाणिज्य, कुशल कामगार, अकुशल कामगार, कृषि तथा छुट्टा व्यवसायी वाले ग्रुप में पाये जाने वाले उन पुरुषों की वैवाहिक आयु का भूयिष्ठक क्रमशः 23.2 वर्ष, 22.72 वर्ष, 20.96 वर्ष 20.90 वर्ष, 19.51 वर्ष, 21.10 वर्ष तथा 20.85 वर्ष है एवं समान्तर माध्य क्रमशः 23.82 वर्ष, 23.13 वर्ष, 21.88 वर्ष, 20.73 वर्ष, 20.34 वर्ष, 21 वर्ष तथा 20.52 वर्ष है जिनको उनके पिता के व्यवसाय के अनुसार विभक्त किया गया था ।

इन पुरुषों की वैवाहिक आयु का भूयिष्ठक तथा समान्तर माध्य सबसे अधिक है जिनके पिता पेशेवर व्यवसाय के थे जो कि क्रमशः 23.2 वर्ष तथा 23.82 वर्ष है । इन पुरुषों की वैवाहिक आयु का भूयिष्ठक व समान्तर माध्य सबसे कम है जिनके पिता अकुशल कामगार व्यवसाय के थे जो

कि क्रमश: 19.81 वर्ष तथा 20.34 वर्ष है । यह स्मरणीय है कि जिन पुरूषों के पिता कुशल कामगार,दुग्ध का व्यापार,कुशल कामगार,कृषि ,वाणिज्य,नौकरी तथा पेशेवर व्यवसाय वाले ग्रुप मे थे उनकी वैवाहिक आयु का भूयिष्ठक तथा समान्तर माध्य क्रमश: बढ़ता गया है ।

इस सारिणीसे यह स्पष्ट है कि उन पुरूषों की विवाह सबसे कम आयु मे हुआ है जिनके पिता अकुशल कामगार थे या उन पुरूषों का विवाह सबसे अधिक आयु मे हुआ है जिनके पिता पेशेवर व्यवसाय के थे । इन पुरूषों की वैवाहिक आयु क्रमश: घटती गयी है जिनके पिता क्रमश: पेशेवर नौकरी,वाणिज्य,कृषि,कुशल कामगार,दुग्ध का व्यापार तथा अकुशल कामगार व्यवसाय वाले ग्रुप मे थे

सारणी 129

कुल प्रतिवादियों की पत्नियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण जिन कुलों के पिता के व्यवसाय के अनुसार वितरण किया गया था ।

व्यवसाय / कुलों की पत्नियों की विवाह आयु	12 से कम	12-14	14-16	16-18	18-20	20-22	22-24	24-2से ~~26-28-28~~ अधिक	योग	भूयिष्ठक वर्षों में	समान्तर माध्य वर्षों में
पेशेवर	5	8	13	5	17	9	4	7	66	19.2	18.00
नौकरी ~~वेतनभोगी~~	15	24	37	57	52	35	32	13	265	17.6	18.00
वाणिज्य	30	42	74	92	70	39	20	9	376	16.9[illegible]	16.31
कुशल कामगार	14	22	23	32	18	10	1	2	122	16.78	15.69
अकुशल कामगार	16	26	23	16	9	6	3	2	101	13.53	15.00
कृषि	11	30	47	37	37	13	13	1	189	15.26	15.64
कुटीर का व्यापार	2	4	4	8	4	3	0	0	25	17	16.36

प्रस्तुत सारिणी में पुरूष प्रतिवादियों का उनकी पत्नियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण तथा उनकी पत्नियों की वैवाहिक आयु का भूयिष्ठक व समान्तर माध्य प्रस्तुत किया गया है जिन पुरूषों को उनके पिता के व्यवसाय के अनुसार विभक्त किया गया था ।

सम्प्रति न्यादर्श में 1146 पुरूष प्रतिवादी थे जिनको उनके पिता के व्यवसाय के अनुसार करने पर क्रमश: पेशेवर नौकरी, वाणिज्य, कुशल कामगार, अकुशल कामगार, कृषि तथा श्रम के व्यवसाय वाले ग्रुप मे क्रमश: 68, 265, 376, 122, 101, 189 तथा 25 पुरूष थे ।

पेशेवर, नौकरी, वाणिज्य, कुशल कामगार, अकुशल कामगार, कृषि तथा श्रम के व्यवसाय वाले ग्रुप मे पाये जाने वाले उन पुरूषों की स्त्रियों की वैवाहिक आयु का भूयिष्ठक क्रमश: 19.2 वर्ष, 17.6 वर्ष, 16.0 वर्ष 16.78 वर्ष, 13.53 वर्ष, 15.26 वर्ष तथा 17 वर्ष है एवं समान्तर माध्य क्रमश: 18 वर्ष ~~है एवं समान्तर माध्य क्रमश: 18 वर्ष~~, 18.05 वर्ष, 16.31 वर्ष, 15.69 वर्ष, 15 वर्ष, 15.64 वर्ष तथा 16.36 वर्ष है जिन पुरूषों को उनके पिता के व्यवसाय के अनुसार विभक्त किया गया था ।

इन पुरूषों की पत्नियों की वैवाहिक आयु का भूयिष्ठक व समान्तर माध्य सबसे अधिक है जिनके पिता पेशेवर व्यवसाय के थे जो कि क्रमश: 19.2 वर्ष तथा 18 वर्ष है । उन पुरूषों की स्त्रियों की वैवाहिक आयु का भूयिष्ठक व समान्तर माध्य सबसे कम है जिन पुरूषों के पिता अकुशल कामगार व्यवसाय के थे जो कि क्रमश 13.53 वर्ष तथा 15 वर्ष है ।

यह स्मरणीय है कि जिन पुरुषों के पिता [illegible]/पेशेवर, नौकरी, हुनर का व्यापार, वाणिज्य, कुशल कामगार, कृषि तथा अकुशल कामगार व्यवसाय वाले ग्रुप में थे उन पुरुषों की स्त्रियों की वैवाहिक आयु का माध्यिका व समान्तर माध्य क्रमशः घटती गयी है।

इस तालिका से यह स्पष्ट है कि उन पुरुषों के पत्नियों की वैवाहिक आयु सबसे अधिक है जिन पुरुषों के पिता पेशेवर व्यवसाय के थे तथा उन पुरुषों की पत्नियों की आयु सबसे कम है जिनके पुरुषों के पिता अकुशल कामगार व्यवसाय के थे जिन पुरुषों के पिता [illegible]/पेशेवर नौकरी, हुनर का व्यापार वाणिज्य, कुशल कामगार, कृषि तथा अकुशल कामगार व्यवसाय वाले ग्रुप में थे उन पुरुषों की स्त्रियों की वैवाहिक आयु क्रमशः घटती गयी है।

सारिणी - 120

उन पुरुष प्रतिवादियों एवं उनकी पत्नियों की वैवाहिक आयु के मध्य पृथक पृथक सह-सम्बन्धता गुणांक जिन को उनके पिता के व्यवसाय के अनुसार पृथक पृथक विभाजित किया गया था।

व्यवसाय	पुरुष प्रतिवादियों एवं उनकी पत्नियों की वैवाहिक आयु का सह-सम्बन्धता गुणांक
पेशेवर	+ 0.56
नौकरी	+ 0.620
वाणिज्य	+ 0.6918
कुशल कामगार	+ 0.5941
अकुशल कामगार	+ 07889
कृषि	+ 0.5657
कुल का व्यवसाय	+ 0.6429

प्रस्तुत सारिणियों में उन पुरुष प्रतिवादियों एवं उनकी पत्नियों की वैवाहिक आयु के मध्य पृथक पृथक सह-सम्बन्धता गुणांक प्रस्तुत किया गया है जिनको उनके पिता के व्यवसाय के अनुसार पृथक पृथक विभाजित किया गया था।

पेशेवर, नौकर , वाणिज्य कुशल का मगार, कुशल का मगार, कृषि तथा कुछ का व्यवसाय जिनके पिता करते हों उन पुत्रों एवं उनकी पत्नियों के वैवाहिक आयु के मध्य धनात्मक सह-सम्बन्धता गुणांक क्रमशः 0.56, 0.62, 0.6918, 0.5941, 0.7389, 0.5687 तथा 0.642। है । जिनके पिता अकुशल कामगार तथा पेशेवर व्यवसाय के हों उन पुत्रों एवं उनकी पत्नियों की विवाह आयु के मध्य धनात्मक सह-सम्बन्धता गुणांक क्रमशः सबसे अधिक तथा सबसे कम है । कोई स्पष्ट सम्बन्धता नहीं दिखाई देता है कि जिनके पिता प्रारम्भिक व्यवसाय के हों उन पुत्रों एवं उनकी पत्नियों की वैवाहिक आयु के मध्य धनात्मक सह-सम्बन्धता गुणांक अधिक है। जिनके पिता तथा अन्य व्यवसाय का हो उन पुत्रों एवं उनकी पत्नियों की वैवाहिक आयु के मध्य धनात्मक सह सम्बन्धता गुणांक कम है ।

पुरुष प्रतिवादियों के पत्नियों के पिता का व्यवसाय
= =

न्यादर्श में पाये गये पुरुष प्रतिवादियों के पत्नियों के पिता के व्यवसाय का प्रभाव: पुरुष प्रतिवादियों के पत्नियों का वैवाहिक आयु एवं पुरुष प्रतिवादियों के वैवाहिक आयु से कोई सम्बन्ध है या नहीं, इसका इस शीर्षक को अन्तर्गत अध्ययन करने का प्रयास किया गया है।

सर्व प्रथम न्यादर्श में पाये गये 1146 पुरुष प्रतिवादियों का विभाजन उनकी पत्नियों के पिता के व्यवसाय के आधार पर किया गया है। इसमें अध्ययन के अन्तर्गत व्यवसाय को, पेशेवर, नौकरी, वाणिज्य कुशल कामगार, अकुशल कामगार, कृषि तथा कृषि का व्यवसाय कृषि रूप में विभाजित किया गया है। व्यवसाय के अनुसार विभाजित पेशेवर, नौकरी, वाणिज्य, कुशल कामगार, अकुशल कामगार, कृषि तथा कृषि का व्यवसाय जिन पुरुषों के पत्नियों के पिता करते थे उन पत्नियों एवं पुरुषों की वैवाहिक आयु का पृथक पृथक अध्ययन किया गया है।

उपर्युक्त वर्ग के पुरुषों एवं पत्नियों की वैवाहिक आयु का पृथक पृथक तुलनात्मक अध्ययन करने का प्रयास किया गया है।
साथ ही उपर्युक्त वर्ग के पुरुषों एवं उनकी पत्नियों की वैवाहिक आयु के मध्य सह सम्बन्ध गुणांक पृथक पृथक निकाल कर तुलनात्मक अध्ययन करने का प्रयत्न किया गया है।

सारिणी (131)

पुरुष प्रतिवादियों की पत्नियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण जिनकी स्त्रियों के पिता पेशाकृ थे ।

पुरुषों की पत्नियों की विवाह आयु (वर्षों में)	पुरुषों की संख्या	प्रतिशत
12 से कम	6	9.23
12-14	12	18.46
14-16	12	18.46
16-18	7	10.77
18-20	11	16.92
20-22	3	4.62
22-24	9	13-84
24 से अधिक	5	7.70
योग	65	100

यह सारिणी प्रतिवादियों की पत्नियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण प्रदर्शित करती है जिनकी पत्नियों के पिता पेशावर जाति के थे ।

सम्प्रतित प्रादर्श में ऐसे पुरुषों की संख्या 65 थी ।

उपर्युक्त पुरुषों की पत्नियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण इस प्रकार

है कि 65(100 प्रतिशत) में से 6(9.23 प्रति0), 12(18.46 प्रति0), 12(18.46 प्रति0), 6(10.77 प्रति0) 11(16.92 प्रति0) 3(4.62 प्रति0) 9(13.84 प्रति0) 5(7.70 प्रति0) पुरुषों की पत्नियों का विवाह क्रमशः- 12 से कम 12-14, 14-16, 16-18, 18-20, 20-22, 22-24, 24, से अधिक की आयु वाले ग्रुप में हुआ था ।

ऐसे पुरुषों का सब से बड़ा समूह है जिनकी पत्नियों का विवाह 14-16 वर्ष की आयु बोल ग्रुप में हुआ है । यह स्मरणीय है कि उस ग्रुप से कम आयु बोल ग्रुपों में विवाह करने वाली स्त्रियों का अनुपात उससे अधिक आयु वाले ग्रुप में विवाह करने वाली स्त्रियों के अनुपात से कम है । इसका अनुपात क्रमशः 27.69 प्रतिशत तथा 53.85 प्रतिशत हैं । जब कि सब से बड़े समूह का प्रतिशत 18.46 प्रति0 है ।

उस सारिणी से यह स्पष्ट है कि ऐसे पुरुषों में 46.05 प्रति0 पुरुषों की पत्नियों का 16 वर्ष से कम आयु में तथा 53.85 प्रति0 पुरुषों की पत्नियों का विवाह 16 व अधिक आयु में हुआ है । ऐसे पुरुषों (जिनकी पत्नियों के पिता पेशारूप जाति) की पत्नियों की वैवाहिक आयु का 17.3 वर्ष भूयिष्ठक तथा 15.26 वर्ष समान्तर माध्य वर्ष है ।

सारिणी -122

पुरुष प्रतिवादियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण .जिनकी पत्नियों के पिता पेशेवर जाति के थे ।

पुरुषों की विवाह आयु (वर्षों में)	पुरुषों की संख्या	प्रतिशत
12 से कम	0	0.00
12-14	0	0.00
14-16	1	1.54
16-18	4	6.15
18-20	10	15.38
20-22	12	18.46
22-24	17	26-15
24-26	7	10.77
26-28	5	7.70
28-30	5	7.70
30 से अधिक	4	6.15
योग	65	100 प्रतिo

उपर्युक्त सारिणी में उन पुरुष प्रतिवादियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण प्रदर्शित किया गया है ~~जिनकी वैवाहिक आयु के अनुसार~~

वितरण प्रदर्शित किया गया है जिन की पत्नियाँ के पिता पेशावर जाति के थे ।

प्रति न्यादर्श में ऐसे पुरूषों की संख्या 65 था । उपर्युक्त पुरूषों का उनकी वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण इस प्रकार है कि 65(100 प्रति0) मे से 1(1.54 प्रति0), 4(6.15 प्रति0) 10(15.38 प्रति0) 12(18.46 प्रति0) 17((26.15 प्रति0) 7(10.77 प्रति0) 5(7.70 प्रति0), 5(7.70 प्रति0) तथा 4(6.15 प्रति0) पुरूषों का विवाह क्रमश: 14-16 वर्ष 16-18, 18-20, 20-22 , 22-24, 24-26, 26-28, 28-30, तथा 30 व उससे अधिक आयु वाले ग्रुप में हुआ था और 12 से कम तथा 12-14 वर्ष के आयु ग्रुप में किसी भी पुरूष का विवाह नहीं हुआ था । इस वर्ग के न्यादर्श के पुरूषों में ऐसे पुरूषों का सबसे बड़ा समूह है जिनका विवाह 22-24 वर्ष की आयु वाले ग्रुप मे हुआ है । इनका प्रतिशत 26-15 है । यह स्मरणीय है कि इस ग्रुप से कम आयु वाले ग्रुपों में विवाह करने वाले पुरूषों का अनुपात, सबसे अधिक आयु वाले ग्रुपों में विवाह करने वाले के अनुपात से अधिक है । जिनका अनुपात क्रमश: 67.68 प्रतिशत तथा 32.32 प्रतिशत है ।

इस सारिणी से यह स्पष्ट है कि ऐसे पुरूषों में से 67.68 प्रति0 पुरूषों का विवाह 24वर्ष से कम की आयु में तथा 32.32 प्रतिशत पुरूषों का विवाह 24 व अधिक आयु में हुआ है । ऐसे इन पुरूषों (जिनकी पत्नियाँ के पिता पेशेवर जाति) के वैवाहिक आयु का माध्यिका 22-66 वर्ष तथा समान्तर माध्य 23 वर्ष के

सारिणी -153

की वैवाहिक
पुरुषों एवं उनकी पत्नियों/आयु के अनुसार वितरण जिनकी पत्नियों के पिता पेशेवर जाति के है।

पु० पु०	12 से कम	12-14	14-16	16-18	18-20	20-22	22-24	24-26	26-28	28-30	30 व इससे अधिक	योग
12 से कम			1	1	2		1	1				6
12-14					6	1	2	1	1	1		12
14-16				3	1	5	3					12
16-18					1	3	3					7
18-20						2	7			1	1	11
20-22						1		1	1			3
22-24							1	3	3		2	9
24 से अधिक								1		3	1	5
योग			1	4	10	12	17	7	5	5	4	65

इस सारिणी में उन पुरुष प्रतिवादियों एवं उनकी पत्नियों की वैवाहिक आयु का वितरण प्रदर्शित किया गया है। जिनकी पत्नियों के पिता पेशेवर जाति के थे।

सम्पूर्ण न्यादर्श में ऐसे 65 पुरुष प्रतिवादियों को उप सारिणी में उपर्युक्त पुरुषों तथा उनकी पत्नियों के वैवाहिक आयु के मध्य सह-सम्बन्ध ज्ञात किया गया है। कार्ल पियर्सन की सहसंबंध गुणांक विधि द्वारा निकाला गया रेखीय सहसंबंध गुणांक + 0.697 है।

इससे यह स्पष्ट है कि ऐसे पुरुषों (जिनकी पत्नियों के पिता पेशेवर जाति के थे) एवं उनकी पत्नियों की वैवाहिक आयु में मध्य कोटि का धनात्मक सह संबंध है। अर्थात उपर्युक्त पुरुषों की वैवाहिक आयु बढ़ने के साथ-साथ उनकी पत्नियों की वैवाहिक आयु बढ़ती है तथा घटने पर घटती है।

सारिणी 135

उन पुरूष प्रतिवादियों वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण जिनकी पत्नियों के पिता नौकरी करते थे ।

पुरूषों की विवाह आयु (वर्षों में)	पुरूषों की संख्या	प्रतिशत
12- से कम	0	0.00
12-14	0	0.00
14-16	6	2.37
16-18	10	3.96
18-20	22	8.70
20-22	56	22.13
22-24	44	17.39
24-26	61	24.11
26-28	25	9.88
28-30	15	5.93
30 व इससे अधिक	14	5.53
योग	253	100.00

उपर्युक्त सारिणी में पुरूष प्रतिवादियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण प्रदर्शित किया गया है जिनकी पत्नियां के पिता नौकरी करते थे ।

सम्प्रति न्यादर्श के ऐसे कृषको की संख्या 253 थी उपर्युक्त कृषको का उनकी वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण इस प्रकार है कि 253(100 प्रति0) मे से 6(2.37) प्रतिशत . 10(3.96 प्रतिशत), 22(8.70 प्रतिशत) 56(22.13 प्रतिशत) .44 (17.39 प्रतिशत) . 61 (24.11 प्रतिशत) 25(9.88 प्रतिशत) . 15(5.93 प्रतिशत), तथा 14(5.53 प्रतिशत) का विवाह क्रमश: 14-16,16-18,18-20,20-22, 22-24, 24-26,26-28, 28-30 तथा 30 व अधिक आयु ग्रुप मे हुआ था और इससे कम तथा 12-14 वर्ष के आयु ग्रुप मे किसी का विवाह नही हुआ था ।

इस वर्ग के न्यादर्श के कृषको मे ऐसे कृषको का सबसे बड़ा समूह है जिनका विवाह 24-26 वर्ष की आयु वाले ग्रुप मे हुआ है इनका प्रतिशत 24.11 है । यह स्मरणीय है कि इस ग्रुप से कम आयु वाले ग्रुपो मे विवाह करने वाले कृषको का अनुपात उससे अधिक आयु वाले ग्रुपो मे विवाह करने वालो के अनुपात से अधिक है जिनका यह अनपात क्रमश: 54.55 प्रतिशत तथा 21.34 प्रतिशत है ।

इस सारिणी से यह स्पष्ट है कि ऐसे कृषको के 78.66 प्रतिशत कृषको का विवाह 26 वर्ष से कम आयु मे तथा 21.34 प्रतिशत कृषको का विवाह 24 व अधिक आयु ग्रुप मे हुआ है इनका (जिनकी पत्नियो के पिता नौकरी करते हो) की वैवाहिक आयु का भूयिष्ठक 24.641 वर्ष एवं समान्तर माध्य 23.45 वर्ष है ।

सारिणी - 135

कृषक प्रतिवादियो पत्नियो को वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण

जिनकी पत्नियो के पिता नौकरी करते थे ।

कृषको की पत्नियो की विवाह आयु (वर्षों में)	कृषको की संख्या	प्रतिशत
12 से कम	12	4.74
12-14	21	8.31
14-16	33	13.04
16-18	52	20.55
18-20	54	21.34
20-22	40	15.81
22-24	24	9.49
24 व अधिक	17	6.72
योग	253	100.00

~~वैवाहिक~~ यह सारिणी उन कृषक प्रतिवादियो को पत्नियो की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण प्रदर्शित करती है । जिनके पत्नियो के पिता नौकरी पेशे में थे ।।

सम्प्रति प्रादर्श में ऐसे कृषकों की संख्या 253 थी । उपर्युक्त कृषकों को पत्नियों को वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण इस प्रकार है कि 253 (100 प्रतिशत) में से 12 (4.74 प्रतिशत) 21 (8.31 प्रतिशत) 33(13.04 प्रतिशत), 52(20.55 प्रतिशत), 54(21.34 प्रतिशत) 40(15.81 प्रतिशत) 24(9.49 प्रतिशत) तथा 17(6.72 प्रतिशत) कृषकों से पत्नियों का विवाह क्रमशः 12 वर्ष से कम, 12-14, 14-16 16-18, 18-20, 20-22, 22-24, तथा 24 व अधिक आयु वाले ग्रुप में हुआ था ।

इस वर्ग के प्रादर्श के कृषकों में ऐसे कृषकों का अनुपात सबसे अधिक था जिनकी पत्नियों का विवाह 18-20 वर्ष की आयु वाले ग्रुप में हुआ है । यह स्मरणीय है कि इस ग्रुप से कम आयु वाले ग्रुपों में विवाह करने वाली पत्नियों का अनुपात इस से अधिक आयु वाले ग्रुपों में विवाह करने वाली पत्नियों के अनुपात से अधिक है । इनका अनुपात क्रमशः 46.64 प्रतिशत तथा 32.02 प्रतिशत है जब कि सबसे बड़े समूह का प्रतिशत 21.34 है । -

इस सारिणी से स्पष्ट है कि ऐसे कृषकों में 67.98 प्रतिशत कृषकों की पत्नियों का विवाह 20 वर्ष से कम की आयु में तथा 32.02 प्रतिशत कृषकों की पत्नियों का विवाह 20 वर्ष व अधिक आयु में हुआ है कृषकों (जिनकी पत्नियों के पिता नौकरी करते थे) की पत्नियों की वैवाहिक आयु का भूयिष्ठक 18.25 वर्ष तथा समान्तर माध्य 16.25 वर्ष है ।
~~तथा समान्तर माध्य 16.28 की है ।~~

सारिणी- 136

पुरुषों एवं उनकी पत्नियों का वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण
जिन स्त्रियों के पिता नौकरी करते है।

पुरुष की विवाह की आयु वर्गों में / पुरुष की विवाह आयु वर्षों में	12-14	14-16	16-18	18-20	20-22	22-24	24-26	26-28	28-30	30 इससे अधिक	योग
12-14 कम		4	1	1	1	3	1			1	12
14-16		1	3	9	3	4		1			21
16-18		1	4	4	13	3	7	1			33
16-18			2	8	18	14	3	3	1	3	52
18-20					21	11	16	2	2	2	54
20-22						9	20	9	2		40
22-24							13	6	3	2	24
24-26 अधिक							1	3	7	6	17
योग		6	10	22	56	44	61	25	15	14	253

इस सारिणी में उन युवक अभिभावकों एवं उनकी पत्नियों की वैवाहिक आयु का वितरण प्रदर्शित किया गया है। जिनकी पत्नियों के पिता नौकरी करते थे।

प्रस्तुत न्यादर्श में ऐसे 253 युवक अभिभावक थे।

इस सारिणी से उपर्युक्त युवकों तथा उनकी पत्नियों के वैवाहिक आयु ~~सारिणी से उपर्युक्त युवकों तथा उनकी पत्नियों के आयु~~ के मध्य सह संबन्ध ज्ञात किया गया है। कार्ल पियर्सन की सहसंबन्ध गुणांक विधि द्वारा निकाला गया रेखीय सह सम्बन्ध गुणांक = + 0.6516 है।

इससे यह स्पष्ट है कि ऐसे युवकों (जिनकी पत्नियों के पिता नौकरी करते थे) एवं उनकी पत्नियों की वैवाहिक आयु में मध्यम कोटि का सह संबन्ध है। अर्थात उपर्युक्त युवकों की वैवाहिक आयु बढ़ने के साथ साथ उनकी पत्नियों के विवाह की आयु बढ़ती है तथा घटने पर घटती है

सारिणी-137

उन पुरुष प्रतिवादियों की वैवाहिक आयु का वितरण जिनकी पत्नियो के पिता का व्यवसाय वाणिज्य था ।

पुरुषो की विवाह आयु वर्षों मे .	पुरुषो की संख्या	प्रतिशत
12 से कम	0	0.00
12-14	1	0.29
14.16	2	0.58
16-18	15	4.37
18-20	68	19.77
20-22	99	28.77
22-24	77	22.38
24-26	55	15.99
26.28	16	4.66
28-30	7	2.03
30 से अधिक	4	1.16
योग	344	100.00

उपर्युक्त सारिणी में उन पुरूष प्रतिवादियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण प्रदर्शित है जिनकी पत्नियों के पिता का व्यवसाय वाणिज्य है था ।

ब सेम्पल प्रति न्यादर्श में ऐसे पुरूषों की संख्या 344 थी ।

उपर्युक्त पुरूषों को वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण इस प्रकार है कि कुल 344 (100 प्रतिशत) में से 1(0.29 प्रतिशत .) 2(0.58 प्रति0) 15(4.37 प्रतिशत). 68(19.77 प्रतिशत) 99(28.77 प्रतिशत), 77(22.38 प्रति०), 55(15.99 प्रति०), 16(4.66 प्रतिशत) 7(2.03 प्रतिशत) तथा 4(1.16 प्रतिशत व्यक्तियों का विवाह क्रमश: 12-14, 14-16, 16-18, 18-20, 20-22, 22-24, 24-26, 26-28, 28-30, 30- व अधिक आयु वाले ग्रुपों में हुआ था और 12 वर्ष से कम आयु में किसी का विवाह नहीं हुआ था ।

उस वर्ग के न्यादर्श के पुरूषों में ऐसे पुरूषों का सबसे बड़ा समूह है जिनका विवाह 20-22 वर्ष की आयु वाले ग्रुप में हुआ है । इनका अनुपात 28.77 प्रतिशत है । यह स्मरणीय है कि उस ग्रुप से कम आयु वाले ग्रुपों में विवाह करने वाले पुरूषों का अनुपात, उससे अधिक आयु वाले ग्रुपों में विवाह करने वालों के अनुपात से कम है । यह अनुपात क्रमश: 25.81 प्रतिशत तथा 46.22 प्रतिशत है ।

उक्त सारिणी से यह स्पष्ट है कि ऐसे पुरुषों में से 53.78 प्रतिशत पुरुषों का विवाह 22 वर्ष की आयु से कम तथा 46.22 प्रतिशत पुरुषों का विवाह 22 वर्ष व अधिक आयु वाले ग्रुपों में हुआ है । ऐसे पुरुषों (जिनका पत्नियों के पिता का व्यवसाय वाणिज्य था) कि वैवाहिक आयु का भूयिष्ठक 21.17 वर्ष तथा समान्तर माध्य 22.02 वर्ष है ।

*

सारिणी-138

उन पुरुष प्रतिभागियों की पत्नियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण जिनकी पत्नियों के पिता का व्यवसाय वाणिज्य था ।

पुरुषों की पत्नियों की विवाह आयु (वर्षों में)	पुरुषों की संख्या	प्रतिशत	
12 से कम	26	7.56	
12-14	38	11.06	
14-16	74	21.52	
16-18	72	20.92	
18.20	62	18.03	
20-22	44	12.78	
22.24	24	6.98	
24 से अधिक	4	1.16	
योग	344	100-00	[illegible]

यह सारिणी उन कृषकों प्रतिभागियों का पत्नियों की आयु के अनुसार है जिनके पत्नियों के पिता का व्यवसाय वाणिज्य था वितरण प्रस्तुत है ।

सम्प्रति न्यादर्श को ऐसे कृषकों का संख्या 344 थी ।

उपर्युक्त कृषकों की पत्नियों की वैवाहिक आयु के अनुसार विवरण इस प्रकार है कि 344 (100 प्रतिशत) में से 26(7.56 प्रतिशत), 38 (11.06 प्रतिशत), 74 (21.52 प्रतिशत), 72 (20.92 प्रतिशत), 62 (18.03 प्रतिशत), 44 (12.78 प्रतिशत), 24 (6.97 प्रतिशत तथा 4(1.16 प्रतिशत), कृषकों की पत्नियों का विवाह क्रमशः 12 वर्ष से कम 12-14, 14-16,16-18,18-20,20-2222-24 एवं 24 व उससे अधिक की आयु वाले ग्रुप में हुआ था ।

इस वर्ग के न्यादर्श के कृषकों में ऐसे कृषकों का सबसे बड़ा समूह है जिनकी पत्नियां का विवाह 14-16 वर्ष की आयु वाले ग्रुप में हुआ है इनका अनुपात 21.521 है । यह स्मरणीय है कि उस ग्रुप से कम आयु वाले ग्रुपों में विवाह करने वाली पत्नियों का अनुपात इससे अधिक आयु वाले ग्रुपों में विवाह करने वाली पत्नियों के अनुपात से कम है ।

अनुपात क्रमशः 18.62 प्रतिशत तथा 59.86 प्रतिशत है ।

इस सारिणी से यह स्पष्ट है कि ऐसे पुरूषों में 40.14 प्रतिशत पुरूषों की स्त्रियों का विवाह 16 वर्ष से कम के आयु में तथा 59.86 प्रतिशत पुरूषों की स्त्रियों का विवाह 16 वर्ष व अधिक आयु में हुआ है ऐसे पुरूषों (जिनकी पत्नियों के पिता का व्यवसाय वाणिज्य था) कि स्त्रियों की वैवाहिक आयु का भूयिष्ठक 17.8 वर्ष तथा समान्तर मध्यम 17.05 वर्ष है ।

सारिणी - 139

पुरुषों एवं उनकी पत्नियों का वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण

(जिन पत्नियों के पिता का व्यवसाय वाणिज्य था)

पुरुषों की विवाह की आयु / ~~[illegible]~~ पत्नियों की आयु वर्षों में	12	12.14	14.16	16.18	18-20	20-22	22-24	24-26	26-28	28-30	30 से अधिक	योग
12		1	2	6	9	5	2		1			26
12-14				3	18	12	3	2				38
14-16				6	22	33	9	3	2			74
16-18					14	29	26	2	1			72
18-20					5	20	24	10	2	1		62
20-22						1	12	22	6	1	2	44
22-24							0	16	3	3	2	24
24- से अधिक							1		1	2		4
योग		1	2	15	68	99	77	55	16	7	4	344

इस सारिणी में सम्प्रति न्यादर्श से प्राप्त 344 उन पुरूष प्रतिवादियों एवं उनकी पत्नियों की वैवाहिक आयु का वितरण प्रदर्शित है जिनकी पत्नियों के पिता का व्यवसाय वाणिज्य था ।

इस सारिणी से उपर्युक्त पुरूषों तथा उनकी पत्नियों के वैवाहिक आयु के बीच सह संबंध ज्ञात किया गया है । कार्ल पियर्सन का सह संबंध विधि द्वारा निकाला गया रेखीय सहसंबंध गुणांक = + 0.605 है ।

इससे स्पष्ट है कि ऐसे पुरूषों (जिनके पत्नियों के पिता का व्यवसाय वाणिज्य था) एवं उनकी पत्नियों की वैवाहिक आयु में मध्य कोटि का सह संबंध है । अर्थात उपर्युक्त पुरूषों की विवाह आयु बढ़ने के साथ साथ उनकी पत्नियों की विवाह आयु भी बढ़ती है तथा घटने पर घटती है ।

सारिणी-150

उन पुरूष प्रतिवादियों का वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण

जिनकी पत्नियों के पिता कुशल कार्य गर थे।

पुरूषों की विवाह आयु (वर्षों में)	पुरूषों की संख्या	प्रतिशत
12 से कम	2	1.61
12-14	0	0.00
14-16	4	3.23
16-18	13	10.48
18-20	19	15.32
20-22	52	41.93
22.24	22	17.74
24.26	5	4.03
26-28	4	3.23
28.30	3	2.43
30 व इससे अधिक	0	0.0
योग	124	100.

उपर्युक्त सारिणी में उन पुरूष प्रतिवादियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण है जिनकी पत्नियों के पिता कुशल कामगार थे ।

सम्प्रति न्यादर्श में ऐसे पुरूषों की संख्या 124 ~~थी~~ थी उपर्युक्त पुरूषों की वैवाहिक आयु का वितरण इस प्रकार है कि कुल 124 (100 प्रतिशत(में से 2 (1.61) 0(0.00) , 4(3.23 प्रतिशत), 13(10.48 प्रतिशत) 19 (15.32 प्रतिशत) ,52 (41.93 प्रतिशत) 22(17.74 प्रतिशत), 5 (4.03 प्रतिशत) ,4(3.23 प्रतिशत 3(2.43 प्रतिशत का विवाह क्रमशः 12 वर्ष से कम, 12-14,14-16, 16-18, 18-20 20-22,22-24 24-26, 26-28 तथा 28-30 वर्ष की आयु ग्रुप में हुआ था ।

इस वर्ग के न्यादर्श के पुरूषों में ऐसे पुरूषों का सबसे बड़ा समूह है जिनका विवाह (20-22 वर्ष की आयु वाले ग्रुप में हुआ है इनका अनुपात 41.93 प्रतिशत है । स्मरणीय है कि उस ग्रुप से कम आयु वाले ग्रुपों में विवाह करने वाले पुरूषों का अनुपात उससे अधिक आयु वाले ग्रुपों में विवाह करने वाले पुरूषों के अनुपात से अधिक जिनका अनुपात क्रमशः 30-6410 तथा 28.43 प्रतिशत है ।

इस सारिणी से यह स्पष्ट है कि ऐसे पुरूषों में से 72.57 10 पुरूषों का विवाह 22 वर्ष से कम की आयु में तथा 26.43 प्रतिशत पुरूषों का विवाह 22 वर्ष व उससे अधिक आयु में हुआ है । ऐसे पुरूष जिनकी पत्नियों के पिता कुशल कामगार थे) की वैवाहिक आयु का भूयिष्ठक 20.90 वर्ष तथा समान्तर माध्य 20.85 वर्ष है ।

सारिणी ——— 15

उक्त पुरुष प्रतिवादियों की पत्नियों की वैवाहिक आयु के अनुसार विवरण जिनकी पत्नियाँ निम्न कुशल कामगार थी ।

पुरुषों की पत्नियों की वैवाहिक आयु वर्षों में	पुरुषों की संख्या	प्रतिशत
12	14	11.29
12-14	20	16.13
14-16	18	14.52
16-18	37	29.84
18-20	24	19.35
20-22	9	7.26
22.24	0	0
24. व अधिक	2	1.61
योग	124	100

यह सारिणी उन पुरुष प्रतिवादियों की पत्नियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण प्रदर्शित करती है जिनके पत्नियों के पिता कुशल कामगार थे।

सम्पति न्यादर्श में ऐसे पुरुषों की संख्या 124 थी। उपर्युक्त पुरुषों की पत्नियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण इस प्रकार मिला है कि कुल 124 (100 प्रतिशत) में से 14(11.29) प्रतिशत, 20 (16.13 प्रतिशत).18(14.52 प्रतिशत),36 (29.04 प्रतिशत) 24(19.35 प्रतिशत)(9 (7.26 प्रतिशत) तथा 2 (1.61 प्रतिशत) पुरुषों की स्त्रियों का विवाह क्रमशः 12 वर्ष से कम, 12-14,14-16, 16-18, 18-20,20-22 तथा 24 वर्ष व अधिक आयु वाले ग्रुप में हुआ था तथा 22-24 वर्ष की आयु वाले ग्रुप में किसी का भी विवाह नहीं हुआ था।

इस वर्ग के न्यादर्श के पुरुषों में ऐसे पुरुषों का सबसे बड़ा समूह है जिनकी पत्नियों का विवाह 16-18 वर्ष की आयु वाले ग्रुप में हुआ है। इनका 29.04 प्रतिशत है इससे ग्रुप से कम आयु वाले ग्रुपों में विवाह करने वाली पत्नियों का अनुपात, इससे अधिक आयु वाले ग्रुपों में विवाह करने वाली पत्नियों के अनुपात से अधिक है। यह अनुपात क्रमशः 41.94 प्रतिशत तथा 28.22 प्रतिशत है।

इस सारिणी से स्पष्ट है कि ऐसे पुरुषों में 71.78 प्रतिशत पुरुषों की स्त्रियों का विवाह 18 वर्ष से कम आयु तथा 28.22 प्रतिशत पुरुषों की स्त्रियों का विवाह 18 वर्ष से अधिक की आयु ग्रुप में हुआ है ऐसे पुरुषों (जिनकी पत्नियों के पिता कुशल कामगार थे) की पत्नियों की वैवाहिक आयु का माध्यिका 17.18 तथा समान्तर माध्य 16-19 वर्ष है।

सारिणी ——— 142

पुरुष एवं उनकी पत्नियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण (जिनकी पत्नियों के पिता कुशल कामगार थे)

पु० की विवाह आयु कक्षाओं मे / पु० की विवाह आयु कक्षाओं मे	12 से कम	12-14	14-16	16-18	18-20	20-22	22-24	24-26	26-28	28-30	30 व इससे अधिक	योग
12	2	0	2	5	1	3				1		14
12-14			2	5	6	4	3					20
14-16				1	6	9	1			1		18
16-18				2	6	24	5					37
18-20						12	8	3	1			24
20-22							5	2	1	1		9
22-24									0			0
24									2			2
	2	0	4	13	19	52	22	5	4	3	0	124

इस सारिणी मे सम्प्रति न्यादर्श से प्राप्त 124 वैवाहिक पुरूष प्रतिवादियो तथा उनकी स्त्रियों की आयु का वितरण प्रदर्शित है जिनकी पत्नियों के पिता कुशल कामगार थे ।

इस सारिणी से उपर्युक्त पुरूषों तथा उनकी पत्नियों के वैवाहिक आयु के मध्य सह सम्बन्ध निकाला जाता है । कार्ल पियर्सन की सह सम्बन्ध विधि द्वारा निकाला गया रेखीय सहसम्बन्धगुणांक = + 0.618 है ।

इससे यह स्पष्ट है कि ऐसे पुरूषों (जिनकी पत्नियों के पिता कुशल कामगार थे) एवं उनकीपत्नियों की वैवाहिक आयु में मध्यम कोटि का सह सम्बन्ध है । अर्थात उपर्युक्त पुरूषों की वैवाहिक आयु बढ़ने के साथ साथ उनकी पत्नियों की वैवाहिक आयु बढ़ती है तथा घटने पर घटती है ।

तालिका-153

उन पुरुष अभियार्थियों को वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण जिनको नहीं माने है निम्नकुशल कामगार थे।

पुरुषों की विवाह आयु वर्षों में	पुरुषों की संख्या	प्रतिशत
12	1	1.01
12.14	0	0.0
14.16	6	6.06
16.18	11	11.11
18.20	36	36.37
20.22	24	24.24
22.24	11	11.11
24.26	8	8.08
26.28	0	0.00
28.30	0	0.00
30. व अधिक	2	2.02
योग	99	100.00

सारिणी ---

--- --- --- ---

उपर्युक्त सारिणी में उन पुरुष प्रतिवादियों के वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण प्रदर्शित किया गया है जिनकी पत्नियों के विरुद्ध अकुशल कामगार थे।

सम्प्रति न्यादर्श में ऐसे पुरुषों की संख्या 99 थी।

उपर्युक्त पुरुषों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण इस प्रकार मिला है कि 99 (100 प्रतिशत) में से 36 ((36 प्रतिशत), 24 (24.24 प्रतिशत) 11 (11.11 प्रतिशत), 8 (8.08 प्रतिशत(तथा 2 (20.02 प्रतिशत) का विवाह क्रमशः 12 से कम, 12-14, 14-16, 16-18, 18-20, 20-22, 22-24, 24-26 तथा 30 व अधिक आयु ग्रुप में हुआ था एवं 12-14, 26-28, 28-30 वर्ष की आयु ग्रुप में किसी भी पुरुष प्रतिवादी का विवाह नहीं हुआ था।

इस वर्ग के न्यादर्श के पुरुषों के ऐसे पुरुषों का सबसे बड़ा समूह है कि जिनका विवाह 18-20 वर्ष की आयु वाले ग्रुप में हुआ है। इनका अनुपात 36.36 प्रतिशत है। स्मरणीय है कि इस ग्रुप से कम आयु वाले ग्रुपों में विवाह करने वाले पुरुषों का अनुपात इससे अधिक आयु वाले ग्रुपों में विवाह करने वाले पुरुषों के अनुपात से कम है। यह अनुपात क्रमशः 18.18 तथा 45.45 प्रतिशत है।

इस सारिणी से यह स्पष्ट है कि ऐसे पुरूषों में से 54.55 प्रतिशत पुरूषों का विवाह 20 वर्ष से कम तथा 45.45 प्रतिशत पुरूषों का विवाह 20 वर्ष व अधिक आयु में हुआ है। ऐसे पुरूषों (जिनकी वैवाहिक पत्नियों के पिता अकुशल कामगार थे) की वैवाहिक आयु का भूयिष्ठक 19.35 वर्ष तथा समान्तर माध्य 18.22 वर्ष है।

सारिणी - 145

उन पुरुष प्रतिवादियों का पत्नियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण जिनकी पत्नियों के पिता अकुशल कामगार थे ।

पुरुषों की पत्नियों की विवाह आयु वर्षों मे	पुरुषों की संख्या	प्रतिशत
12	15	15.15
12.14	25	25.26
14.16	21	21.21
16.18	22	22.22
18.20	8	8.08
20.22	3	3.03
22.24	3	3.03
24 व अधिक	2	2.02
योग	99	100.00

यह सारिणी उन पुरूष प्रतिवादियों की पत्नियों को वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण प्रदर्शित करती है जिनकी पत्नियों के पिता अकुशल कामगार थे ।

सम्प्रति न्यादर्श मे ऐसे पुरूषों की संख्या 99 थी ।

उपर्युक्त पुरूषों की पत्नियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण इस प्रकार मिला है कि 99 (100 प्रतिशत) मे 15(15.15 प्रतिशत) 25(25.26 प्रतिशत), 21(21.21 प्रतिशत), 22(22.22 प्रतिशत),8(8.08 प्रतिशत),3(3.03 प्रतिशत) 3(3.03 प्रतिशत) तथा 2(2.02 प्रतिशत) पुरूषों की स्त्रियों की विवाह क्रमशः 12 वर्ष से कम, 12-14 , 14-16, 16-18, 18-20, 20-22, 22-24 तथा 24 वर्ष व अधिक आयु मे हुआ था ।

इस वर्ग के न्यादर्श के पुरूषों मे ऐसे पुरूषों का सबसे बड़ा समूह है जिनकी पत्नियों का विवाह 12-14 वर्ष की आयु वाले ग्रुप मे हुआ है । इनका अनुपात 25.26 प्रतिशत है । यहॉ स्मरणीय है कि इस ग्रुप से कम आयु वाले ग्रुपो मे विवाह करने वाली पत्नियों का अनुपात इससे अधिक आयु वाले ग्रुपो विवाह करने वाली पत्नियों के अनुपात से कम है । यह अनुपात क्रमशः 15.15 प्रतिशत तथा 59.59 प्रतिशत है ।

इस सारिणी से स्पष्ट है कि ऐसे पुरुषों में 40.41 प्रतिशत पुरुषों की स्त्रियों का विवाह 14 वर्ष से कम आयु में तथा 59.59 प्रतिशत पुरुषों की स्त्रियों का विवाह 14 वर्ष व अधिक आयु ग्रुप में हुआ है। ऐसे पुरुषों (जिनका पत्नियों पिता अकुशल कामगार हो) की पत्नियों की वैवाहिक आयु का भूयिष्ठक 15.06 वर्ष तथा समान्तर माध्य 15.283 वर्ष है।

सारिणी – 145

पुरुषों एवं उनकी पत्नियों का वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण (जिन पत्नियों के पिता अकुशल कामगार थे)

पु०की/पु०की पु०की विवाह आयु वर्षों में / विवाह आयु वर्षों में	12	12-14	14-16	16-18	18-20	20-22	22-24	24-26	26-28	28-30	30 व इससे अधिक	योग
12	1		2	5	4	3						15
12.14			3	5	12	4		1				25
14-16			1	1	12	6	1					21
16-18					7	6	9					22
18.20					1	5	1	1				8
20.22								3				3
22.24								3				3
24. व अधिक											2	2
योग:	1		6	11	36	24	11	8			2	99

इस सारिणी में सम्प्रति न्यादर्श से प्राप्त 99 उन पुरुष, प्रतिवादियों तथा उनकी स्त्रियों की वैवाहिक आयु का वितरण प्रदर्शित है जिनकी पत्नियों के पिता अकुशल कामगार थे ।

इस सारिणी से उपर्युक्त पुरुषों तथा उनकी पत्नियों के विवाह आयु के मध्य सह सम्बन्ध निकाला गया है । कार्ल पियर्सन की सह सम्बन्ध विधि द्वारा निकाला गया रेखीय सह सम्बन्धगुणांक = + 0.742 है ।

इससे यह स्पष्ट है कि ऐसे पुरुषों (जिनकी पत्नियों के पिता अकुशल कामगार थे) एवं उनकी पत्नियों की वैवाहिक आयु में मध्य कोटि का सह सम्बन्ध है अर्थात् उपर्युक्त पुरुषों की वैवाहिक आयु बढ़ने के साथ साथ उनकी पत्नियों की वैवाहिक आयु भी बढ़ती है तथा घटने पर घटती है ।

सारिणी - 158

उन पुरूष प्रतिवादियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण जिनकी पत्नियों के पिता का व्यवसाय कृषि था ।

पुरूषों की विवाह आयु (वर्षों में)	पुरूषों की संख्या	प्रतिशत
12 से कम	1	0.42
12-14	3	1.26
14-16	14	5.88
16/18	24	10.08
18-20	51	21.43
20.22	58	24.36
22.24	45	18.91
24.26	21	12.18
26.28	5	2.11
28.30	3	1,26
30 व अधिक	5	2.11
	238	100.00

उपर्युक्त सारिणी में उन पुरुषों प्रतिवादियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण प्रस्तुत किया गया है जिनकी पत्नियों के पिता का व्यवसाय कृषि था ।

सम्प्रति न्यादर्श में ऐसे पुरुषों की संख्या 238 था ।

[illegible]

उपर्युक्त पुरुषों का उनकी वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण इस प्रकार मिला है कि 238 (100 प्रतिशत) में से 1 (0.42 प्रतिशत), 3(1.26 प्रतिशत), 14(5.88 प्रतिशत), 24(10.08 प्रतिशत), 5(21.43 प्रतिशत), 58(24.36 प्रतिशत), 45(18.91 प्रतिशत), 21(12.18 प्रतिशत), 5(2.11 प्रतिशत) 3(1.26 प्रतिशत), 5(2.11 प्रतिशत) व्यक्तियों का विवाह क्रमशः 12 वर्ष से कम, 12-14, 14-16, 16-18, 18-20, 20-22, 22-24, 24-26, 26-28, 28-30 तथा 30 व अधिक आयु वाले ग्रुप में हुआ था ।

इस वर्ग के न्यादर्श के पुरुषों में ऐसे पुरुषों का सबसे बड़ा समूह है जिनका विवाह 20-22 वर्ष की आयु वाले ग्रुप में हुआ है । इनका प्रतिशत 24.36 प्रतिशत है । यह स्मरणीय है कि इस ग्रुप से कम आयु वाले ग्रुपों में विवाह करने वाले पुरुषों का अनुपात इससे अधिक आयु वाले ग्रुपों के विवाह करने वालों के अनुपात से अधिक है । यह अनुपात क्रमशः 39.07 प्रतिशत तथा 36.57 प्रतिशत है ।

इस सारिणी से यह स्पष्ट है कि ऐसे पुरुषों में 63.43 प्रतिशत पुरुषों का विवाह 22 वर्ष से कम आयु में तथा 36.57 प्रतिशत पुरुषों का विवाह 22 वर्ष व अधिक आयु में हुआ है। ऐसे पुरुषों (जिनकी पत्नियों के पिता का व्यवसाय कृषि था) की वैवाहिक आयु का भाविष्ठक 20.7 वर्ष तथा समान्तर मध्य 20.85 वर्ष है।

सारिणी -147

पुरुष प्रतिवादियों की पत्नियों की वैवाहिक आयु का वितरण जिनकी पत्नियों के पिता का व्यवसाय कृषि था ।

पुरुषों की पत्नियों की विवाह आयु वर्षों में	पुरुषों की संख्या	प्रतिशत
12 से कम	19	7.99
12-14	36	15.12
14-16	61	25.64
16.18	48	20/[illegible]
18.20	43	18.07
20-22	14	5.88
22.24	13	5.46
24-26 व अधिक	4	1.68
योग	238	100. 00

यह सारिणी पुरुष प्रतिवादियों का।

उपलब्ध।
वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण/ करती है जिनकी पत्नियां के पिता व्यवसाय कृषि था।

सम्मलित न्यादर्श मे ऐसे पुरुषों की संख्या 238 थी।

उपर्युक्त पुरुषों की पत्नियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण इस प्रकार मिला है कि 238 (100 प्रतिशत) मे से 19(7.99 प्रतिशत) 36(15.12 प्रतिशत), 61 (25.64 प्रतिशत), 48(20.16 प्रतिशत), 43(18.07 प्रतिशत), 14(5.88 प्रतिशत), 13(5.46 प्रतिशत) तथा 4(1.68 प्रतिशत) पुरुषों की स्त्रियों का विवाह क्रमश: 12 वर्ष से क, 12-14, 14-16, 16-18, 18-20, 20-22, 22-24, ~~24-26, 26-28,~~ तथा 24 से अधिक आयु वाले ग्रुप मे हुआ था।

इस वर्ग के न्यादर्श के पुरुषों मे से ऐसे पुरुषों का सबसे बड़ा गिरोह है जिनकी पत्नियो का विवाह 14-16 वर्ष की आयु वाले ग्रुप मे हुआ है। यह स्मरणीय है कि इस ग्रुप से कम आयु वाले ग्रुपों मे विवाह करने वाली स्त्रियों का अनुपात उससे अधिक आयु वाले ग्रुपो मे विवाह करने वाली स्त्रियो के अनुपात से कम है। यह अनुपात क्रमश: 23.11 तथा 51.25 प्रतिशत है। जबकि सबसे बडे ग्रुप का प्रतिशत 25.64 प्रतिशत है।

इस सारिणी से यह स्पष्ट है कि ऐसे पुरुषों मे 48.75 प्रतिशत पुरुषों की स्त्रियों का विवाह 16 वर्ष से कम वाले आयु मे तथा 51.25 प्रतिशत पुरुषों की स्त्रियों का विवाह 16 वर्ष व अधिक आयु मे हुआ है। ऐसे पुरुषों जिनकी पत्नियो के पिता का व्यवसाय कृषि था) की स्त्रियों के वैवाहिक आयु का भूयिष्ठक 15.31 तथा समान्तर माध्य 16.46 वर्ष है।

सारिणी -148

पुरूषों एवं उनकी पत्नियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण (जिन की पत्नियों के पिता का व्यवसाय कृषि था)

पु०की/पु० की विवाह आयु वर्षों में	12	12-14	14-16	16-18	18-20	20-22	22-24	24-26	26-28	28-30	30 व उससे अधिक	योग
12से कम	1	2	5	4	2	4		1				19
12-14		1	4	5	12	4	9				1	36
14-16				13	20	19	3	3	1		2	61
16-18			4	1	13	19	7	1	1	1	1	48
18-20			1	1	4	11	17	8	1			43
20-22						1	8	5				14
22-24							1	10	1		1	13
24 व अधिक								1	1	2		4
योग:	1	3	14	24	51	58	45	21	5	3	5	238

इस सारिणी में उन पुरुष प्रतिवादियों एवं उनकी पत्नियों की वैवाहिक आयु का वितरण दिया गया है जिनका पत्नियों के पिता का व्यवसाय कृषि था।

सम्प्रति न्यादर्श में ऐसे 238 पुरुष प्रतिवादियों थे।

इस सारिणी से उपर्युक्त पुरुषों तथा उनकी पत्नियों के वैवाहिक आयु के मध्य सह संबन्ध निकाला गया है। कार्ल पियर्सन की विधि द्वारा निकाला गया यह सह संबन्ध गुणांक + 0.56 है।

इससे यह स्पष्ट है कि ऐसे पुरुषों (जिनकी ~~वैवाहिक~~ पत्नियों के पिता का व्यवसाय कृषि था) एवं उनकी पत्नियों की वैवाहिक आयु के मध्यम कोटि का धनात्मक सह सम्बन्ध है। अर्थात् उपर्युक्त पुरुषों की वैवाहिक आयु बढ़ने के या घटने के साथ साथ उनकी पत्नियों की वैवाहिक आयु बढ़ती या घटती है।

सारिणी -149

पुरूष प्रतिवादियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण जिनकी पत्नियों के पिता दुग्ध का व्यवसाय करते थे।

पुरूषों की विवाह आयु वर्षों में	पुरूषों की संख्या	प्रतिशत
12 से कम	0	0.00
12.14	0	0.00
14.16	0	0.00
16.18	5	21.74
18.20	2	8.70
20.22	8	34.77
22.24	6	26.79
24.26	2	8.70
26/28	0	0.00
28.30-	0	0.00
30 व अधिक	0	0.00
योग :	23	100.00

उपर्युक्त सारिणी में इन पुरुष प्रतिवादियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण किया गया है जिनकी पत्नियों के पिता दुग्ध का व्यवसाय करते थे।

सम्पूर्ण न्यादर्श में ऐसे पुरुषों की संख्या 23 थी। उपर्युक्त पुरुषों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण इस प्रकार मिला है कि 23(100 प्रतिशत) में से 5(21.74 प्रतिशत)2(8.70 प्रतिशत)8(34.77 प्रतिशत),6(26.09 प्रतिशत),2(8.70 प्रतिशत) पुरुषों का विवाह क्रमशः 16-18, 18-20, 20-22, 22-24, 24 तथा 24-26 वर्ष की आयु वाले ग्रुप में हुआ था तथा 12 वर्ष से कम, 12-14, 24-16, 26-28, 28-30, 30 व अधिक वर्ष की आयु ग्रुप में किसी भी प्रतिवादी पुरुष का विवाह नहीं हुआ था।

इस वर्ग के न्यादर्श के पुरुषों में से ~~कम~~ सबसे बड़ा समूह ऐसे पुरुषों का है जिनकी विवाह 20-22 वर्ष की आयु वाले ग्रुप में हुआ है। इनका अनुपात ~~प्रतिशत~~ 34.77 प्रतिशत है। यह स्मरणीय है कि इस ग्रुप से कम आयु वाले ग्रुपों में विवाह करने वाले पुरुषों का अनुपात, इससे अधिक आयु वाले ग्रुपों में विवाह करने वालों ~~के~~ अनुपात से कम है। यह अनुपात क्रमशः 30.44 प्रतिशत है तथा 34.79 प्रतिशत है।

इस सारिणी से स्पष्ट है कि ऐसे पुरुषों में 65.21 प्रतिशत पुरुषों का विवाह 22 वर्ष से कम ~~उम्र~~ की आयु में तथा 34.73 प्रतिशत पुरुषों का विवाह 22 व उससे अधिक आयु में हुआ है। ऐसे पुरुषों (जिनकी पत्नियों के पिता दुग्ध का व्यवसाय करते थे) की वैवाहिक आयु का भूयिष्ठक 21.50 वर्ष तथा समान्तर माध्य 21.17 वर्ष है।

सारिणी-150

पुरुष प्रतिवादियों की पत्नियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण जिनकी पत्नियों के पिता कृषि का व्यवसाय करते थे ।

पुरुषों की पत्नियों की आयु वर्षों में	पुरुषों की संख्या	प्रतिशत
12 से कम	1	4.34
12-14	4	17.39
14.16	2	8.70
16.18	9	39.13
18.20	5	21.78
20.22	2	8.70
22.24	0	0.00
24. व अधिक	0	0.00
योग :	23	100.00

यह सारणी उन पुरूष प्रतिवादियों की पत्नियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण है जिनकी पत्नियों के पिता कृषि का व्यवसाय करते थे।

सम्प्रति न्यादर्श मे ऐसे पुरूषों की संख्या 23 थी। उपर्युक्त पुरूषों की पत्नियों का वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण इस प्रकार है 23 (100 प्रतिशत) मे 1 (4.34 प्रतिशत) 4 (17.39 प्रतिशत), 2 (8.70 प्रतिशत) 9, (39.13 प्रतिशत), 5 (21.74 प्रतिशत) तथा 2 (8.70 प्रतिशत) पुरूषों की पत्नियों का विवाह क्रमश: 12 वर्ष से कम, 12-14, 14-16, 16-18, 18-20, 20-22, वाले आयु ग्रुप में हुआ था। इससे अधिक आयु ग्रुप मे किसी का भी विवाह नहीं हुआ था।

इस वर्ग के न्यादर्श के पुरूषों मे ऐसे पुरूषों का सबसे बड़ा समूह है जिनकी पत्नियों का विवाह 16-18 वर्ष की आयु वाले ग्रुप मे हुआ है।

यह स्मरणीय है कि इस ग्रुप से कम आयु वाले ग्रुपों मे विवाह करने वाली स्त्रियों का अनुपात इससे अधिक आयु वाले ग्रुपों मे विवाह करने वाली पत्नियों का अनुपात लगभग बराबर है। इनके अनुपात क्रमश: 30.43 प्रतिशत तथा 30.44 प्रतिशत है जबकि सबसे बड़े समूह का प्रतिशत 39.13 प्रतिशत है।

इस सारिणी से यह स्पष्ट है कि ऐसे पुरूषों मे 69.57 प्रतिशत पुरूषों का स्त्रियों का विवाह 18 वर्ष से कम की आयु मे हुआ है तथा 30.44 प्रतिशत पुरूषों की स्त्रियों का विवाह 18 वर्ष से अधिक आयु मे हुआ है ऐसे पुरूषों (जिनकी पत्नियों के पिता कृषि का व्यवसाय करते थे) की स्त्रियों की वैवाहिक आयु का भूयिष्ठक 17.26 वर्ष तथा समान्तर माध्य 16.653 वर्ष है।

सारिणी - 15।

पुत्रों एवं उनकी पत्नियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण

जिनके पत्नियों के पिता दूध का व्यवसाय करते थे।

पुत्रों की पत्नियों की विवाह आयु वर्षों में / पुत्रों की विवाह आयु वर्षों में	12	12-14	14-16	16-18	18-20	20-22	22-24	24-26	26-28	28-30	30 व अधिक	योग
12 से कम						1						1
12-14				3	1							4
14.16				2								2
16.18					1	7	1					9
18.20							5					5
20.22								2				2
22.24												0
24 व अधिक												0
योग :	0	0	0	5	2	8	6	2	0	0	0	23

इस सारिणी में सम्प्रति न्यादर्श से प्राप्त 23 उन पुरूष प्रतिवादियों तथा उनकी पत्नियों की वैवाहिक आयु का वितरण है जिनकी पत्नियों के पिता दुग्ध का व्यवसाय करते थे।

इस सारिणी से उपर्युक्त पुरूषों तथा उनकी पत्नियों के वैवाहिक आयु के मध्य सह सम्बन्धता निकालने का प्रयास किया गया है। कार्ल पियर्सन की सह सम्बन्धता विधि द्वारा निकाला गया यह रेखीय सह सम्बन्धता गुणांक= + 0.815 है।

इससे यह स्पष्ट है कि ऐसे पुरूषों (जिनकी पत्नियों के पिता दुग्ध का व्यवसाय करते थे) एवं उनकी पत्नियों की वैवाहिक आयु में उच्च कोटि का सह सम्बन्धता है। अर्थात उपर्युक्त पुरूषों की वैवाहिक आयु बढ़ने के साथ-साथ उनकी पत्नियों की अधिक वैवाहिक आयु बढ़ती है

सारिणी – 152

पुरुष प्रतिवादियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण, जिनको उनकी पत्नियों को पिता के व्यवसाय के अनुसार विभाजित किया गया है।

पुरुषों की विवाह वर्षों व्यवसाय में	12 से कम	12-14	14-16	16-18	18-20	20-22	22-24	24-26	26-28	28-30	30 व अधिक	योग	माध्य भूयिष्ठक (वर्षों में)	समान्तर माध्य वर्षों में
पेशेवर	0	0	1	4	10	12	17	7	5	5	4	65	22.66	23
नौकरी	0	0	6	10	22	56	44	61	25	15	14	253	24.65	23.45
वाणिज्य	0	1	2	15	68	99	77	55	16	7	4	344	21.17	22.02
कुशल कामगार	2	0	4	13	19	52	22	5	4	3	0	124	20.90	20.83
अकुशल कामगार	1	0	6	11	36	24	11	8	0	0	2	99	19.35	18.22
कृषि	1	3	14	24	51	58	45	21	5	3	5	238	20.70	20.85
कुछ नहीं	0	0	0	5	2	8	6	2	0	0	0	23	21.50	2127

प्रस्तुत सारिणी मे पुरूष प्रतिवादियों का उनकी वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण को दर्शाया गया है जिनको उनकी पत्नियों के पिता के व्यवसाय के अनुसार विभाजित किया गया है।

सम्प्रति न्यादर्श मे कुल 1186 पुरूष प्रतिवादियों मे से 65 पेशेवर, 253 नौकरी, 344 वाणिज्य, 124 कुशल कामगार 99 अकुशल कामगार 238 कृषि तथा 23 कुछ का व्यवसाय करने वाले समूह मे पाये गये थे, जिनको उनकी पत्नियों के पिता के व्यवसाय के अनुसार विभक्त किया गया था।

इस सारिणी मे उपर्युक्त व्यक्तियों की वैवाहिक आयु का भूयिष्ठक एवं समान्तर माध्य प्रस्तुत किया गया है। पेशेवर, नौकरी, वाणिज्य, कुशल कामगार, अकुशल कामगार, कृषि तथा कुछ का व्यवसाय, क्रमशः जिन पुरूषों के पत्नियों के पिता करते थे उन पुरूषों की वैवाहिक आयु का भूयिष्ठक क्रमशः 22.66 वर्ष, 24.64 वर्ष, 21.17 वर्ष, 20.90 वर्ष, 19.35 वर्ष 20.70 वर्ष तथा 21.50 वर्ष है एवं समान्तर माध्य क्रमशः 23 वर्ष, 23.45 वर्ष 22.02 वर्ष, 20.83 वर्ष, 18.22 वर्ष, 20.85 वर्ष तथा 21.17 वर्ष है।

ऐसे पुरूषों की वैवाहिक आयु का समान्तर माध्य व भूयिष्ठक सबसे कम है जिनकी पत्नियों के पिता अकुशल कामगार थे। ऐसे पुरूषों की वैवाहिक आयु का भूयिष्ठक व समान्तर माध्य दोनों सबसे अधिक है जिनकी पत्नियों के पिता नौकरी करते थे।

यह स्मरणीय है कि जिन पुरूषों की पत्नियों के पिता क्रमशः नौकरी,

पेशेवर, वाणिज्य, दूध का व्यापार, कुशल कामगार, कृषि तथा अकुशल कामगार व्यवसाय के थे उन पुरुषों की वैवाहिक आयु का समान्तर माध्य तथा माध्यिका क्रमशः घटता गया है ।

इस सारिणी से यह स्पष्ट है कि जिन पुरुषों की पत्नियों के पिता नौकरी, पेशेवर, दूध का व्यापार, वाणिज्य, कुशल कामगार, कृषि तथा अकुशल कामगार व्यवसाय के थे उन पुरुषों की वैवाहिक आयु क्रमशः घटती गयी है । उन पुरुषों का विवाह सबसे अधिक आयु में हुआ है जिन पुरुषों की पत्नियों के पिता नौकरी करते थे और जिन पुरुषों की पत्नियों के पिता अकुशल कामगार व्यवसाय के थे उनका विवाह सबसे कम आयु में हुआ है ।

सारिणी - 153

युवक प्रतिवादियों की पत्नियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण जिसमें उनकी पत्नियों के पिता के व्यवसाय के अनुसार विभाजन किया गया था।

युवकों की पत्नियों की विवाह आयु / व्यवसाय	12 से कम	12-14	14-16	16-18	18-20	20-22	22-24	24 व अधिक	योग	भूयिष्ठक	समान्तर माध्य वर्षों में
पेशेवर	6	12	12	7	11	3	9	5	65	15.26	17.3
नौकरी	12	21	33	52	54	40	24	17	253	18.25	16.28
वाणिज्य	26	38	74	72	62	44	24	4	344	17.8	17.05
कुशल कामगार	14	20	18	37	24	9	0	2	124	17.18	17.19
अकुशल कामगार	15	25	21	22	8	3	3	2	99	15.06	15.28
कृषि	19	36	61	48	43	14	13	4	238	15.3	16.46
कुछ	1	4	2	9	5	2	0	0	23	17.27	16.653

प्रस्तुत सारिणी मे पुरूष प्र तिवादियों की पत्नियों की वैवाहिक आयु के अनुसार विवरण को प्रस्तुत किया गया है जिनमें उनकी पत्नियो के पिता के व्यवसाय के अनुसार विभक्त किया गया था ।

सम्प्रति न्यादर्श मे कुल 1146 पुरूष प्र तिवादियो मे 65 पेशेवर, 253 नौकरी, 344 वाणिज्य, 124 कुशल कामगार 99 अकुशल कामगार, 238 कृषि तथा 23 दुग्ध का व्यवसाय करने वाले समूह मे पाये गये थे । इस सारिणी मे उपर्युक्त व्यक्तियों के पत्नियों की वैवाहिक आयु का भूयिष्ठक व समान्तर माध्य पृथक पृथक प्रस्तुत किया गया है । पेशेवर, नौकरी,वाणिज्य,कुशल कामगार,अकुशल कामगार, कृषि तथा दुग्ध क्रमशः जिन पुरूषो के पत्नियों के पिता करते थे उन पुरूषों के पत्नियो की वैवाहिक आयु का भूयिष्ठक क्रमशः 15.26 वर्ष, 18.25 वर्ष, 17.8 वर्ष, 17.18 वर्ष, 15.06 वर्ष, 15.3 वर्ष तथा 17.27 वर्ष है एवं समान्तर माध्य क्रमशः 17.? वर्ष,16.28 वर्ष, 17.05 वर्ष 17.19 वर्ष, 16.28 वर्ष, 16.46 वर्ष तथा 16.65 वर्ष है ।

ऐसे पुरूषों की पत्नियों की वैवाहिक आयु का समान्तर माध्य सबसे कम है जिनकी पत्नियों के पिता कुशल कामगार थे और ऐसे पुरूषों की पत्नियोंकी वैवाहिक आयु का समान्तर माध्य सबसे अधिक है जिनकी पत्नियो के पिता पेशेवर व्यवसाय के थे । यह स्मरणीय है कि जिन पुरूषो की पत्नियो के पिता क्रमशः पेशेवर कुशल कामगार, वाणिज्य,दुग्ध का व्यापार,कृषि नौकरी तथा अकुशल कामगार व्यवसाय के थे उन पुरूषो की पत्नियो की

वैवाहिक आयु का समान्तर माध्य क्रमशः घटता गया है । यह भी ध्यान देने योग्य है कि ऐसे पुरुषों की पत्नियों की वैवाहिक आयु का भूयिष्ठक सबसे कम है जिनकी पत्नियों के पिता अकुशल कामगार थे । लेकिन ऐसे पुरुषों की पत्नियों की वैवाहिक आयु का भूयिष्ठक सबसे अधिक है जिनकी पत्नियों के पिता क्रमशः नौकरी वाणिज्य, हुण्ट का व्यापार, कुशल कामगार, कृषि, पेशेवर तथा अकुशल कामगार व्यवसाय के थे उन पुरुषों के पत्नियों की वैवाहिक आयु का भूयिष्ठक क्रमशः घटता गया है ।

इस सारिणी से यह स्पष्ट है कि ऐसे पुरुषों की पत्नियों की वैवाहिक आयु सबसे कम है जिनकी पत्नियों के पिता अकुशल कामगार थे । तथा ऐसे पुरुषों की पत्नियों की वैवाहिक आयु सबसे अधिक है जिनकी पत्नियों के पिता पेशेवर व्यवसाय के थे जिन पुरुषों की पत्नियों के पिता क्रमशः पेशेवर, कुशल, कामगार, वाणिज्य, हुण्ट का व्यापार, कृषि नौकरी तथा अकुशल कामगार व्यवसाय के थे उन पुरुषों की पत्नियों की वैवाहिक आयु क्रमशः घटती गयी है ।

उन पुरुष प्रतिवादियों एवं उनकी पत्नियों की वैवाहिक आयु के मध्य पृथक पृथक ~~वैवाहिक आयु के~~ सह-सम्बन्ध गुणांक, जिनको उनकी पत्नियों के पिता के पृथक पृथक व्यवसाय के अनुसार विभाजित किया गया था।

व्यवसाय	पुरुष प्रतिवादियों एवं उनकी पत्नियों की वैवाहिक आयु का सह-सम्बन्ध गुणांक
पेशेवर	+ 0.697
नौकरी	+ 0.6516
वाणिज्य	+ 0.605
कुशल कामगार	+ 0.618
अकुशल कामगार	+ 0.742
कृषि	+ 0.56
कुल का व्यवसाय	+ 0.813

प्रस्तुत सारिणी में पेशेवर नौकरी वाणिज्य, कुशल कामगार अकुशल कामगार, कृषि तथा कुल का व्यवसाय जिनके पिता करते थे उन पुरुषों एवं उनकी पत्नियों की वैवाहिक आयु के मध्य सह-सम्बन्ध गुणांक क्रमशः

+ 0.697 , + 0.6516, + 0.605, + 0.618 + 0.742 , + 0.56 तथा + 0.813 है ।

इसमें सबसे अधिक वैवाहिक सह-सम्बन्ध गुणांक दुकान का व्यवसाय जिनके पिता करते थे उनके और उनकी पत्नियों की वैवाहिक आयु के मध्य है जब कि सब से कम वैवाहिक सह-सम्बन्ध गुणांक कृषि जिनके पिता का व्यवसाय था उन पुरुषों एवं उनकी पत्नियों की वैवाहिक आयु के मध्य है । जिनके पिता दुकान का व्यवसाय, अकुशल कामगार, पेशेवर नौकरी, कुशल कामगार , वाणिज्य कृषि व्यवसाय करते थे पृथक पृथक उन पुरुषों एवं उनकी पत्नियों की वैवाहिक आयु का सह- सम्बन्ध गुणांक क्रमश: घटते क्रम में है ।

मासिक आय

प्रस्तुत शीर्षक के अन्तर्गत यह ज्ञात करने का प्रयास किया गया है कि आय-स्तर से वैवाहिक आयु किस प्रकार प्रभावित होती है ।

इसके लिए सर्व प्रथम न्यादर्श के 1146 पुरुषों को 100 रु0 से कम, 100 रुपयों से 300 रुपया, 300 रुपया से 500 रुपया, 500 रुपया से 700 रुपया, 700 रुपया से 1000 रु0 तथा 1000 रु0 से अधिक, मासिक आय, वाले ग्रुप के आधार पर विभाजित कर दिया । इन पृथक पृथक मासिक आय वाले ग्रुप में पाये जाने वाले पुरुषों की वैवाहिक आयु का अलग अलग अध्ययन करने का प्रयास किया गया है तत्पश्चात् उपर्युक्त भिन्न भिन्न आय वाले पुरुषों की वैवाहिक आयु का तुलनात्मक अध्ययन करने का प्रयास किया गया है ।

सारिणी - 155

पुरुष प्रतिवादियों का वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण जिनकी मासिक आय 100 रु0 से कम थी।

पुरुषों की विवाह आयु (वर्षों में)	पुरुषों की संख्या	प्रतिशत
12 से कम	1	2.94
12-14	0	0
14-16	1	2.94
16-18	3	8.83
18-20	10	29.41
20-22	10	29.41
22-24	4	11.77
24-26	4	11.77
26-28	0	0
28-30	1	2.94
30 व अधिक	0	0
योग	34	100

यह सारिणी पुरुष प्रतिवादी के मासिक-आय के अनुसार है जिसमें 100 रुपया मासिक आय वाले व्यक्तियों को लिया गया है ।

प्रस्तुत न्यादर्श में 34 पुरुष प्रतिवादियों की मासिक आय 100 रुपया से कम थी ।

उपर्युक्त पुरुष प्रतिवादियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण इस प्रकार मिला है कि 34(100 प्रतिशत) में से 1(2.94 प्रतिशत) , 0(शून्य प्रतिशत), 1(2.94 प्रतिशत), 3(8.83 प्रतिशत), 10(29.41 प्रतिशत), 10(29.41 प्रतिशत), 4(11.77 प्रतिशत), 4(11.77 प्रतिशत), 0(शून्य प्रतिशत), तथा 1(2.94 प्रतिशत) पुरुषों का विवाह क्रमशः 12 से कम 12-14 , 14-16 , 16- 18 , 18- 20 , 20- 22, 22-24 , 24-26 , 26- 28, तथा 28 - 30 वर्ष की आयु वाले ग्रुप में हुआ था ।

इस वर्ग के न्यादर्श में पुरुषों में सबसे छोटा समूह उन पुरुषों का है जिनकी वैवाहिक आयु 12 से कम या 14-16 या 28-30 वर्ष की आयु वाले ग्रुप में हुआ है । इनका अनुपात

2.94 प्रतिशत है । इसमें सबसे बड़ा समूह उन पुरुषों का है जिनकी विवाह 18-20 या 20-22 वर्ष की आयु वाले ग्रुप में हुआ है । इनका अनुपात 29.41 प्रतिशत है । यह स्मरणीय है कि 20-22 वर्ष की विवाह आयु वाले ग्रुप से कम आयु वाले ग्रुपों में विवाह करने वाले पुरुषों का अनुपात, उससे अधिक आयु वाले ग्रुपों में विवाह करने वालों के अनुपात से अधिक है । इनका अनुपात क्रमशः 44.12 प्रतिशत तथा 26.48 प्रतिशत है ।

इस सारिणी से स्पष्ट है कि जिनकी मासिक आय 100 रुपया से कम थी ऐसे पुरुष प्रतिवादियों में 73.52 प्रतिशत पुरुषों का विवाह 22 वर्ष से कम की आयु में तथा 26.48 प्रतिशत पुरुषों का विवाह 22 व अधिक आयु मे हुआ है । इन पुरुषों की वैवाहिक आयु का मध्यमान 21.42 वर्ष है ।

सारिणी - 156

पुरुष प्रतिवादियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण, जिनकी मासिक आय 100रु0 से 300 रु0 के मध्य थी ।

पुरुषों की विवाह आयु (वर्षों में)	पुरुषों की संख्या	प्रतिशत
12 से कम	3	0.55
12-14	1	0.18
14-16	23	4.17
16-18	57	10.35
18-20	129	23.41
20-22	165	29.94
22-24	96	17.42
24-26	45	8.16
26-28	12	2.18
28-30	10	1.82
30 व अधिक	10	1.82
योग	551	100

यह श्रेणी पुरुष प्रतिवादी के मासिक आय के अनुसार है जिसमें मात्र 100 रुपये से 300 रुपये के मध्य मासिक आय वाले व्यक्तियों को लिया गया है ।

उपरोक्त न्यायदर्श में ऐसे पुरुषों की संख्या 551 थी।

उपर्युक्त पुरुष प्रतिवादियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण इस प्रकार मिला है कि 551(100प्रतिशत) में से 3(0.55प्रतिशत), 1(0.18प्रतिशत), 23(4.17प्रतिशत), 57(10.35 प्रतिशत), 129(23.41प्रतिशत), 165(29.94प्रतिशत), 96(17.42 प्रतिशत), 45(8.16प्रतिशत), 12(2.18प्रतिशत), 10(1.82प्रतिशत), तथा 10 (1.82 प्रतिशत) पुरुषों का विवाह क्रमशः 12 से कम , 12-14 14-16, 16-18, 18-20, 20-22, 22-24, 24-26- 26-28, 28-30 तथा 30 व अधिक आयु वाले ग्रुप में हुआ था ।

इस वर्ग के न्यायदर्श के पुरुषों में सबसे छोटा समूह उन पुरुषों का है जिनका विवाह 12-14 वर्ष की आयु वाले ग्रुप में हुआ है । इनका अनुपात 0.18 प्रतिशत है । इनमें सबसे बड़ा समूह उन पुरुषों का है जिनका विवाह 20-22 वर्ष की आयु वाले ग्रुप में हुआ है । इनका अनुपात 29.94 प्रतिशत है । यह स्मरणीय है कि इस ग्रुप से कम आयु वाले ग्रुपों में विवाह करने वाले पुरुषों का अनुपात , इससे अधिक आयु वाले ग्रुपों में विवाह करने वालों के अनुपात से अधिक है ।

इनका अनुपात क्रमशः 38.66 प्रतिशत तथा 31.40 प्रतिशत है ।

इस सारिणी से यह स्पष्ट है कि जिनकी मासिक आय 100 रु० से 300 रु० के अन्दर थी उन पुरुष प्रतिवादियों में से 68.60 प्रतिशत पुरुषों का विवाह 22 वर्ष से कम की आयु में तथा 31.40 प्रतिशत पुरुषों का विवाह 22 व अधिक आयु में हुआ है । इन पुरुषों की वैवाहिक आयु का मध्यिका 20.68 वर्ष है ।

सारिणी - 157

पुरुष प्रतिवादियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण जिनकी मासिक आय 300 रु० से 500रु० के मध्य थी ।

पुरुषों की विवाह आयु (वर्षों में)	पुरुषों की संख्या	प्रतिशत
12 से कम	0	0
12-14	2	0.62
14-16	4	1.24
16-18	10	3.10
18-20	42	13.00
20-22	88	27.24
22-24	78	24.15
24-26	66	20.43
26-28	17	5.26
28-30	8	2.48
30 व अधिक	8	2.48
योग	323	100

यह सारिणी पुरुष प्रतिवादी के मासिक आय के अनुसार है जिसमें मात्र 300 रुपया से 500 रुपये के मध्य की मासिक आय वाले व्यक्तियों को लिया गया है ।

प्रस्तुत न्यादर्श में इन पुरुषों की संख्या 323 थी ।

उपर्युक्त पुरुष प्रतिवादियों का उनकी वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण इस प्रकार है कि 323 (100 प्रतिशत) में से 2(0.62 प्रतिशत), 4(1.24प्रतिशत) 10(3.10प्रतिशत) , 42(13.00 प्रतिशत), 88(27.24प्रतिशत) , 78(24.15प्रतिशत), 66(20.43 प्रतिशत), 17(5.26प्रतिशत), 8(2.48प्रतिशत) तथा 8 (2.48 प्रतिशत) पुरुषों का विवाह क्रमशः 12-14, 14-16, 16-18, 18-20, 20-22, 24-26, 26-28 28-30, तथा 30 व अधिक आयु वाले ग्रुप में हुआ था ।

इस वर्ग के न्यादर्श के पुरुषों में सबसे छोटा समूह उन पुरुषों का है जिनका विवाह 12-14 वर्ष की आयु वाले ग्रुप में हुआ है । इनका अनुपात 0.62 प्रतिशत है । इनमें सबसे बड़ा समूह उन पुरुषों का है जिनका विवाह 20-22 वर्ष की आयु वाले ग्रुप में हुआ है । इनका अनुपात 27.24 प्रतिशत है । यह स्मरणीय है कि इस ग्रुप से कम आयु वाले ग्रुपों में विवाह करने वाले

पुरुषों का अनुपात, इससे अधिक आयु वाले पुरुषों में विवाह करने वालों के अनुपात से कम है। इनका अनुपात क्रमशः 17.96 प्रतिशत तथा 54.80 प्रतिशत है।

इस सारिणी से यह स्पष्ट है कि जिनकी मासिक आय 300 रु० से 500 रु० के मध्य थी ऐसे पुरुषों प्रतिवादियों में से 17.96 प्रतिशत पुरुषों का विवाह 22 वर्ष से कम की आयु में तथा 82.04 प्रतिशत पुरुषों का विवाह 22 व अधिक की आयु में हुआ है। इन पुरुषों की वैवाहिक - आयु का भूयिष्ठक 21.64 वर्ष है।

सारिणी - 158

पुरुष प्रतिवादियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण जिनकी मासिक आय 500रु0 से 700रु0 के मध्य थी।

पुरुषों की विवाह आयु (वर्षों में)	पुरुषों की संख्या	प्रतिशत
12 से कम	0	0
12-14	0	0
14-16	2	1.64
16-18	7	5.74
18-20	15	12.30
20-22	21	17.21
22-24	22	18.03
24-26	30	24.59
26-28	13	10.65
28-30	6	4.92
30 व अधिक	6	4.92
योग	122	100

यह सारणी पुरुष प्रतिवादी के मासिक आय के अनुसार है जिसमें मात्र 500 से 700 रु० के मध्य की मासिक आय वाले व्यक्तियों को लिया गया है ।

प्रस्तुत न्यादर्श में इन पुरुषों को संख्या 122 थी ।

उपर्युक्त पुरुष प्रतिवादियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण इस प्रकार मिला है कि 122(100 प्रतिशत) में से 2(1·64 प्रतिशत), 7(5·74 प्रतिशत), 15(12·30 प्रतिशत), 21(17·21 प्रतिशत), 22(18·03 प्रतिशत), 30(24·59प्रतिशत), 13(10·65 प्रतिशत), 6(4·92 प्रतिशत), तथा 6(4·92प्रतिशत) पुरुषों का विवाह क्रमशः 14-16, 16-18, 18-20, 20-22, 22-24, 24-26, 26-28, 28-30 तथा 30 व अधिक आयु वाले ग्रुप में हुआ था । 12 से कम तथा 12-14 वर्ष की आयु वाले ग्रुप में एक भी पुरुष का विवाह नहीं हुआ था ।

इस वर्ग के न्यादर्श के पुरुषों में से सबसे छोटा समूह उन पुरुषों का है जिनका विवाह 14-16 वर्ष की आयु वाले ग्रुप में हुआ है । इनका अनुपात 1·64 प्रतिशत है । इनमें सबसे बड़ा समूह इन पुरुषों का है जिनका विवाह 24-26 वर्ष की आयु वाले ग्रुप में

हुआ है । इनका अनुपात 24.59 प्रतिशत है । यह स्मरणीय है कि इस ग्रुप से कम आयु वाले ग्रुपों में विवाह करने वाले पुरुषों का अनुपात, इससे अधिक आयु वर्ग को आयु में वाले ग्रुपों में विवाह करने वालों के अनुपात से अधिक है । इनका अनुपात क्रमशः 54.92 प्रतिशत तथा 20.49 प्रतिशत है ।

इस सारिणी से यह स्पष्ट है कि जिनकी मासिक आय 500 रुपये से 700 रुपये के अन्दर थी उन पुरुषों में 36.89 प्रतिशत पुरुषों का विवाह 22 वर्ष से कम की आयु में तथा 63.11 प्रतिशत पुरुषों का विवाह 22 व अधिक आयु में हुआ है । इन पुरुषों की वैवाहिक आयु का भूयिष्ठक 24.64 वर्ष है ।

सारिणी - 159

पुरुष प्रतिवादियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण, जिनकी मासिक आय 700 रु० से 1000 रु० के मध्य थी।

पुरुषों की विवाह आयु (वर्षों में)	पुरुषों की संख्या	प्रतिशत
12 से कम	0	0
12-14	0	0
14-16	3	6.67
16-18	4	8.89
18-20	3	6.67
20-22	6	13.33
22-24	8	17.78
24-26	10	22.22
26-28	7	15.25
28-30	4	8.89
30 व अधिक	0	0
योग	45	100

यह सारिणी पुरुष प्रतिवादी के मासिक आय के अनुसार है जिसमें मात्र 700 रु० से 1000 रु० के मध्य की मासिक आय वाले व्यक्तियों को लिया गया है ।

सम्प्रति न्यादर्श में इन पुरुषों की संख्या 45 थी ।

उपर्युक्त पुरुष प्रतिवादियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण इस प्रकार मिला है कि 45(100 प्रतिशत) में से 3(6.67 प्रतिशत), 4(8.89 प्रतिशत), 3(6.67 प्रतिशत), 6(13.33 प्रतिशत), 8(17.78 प्रतिशत), 10)22.22 प्रतिशत) 7(15.55 प्रतिशत) तथा 4(8.89 प्रतिशत) पुरुषों का विवाह क्रमशः 14-16, 16-18-18-20, 20-22, 22-24, 24-26, 26-28 तथा 28-30 वर्ष की आयु वाले ग्रुप में हुआ था । इनमें ऐसा कोई भी पुरुष प्रतिवादी नहीं था जिसका विवाह 12 से कम, 12-14 तथा 30 से अधिक आयु वाले ग्रुप में हुआ था ।

इस वर्ग के न्यादर्श के पुरुषों में सबसे छोटा समूह उन पुरुषों का है जिनका विवाह 14-16 या 18-20 वर्ष की आयु वाले ग्रुप में हुआ है । इनका अनुपात 6.67 प्रतिशत है । इनमें सबसे बड़ा समूह उन पुरुषों का है जिनका विवाह 24-26 वर्ष की आयु वाले ग्रुप में हुआ है । इनका अनुपात 22.22 प्रतिशत है ।

यह स्मरणीय है कि इस ग्रुप से कम आयु वाले ग्रुपों में विवाह करने वाले पुरुषों का अनुपात इससे अधिक आयु वाले ग्रुपों में विवाह करने वालों के अनुपात से अधिक है । इनका अनुपात क्रमशः 53.34 प्रतिशत और 24.44 प्रतिशत है ।

इस सारिणी से यह स्पष्ट है कि जिनकी मासिक आय 700 रु० से 1000 रु० के मध्य थी ऐसे पुरुष प्रतिवादियों में 35.56 प्रतिशत पुरुषों का विवाह 22 वर्ष से कम की आयु में तथा 64.44 प्रतिशत पुरुषों का विवाह 22 व अधिक आयु में हुआ है । इन पुरुषों की वैवाहिक आयु का पूर्वाङ्क 24.80 वर्ष है ।

सारिणी - 16c

पुरुष प्रतिवादियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण, जिनकी मासिक आय 100 रु० से अधिक थी।

पुरुषों की विवाह आयु (वर्षों में)	पुरुषों की संख्या	प्रतिशत
12 से कम	0	0
12-14	0	0
14-16	0	0
16-18	1	2.50
18-20	1	2.50
20-22	4	10.00
22-24	7	17.50
24-26	12	30.00
26-28	6	15.00
28-30	4	10.00
30 व अधिक	5	12.50
योग	40	100

यह सारिणी पुरूष प्रतिवादियों के मासिक आय के अनुसार है जिसमें मात्र 1000 रूपये से अधिक की मासिक आय वाले व्यक्ति हैं।

सम्प्रति न्यादर्श में इन पुरूषों की संख्या 40 थी।

उपर्युक्त पुरूष प्रतिवादियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण इस प्रकार मिला है कि 40 (100 प्रतिशत) में से 1 (2.50 प्रतिशत) 1 (2.50 प्रतिशत) 4 (~~1~~0.00 10.00 प्रतिशत) 7 (17.50 प्रतिशत), 12 (30.00 प्रतिशत), 6 (15.00 प्रतिशत) 4 (10.00 प्रतिशत) तथा 5 (12.50 प्रतिशत) पुरूषों का विवाह क्रमशः 16-18, 18-20, 20-22, 22-24, 24-26, 26-28, 28-30, तथा 30 वर्ष अधिक की आयु वाले ग्रुप में हुआ था। इनमें ऐसा कोई भी पुरूष प्रतिवादी नहीं था जिसका विवाह 12 से कम 12-14, तथा 14-16 वर्षों की आयु वाले ग्रुप में हुआ था।

इस वर्ग के न्यादर्श के पुरूषों में सबसे छोटा समूह उन पुरूषों का है जिनका विवाह 16-18 या 18-20 वर्षों की आयु वाले ग्रुप में हुआ है। इनका अनुपात 2.50 प्रतिशत है। इनमें सबसे बड़ा समूह उन पुरूषों का है जिनका विवाह 24-26 वर्षों की आयु वाले ग्रुप में हुआ है। इनका अनुपात 30.00 प्रतिशत है। यह

स्मरणीय है कि इस ग्रुप से कम आयु वाले ग्रुपों में विवाह करने वाले पुरूषों का अनुपात , इससे अधिक आयु वाले ग्रुपों में विवाह करने वालों के अनुपात से कम है । इनका अनुपात क्रमश: 32.50 प्रतिशत तथा 37.50 प्रतिशत है ।

इस सारिणी से यह स्पष्ट है कि जिनकी मासिक आय 1000 रूपये से अधिक थी इन पुरूषों में 15.00 प्रतिशत पुरूषों का विवाह 22 वर्ष से कम तथा 85.00 प्रतिशत पुरूषों का विवाह 22 व इससे अधिक वर्ष की आयु में हुआ है । इन पुरूषों की वैवाहिक आयु का भूयिष्ठक 24.91 वर्ष है ।

सारिणी - 161

पुरुष प्रतिवादियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण तथा उनकी वैवाहिक आयु का पृथिष्ठक जिनकी उनकी मासिक आय के अनुसार विभक्त किया गया था ।

विवाह की आयु (वर्षों में) / मासिक आय (रुपयों में)	12 से कम	12-14	14-16	16-18	18-20	20-22	22-24	24-26	26-28	28-30	30 व अधिक	योग	विवाह आयु का पृथिष्ठक
100 से कम	1	0	1	3	10	10	4	4	0	1	0	34	21.42
100-300	3	1	23	57	129	165	96	45	12	10	10	551	20.68
300-500	0	2	4	10	42	88	78	66	17	8	8	323	21.64
500-700	0	0	2	7	15	21	22	30	13	6	6	122	24.64
700-1000	0	0	3	4	3	6	8	10	7	4	0	45	24.80
1000 व अधिक	0	0	0	1	1	4	7	12	6	4	5	40	24.91
योग	4	3	33	82	200	294	215	167	55	33	29	1115	

यह सारिणी पुरूष प्रतिवादी के मासिक आय के अनुसार है जब 1115 पुरूष प्रतिवादियों को क्रमशः 100 रू से कम, 100-300, 300-500, 500-700, 700-1000, तथा 1000 व इससे अधिक रूपये मासिक आय वाले ग्रुप में विभक्त किया गया है। शेष 31 पुरूष प्रतिवादियों की मासिक आय शून्य थी क्योंकि इनमें से 5 पुरूष तो बेरोजगार थे तथा 26 पुरूष अध्ययन कर रहे थे। अतः इस सारिणी में केवल 1115 पुरूष प्रतिवादी जो मासिक आय प्राप्त कर रहे थे उनकी वैवाहिक आयु के वितरण तथा उनकी वैवाहिक आयु के माध्यिका को दर्शाया गया है।

सम्प्रति न्यादर्श में उपलब्ध 1115 पुरूष प्रतिवादियों में 34 पुरूष 100 रू से कम 551 पुरूष 100-300 रूपये, 323 पुरूष 300-500 रूपये, 122 पुरूष 500-700 रूपये, 45 पुरूष 700-1000 रूपये तथा 40 पुरूष 1000 व इससे अधिक रूपये मासिक आय वाले ग्रुप में थे।

उपर्युक्त 100 रू से कम 100-300, 300-500, 500-700, 700-1000 तथा 1000 व इससे अधिक रूपये मासिक आय वाले ग्रुपों में आने वाले पुरूषों की वैवाहिक आयु का माध्यिका क्रमशः 21.42 वर्ष, 20.68 वर्ष है, 21.64 वर्ष

24.64 वर्ष ,24.80 वर्ष तथा 24.91 वर्ष है ।

उपर्युक्त मासिक आय के अनुसार विभक्त पुरुष प्रतिवादियों में उन व्यक्तियों की वैवाहिक आयु का भूयिष्ठक सबसे कम है जिनकी मासिक आय 100-300 रुपये के मध्य है । इनमें उन व्यक्तियों की वैवाहिक आयु का भूयिष्ठक सबसे अधिक है जिनकी मासिक आय 1000 व अधिक रुपये है । यह स्मरणीय है कि 300-500 रुपये मासिक आय वाले ग्रुप में उपलब्ध व्यक्तियों की वैवाहिक आयु का भूयिष्ठक 21.64 वर्ष है , जबकि 500-700 रुपये मासिक आय वाले ग्रुप में उपलब्ध व्यक्तियों की वैवाहिक आयु का भूयिष्ठक 24.64 वर्ष है । 100 से कम ,100-300, 300-500, 500-700, 700-1000 तथा 1000 व अधिक रुपये वाले मासिक आय वाले ग्रुप में उपलब्ध पुरुषों की वैवाहिक आयु का भूयिष्ठक क्रमशः बढ़ता गया है ।

इस सारिणी से यह स्पष्ट है कि 100-300 रुपये मासिक आय पाने वाले पुरुषों की वैवाहिक आयु सबसे कम है तथा 1000 व अधिक रुपये मासिक आय पाने वाले पुरुषों की वैवाहिक आयु सबसे अधिक है । इनकी वैवाहिक आयु का भूयिष्ठक क्रमशः20.68वर्ष तथा 24.91 वर्ष है । सारिणी से यह स्पष्ट है कि मासिक आय बढ़ने के साथ साथ पुरुषों की वैवाहिक आयु बढ़ती है ।

सारिणी - 162

विभिन्न अवधि के अन्तर्गत पुरुषों की वैवाहिक आयु का दस वर्षीय समान्तर माध्य ।

अवधि	पुरुषों की विवाह-आयु का स्थानान्तरण माध्य (वर्षों में)
1930 - 40	20.54
1940 - 50	21.28
1950 - 60	21.63
1960 - 70	22.44

प्रस्तुत सारिणी यह दर्शाता है कि न्यादर्श में उपलब्ध सन् 1930 -40 के बीच जितने पुरुष प्रतिवादियों का विवाह हुआ था उन सभी पुरुषों के वैवाहिक आयु का समान्तर माध्य 20.54 वर्ष है, सन् 1940-50 के बीच जितने पुरुष प्रतिवादियों का विवाह हुआ था उन सभी पुरुषों के वैवाहिक आयु का समान्तर माध्य 21.28 वर्ष है ।

1950-60 के बीच जितने पुरुष प्रतिवादियों का विवाह हुआ था उन सभी पुरुषों के वैवाहिक आयु का समान्तर माध्य 21.63 वर्ष है तथा सन् 1960-70 के बीच जितने पुरुष प्रतिवादियों का विवाह हुआ था उन सभी पुरुषों के वैवाहिक आयु का समान्तर माध्य 22.44 वर्ष है ।

इस सारिणी से यह स्पष्ट है कि सन् 1930-40 के बीच जिन पुरुषों का विवाह हुआ था उनकी वैवाहिक आयु का समान्तर माध्य सबसे कम है तथा सबसे अधिक सन् 1960-70 के मध्य जिन पुरुषों का विवाह हुआ था उनकी वैवाहिक आयु का समान्तर माध्य है । यह स्मरणीय है कि जिन पुरुषों का विवाह सन् 1930-40, 1940-50, 1950-60, 1960-70 की अवधि वाले ग्रुप में हुआ था उनकी वैवाहिक आयु का समान्तर माध्य क्रमशः बढ़ता गया है ।

यह स्मरणीय है कि 1950-60 से 1960-70 के बीच वैवाहिक आयु के समान्तर माध्य के बढ़ने की गति सबसे अधिक है । जिससे यह विदित है कि विवाह की आयु 1960-70 के बीच तीव्र गति से बढ़ी है । यह स्पष्ट है कि इस वर्षीय अवधि के बढ़ने के साथ साथ पुरुषों की वैवाहिक आयु बढ़ रही है ।

सारिणी- 163

विभिन्न अवधि के अन्तर्गत पुरुषों की वैवाहिक आयु का पंचवर्षीय समान्तर माध्य ।

अंकित अवधि	पुरुषों की विवाह-आयु का समान्तर माध्य (वर्षों में)
1930 -35	20.07
1935 -40	20.80
1940 -45	21.33
1945 -50	21.25
1950 -55	21.59
1955 -60	21.75
1960 -65	22.25
1965 -70	22.66
1970 -75	22.77

उक्त सारिणी में विभिन्न अवधि के अन्तर्गत जितने पुरुष प्रतिवादियों का विवाह हुआ था उन सभी पुरुषों की वैवाहिक आयु का समान्तर माध्य पृथक पृथक दर्शाया गया है।

न्यादर्श में उपलब्ध 1146 पुरुष प्रतिवादियों में 1930-35 के बीच जितने पुरुष का विवाह हुआ था उनकी वैवाहिक आयु का समान्तर माध्य 20.07 वर्ष है। सन् 1935-40 के मध्य जिनका विवाह हुआ था उनकी वैवाहिक आयु का समान्तर माध्य 20.80 वर्ष है, सन् 1940-45 के मध्य जिनका विवाह हुआ था उनकी वैवाहिक आयु का समान्तर माध्य 21.33 वर्ष है, सन् 1945-50 के मध्य जिनका विवाह हुआ था उनकी वैवाहिक आयु का समान्तर माध्य 21.25 वर्ष है, सन् 1950-55 के मध्य जिनका विवाह हुआ था उनकी वैवाहिक आयु का समान्तर माध्य 21.59 वर्ष है, सन 1955-60 के मध्य जिनका विवाह हुआ था उनकी वैवाहिक आयु का समान्तर माध्य 21.75 वर्ष है सन् 1960-65 के मध्य जिनका विवाह हुआथा उनकी वैवाहिक आयु का समान्तर माध्य 22.25 वर्ष है, 1965-70 के मध्य जिन का विवाह हुआ था उनकी वैवाहिक आयु का समान्तर माध्य 22.66 वर्ष है सन् 1970-75 के बीच जिनका विवाह हुआ था उनकी वैवाहिक आयु का समान्तर माध्य 22.77 वर्ष है।

इस सारिणी से यह स्पष्ट है कि सन् 1930-35 से सन् 1970-75 के मध्य पुरूषों की विवाह आयु का समान्तर माध्य 20.07 वर्ष से बढ़कर 22.77 वर्ष हो गया है। यह स्मरणीय है कि सन् 1940-50 में पुरूषों की वैवाहिक आयु का समान्तर माध्य जो 21.33 वर्ष था वह सन् 1950-55 में घटकर 21.25 वर्ष हो गया लेकिन इसके बाद बढ़ते बढ़ते सन् 1970-75 के बीच 22.77 वर्ष हो गया।

अतः यह स्पष्ट है कि पंचवर्षीय अवधि के बढ़ने के साथ साथ पुरूषों की वैवाहिक आयु बढ़ रही है।

सारिणी - 164

विभिन्न अवधि के अन्तर्गत पुरुषार्थ प्रतिवादियों के पत्नियों की वैवाहिक आयु का दस वर्षीय समान्तर माध्य ।

अवधि	पत्नियों की विवाह- आयु का समान्तर माध्य (वर्षों में)
1930 -40	14.90
1940 -50	15.83
1950 -60	15.93
19.60 -70	17.88

यह सारिणी दर्शाती है कि न्यादर्श में उपलब्ध पुरुषार्थ प्रतिवादियों में जितने पुरुषार्थ की स्त्रियों का विवाह सन् 1930-40 के मध्य हुआ था उनकी वैवाहिक आयु समान्तर माध्य 14.90 वर्ष है, जिन स्त्रियों का विवाह सन् 1940-50 के मध्य हुआ था उनकी वैवाहिक आयु का समान्तर माध्य 15.83 वर्ष है .

जिन स्त्रियों का विवाह सन् 1950-60 के मध्य हुआ था उनकी वैवाहिक आयु का समान्तर माध्य 15.93 वर्ष है तथा जिन स्त्रियों का विवाह 1960-70 के मध्य हुआ था उनकी वैवाहिक आयु का समान्तर माध्य 17.88 वर्ष है।

सारिणी से यह स्पष्ट है कि सन् 1930-40 के मध्य जिन स्त्रियों का विवाह हुआ था उनकी वैवाहिक आयु का समान्तर माध्य सबसे कम है तथा सन् 1960-70 के जिन स्त्रियों का विवाह हुआ था उनकी वैवाहिक आयु का समान्तर माध्य सबसे अधिक है। यह स्मरणीय है कि सन् 1930-40 से 1960-70 मध्य स्त्रियों की वैवाहिक आयु का समान्तर माध्य बढ़ता गया है। जिससे यह स्पष्ट है कि दस वर्षीय अवधि के बढ़ने के साथ साथ स्त्रियों की वैवाहिक आयु बढ़ रही है।

सारिणी – 165

विभिन्न अवधि के अन्तर्गत पुरुष प्रतिवादियों के पत्नियों की वैवाहिक आयु का पंचवर्षीय समान्तर माध्य

अवधि	पत्नियों की विवाह-आयु का का समान्तर माध्य (वर्षों में)
1930 -35	15
1935 -40	14.92
1940 -45	15.80
1945 -50	15.85
1950 -55	16.38
1955 -60	16.83
19.60 -65	17.48
1965 -70	18.30
1970 -75	18.98

इस सारिणी में विभिन्न अवधि के अन्तर्गत जितने पुरुष प्रतिवादियों के पत्नियों का विवाह हुआ था । उन सभी पत्नियों की वैवाहिक आयु का समान्तर माध्य पृथक पृथक दर्शाया गया है ।

न्यादर्श में उपलब्ध 1146 पुरुष प्रतिवादियों में सन 1930-35 के मध्य जितनी स्त्रियों का विवाह हुआ था उनकी वैवाहिक आयु का समान्तर माध्य 15 वर्ष है, सन 1935-40 के मध्य जितनी स्त्रियों का विवाह हुआ था उनकी वैवाहिक आयु का समान्तर माध्य 14.92 वर्ष है, सन 1940-45 के मध्य जितनी स्त्रियों का विवाह हुआ था उनकी वैवाहिक आयु का समान्तर माध्य 15.80 वर्ष है, सन 1945-50 के मध्य जितनी पत्नियों का विवाह हुआ था उनकी वैवाहिक आयु का समान्तर माध्य 15.85 वर्ष है, 1950-55 के बीच जितनी स्त्रियों का विवाह हुआ था उनकी वैवाहिक आयु का समान्तर माध्य 16.38 वर्ष है, सन 1955-60 के मध्य जितनी स्त्रियों का विवाह हुआ था उनकी वैवाहिक आयु का समान्तर माध्य 16.83 वर्ष है, सन 1960-65 के मध्य जितनी स्त्रियों का विवाह हुआ था उनकी वैवाहिक आयु का समान्तर माध्य 17.48 वर्ष है । सन 1965-70 के मध्य जितनी स्त्रियों का विवाह हुआ था उनकी वैवाहिक आयु का समान्तर माध्य 18.30 वर्ष है तथा सन 1970-75 के मध्य जितनी स्त्रियों का विवाह हुआ था उनकी वैवाहिक आयु का समान्तर माध्य 18.98 वर्ष है ।

इस सारिणी से यह स्पष्ट है कि सन 1935-40 के मध्य जिन स्त्रियों का विवाह हुआ था उनकी वैवाहिक आयु का समान्तर माध्य सबसे कम है तथा सन 1970-75 के मध्य जितनी पत्नियों का विवाह हुआ था उनकी वैवाहिक आयु का समान्तर माध्य सबसे अधिक है। यह स्मरणीय है कि सन 1930-35 के मध्य जिन स्त्रियों का विवाह हुआ था उनकी वैवाहिक आयु का समान्तर माध्य 15 वर्ष है जबकि सन 1935-40 के मध्य जिन स्त्रियों का विवाह हुआ है उनकी वैवाहिक आयु का समान्तर माध्य 14.92 वर्ष है। स्त्रियों की वैवाहिक आयु में यह कमी आंकड़ों की कमी से हो सकती है। क्योंकि यह स्पष्ट है कि जैसे जैसे अवधि बढ़ती गयी है स्त्रियों की विवाह आयु का समान्तर माध्य भी बढ़ता गया है। अतः यह स्पष्ट है कि पंचवर्षीय अवधि के बढ़ने के साथ साथ स्त्रियों की वैवाहिक आयु बढ़ रही है।

जिन्होंने सन्तानोत्पादन कार्य पूरा कर लिया है ऐसे पुरुषों के बच्चों की संख्या ।

= =

इस शीर्षक के अन्तर्गत जिन्होंने सन्तानोत्पादन कार्य पूरा कर लिया था ऐसे पुरुषों के बच्चों की संख्या पर उनकी तथा उनकी पत्नी की वैवाहिक- आयु के प्रभाव को ज्ञात करने का प्रयास किया गया है ।

इसके लिये न्यादर्श के 1146 पुरुष प्रतिवादियों में से उन 940 पुरुषों को अलग अलग कर लिया गया जिन्होंने सन्तानोत्पादन कार्य पूरा कर लिया था और इन्हीं के बच्चों की संख्या के आधार पर यह ज्ञात करने का प्रयास किया गया है कि पुरुषों एवं उनकी पत्नियों की वैवाहिक आयु का उनके बच्चों की संख्या पर प्रभाव पड़ता है या नहीं । एक बच्चे, दो बच्चे, तीन बच्चे, चार बच्चे पाँच बच्चे, छः बच्चे, सात बच्चे, आठ बच्चे या नव व अधिक बच्चे क्रमशः जिन पुरुषों के थे उनको पृथक पृथक करके तथा उनकी पत्नियों की वैवाहिक आयु का अध्ययन करने का प्रयास किया गया है साथ ही इन पृथक पृथक पुरुषों एवं उनकी पत्नियों की वैवाहिक आयु के मध्य सह-सम्बन्ध गुणांक निकालने का प्रयास किया गया है । इसके पश्चात् भिन्न भिन्न संख्या में जिनके बच्चे थे उन अलग अलग पुरुषों की वैवाहिक आयु का तुलनात्मक अध्ययन प्रस्तुत किया गया है ।

साथ ही उनकी पत्नियों की वैवाहिक आयु का तुलनात्मक अध्ययन भी प्रस्तुत किया गया है । अन्त: में भिन्न भिन्न संख्या में जिनके बच्चे थे उन

अलग अलग पुरुषों एवं उनकी पत्नियों की वैवाहिक आयु के मध्य जो भिन्न भिन्न सह- सम्बन्धता गुणांक निकाला गया है उसका तुलनात्मक अध्ययन करने का प्रयास किया गया है ।

सारिणी संख्या — 166

युवा प्रतिवादियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण, जिन्होंने सन्तानोत्पादन कार्य पूरा कर लिया तथा जिनके मात्र एक बच्चा था ।

पुरुषों की विवाह आयु वर्षों में	पुरुषों की संख्या	प्रतिशत
12 से कम	0	0
12-14	0	0
14-16	1	3.57
16.18	3	10.71
18-20	6	21.43
20-22	5	17.86
22-24	9	32.15
24-26	3	10-71
26-28	1	3. 57
28.30	0	0
30 व अधिक	0	
30	0	0
योग :	28	100

प्रस्तुत सारिणी में पुरुष प्रतिवादियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण को प्रदर्शित किया गया है जिन्होंने सन्तानोत्पादन कार्य पूरा कर लिया था तथा जिनके मात्र एक बच्चे थे ।

सम्प्रति न्यादर्श में इन पुरुष प्रतिवादियों की संख्या 28 था ।

उपर्युक्त पुरुषों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण इस प्रकार मिला है कि 28(100 प्रतिशत) में 1(3.57 प्रतिशत),3(10.71 प्रतिशत) 6(21.43 प्रतिशत),5(17.86 प्रतिशत),9(32.12 प्रतिशत),3(10.71 प्रतिशत), तथा 1(3.57 प्रतिशत) पुरुषों का विवाह क्रमशः 14-16, 16-18, 18-20 20-22, 22-24, 24-26, 26-28 वर्षों की आयु वाले ग्रुप में हुआ था एवं 12 से कम , 12-14, 28-30 तथा "30 व अधिक" वर्षों की आयु वाले ग्रुप में किसी का भी विवाह नहीं हुआ था ।

इस वर्ग के न्यादर्श के पुरुषों में से सबसे बड़ा समूह उन पुरुषों का है जिनका विवाह 22-24 वर्षों की आयु वाले ग्रुप में हुआ है इनका अनुपात 32.15 प्रतिशत है । यह स्मरणीय है कि इस ग्रुप से कम आयु वाले ग्रुपों में विवाह करने वाले पुरुषों का अनुपात, इससे अधिक आयु वाले ग्रुपों में विवाह करने वालों के अनुपात से अधिक है । इनका अनुपात क्रमशः 53.57 प्रतिशत और 14.28 प्रतिशत है । सबसे छोटा समूह उन पुरुषों का है जिनका

विवाह 14-16 या 26-28 वर्ष की आयु वाले ग्रुप में हुआ है उनका अनुपात 3.57 प्रतिशत है।

इस सारिणी से यह स्पष्ट है कि ऐसे पुरुष प्रतिवादी जिन्होंने सन्तानोत्पादन कार्य पूरा कर लिया है उन पुरुष प्रतिवादियों के पास केवल एक बच्चा था, ऐसे पुरुषों में से 53.57 प्रतिशत पुरुषों का विवाह 22 वर्ष से कम की आयु में तथा 46.43 प्रतिशत पुरुषों का विवाह 22 व अधिक आयु वर्ग में हुआ है। इन पुरुषों की वैवाहिक आयु का मध्यिका 22.8 वर्ष और समान्तर माध्य 21.22 वर्ष है।

सारिणी संख्या - 167

पुरुष प्रतिवादियों की पत्नियों की वैवाहिक आयु के अनुसार विवरण, जिन्होंने सन्तानोत्पादन कार्य पूरा कर लिया था तथा जिनके पास मात्र एक दो बच्चे थे।

पत्नियों की विवाह आयु	पुरुषों की संख्या	प्रतिशत
12 से कम	7	25
12-14	3	10.71
14-16	5	17.86
16-18	7	25
18.20	4	14.29
20.22	2	7 .14
22-24	0	0
24 व इससे अधिक	0	0
योग :	28	100

प्रस्तुत सारिणी में उन प्रतिवादियों की पत्नियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण को प्रस्तुत किया गया है जिन्होंने सन्तानोत्पादन कार्य पूरा कर लिया था तथा जिनके पास मात्र एक ही बच्चा था ।

सम्प्रति न्यादर्श में उन पुरुषों की संख्या 28 थी ।

उपर्युक्त पुरुषों की पत्नियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण इस प्रकार मिला है कि 28(100 प्रतिशत) में 7(25 प्रतिशत), 3(10.71 प्रतिशत),5(17.86 प्रतिशत)7(25 प्रतिशत),4(14.29 प्रतिशत) तथा 2(7.14 प्रतिशत) पुरुषों की स्त्रियों का विवाह क्रमशः 12 से कम 12-14, 14-16, 16-18, 18-20, 20-22 22-24, तथा 24 व अधिक आयु वाले ग्रुप में किसी भी स्त्री का विवाह नहीं हुआ था ।

इस वर्ग के न्यादर्श के पुरुषों में से सबसे बड़ा समूह उन पुरुषों का है जिनकी पत्नियों का विवाह 16-18 वर्ष की आयु वाले ग्रुप में हुआ है । इनका अनुपात 25 प्रतिशत है । इस ग्रुप से कम आयु वाले ग्रुपों में विवाह करने वाली स्त्रियों का अनुपात उससे अधिक आयु वाले ग्रुपों में विवाह करने वाली स्त्रियों के अनुपात से अधिक है । इनका अनुपात क्रमशः 53.57 प्रतिशत और 21.43 प्रतिशत है । ऐसा कोई भी पुरुष नहीं है जिनकी स्त्री वैवाहिक आयु 22 व अधिक वर्ष की है ।

इस सारिणी से यह स्पष्ट है कि जिन्होंने सन्तानोत्पादन कार्य पूरा कर लिया था तथा जिनके पास मात्र एक ही बच्चा था इन पुरुषों में से 78.57 प्रतिशत पुरुषों की पत्नियों का विवाह 18 वर्ष से कम की आयु में तथा 2.43 प्रतिशत पुरुषों की पत्नियों का विवाह 18 व अधिक में हुआ है इन पुरुषों की स्त्रियों की वैवाहिक आयु का भूयिष्ठक 16.8 वर्ष एवं समान्तर माध्य 15.28 है।

सारणी- 168

पुरुष प्रतिवादियों एवं उनकी पत्नियों का वैवाहिक आयु के अनुसार विवरण जिन्होंने सन्तानोत्पादन कार्य पूरा कर लिया तथा जिनके पास मात्र एक ही बच्चा था ।

पत्नियों की विवाह आयु / पु० की विवाह आयु	12 से कम	12-14	14-16	16-18	18-20	20-22	22-24	24-26	26-28	28-30	30 व इससे अधिक	योग
12से कम			1	3	1	2						7
12-14							3					3
14-16					3	1	1					5
16-18					2	2	3					7
18-20							2	2				4
20-22							2	1	1			2
22-24												0
24-26 व इससे अधिक												0
योग :	0	0	1	3	6	5	9	3	1	0	0	28

इस सारिणीमें इन पुरुष प्रतिवादियों तथा उनकी पत्नियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण को उपलब्ध किया गया है। जिन्होंने सन्तानोत्पादन कार्य पूरा कर लिया तथा जिनके पास मात्र एक ही बच्चा था।

सम्प्रति न्यादर्श में इन पुरुष प्रतिवादियों की संख्या 28 थी।

इस सारिणीसे उपर्युक्त पुरुषों तथा उनकी पत्नियों की वैवाहिक आयु के मध्य सह सम्बन्ध निकाला गया है। कार्ल पियर्सन की रेखीय सह-सम्बन्ध गुणांक विधि द्वारा निकाला गया तथा सह सम्बन्ध गुणांक + 0.7142 है।

इस सारिणी से यह स्पष्ट है कि ऐसे पुरुष प्रतिवादी जिन्होंने सन्तानोत्पादन कार्य पूरा कर लिया जिनके पास मात्र एक ही बच्चा था उनकी वैवाहिक आयु तथा उनकी पत्नियों की वैवाहिक आयु के मध्य मध्यम कोटि का धनात्मक सह सम्बन्ध है। अर्थात् उपर्युक्त पुरुषों की वैवाहिक आयु के बढ़ने या घटने के साथ साथ उनकी पत्नियों की वैवाहिक आयु बढ़ती है। या घटती है।

तालिका - 169

पुरुष प्रतिवादियों को वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण जिन्होंने सन्तानोत्पादन कार्य पूरा कर लिया था तथा जिनके पास मात्र दो बच्चे थे ।

पुरुषों की विवाह आयु	पुरुषों की संख्या	प्रतिशत
12 से कम	0	0
12-14	0	0
14-16	2	2.04
16.18	12	12.25
18.20	7	7.14
20-22	26	26.53
22-24	17	17.35
24-26	15	15.31
26.28	4	4.08
28.30	9	9.18
30 व इससे अधिक	6	6.12
योग :	98	100

प्रस्तुत सारिणी में पुरुष प्रतिवादियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण को दर्शाया गया है जिन्होंने सन्तानोत्पादन कार्य कर लिया था तथा जिनके पास मात्र दो ही बच्चे थे।

सम्प्रति न्यादर्श में इन पुरुष प्रतिवादियों की संख्या98 थी।

उपर्युक्त पुरुषों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण इस प्रकार मिलता है कि 98(100 प्रतिशत),2(2.04 प्रतिशत),12(12.25 प्रतिशत) 7(7.14 प्रतिशत) 26(26.53 प्रतिशत), 17(17.35 प्रतिशत),15(15.31 प्रतिशत) 4(4.08 प्रतिशत) 9(9.18 प्रतिशत) तथा 6(6.12 प्रतिशत) पुरुषों का विवाह क्रमशः 14-16, 16-18, 18-20, 20-22, 22-24 24-26, 26-28, 28-30 , 30 व 30 से अधिक आयु वाले ग्रुप में हुआ था और 12 से कम, 12-14, वर्ष की आयु वाले ग्रुप में किसी का भी विवाह नहीं हुआ था।

इस वर्ग के न्यादर्श के पुरुषों में सबसे बड़ा समूह उन पुरुषों का है जिनका विवाह 20-22 वर्ष की आयु वाले ग्रुप में हुआ है। इनका अनुपात 26.53 प्रतिशत है। यह स्मरणीय है कि इस ग्रुप से कम आयु वाले ग्रुपोंमें विवाह करने वाले पुरुषों का अनुपात इससे अधिक आयु वाले ग्रुपों में विवाह करने वाले के अनुपात से कम है इनका अनुपात क्रमशः 21.43 प्रतिशत तथा 52.04 प्रतिशत है। सबसे छोटा समूह उन पुरुषों का है जिनका विवाह 14-16 वर्ष की आयु वाले ग्रुप में हुआ है। इनका

इनका अनुपात 2.04 प्रतिशत है।

इस सारिणी से यह स्पष्ट है कि जिन्होंने सन्तानोत्पादन कार्य पूरा कर लिया था तथा जिनके पास मात्र दो ही बच्चे थे। इन पुरूषों में 21.43 प्रतिशत पुरूषों का विवाह 22 वर्ष की आयु में हुआ और 52.04 प्रतिशत पुरूषों का विवाह 22 व अधिक आयु में इन पुरूषों का वैवाहिक आयु का भूयिष्ठक 21.35 एवं समान्तर माध्य 22.90 है।

सारिणी - 170

युवक प्रतिभागियों की स्त्रियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण जिन्होंने सन्तानोत्पादन कार्यपूरा कर लिया था अथवा जिनके पास मात्र दो ही बच्चे थे।

युवक पत्नियों की विवाह आयु वर्गों में	युवकों की संख्या	प्रतिशत
12 से कम	5	5.10
12-14	13	13.27
14-16	20	20.41
16-18	18	18.37
18-20	13	13.27
20-22	9	9.18
22-24	9	9.18
24 व उससे अधिक	11	11.22
योग :	98	100

प्रस्तुत सारिणी में पुरुष प्रतिभागियों की पत्नियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण को प्रस्तुत किया है जिन्होंने सन्तानोत्पादन कार्य पूरा कर लिया था तथा जिनके पास चार या दो ही बच्चे थे।

सम्प्रति न्यादर्श में इन पुरुषों की संख्या 98 था।

उपर्युक्त पुरुषों की पत्नियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण इस प्रकार मिला है कि 98 (100 प्रतिशत) में 5(5.10 प्रतिशत)13(13.27 प्रतिशत), 20(20.41 प्रतिशत),18(18.37 प्रतिशत(13(13.27 प्रतिशत) 9(9.18 प्रतिशत) 9(9.18 प्रतिशत) तथा 11(11.22 प्रतिशत) पुरुषों की पत्नियों का विवाह क्रमशः 12 से कम, 12-14, 14-16, 16-18, 18-20, 20-22, 22-24 व अधिक आयु वाले ग्रुपों में हुआ था।

इस वर्ग के न्यादर्शों के पुरुषों में सबसे बड़ा समूह इन पुरुषों का है जिनकी पत्नियों का विवाह 14-16 वर्ष की आयु वाले ग्रुप में हुआ है। इनका अनुपात 20.41 प्रतिशत है। इस ग्रुप से कम आयु वाले ग्रुपों में विवाह करने वाली स्त्रियों का अनुपात अधिक आयु वाले ग्रुपों में विवाह करने वाली स्त्रियों के अनुपात से कम है। इनका अनुपात क्रमशः 18.37 एवं 61.22 प्रतिशत है।

इस सारिणी से यह स्पष्ट है कि जिन्होंने सन्तानोत्पादन कार्य पूरा कर लिया था तथा जिनके पास चार दो ही बच्चे थे इन पुरुषों में 38.78 प्रतिशत पुरुषों की पत्नियों का विवाह कि 16 वर्ष से कम आयु में तथा 61.22 प्रतिशत पुरुषों की स्त्रियों का विवाह 16 व 16 से अधिक आयु में हुआ है इन पुरुषों की स्त्रियों की विवाह आयु का भूयिष्ठक

15.55 तथा समान्तर माध्य 17.34 हैं।

सारिणी - 17/

ऐसे पुरुष प्रतिवादियों एवं उनकी पत्नियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण जिन्होंने सन्तानोत्पादन कार्य पूरा कर लिया था अथवा उनके पास पास दो की सन्ते थो ।

पुरुषों /पुरुषों विवाह आयु वर्गों पत्नियों की वैवाहिक आयु वर्गों में	12 से कम	12-14	14-16	16-18	18-20	20-22	22-24	24-26	26-28	28-30	30 व इससे अधिक	योग
12 से कम				1	1	3						5
12-14			2	6	3	1	1					13
14-16				5	2	9	2	2				20
16-18					1	8	8				1	18
18.20						5	5	2			1	13
20.22							1	4	3		1	9
22-24								7	1	1		9
24 व इससे अधिक										8	3	11
योग :	0	0	2	12	7	26	17	15	4	9	6	98

इस सारिणी में ऐसे पुरुष प्रतिवादियों तथा उनकी पत्नियों को वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण को दर्शाया गया है जिन्होंने सन्तानोत्पादन कार्य पूरा कर लिया था तथा जिनके मात्र मात्र दो ही बच्चे थे।

उपरोक्त न्यादर्श में इन पुरुष प्रतिवादियों की संख्या ९३ थी।

इस सारिणी को उपर्युक्त पुरुषों तथा उनकी पत्नियों की वैवाहिक आयु के मध्य सह सम्बन्ध निकाला गया है। कार्ल पियर्सन की रेखीय सह सम्बन्ध गुणांक विधि द्वारा निकाला गया यह सह सम्बन्ध गुणांक +0.8162 है।

इस सारिणी से यह स्पष्ट है कि इन पुरुष प्रतिवादियों जिन्होंने सन्तानोत्पादन कार्य पूरा कर लिया तथा जिनके मात्र मात्र दो ही बच्चे थे। उनकी वैवाहिक आयु तथा उनकी पत्नियों की वैवाहिक आयु के मध्य उच्च कोटि का धनात्मक सह सम्बन्ध है। अर्थात् उपर्युक्त पुरुषों की वैवाहिक आयु के बढ़ने या घटने के साथ उनकी पत्नियों की वैवाहिक आयु बढ़ती है या घटती है।

सारणी -172

पुरूष प्रतिवादियों को वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण जिन्होंने सन्तानोत्पादन कार्य पुरा कर लिया था अथवा जिनके मात्र तीन बच्चे थे ।

पुरूषों की विवाह आयु (वर्षों में)	पुरूषों की संख्या	प्रतिशत
12 से कम	1	0.70
12-14	0	0.
14-16	5	3.50
16-18	3	2.09
18.20	27	18.88
20-22	33	23.08
22-24	24	16.78
24-26	31	21.68
26-28	11	7.69
28.30	4	2.80
30 व उससे अधिक	4	2.80
योग :	143	100

प्रस्तुत तालिका में पुरुष प्रतिउत्तरदाताओं की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण को प्रदर्शित किया गया है जिन्होंने सन्तानोत्पादन कार्य पूरा कर लिया था तथा जिनके मात्र तीन बच्चे थे ।

सम्प्रति न्यादर्श में इन पुरुष प्रतिउत्तरदाताओं की संख्या 143 थी ।

उपर्युक्त पुरुषों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण इस प्रकार मिला है कि 143 (100 प्रतिशत) में 1(0.70 प्रतिशत), 5(3.50 प्रतिशत), 3(2.09 प्रतिशत), 27(18.88 प्रतिशत) 33(23.08 प्रतिशत) 24(16.78 प्रतिशत), 31(21.68 प्रतिशत) 11(7.69 प्रतिशत(4(2.80 प्रतिशत) तथा 4(2.80 प्रतिशत) पुरुषों का विवाह क्रमशः 12 से कम, 12-14, 14-16, 16-18, 18-20, 20-22, 22-24, 24-26, 26-28 28-30, 30 व उससे अधिक आयु वाले ग्रुपों में हुआ था । 12-14 वर्ष के ग्रुप में किसी का भी विवाह नहीं हुआ था ।

इस वर्ग के न्यादर्श के पुरुषों में सबसे बड़ा समूह उन पुरुषों का है जिनका विवाह 20 -22 आयु वाले ग्रुप में हुआ था इसका अनुपात 23.08 प्रतिशत है । यह स्मरणीय है कि इस ग्रुप से अधिक आयु वाले ग्रुपों में विवाह करने वाले पुरुषों का अनुपात इससे कम आयु वाले ग्रुपों में विवाह करने वाले के अनुपात से अधिक है । इनका अनुपात क्रमशः 51.76 प्रतिशत और 25.17 प्रतिशत है इससे छोटा समूह उन पुरुषों का है जिनका विवाह

12 से कम आयु वाले ग्रुप में हुआ है उनका अनुपात 0.70 प्रतिशत है।

इस तालिका से यह स्पष्ट है कि जिन्होंने सन्तानोत्पादन कार्य पूरा कर लिया था जिनके मात्र तीन बच्चे थे, ऐसे पुरुषों में 25.17 प्रतिशत पुरुषों का विवाह 22 वर्ष से कम की आयु में तथा 74.83 प्रतिशत पुरुषों का विवाह 22 व अधिक वर्ष की आयु में हुआ। इन पुरुषों की विवाह आयु का भूयिष्ठक 20.80 वर्ष है।

दुल्हन प्रत्याशियों की पत्नियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण जिन्होंने सन्तानोत्पादन कार्य पूरा कर लिया था तथा जिनके मात्र तीन बच्चे थे ।

दुल्हनों की पत्नियों का विवाह आयु (वर्षों में)	दुल्हनों की संख्या	प्रतिशत
12 से कम	16	11.19
12-14	18	12.59
14.16	27	18.88
16.18	26	18.18
18.20	21	14.68
20.22	19	13.29
22.24	13	9.09
24 व उससे अधिक	3	2.10
योग x	143	100

प्रस्तुत तालिका में युवक अपराधियों की पत्नियों की वैवाहिक आयु के अनुसार विवरण दिया है जिससे [illegible] युवकों की पत्नियों [illegible] [illegible] तथा [illegible] [illegible] है ।

संग्रहीत न्यादर्शों में इन युवकों की संख्या 143 था ।

उपर्युक्त युवकों की पत्नियों की वैवाहिक आयु के अनुसार विवरण इस प्रकार दिया है कि 143(100 प्रतिशत) में 16(11.19 प्रति) 18(12.59 प्रतिशत), 27(18.88 प्रतिशत), 26(18.18 प्रतिशत), 21(14.68 प्रतिशत), 19(13.29 प्रतिशत), 13(9.09 प्रतिशत) तथा 3(2.10 प्रतिशत) युवकों की पत्नियों का विवाह क्रमशः 12 से कम, 12-14, 14-16, 16-18, 18-20, 20-22, 22-24 तथा 24 व 24 से अधिक आयु पर हुआ है। इस प्रकार वर्गों के न्यादर्शों के युवकों में सबसे बड़ा समूह उन युवकों का है जिनकी पत्नियों का विवाह 14-16 वर्ष की आयु वाले हुआ है जिनका अनुपात 18.88 प्रतिशत है। कम आयु वाले युवकों में विवाह करने वाली पत्नियों का अनुपात अधिक आयु वाले युवकों में विवाह करने वाली पत्नियों के अनुपात से कम है जिनका अनुपात क्रमशः 23.78 % और 57.34 प्रतिशत है।

इस तालिका से यह स्पष्ट है कि जिन्होंने मुसलमानों पावन कार्य ग्रहण कर लिया था उनमें जिन्होंने [illegible] कुमारों में 42.88 प्रतिशत कुमारों की विवाही वैवाहिक आयु 16 वर्ष या कम से कम तथा 57.3[illegible] कुमार कुमारों की विवाही का विवाह 16 से 18 वैवाहिक आयु में हुआ है।

सब कुमारों की [illegible] की वैवाहिक आयु का माध्यमिक 17.12 वर्ष और समान्तर माध्य 16.99 वर्ष है।

—

तालिका – 174

उत्तर प्रदेश आदिवासियों एवं अनुसूचितों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण जिन्होंने स्नातकोत्तर स्तर पूरा कर लिया था तथा जिनके [illegible] [illegible] थे।

पति की आयु/पत्नी की विवाह आयु विवाह वर्षों में / आयु वर्षों में →	12 से कम	12-14	14-16	16-18	18-20	20-22	22-24	24-26	26-28	28-30	30 से अधिक	योग
12 से कम	1		3	2	5	3	1	1				16
12-14			[illegible]	[illegible]	9	2	5			1	1	18
14-16			2	1	9	10		3	1		1	27
16-18					2	15	6	1	1		1	26
18-20					2	3	8	5	2		1	21
20-22							3	10	4	2		19
22-24							1	10	1	1		13
24 व उससे अधिक								1	2			3
योग :	1	0	5	3	27	33	24	31	11	4	4	243

इस सारिणी में पुरूषों की प्रतिवादियों तथा उनकी पत्नियों का वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण को दर्शाया गया है। जिन्होंने सन्तानोत्पादन कार्य पूरा कर लिया था जिनके मात्र तीन बच्चे थे।

सम्प्रति आदर्श में इन पुरूष प्रतिवादियों की संख्या 143 है।

इस सारिणी से उपर्युक्त पुरूषों तथा उनकी पत्नियों की वैवाहिक आयु के मध्य सह सम्बन्ध निकाला गया है कार्ल पियर्सन की रेखीय सह सम्बन्ध गुणांक विधि द्वारा निकाला गया है यह सह सम्बन्ध गुणांक +0.7328 है।

इस सारिणी से यह स्पष्ट है कि जिन प्रतिवादियों जिन्होंने सन्तानोत्पादन कार्य पूरा कर लिया था तथा जिनके मात्र तीन बच्चे थे उनकी वैवाहिक आयु और उनकी पत्नियों की वैवाहिक आयु के मध्य समान्तर कोटि का सम्बन्ध है। अर्थात् उपर्युक्त पुरूषों की वैवाहिक आयु के बढ़ने के या घटने के साथ उनकी पत्नियों की वैवाहिक आयु बढ़ती या घटती है।

सारिणी-175

उत्तरप्रतिवादियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण जिन्होंने सन्तानोत्पादन कार्य पूरा कर लिया था अथवा जिनके मात्र चार बच्चे थे।

पुरुषों की विवाह आयु (वर्षों में)	पुरुषों की संख्या	प्रतिशत
12 से कम	0	0
12-14	0	0
14-16	3	1.96
16-18	8	5.23
18-20	32	20.92
20-22	41	26.80
22-24	26	16.99
24-26	29	18.95
26.28	5	3.27
28.30	6	3.92
30 व इससे अधिक	3	1.96
योग :	153	100

प्रस्तुत सारिणी में पुरुष प्रतिवादियों को वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण को प्रस्तुत किया गया है जिन्होंने सन्तानोत्पादन कार्य पूरा कर लिया था तथा जिनके चार या चार से अधिक बच्चे थे।

सम्प्रति न्यादर्श में इन पुरुषों की संख्या 153 थी।

उपर्युक्त पुरुषों का उनकी वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण इस प्रकार मिला है कि कुल 153 (100 प्रतिशत) में से 3(1.96 प्रतिशत) 8(5.23 प्रतिशत) 32(20.92 प्रतिशत), 41 (26.80 प्रतिशत) 26(16.99 प्रतिशत)29(18.95 प्रतिशत), 5(3.27 प्रतिशत), 6(3.92 प्रतिशत) तथा ~~3(1.96 प्रतिशत) पुरुषों का विवाह क्रमशः~~ 3(1.96 प्रतिशत) पुरुषों का विवाह क्रमशः 14-16, 16-18, 18-20, 20-22, 22-24 24- 26, 26-28 , 28-30, 30 व 30 से अधिक आयु वाले ग्रुप में हुआ था तथा 12 से कम, 12-14 कीआयु वाले ग्रुप में किसी का भी विवाह नहीं हुआ था।

इस वर्ग के न्यादर्श केपुरुषों में सबसे बड़ा समूह उन पुरुषों का है जिनका विवाह 20-22 वर्ष की आयु वाले ग्रुप में हुआ है। इनका अनुपात 26.80 प्रतिशत है। यह स्मरणीय है कि इस

ग्रुप से कम आयु वाले ग्रुपों में विवाह करने वाले पुरूषों का अनुपात उससे अधिक आयु वाले ग्रुपों से कम इनका अनुपात क्रमशः 28 वर्ष तथा 45.19 प्रतिशत है । सबसे छोटा समूह उन पुरूषों का है जिनके विवाह 14-16 वर्ष तथा 30 व 30 व 30 से अधिक वर्ष की आयु वाले ग्रुप में हुआ है । इनका अनुपात 1.96 प्रतिशत है ।

इस सारिणी से यह स्पष्ट है कि जिन्होंने स्नातकोत्तर अध्ययन कार्य पूरा कर लिया था अथवा जिनके मात्र चार बच्चे थे उन पुरूषों में 28.91 प्रतिशत पुरूषों का विवाह 20 वर्ष से कम की आयु में हुआ था तथा 71.09 प्रतिशत पुरूषों का विवाह 20 से अधिक आयु में हुआ है । इन पुरूषों की वैवाहिक आयु का भूयिष्ठक 20.75 वर्ष एवं समान्तर माध्य 22.06 वर्ष है ।

सारिणी-176

पुरुष प्रतिवादियों की पत्नियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण जिन्होंने सन्तानोत्पादन कार्य पूरा कर लिया था तथा जिनके पास मात्र चार बच्चे थे

पत्नियों की विवाह आयु वर्षों में	पुरुषों की संख्या	प्रतिशत
12 से कम	9	5.88
12.14	22	14.38
14.16	26	16.99
16.18	36	23.53
18.20	33	21.57
20.22	9	5.[illegible]
22-24	9	5.88
24 व उससे अधिक	9	5.88
योग :	153	99.99=100

प्रस्तुत सारिणी में पुरुष प्रतिवादियों का उनकी पत्नियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण को दर्शाया गया है जिन्होंने सन्तानोत्पादन कार्य पूरा कर लिया था तथा जिनके मात्र चार बच्चे थे ।

सम्प्रति न्यादर्श में इन पुरुषों की संख्या 153 थी ।

उपर्युक्त पुरुषों की पत्नियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण इस प्रकार मिला है कि 153 (100 प्रतिशत) में 9(5.88 प्रतिशत) 22(14.38 प्रतिशत), 26(16.99 प्रतिशत), 36(23.53 प्रतिशत), 33(21.57 प्रतिशत), 9(5.88 प्रतिशत), 9(5.88 प्रतिशत), तथा 9(5.88 प्रतिशत) पुरुषों की स्त्रियों का विवाह क्रमशः 12 से कम, 12–14 14–16, 16–18, 18–20, 20–22, 22–24 व 24 से अधिक आयु वाले ग्रुप में हुआ था ।

इस वर्ग के न्यादर्श के पुरुषों में सबसे बड़ा समूह इन पुरुषों का है जिनकी पत्नियों का विवाह 16–18 वर्ष की आयु वाले ग्रुप में हुआ है इनका अनुपात 23.53 प्रतिशत है । इस ग्रुप से कम आयु वाले ग्रुपों में विवाह करने वाली स्त्रियों का अनुपात इससे अधिक वर्ष की आयु वाले ग्रुपों में विवाह करने वाली स्त्रियों के अनुपात से कम है इनका अनुपात क्रमशः : 37.95 प्रतिशत तथा 39.21 प्रतिशत है ।

इस सारिणी से यह स्पष्ट है कि जिन्होंने सन्तानोत्पादन कार्य पूरा कर लिया था तथा जिनके मात्र चार बच्चे थे ऐसे पुरुषों में 37.95 प्रतिशत पुरुषों की स्त्रियों का विवाह 18 वर्ष से कम की आयु में हुआ और 62.05 प्रतिशत पुरुषों की स्त्रियों का विवाह 18 व अधिक वर्ष की आयु में हुआ है। इन पुरुषों की पत्नियों की वैवाहिक आयु का भूयिष्ठक 16.53 वर्ष तथा समान्तर माध्य 17.22 वर्ष है।

सारिणी - 177

पुरुष प्रतिवादियों तथा उनकी पत्नियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण जिन्होंने सन्तानोत्पादन कार्य पूरा कर लिया तथा जिनके मात्र चार बच्चे थे ।

पत्नी/पुरुषों विवाह की आयु	12	12-14	14-16	16-18	18-20	20-22	22-24	24-26	26-28	28-30	30 व अधिक	योग
12 से कम			1	3	4	1						9
12-14			2	3	10	4	2	1				22
14-16				2	10	11		2		1		26
16-18					7	14	11	2		2		36
18-20					1	11	9	11		1		33
20-22							3	5	1			9
22-24								6	3			9
24 व उससे अधिक							1	2	1	2	3	9
योग:	0	0	3	8	32	41	26	29	5	6	3	153

इस सारिणी में पुरुष प्रतिवादियों तथा उनकी पत्नियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण को प्रस्तुत किया गया है। जिन्होंने सन्तानोत्पादन कार्य पूरा कर लिया था जिनके मात्र चार बच्चे थे।

सम्पूर्ण न्यादर्श में इन पुरुष प्रतिवादियों की संख्या 153 थी।

इस सारिणी में उपर्युक्त पुरुषों तथा उनकी पत्नियों की वैवाहिक आयु के मध्य सह सम्बन्ध का निकाला गया है। कार्ल पियर्सन की रेखीय सह सम्बन्धता गुणांक विधि द्वारा निकाला गया यह सह सम्बन्धता गुणांक +0.7308 है।

इस सारिणी से यह स्पष्ट है कि इन पुरुष प्रतिवादियों जिन्होंने सन्तानोत्पादन कार्य पूरा कर लिया था तथा जिनके मात्र चार बच्चे थे। उनकी वैवाहिक आयु और उनकी पत्नियों की वैवाहिक आयु के मध्य मध्यम कोटि का धनात्मक सह सम्बन्धता है अर्थात् उपर्युक्त पुरुषों की वैवाहिक आयु के बढ़ने के साथ साथ उनकी पत्नियों की आयु बढ़ती या घटती है।

सारिणी — 178

पुरुष प्रतिवादियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण जिन्होंने सन्तानोत्पादन कार्य पूरा कर लिया था तथा जिनके सिर्फ पाँच बच्चे थे।

पुरुष की विवाह आयु	पुरुषों की संख्या	प्रतिशत
12 से कम	0	0
12-14	1	0.72
14.16	7	5.07
16.18	8	5.80
18.20	30	21.74
20.22	43	31.16
22.24	27	19.57
24.26	15	10.87
26.28	4	2.90
28.30	1	0.72
30 व उससे अधिक	2	2.45
योग	138	100.00

प्रस्तुत सारिणी में पुरुष प्रतिवादियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण को दर्शाया गया है। जिन्होंने सन्तानोत्पादन कार्य पूरा कर लिया था था जिनके मात्र पाँच बच्चे थे।

सम्प्रति न्यादर्श में इन पुरुष प्रतिवादियों की संख्या 138 थी।

उपर्युक्त पुरुषों का उनकी आयु के अनुसार वितरण इस प्रकार मिला है कि 138 (100 प्रतिशत) में से 1 (0.72 प्रतिशत), 7(5.07 प्रतिशत), 8(5.80) प्रतिशत, 30 (21.74 प्रतिशत) 42 (31.16 प्रतिशत) 27(19.57 प्रतिशत) 15 (10.87 प्रतिशत), 4 (2.90 प्रतिशत) 1 (0.72 प्रतिशत) तथा 2 (1.45 प्रतिशत) पुरुषों का विवाह क्रमशः 12-14 , 14-16, 16-18, 18,20 20-22, 22-24, 24-26, 26-28, 28-30, 30 व उससे अधिक आयु वाले ग्रुप में हुआ था तथा 12 से कम आयु वाले ग्रुप में किसी का भी विवाह नहीं हुआ था।

इस वर्ग के न्यादर्श के पुरुषों में से सबसे बड़ा समूह इन पुरुषों का है जिनका विवाह 20-22 वर्ष की आयु वाले ग्रुप में हुआ है। इनका अनुपात 31.16 प्रतिशत है। यह स्मरणीय है कि इस ग्रुप से कम आयु वाले ग्रुपों में विवाह करने वाले पुरुषों का अनुपात , इससे अधिक आयु वाले ग्रुपों में विवाह करने वालों के अनुपात से कम है। इनका अनुपात क्रमशः 33.33 प्रतिशत तथा 35.51 प्रति० सबसे छोटा समूह उन पुरुषों का है जिनका विवाह 12-14 तथा 28-30 वर्ष की आयु वाले ग्रुप में हुआ है। इनका अनुपात 0.72 प्रतिशत है।

इस सारिणी मे से यह स्पष्ट है कि जिन्होंने सन्तानोत्पादन कार्य पूरा कर लिया था तथा जिनके मात्र पाँच बच्चे थे ऐसे पुरूषों में से 33-33 प्रतिशत पुरूषों का विवाह 20 वर्ष से कम आयु में तथा 66-67 प्रतिशत पुरूषों का विवाह 20 व अधिक आयु मे हुआ है। इन पुरूषों की वैवाहिक आयु का भूयिष्ठक 20.9 वर्ष और समान्तर माध्य 21.17 वर्ष है।

सारिणी - 179

उन प्रतिवादियों की पत्नियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण जिन्होंने सन्तानोत्पादन कार्य पूरा कर लिया था तथा जिनके मात्र पाँच बच्चे थे।

पत्नियों की विवाह आयु वर्षों में	कृषकों की संख्या	प्रतिशत
12 से कम	16	11.60
12-14	25	18.12
14-16	31	22.46
16.18	35	25.36
18.20	18	13.04
20-22	11	7.97
22-24	2	1.45
24 वसे अधिक	0	0
योग	138	100

प्रस्तुत सारिणी में पुरुष प्रतिवादियों का उनकी पत्नियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण को प्रस्तुत किया गया है। जिन्होंने सन्तानोत्पादन का पूरा कर लिया था जिनके मात्र पाँच बच्चे थे।

सम्प्रति न्यादर्श में ऐसे इन पुरुषों की संख्या 138 थी।

उपर्युक्त पुरुषों की पत्नियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण इस प्रकार मिला है कि 138 (100 प्रतिशत) में से 16(11.60प्रति0) 25 (18.12 प्रतिशत), 31 (22.46 प्रतिशत), 35(25.36 प्रतिशत), 18(13.04) प्रतिशत), 11(7.97 प्रतिशत), तथा 2 (1.45 प्रतिशत), पुरुषों की पत्नियों का विवाह क्रमशः 12 से कम, 12-14 14-16 16-18 18-20 20-22 22-24 वर्ष की आयु वाले ग्रुप में हुआ था। 24 व इससे अधिक आयु वाले ग्रुप में किसी स्त्री का विवाह नहीं हुआ था।

इस वर्ग के न्यादर्श के पुरुषों में से सबसे बड़ा समूह इन पुरुषों का है जिनकी पत्नियों का विवाह 16.18 वर्ष की आयु वाले ग्रुप में हुआ है। इनका अनुपात 25.36 प्रतिशत है। इस ग्रुप से कम आयु वाले ग्रुपों में विवाह करने वाली स्त्रियों का अनुपात इससे अधिक वर्ष की आयु वाले ग्रुपों में विवाह करने वाली स्त्रियों के अनुपात से अधिक ~~करने वाली~~ है। इनका अनुपात क्रमशः 5~~2~~0.18 तथा 22.36 प्रतिशत है।

ऐसा कोई भी पुरुष नही है जिसकी पत्नी का वैवाहिक आयु 24 वर्ष व उससे अधिक की हो ।

इस सारिणी से यह स्पष्ट है कि जिन्होंने सन्तानोत्पादन कार्य पूरा कर लिया था तथा जिनके मात्र पांच बच्चे थे ऐसे पुरुषों में 52.18 प्रतिशत पुरुषों की आयु मे तथा 47.82 प्रतिशत पुरुषों की पत्नियों का विवाह 18 वर्ष व अधिक वर्षों की आयु मे हुआ है । ऐसे पुरुषों की स्त्रियों की वैवाहिक आयु का भूयिष्ठक 16.38 वर्ष तथा समान्तर माध्य 15.79 वर्ष है ।

सारिणी – 180

पुरुष प्रतिभादियों तथा उनकी पत्नियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण जिन्होंने सन्तानोत्पादन कार्य पूरा कर लिया था जिनके पास मात्र पांच बच्चे थे ।

स्त्रियों /पुरुषों की विवाह आयु वर्षों में	12 से कम	12-14	14-16	16-18	18-20	20-22	22-24	24-26	26-28	28-30	30 व उससे अधिक	योग
12 से कम		1	3	3	5	1	1		1	1		16
12-14			3	1	11	6	4					25
14-16			1	2	6	14	3	4	1			31
16-18				2	8	11	11	1			2	35
18-20						11	4	3				18
20-22							3	6	2			11
22-24							1	1				2
24 से उससे अधिक												
योग :	0	1	7	8	30	43	27	15	4	1	2	138

इस सारिणी मे ऐसे पुरूष प्रतिवादियों तथा उनकी पत्नियों का विवाहिक आयु के अनुसार वितरण को उपलब्ध किया गया है जिन्होंने सन्तानोत्पादन कार्य पूरा कर लिया था तथा जिनके मात्र पाँच बच्चे थे ।

सम्प्रति न्यादर्श मे इन पुरूष प्रतिवादियों की संख्या 138 थी ।

इस सारिणी में उपर्युक्त पुरूषों तथा उनकी पत्नियों की वैवाहिक आयु के मध्य सह-सम्बन्ध निकाला गया है । कार्ल पियर्सन को रेखीय सह सम्बन्ध गुणांक विधि के द्वारा निकाला गया सह सम्बन्ध गुणांक +0.48 है ।

इस सारिणीसे यह स्पष्ट है कि ऐसे पुरूष प्रतिवादी जिन्होंने सन्तानोत्पादन कार्य पूरा कर लिया था तथा जिनके मात्र पाँच बच्चे थे उनकी वैवाहिक आयु तथा उनकी पत्नियों की वैवाहिक आयु के मध्य मध्यम कोटि का धनात्मक सम्बन्ध है अर्थात् उपर्युक्त पुरूषों की वैवाहिक आयु के बढ़ने के या घटने के साथ साथ उनकी पत्नियों की वैवाहिक आयु बढ़ती या घटती है ।

सारिणी – १८१

पुरुष प्रतिवादियों के वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण, जिन्होंने सन्तानोत्पादन कार्य पूर्ण कर लिया था तथा जिनके मात्र छः बच्चे थे ।

पुरुषों की विवाह आयु वर्गों में	पुरुषों की संख्या	प्रतिशत
12 से कम	1	1.20
12-14	0	0
14-16	3	3.61
16-18	7	8.43
18-20	14	16.87
20-22	31	38.07
22-24	14	16.87
24-26	10	12.05
26-28	0	0
28-30	1	1.20
30 व उससे अधिक	2	2.40
योग :	83	100%

प्रस्तुत सारिणी में पुरुष प्रतिआदियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण को दर्शाया गया है जिन्होंने सन्तानोत्पादन कार्य पूरा कर लिया था तथा जिनके मात्र छः बच्चे थे ।

सम्प्रति न्यादर्श में इन पुरुष प्रतिआदियों की संख्या 83 थी ।

उपर्युक्त पुरुषों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण इस प्रकार मिला है कि 83 (100 प्रतिशत) में से 1(1.20 प्रतिशत),3 (3.61 प्रतिशत),8(8.43 प्रतिशत),14(16.87 प्रतिशत),31(38.07 प्रतिशत)14(16.87 प्रतिशत) 10(12.05 प्रतिशत), 1(1.20 प्रतिशत) तथा 2(2.40 प्रतिशत) पुरुषों का विवाह क्रमशः 12 से कम , ~~12-14,~~ 14-16, 16-18, 18-20, 20-22, 22-24, 24-26, ~~26-28,~~ 28-30 , 30 व 30 से अधिक वाले ग्रुपों में हुआ था तथा 12-14 तथा 26-28 वर्ष की आयु वाले ग्रुप में किसी का भी विवाह नहीं हुआ था।

इस वर्ग के न्यादर्श के पुरुषों में सबसे बड़ा समूह इन पुरुषों का है जिनका विवाह 20-22 वर्ष की आयु वाले ग्रुप में हुआ है ।

इनका अनुपात 38.07 प्रतिशत है । यह स्मरणीय है कि इस ग्रुप से कम आयु वाले ग्रुपों में विवाह करने वाले पुरुषों का अनुपात इससे अधिक आयु वाले ग्रुपों में विवाह करने वालों के अनुपात से कम है । इनका अनुपात क्रमशः 30.11 प्रतिशत और 32.52 प्रतिशत है । सबसे छोटा समूह उन पुरुषों का है जिनका विवाह 12 से कम या 28-30 वर्ष की आयु वाले ग्रुप में हुआ है इनका अनुपात 1.20 प्रतिशत है ।

इस सारिणी से यह स्पष्ट है कि जिन्होंने संतानोत्पादन कार्य पूरा कर लिया था तथा जिनके मात्र छः बच्चे थे उन पुरुषों में 30.11 प्रतिशत पुरुषों की विवाह आयु 20 से कम था 69.89 प्रतिशत पुरुषों का विवाह 20 वर्ष व अधिक आयु में हुआ है । इन पुरुषों की वैवाहिक आयु का मापिष्ठक 21 वर्ष है ।

सारिणी - १४२

पुरुष प्रतिवादियों की पत्नियों की आयु के अनुसार वितरण जिन्होंने सन्तानोत्पादन कार्य पूरा कर लिया था तथा जिनके मात्र छः बच्चे थे ।

पत्नियों की विवाह आयु वर्षों में	पुरुषों की संख्या	प्रतिशत
12 से कम	13	15.67
12-14	9	10.84
14-16	22	26.51
16-18	15	18.07
18-20	14	16.87
20-22	9	20.84
22-24	0	0
24 व उससे अधिक	1	1.20
योग :	83	100

प्रस्तुत सारिणी में पुरुष प्रतिवादियों की पत्नियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण को प्रस्तुत किया गया है जिन्होंने सन्तानोत्पादन कार्य पूरा कर लिया था तथा जिनके गा : छ: बच्चे थे।

सम्प्रति न्यादर्श में पुरुषों की संख्या 83 थी।

उपर्युक्त पुरुषों की पत्नियों की संख्या वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण इस प्रकार दिखा है कि 83 (100 प्रतिशत), में से 13(15.67 प्रतिशत) 9(10.84 प्रतिशत), 22(26.51 प्रतिशत) 15(18.07 प्रतिशत) 14(16.87 प्रतिशत), 9(10.84 प्रतिशत) तथा 1(1.20 प्रतिशत) पुरुषों की स्त्रियों का विवाह क्रमश: 12 से कम, 12-14, 14-16, 16-18, 18-20, 20-22, ~~22-24,~~ व अधिक आयु वाले ग्रुपों में हुआ था। 22-24 वर्ष की वैवाहिक आयु वाले ग्रुप में किसी भी स्त्री का विवाह नहीं हुआ था।

इस वर्ग के न्यादर्श के पुरुषों में सबसे बड़ा समूह उन पुरुषों का है जिनकी स्त्रियों का विवाह 14-16 वर्ष की आयु वाले ग्रुप में हुआ है। उनका अनुपात 26.51 प्रतिशत है यह स्मरणीय है कि इससे कम आयु वाले ग्रुपों में विवाह करने वाली स्त्रियों का अनुपात इससे अधिक आयु वाले ग्रुपों में विवाह करने वाली स्त्रियों के अनुपात से कम है।

इनका अनुपात क्रमश: 26.51 प्रतिशत और 46.98 प्रतिशत है ।

इस तालिका से यह स्पष्ट है कि जिन्होंने सन्तानोत्पादन कार्य पूरा कर लिया था जिनको मात्र छ: बच्चे थे ऐसे पुरुषों में 63.02 प्रतिशत पुरुषों की पत्नियों की वैवाहिक आयु 16 वर्ष से कम तथा 36.98 प्रतिशत पुरुषों की पत्नियों की वैवाहिक आयु 16 वर्ष से अधिक की है । इन पुरुषों की पत्नियों की वैवाहिक आयु का न्यूनिष्ठ 15.30 वर्ष है ।

सारिणी - 183

पुरुष प्रतिवादियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण जिन्होंने सन्तानोत्पादन कार्य पूरा कर लिया था तथा जिनके मात्र केवल छः बच्चे थे ।

पत्नियों/पुरुषों की विवाह आयु वर्षों में	12से कम	12-14	14-16	16-18	18-20	20-22	22-24	24-26	26-28	28-30	30 व उससे अधिक	योग
12 से कम	1		2	2	1	5	1				1	13
12-14					3	5		1				9
14-16			1	4	7	10						22
16-18					2	8	5					15
18-20				1	1	3	5	3		1		14
20-22							3	6				9
22-24												
24 व अधिक											1	1
योग :	1	0	3	7	14	31	14	10	0	1	2	83

इस सारिणी में ऐसे पुरुष प्रतिवादियों तथा उनकी पत्नियों का वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण को प्रदर्शित किया गया है जिन्होंने सन्तानोत्पादन कार्य पूरा कर लिया था तथा जिनके पास मात्र केवल छः बच्चे थे।

सम्प्रति न्यादर्श में इन पुरुष प्रतिवादियों की संख्या 33 थी।

इस सारिणी से उपर्युक्त पुरुषों तथा उनकी पत्नियों की आयु के मध्य सह सम्बन्ध निकाला गया है। कार्ल पियर्सन के रेखीय सह सम्बन्ध गुणांक विधि द्वारा निकाला गया यह सह सम्बन्ध गुणांक + 0.53 27 है।

इस सारिणी से यह स्पष्ट है कि ऐसे पुरुष प्रतिवादि जिन्होंने सन्तानोत्पादन कार्य पूरा कर लिया था जिनके मात्र छः बच्चे थे। उनकी वैवाहिक आयु तथा उनकी पत्नियों की वैवाहिक आयु के धनात्मक सह सम्बन्ध है। अर्थात् उपर्युक्त पुरुषों की वैवाहिक आयु के बढ़ने के साथ साथ उनकी पत्नियों की विवाह आयु बढ़ती और घटती है।

सारिणी - १८५

पुरुष प्रतिवादियों की वैवाहिक आयु के अनुसार विवरण जिन्होंने सन्तानोत्पादन कार्य पूरा कर लिया था तथा जिनके मात्र चार बच्चे थे।

पुरुषों की विवाह आयु वर्षों में	पुरुषों की संख्या	प्रतिशत
12 से कम	0	0
12-14	0	0
14.16	1	1
16.18	5	9.80
18.20	13	25.49
20.22	16	31.37
22-24	13	25.49
24-26	2	3.92
26-28	1	1.96
28-30	0	0
30 व इससे अधिक	0	0
योग :	51	99.99=100

प्रस्तुत सारिणी में पुरुष प्रतिवादियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण को दर्शाया गया है जिन्होंने सन्तानोत्पादन कार्य पूरा कर लिया था जिनके मात्र सात बच्चे थे ।

सम्प्रति न्यादर्श में इन पुरुष प्रतिवादियों की संख्या 51 थी ।

उपर्युक्त पुरुषों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण इस प्रकार मिला है कि 51 (100 प्रतिशत) में से 1(1.96 प्रतिशत),5(9.80 प्रतिशत) 13(25.49 प्रतिशत), 16(31.37 प्रतिशत),13(25.49 प्रतिशत) 2(3.92 प्रतिशत) तथा 1(1.96 प्रतिशत) पुरुषों का विवाह क्रमश: 14-16, 16-18, 18-20, 20-22, 22-24, 24-26, 26-28 आयु वाले ग्रुप में हुआ था तथा 12 से कम 12-14, 28-30 तथा 30 व 30 से अधिक आयु वाले ग्रुप में किसी का भी विवाह नहीं हुआ था ।

इस वर्ग के न्यादर्श के पुरुषों में सबसे बड़ा समूह उन पुरुषों का है जिनका विवाह 20-22 वर्ष की आयु वाले ग्रुप में हुआ था । इनका अनुपात 31.37 प्रतिशत है । यह स्मरणीय है कि इस ग्रुप से कम आयु वाले ग्रुपों में विवाह करने वाले पुरुषों का अनुपात, इससे अधिक आयु वाले ग्रुपों में विवाह करने वालों के अनुपात से अधिक है । इनका अनुपात

क्रमशः 68.72 प्रतिशत व एवं 31.28 प्रतिशत है ।

इस सारिणी से यह स्पष्ट है कि जिन्होंने सन्तानोत्पादन कार्य पूरा कर लिया था तथा जिनके यहां मात्र दस बच्चे थे ऐसे मे 68.72 प्रतिशत पुरूषों का विवाह 20 वर्ष से कम की आयु मे तथा 31.28 प्रतिशत पुरूषों का विवाह 20 व अधिक वर्ष की आयु मे हुआ है । इन पुरूषों की विवाह आयु का न्यूयिष्ठक 21 वर्ष है । और समान्तर माध्य 20.70 प्रतिशत है ।

सारिणी - १८५

पुरुष प्रतिवादियों की पत्नियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण जिन्होंने सन्तानोत्पादन कार्य पूरा कर लिया था तथा जिनके पास सात बच्चे थे ।

पत्नियों की विवाह आयु वर्षों में	पुरुषों की संख्या	प्रतिशत
12 से कम	5	9.80
12-24	16	31.37
14-16	5	9.80
16-18	16	31.37
18-20	6	11.77
20-22	3	5.88
22-24	0	00
24 व उससे अधिक	0	0
योग :	51	99.99=100

प्रस्तुत सारिणी में पुरुष प्रतिवादियों की पत्नियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण प्रस्तुत किया गया है जिन्होंने सन्तानोत्पादन कार्य पूरा कर लिया था तथा जिनके मात्र सात बच्चे थे।

सम्प्रति न्यादर्श में इन पुरुषों की संख्या 51 थी।

उपर्युक्त पुरुषों की पत्नियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण इस प्रकार मिला है कि 51(100 प्रतिशत) में 5(9.80 प्रतिशत) 16(31.37 प्रतिशत), 5(9.80 प्रतिशत)16(31.37 प्रतिशत) 6(11.77 प्रतिशत) तथा 3(5.88 प्रतिशत) पुरुषों की स्त्रियों का विवाह क्रमशः 12 से कम, 12-14, 14-16, 16-18, 18-20, तथा 20-22 वर्ष की आयु वाले ग्रुप में हुआ था। एक भी पुरुष प्रतिवादी न था जिनका विवाह 22-24 वर्ष या "24 व अधिक" आयु वाले ग्रुप में हुआ था।

इस वर्ग के न्यादर्श के पुरुषों में सबसे बड़ा समूह उन पुरुषों का है जिनकी पत्नियों का विवाह 12-14 तथा 16-18 वर्ष की आयु वाले ग्रुप में हुआ है। इनका अनुपात दोनों ग्रुपों में 31.37 प्रतिशत है। इसमें सबसे छोटा समूह उन पुरुषों का है जिनकी पत्नियों का विवाह 20-22 वर्ष की आयु वाले ग्रुप में हुआ है।

इस सारिणी से यह स्पष्ट है कि जिन्होंने सन्तानोत्पादन कार्य पूरा कर लिया था तथा जिनके मात्र सात बच्चे थे ऐसे पुरुषों की पत्नियों की वैवाहिक आयु का न्यूनिष्ठक 17 वर्ष और समान्तर माध्य 15.44 वर्ष है।

—

सारिणी – १८८

पुरुष प्रतिवादियों एवं उनकी पत्नियों की आयु के अनुसार वितरण जिन्होंने सन्तानोत्पादन कार्य पूरा कर लिया था तथा जिनके मात्र सात बच्चे थे।

स्त्रियों/पुरुषों की विवाह आयु वर्षों में	12 से कम	12-14	14-16	16-18	18-20	20-22	22-24	24-26	26-28	28-30	30 व उससे अधिक	योग
12 से कम			1				2	2				5
12-14				4	5	5	2					16
14-16				1		3	1					5
16-18					6	7	3					16
18-20					2	1	3					6
20-22							2		1			3
22-24												0
24-26 व उससे अधिक												0
योग :			1	5	13	16	13	2	1			51

इस सारिणी में ऐसे पुरुष प्रतिवादियों तथा उनकी पत्नियों का उनकी वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण को प्रस्तुत किया गया है । जिनके सात बच्चे थे ।

इस सारिणी में उपर्युक्त पुरुषों तथा उनकी पत्नियों की वैवाहिक आयु के मध्य सह सम्बन्ध निकाला गया है । कार्ल पियर्सन की रेखीय सह सम्बन्ध गुणांक विधि द्वारा निकाला गया है । यह सह सम्बन्ध गुणांक + 0.2397 है ।

इस सारिणी से यह स्पष्ट है कि ऐसे पुरुष प्रतिवादी जिन्होंने सन्तानोत्पादन कार्य पूरा कर लिया था तथा जिनके मात्र सात बच्चे थे उनकी वैवाहिक आयु तथा उनकी पत्नियों की वैवाहिक आयु के बीच निम्न कोटि का सह-सम्बन्ध है । अर्थात् उपर्युक्त पुरुषों की वैवाहिक आयु के बढ़ने या घटने के साथ साथ उनकी पत्नियों की वैवाहिक आयु बढ़ती या घटती है ।

सारिणी - 187

पुरुष प्रतिवादियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण जिन्होंने सन्तान उत्पादन कार्य पूरा कर लिया था जिसके मात्र आठ बच्चे थे ।

पुरुषों की विवाह आयु वर्गों में	पुरुषों की संख्या	प्रतिशत
12 से कम	0	0
12-14	0	0
14-16	0	0
16-18	1	0
18-20	8	32
20-22	5	20
22-24	4	16
24-26	4	16
26-28	1	4
28-30	1	4
30 व उससे अधिक	1	4
	25	100

प्रस्तुत सारिणी में पुरुष प्रतिवादियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण को उपलब्ध किया गया है जिन्होंने सन्तानोत्पादन कार्य पूरा कर लिया था तथा जिनके मात्र आठ बच्चे थे।

सम्प्रति न्यादर्श में इन पुरुष प्रतिवादियों की संख्या 25 थी।

उपर्युक्त पुरुषों की वैवाहिक आयु की अनुसार वितरण इस प्रकार मिला है कि 25 (100 प्रतिशत) में से 1(4 प्रतिशत),8 (32 प्रतिशत), 5(20 प्रतिशत), 4(16 प्रतिशत)4(16 प्रतिशत), तथा 1(4 प्रतिशत) 1(4 प्रतिशत तथा 1 (4 प्रतिशत)पुरुषों का विवाह क्रमशः 16-18, 18-20, 20-22, 22-24, 24-26, 26-28, 28-30 , 30 व 30 से अधिक आयु वाले ग्रुप में हुआ था। तथा 12 से क 12-14 14-16 वर्ष की आयु वाले ग्रुप में किसी का भी विवाह नहीं हुआ।

इस वर्ग के न्यादर्श के पुरुष में सबसे बड़ा समूह ऐसे पुरुषों का है जिनका विवाह 18-20 वर्ष की आयु वाले ग्रुप में हुआ है। इनका अनुपात 32 प्रतिशत है। यह स्मरणीय है कि इस ग्रुप में कम आयु वाले ग्रुप में कम आयु वाले ग्रुपों में विवाह करने वाले पुरुषों का अनुपात उससे

अधिक आयु वाले ग्रुपों में विवाह करने वालों के अनुपात से कम है । इनका अनुपात क्रमशः 4 प्रतिशत तथा 64 प्रतिशत है । सबसे छोटा इन युग्मों का है जिनका विवाह 16-18, 26-28, 28-30 30-व 30 से अधिक आयु वाले ग्रुप में हुआ है । इनका अनुपात 4 प्रतिशत है ।

इन सारिणी से यह स्पष्ट है कि जिन्होंने सन्तानोत्पादन कार्य पूरा कर लिया था तथा जिनके मात्र आठ बच्चे थे ऐसे युग्मों में 4 प्रतिशत युग्मों का विवाह 18 वर्ष से कम की आयु वाले ग्रुप में हुआ तथा 96 प्रतिशत युग्मों का विवाह 18 वर्ष व अधिक आयु वाले ग्रुप में हुआ एवं इन युग्मों की वैवाहिक आयु का भूयिष्ठक 21.33 वर्ष समान्तर माध्य 22.1 वर्ष हैं ।

सारिणी - १४६

दुर्गा प्र निवासियों की पत्नियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण, जिन्होंने सन्तानोत्पादन कार्य पूरा कर लिया था जिनके मात्र आठ बच्चे थे।

पत्नियों की विवाह आयु वर्षों में	पुरुषों की संख्या	प्रतिशत
12 से कम	1	4
12-14	7	28
14-16	7	28
16-18	2	8
18-20	6	24
20-22	2	8
22-24	0	0
24 व उससे अधिक	0	0
योग :	25	100

प्रस्तुत सारिणी में पुरुष प्रतिवादियों की पत्नियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण को प्रस्तुत किया गया है जिन्होंने सन्तानोत्पादन कार्य पूरा कर लिया था तथा जिनके मात्र आठ बच्चे थे ।

सम्मति न्यादर्श में इन पुरुषों की संख्या 25 थी ।

उपर्युक्त पुरुषों की पत्नियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण इस प्रकार मिला है कि 25 (100 प्रतिशत) में 1(4 प्रतिशत) 7(28 प्रतिशत) 7(28 प्रतिशत) 2(8 प्रतिशत)6(24 प्रतिशत) तथा 2(8 प्रतिशत) पुरुषों की पत्नियों का विवाह क्रमशः 12 से कम, 12-14, 14-16, 16-18, 18-20, 20-22, ~~22-24~~ वर्षों की आयु बीच ग्रुप में हुआ था। 22-24 तथा 24 व अधिक वर्षों की आयु वाले ग्रुप में किसी भी स्त्री का विवाह नहीं हुआ था ।

इस वर्ग के न्यादर्श के पुरुषों में उन पुरुषों का सबसे बड़ा समूह है जिनकीपत्नियों का विवाह 12-14 व 14-16 वर्षों की आयु वाले ग्रुप में हुआ था । उनका अनुपात 28 प्रतिशत है । इस ग्रुप से कम आयु वाले ग्रुपों में विवाह करने वाली स्त्रियों का अनुपात इससे अधिक आयु वाले ग्रुपों में विवाह करने वाली स्त्रियों के अनुपात से कम है उनका अनुपात क्रमशः 32 प्रतिशत तथा 40 प्रतिशत है ।

इनमें से ऐसा कोई भी पुरुष नहीं है जिनकी स्त्रियों की वैवाहिक आयु 22– 24 वर्ष अथवा 24 व अधिक हो ।

इन सारिणी से यह स्पष्ट है कि जिन्होंने सन्तानोत्पादन कार्य पूरा कर लिया था तथा जिनके पास आठ बच्चे थे ऐसे पुरुषों मे 32 प्रतिशत पुरुषों की स्त्रियों की वैवाहिक आयु 16 वर्ष से कम तथा 68 प्रतिशत पुरुषों की स्त्रियों की विवाह आयु 16 वर्ष व अधिक की है । इन पुरुषों की पत्नियों की वैवाहिक आयु का भूयिष्ठक 15.55 वर्ष है तथा समान्तर माध्य 15.9 वर्ष है ।

पुरूष प्रतिवादियों तथा उनकी पत्नियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण, जिन्होंने सन्तानोत्पादन कार्य पूरा कर लिया था तथा जिनके मात्र आठ बच्चे थे।

पत्नियों/पुरूषों की विवाह आयु वर्षों में	12 से कम	12-14	14-16	16-18	18-20	20-22	22-24	24-26	26-28	28-30	30 व इससे अधिक	योग
12 से कम						1						1
12-14					4		1	1	1			7
14-16				1	3	2	1					7
16-18						1	1					2
18-20					1	1	1	2		1		6
20-22								1			1	2
22-24												0
24 व इससे अधिक												0
योग :	0	0	0	1	8	5	4	4	1	1	1	25

इस सारिणी मे ऐसे पुरूष प्रतिवादियों तथा उनकी पत्नियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण को उपलब्ध किया गया है जिन्होने सन्तानोत्पादन कार्य पूरा कर लिया था तथा जिनके मात्र आठ बच्चे थे ।

सम्प्रति न्यादर्श मे इन पुरूष प्रतिवादियों की संख्या 25 थी ।

इस सारिणी से उपर्युक्त पुरूषों तथा उनकी पत्नियों की वैवाहिक आयु के मध्य सह सम्बन्ध निकाला गया है । कार्ल पियर्सन की रेखीय सह सम्बन्ध गुणांक विधि द्वारा निकाला गया यह सह सम्बन्ध गुणांक +0.4329 है ।

इस सारिणी से यह स्पष्ट है कि ऐसे पुरूष प्रतिवादी जिन्होने सन्तानोत्पादन कार्य पूरा कर लिया था तथा जिनके पास आठ बच्चे थे उनकी वैवाहिक आयु तथा उनकी पत्नियों की वैवाहिक आयु की मध्य बहुत ही मध्यम कोटि का धनात्मक सह सम्बन्ध है अर्थात उपर्युक्त पुरूषों की वैवाहिक आयु के बढ़ने के साथ साथ उनकी पत्नियों की आयु बढ़ती एवं घटती है ।

सारिणी — 170

पुरुष प्रतिवादियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण जिन्होंने सन्तानोत्पादन कार्य पूरा कर लिया था तथा जिनके न... उससे अधिक बच्चे थे।

पुरुषों की विवाह आयु	पुरुषों की संख्या	प्रतिशत
12 से कम	0	0
12-14	0	0
14-16	1	4.76
16-18	2	9.53
18-20	2	9.53
20-22	8	38.10
22-24	5	23.80
24-26	0	0
26.28	1	4.76
28.30	1	4.76
30 व इससे अधिक	1	4.76
योग	21	100

प्रस्तुत सारिणी में पुरुष प्रतिवादियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण को दर्शाया गया है जिन्होंने सन्तानोत्पादन कार्य पूरा कर लिया था जिनके नम व इससे अधिक बच्चे थे ।

सम्प्रतिदर्श में इन पुरुष प्रतिवादियों की संख्या 21 थी ।

उपर्युक्त पुरुषों का वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण इस प्रकार मिला है कि 21 (100) में से 1(4.76 प्रतिशत) 2(9.53 प्रतिशत) 2(9.53 प्रतिशत), 8(38-10 प्रतिशत) 5(23.80 प्रतिशत) 1 (4.76 प्रतिशत) प्रतिशत) तथा 1(4.76 प्रतिशत पुरुषों का विवाह क्रमशः 14-16, 16-18, 18-20, 20-22, 22,24 ~~24,26~~ 26.28, 28.30, व 30 से अधिक आयु वाले ग्रुप में हुआ था तथा 12 से कम 12-14, 24-26 वर्ष की आयु वाले ग्रुप में किसी का भी विवाह नहीं हुआ था ।

इस वर्ग के न्यादर्श के पुरुषों में उन पुरुषों का सबसे बड़ा समूह है जिनकाविवाह 20-22 वर्ष की आयु वाले ग्रुप में हुआ था उनका अनुपात 38.10 प्रतिशत है । यह स्पष्ट है कि इस ग्रुप से कम आयु वाले ग्रुपों में विवाह करने वाले पुरुषों का अनुपात , इससे अधिक आयु वाले ग्रुपों में विवाह करने वालों के अनुपात से कम है । उनका अनुपात क्रमशः 23.82 प्रतिशत तथा 38.08 प्रतिशत है । सबसे छोटा समूह उन पुरुषों का है जिनका विवाह 14-16, 26-28 28-30, 30 व 30 से अधिक आयु वाले ग्रुपों में हुआ था । उनका अनुपात

4.76 प्रतिशत है ।

इस सारिणी से यह स्पष्ट है कि जिन्होंने सन्तानोत्पादन कार्य पूरा कर लिया था तथा जिनके नव या उससे अधिक बच्चे थे ऐसे पुरुषों में से 23.82 प्रतिशत पुरुषों का विवाह 20 वर्ष से कम आयु में हुआ था तथा 76.18 प्रतिशत पुरुषों का विवाह 20 वर्ष से अधिक की आयु तक पहुँचने पर हुआ था इन पुरुषों की वैवाहिक आयु का माध्यिका 21.33 वर्ष है ।

सारिणी - 191

पुरुष प्रतिवादियों की पत्नियों का वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण जिन्होंने सन्तानोत्पादन कार्य पूरा कर लिया था तथा जिनके पास नव व उससे- अधिक बच्चे थे।

पत्नियों की विवाह की आयु	पुरुषों की संख्या	प्रतिशत
12 से कम	1	4.76
12.14	1	4.76
14.16	10	47.62
16-18	6	28.57
18.20	0	0
20.22	0	0
22-24	0	0
24 व उससे अधिक	3	14.29
योग	21	100

प्रस्तुत तालिका में कुल अविवादित पुरुषों की पत्नियों की विवाह वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण को प्रस्तुत किया गया है जिन्होंने सन्तानोत्पादन कार्य पूरा कर लिया था तथा जिनके पास नौ व इससे अधिक बच्चे थे।

सम्पूर्ण न्यादर्श में इन पुरुषों की संख्या 21 थी।

उपर्युक्त पुरुषों का उनकी पत्नियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण इस प्रकार मिला है कि 21 (100 प्रतिशत) में से 1 (4.76 प्रतिशत) 1 (4.76 प्रतिशत), 10 (47.62 प्रतिशत) 6 (28-57 प्रतिशत) तथा 3 (14.29 प्रतिशत) पुरुषों की विवाह स्त्रियों का क्रमशः 12 से कम, 12-14, 14-16, 16- 18, ~~18-20, 20-22, 22-24~~ 24-~~26-26-28~~ व इससे अधिक आयु वाले ग्रुप में हुआ था। 18-20, 20-22, 22-24 वर्ष की आयु वाले ग्रुपों में किसी भी स्त्री का विवाह नहीं हुआ था।

इन वर्ग के न्यादर्श के पुरुषों में ऐसे इन पुरुषों का सबसे बड़ा समूह है जिनकी पत्नियों का विवाह 14.16 वर्ष की आयु वाले ग्रुप में हुआ है। इनका अनुपात 47.62 प्रतिशत है इस ग्रुप से कम आयु वाले ग्रुपों में विवाह करने वाली स्त्रियों का अनुपात इससे अधिक आयु वाले ग्रुपों में विवाह करने वाली स्त्रियों के अनुपात से कम है। इनका अनुपात क्रमशः 57.14 प्रतिशत और 14-29 प्रतिशत है।

इनमें ऐसा कोई भी पुरुष नहीं है जिसकी स्त्री की वैवाहिक आयु 13.20, 20.22 22.24 वाले ग्रुपों में हो ।

इन सारिणी से स्पष्ट है कि जिन्होंने सन्तानोत्पादन कार्य पूरा कर लिया था अथवा जिनके पास नव व सबसे अधिक बच्चे थे ऐसे पुरुषों में से 85.71 प्रतिशत पुरुषों की पत्नियों का विवाह 18 वर्ष इससे व अधिक आयु वाले ग्रुपों में हुआ था । ऐसे इन पुरुषों की पत्नियों की विवाह आयु का मध्यिका 15.38 वर्ष है ।

सारिणी – 192

पुरुष प्रतिवादियों तथा उनकी पत्नियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण जिन्होंने सन्तानोत्पादन कार्य पूरा कर लिया था तथा जिनके पास नव व उससे अधिक बच्चे थे ।

पत्नियों की विवाह आयु / पुरुष की विवाह आयु	12	12-14	14-16	16-18	18-20	20-22	22-24	24-26	26-28	28-30	30 व उससे अधिक	योग
12 से कम				1								1
12-14			1									1
14-16				1	2	5	2					10
16-18						3	3					6
18-20												
20-22												
22-24												
24- व उससे अधिक									1	1	1	3
योग	0	0	1	2	2	8	5		1	1	1	21

इस सारिणी में इन पुरुष प्रतिवादियों तथा उनकी पत्नियों के वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण को दर्शाया गया है जिन्होंने सन्तानोत्पादन कार्य पूरा कर लिया था तथा जिनके नव व उससे अधिक बच्चे थे ।

सम्प्रति तालिका* में इन पुरुषों प्रतिवादियों की संख्या 21 थी

इस सारिणी से उपर्युक्त पुरुषों तथा उनकी पत्नियों की वैवाहिक आयु के मध्य सह- सम्बन्ध निकाला गया है । कार्ल पियर्सन की रेखीय सह-सम्बन्ध गुणांक विधि द्वारा निकाला गया यह सह- सम्बन्ध गुणांक - + .8249 है इस सारिणी से यह स्पष्ट है कि पुरुष प्रतिवादी जिन्होंने सन्तानोत्पादन कार्य पूरा कर लिया था तथा जिनके पास केवल नव व उससे अधिक बच्चे थे उनकी वैवाहिक आयु तथा उनकी पत्नियों की वैवाहिक आयु के मध्य उच्च कोटि का धनात्मक सम्बन्ध है अर्थात् उपर्युक्त पुरुषों की वैवाहिक आयु बढ़ने और घटने के साथ साथ - उनकी पत्नियों की आयु बढ़ती और घटती है ।

सारणी - 193

पुरुष प्रतिवादियों को वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण जिन्होंने सन्तानोत्पादन कार्य पूरा कर लिया था तथा जिनके बच्चों की संख्या पृथक पृथक थी

पुरुष की वैवाहिक आयु वर्षों में	बच्चों की संख्या 1	2	3	4	5	6	7	8	9 से अधिक	योग
12 से कम	0	0	1	0	0	1	0	0	0	2
12-14	0	0	0	0	1	0	0	0	0	1
14-16	1	2	5	3	7	3	1	0	1	23
16-18	3	12	3	8	8	7	5	1	2	49
18-20	6	7	27	32	30	14	13	8	2	139
20-22	5	26	33	41	43	31	16	5	8	208
22-24	9	17	24	26	27	14	13	4	5	139
24-26	3	15	31	29	15	10	2	4	0	109
26-28	1	4	11	5	4	0	1	1	1	28
28-30	0	9	4	6	1	1	0	1	1	23
30 व उससे अधिक	0	6	4	3	2	2	0	1	1	19
योग	28	98	143	153	138	83	51	25	21	740
आयु वर्षों में का	22.8	21.35	20.80	20.75	20.9	21	21	21.33	21.33	
पि० अ [illegible] अनुसार (वर्षों में)	21.22	22.96	0	22.06	21.17	0	20.77	22.10	0	

प्रस्तुत सारिणी में पुरुष प्रतिवादियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण को दर्शाया ~~गया~~ प्रस्तुत किया गया है जिन्होंने सन्तानोत्पादन कार्य पूरा कर लिया था तथा जिनके बच्चों की संख्या पृथक पृथक थी । ~~जिनके~~ सम्प्रति न्यादर्श में इन पुरुषों की संख्या 740 थी जिन्होंने सन्तानोत्पादन कार्य करा लिया था इनमें से जिनके एक बच्चा था इन पुरुषों की संख्या 28 थी, जिनके पास दो बच्चे थे इन पुरुषों की संख्या 98 थी जिनके पास तीन बच्चे थे ऐसे इन पुरुषों की संख्या 143 थी जिनके पास चार बच्चे थे इन पुरुषों की संख्या 153 थी जिनके पास 5 पाँच बच्चे थे इन पुरुषों की संख्या 133 थी, जिनके पास छः बच्चे थे इन पुरुषों की संख्या 83 थी जिनके पास सात बच्चे थे इन पुरुषों की संख्या 51 थी, जिनके पास आठ बच्चे थे इन पुरुषों की संख्या 25 थी तथा जिनकी पास नव व से अधिक बच्चे थे पुरुषों की संख्या 24 थी

उपयुक्त पुरुषों का उनकी वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण इस प्रकार मिलता है कि 12 से कम वर्ष की आयु वाले ग्रुप में जिन पुरुषों का विवाह हुआ था उनमें एक के बच्चे तथा एक के छः बच्चे थे । 12 -14 वर्ष की आयु वाले ग्रुप में मात्र । पुरुषों का विवाह हुआ था उनके पाँच बच्चे थे । 14-16 वर्ष की आयु वाले ग्रुप में जिन 23 पुरुषों का विवाह हुआ था उनमें से एक बच्चा दो के दो बच्चा पाँच के तीन बच्चा तीन के चार बच्चा सात के पाँच बच्चा 7 के छः बच्चा एक के 7 सात बच्चा एक के नव या नव से अधिक बच्चा तथा है था

कोई भी ऐसा व्यक्ति नहीं था जिसके आठ बच्चे हों । 16-18 वर्ष की आयु वाले ग्रुप में जिन 49 पुरुषों का विवाह हुआ था उनमें से तीन के पास एक बच्चा बारह के दो बच्चा तीन के तीन बच्चा, आठ के चार बच्चा आठ के पाँच बच्चा सात के पास छः बच्चा पाँच के सात बच्चा एक के आठ बच्चा तथा दो के नव या नव से अधिक बच्चा था । 19-20 वर्ष की आयु वाले ग्रुप में जिन 139 पुरुषों का विवाह हुआ था उनमें से छः के एक बच्चा नौ के दो बच्चा सत्ताईस के तीन बत्तीस के चार बच्चा तीस के पाँच बच्चा चौदह के छः बच्चा तीन के आठ बच्चा आठ के आठ बच्चा तथा दो के नव या नव से अधिक) बच्चा पैदा था । 20-22- वर्ष की आयु वाले ग्रुप में जिन 203 पुरुषों का विवाह हुआ था उनमें पाँच के एक बच्चा, 20 के दो बच्चा, तैंतीस के तीन बच्चा सैंतालीस चार बच्चा तैंतालिस के पास पाँच बच्चा इकतीस के पास छः बच्चा, सोलह के सात बच्चा, पाँच के आठ बच्चा तथा आठ के नव या नव से अधिक" बच्चा था । 22-24 वर्ष की आयु वाले ग्रुप में जिन 139 पुरुषों का विवाह हुआ था उनमें नौ के एक बच्चा, सत्रह दो बच्चा, चौबीस के तीन बच्चा, छब्बीस के चार बच्चा, सत्तरह के पाँच बच्चा, चौदह के पास छः बच्चा, तेरह के सात बच्चा, चार के आठ बच्चा तथा पाँच के नव या नव से अधिक" बच्चा था । 24-26 वर्ष की आयु वाले ग्रुप में जिन 109 पुरुषों का विवाह हुआ था उनमें तीन के एक बच्चा पन्द्रह के दो बच्चा, बत्तीस के तीन बच्चा, उन्नतीस के चार

बच्चा पन्द्रह के तीनब च्चा, दस के छः बच्चा, दो के सात बच्चा, चार के आठ बच्चा तथा कोई भी ऐसा व्यक्ति नहीं था जिसके पास नव या नव से अधिक बच्चा हो । 26-28 वर्ष की आयु वाले ग्रुप मे जिन 28 पुरुषों का विवाह हुआ है उनमे एक के पास एक बच्चा, चार के दो बच्चा, ग्यारह के तीनबच्चा, पाँच के पास चार बच्चा, चार के पाँच बच्चा, एक के सात बच्चा, एक के आठ बच्चा एक के नव या नव से अधिक बच्चा था तथा ऐसा कोई भी पुरुष नहीं था जिसके छः बच्चा हो ।

28-30 वर्ष की आयु वाले ग्रुप मे जिन 23 पुरुषों का विवाह हुआ था उनमे नौ के दो बच्चा चार के तीन बच्चा, छः के चार बच्चा, एक के पाँच बच्चा, एक के छः बच्चा, एक के आठ बच्चा, एक के नव या नव से अधिक बच्चा था कोई भी ऐसा पुरुष नहीं था जिसके पास एक या सात बच्चे हो ।

30 व इससे अधिक वर्ष की आयु वाले ग्रुप मे जिन 19 पुरुषोंका विवाह हुआ था उनमे छः के दो बच्चा चार के तीन बच्चा, तीन के चार बच्चा, दो के पाँच बच्चा, दो के छः बच्चा, एक के आठ बच्चा, एक के नव या नव से अधिक बच्चा था तथा कोई ऐसा भी पुरुष नहीं था जिसके एक या सात बच्चा हो ।

यह स्पष्ट है कि 12-14 वर्ष की आयु वाले ग्रुप मे एक व्यक्ति का विवाह हुआ था जिसके तीन बच्चे थे, 14-16 वर्ष की आयु वाले ग्रुप मे विवाह करने वाले पुरुषों मे सबसे बड़ा समूह उन पुरुषों का है जिनके पाँच बच्चे थे । 16-18 वर्ष की आयु वाले ग्रुप मे विवाह करने वाले पुरुषों मे सबसे बड़ा समूह उन पुरुषों का है जिनके दो बच्चे थे । 18-20 वर्ष की आयु वाले ग्रुप मे विवाह करने वाले पुरुषों मे सबसे बड़ा समूह उन पुरुषों का है जिनके चार बच्चे थे । 20-22 वर्ष की आयु वाले ग्रुप मे विवाह करने वाले पुरुषों मे सबसे बड़ा समूह उन पुरुषों का है जिनके पाँच बच्चे थे । 22-24 वर्ष की आयु वाले ग्रुप मे विवाह करने वाले पुरुषों मे सबसे बड़ा समूह उन पुरुषों का है जिनके पाँच बच्चे थे । 24-26 वर्ष की आयु वाले ग्रुप मे विवाह करने वाले पुरुषों मे सबसे बड़ा समूह उन पुरुषों का है जिनके तीन बच्चे थे । 26-28 वर्ष की आयु वाले ग्रुप मे विवाह करने वाले पुरुषों मे सबसे बड़ा समूह उन पुरुषों का है जिनके तीन बच्चे थे । 28-30 वर्ष की आयु वाले ग्रुप मे विवाह करने वाले पुरुषों मे सबसे बड़ा समूह उन पुरुषों का है जिनके पास दो बच्चे थे । "30 व उससे अधिक" आयु वाले ग्रुप मे विवाह करने वाले पुरुषों में सबसे बड़ा समूह उन पुरुषों का है जिनके दो बच्चे थे ।

इस वर्ग के पुरुषों में जिनके पास 1,2,3,4,5,6,7,8 या "9" से अधिक बच्चे थे उनका पृथक पृथक क्रमशः उनके वैवाहिक आयु का भूयिष्ठक 22.8 वर्ष, 21.35 वर्ष, 20.80 वर्ष, 20.75 वर्ष, 20.9 वर्ष, 21 वर्ष, 21 वर्ष, 21.33 वर्ष तथा 21.33 वर्ष है और उनकी वैवाहिक आयु का समान्तर माध्य क्रमशः 21.22 वर्ष, 22.90 वर्ष, 22.06 वर्ष, 21.17 वर्ष, 20.77 वर्ष, 21.10 वर्ष तथा x है। यह स्मरणीय है कि जिन के एक बच्चा, जिनके दो बच्चा, जिनके तीन बच्चा थे उनकी वैवाहिक आयु के भूयिष्ठक का माध्य 21.65 वर्ष है, जिन के चार बच्चे, जिनके पांच बच्चे तथा जिनके छः बच्चे थे उनकी वैवाहिक आयु के भूयिष्ठक का माध्य 20.88 वर्ष है। तथा जिनके के सात बच्चे, जिनके आठ बच्चे, जिनके "नव या अधिक" बच्चे थे उनकी वैवाहिक आयु के भूयिष्ठक का माध्य 21.22 वर्ष है। जिससे यह स्पष्ट है कि सबसे अधिक उन व्यक्तियों के बच्चे हैं जिनकी वैवाहिक आयु के भूयिष्ठक का माध्य 21.22 वर्ष है तथा सबसे कम उन व्यक्तियों के बच्चे हैं जिनकी वैवाहिक आयु के भूयिष्ठक का माध्य 21.65 वर्ष है।

नोट: समान्तर माध्य ज्ञात नहीं किया जा सकता है।

इस सारिणी से यह स्पष्ट है कि जिन्होंने सन्तानोत्पादन कार्य पूरा कर लिया था ऐसे पुरूषों में से उन पुरूषों के अधिक बच्चे हैं। जिनका विवाह कम आयु में हुआ है तथा जिनका विवाह अधिक आयु में हुआ है उनके कम बच्चे हैं। जिससे यह विदित है कि पुरूषों की वैवाहिक आयु के बढ़ने के साथ साथ उनके बच्चों की संख्या घटती है तथा उनकी वैवाहिक आयु के घटने के साथ साथ बच्चों की संख्या बढ़ती है।

सारिणी - १९५

पुरुष प्रतिवादियों की पत्नियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण जिन्होंने सन्तानोत्पादन कार्य पूरा कर लिया था तथा जिनके बच्चों की संख्या पृथक पृथक थी ।

पत्नियों की विवाह आयु वर्षों मे	1	2	3	4	5	6	7	8	9	योग
12 से कम	7	5	16	9	16	13	5	1	1	73
12-14	3	13	18	22	25	9	16	7	1	114
14-16	5	20	27	26	31	22	5	7	10	153
16-18	7	18	36	~~35~~ 36	35	15	16	2	26	161
18-20	4	13	21	33	18	14	6	6	0	115
20-22	2	9	19	9	11	9	3	2	0	64
22-24	0	9	13	9	2	0	0	0	0	33
24- व उससे अधिक	0	11	3	9	0	1	0	0	3	27
योग :	28	98	143	153	138	83	51	25	21	740
विवाह आयु का माध्यिका	16.8	15.55	17.12	16.53	16.38	15.30	16.47	15.55	15.38	
विवाह आयु समान्तर माध्य वर्षों मे	15.28	17.84	16.99	17.22	15.79	*	15.44	15.90	*	

प्रस्तुत तालिका में पुरुष प्रतिवादियों की पत्नियों की वैवाहिक आयु के अनुसार विवरण को प्रस्तुत किया गया है जिन्होंने सन्तानोत्पादन कार्य पूरा कर लिया था तथा जिनके बच्चों की संख्या पृथक पृथक थी ।

सम्प्रति न्यादर्श में इन पुरुषों की संख्या 740 थी । इनमें से जिनके एक बच्चा था उनकी संख्या 28 थी, जिनके दो बच्चे थे उनकी संख्या 98 था जिनके तीन बच्चे थे उनकी संख्या 143 थी, जिनके चार बच्चे थे उनकी संख्या 153 थी जिनके पाँच बच्चे थे उनकी संख्या 83 थी, जिनके सात बच्चे थे उनकी संख्या 51 थी, जिनके आठ बच्चे थे उनकी संख्या 25 थी तथा जिनके नौ व नौ से अधिक बच्चे थे उनकी संख्या 21 थी ।

उपर्युक्त पुरुषों की पत्नियों की वैवाहिक आयु के अनुसार विवरण इस प्रकार मिला है कि "12 से कम की आयु वाले गुट के 73 स्त्रियों में सात के एक बच्चा, पंद्रह के दो बच्चा, सोलह के पाँच बच्चा, तेरह के छः बच्चा पाँच के सात बच्चा, एक के आठ बच्चा तथा एक के नव या नव से अधिक बच्चा था । 12-14 वर्ष की आयु में जिन 114 स्त्रियों का विवाह हुआ था उनमें से तीन के एक बच्चा, तेरह के दो बच्चा, अठारह के तीन बच्चा बारह के चार बच्चा, पच्चीस के पाँच बच्चा नौ छः बच्चा, सोलह

के सात बच्चा, सात के आठ बच्चा तथा एक के नव या अधिक बच्चा था । 14-16 वर्ष की आयु वाले ग्रुप में जिन 153 स्त्रियों का विवाह हुआ था उनमें पाँच के एक बच्चा, बीस के दो बच्चा, सत्ताइस के तीन बच्चा, छब्बीस के चार बच्चा पचीस के पाँच बच्चा, बारह के छः बच्चा पाँच के सात बच्चा, सात के आठ बच्चा तथा दस के "नव या अधिक" बच्चा था 16-18 वर्ष की आयु वाले ग्रुप में जिन 161 स्त्रियों का विवाह हुआ था उनमें से सात के एक बच्चा, अठारह के दो बच्चा, इक्कीस के तीन बच्चा, छब्बीस के चार बच्चा, पच्चीस के पाँच बच्चा, पन्द्रह के छः बच्चा सोलह के सात बच्चा दो के आठ बच्चा तथा छः के पास नव या अधिक बच्चा था । 18-20 वर्ष की आयु वाले ग्रुप में जिन 115 स्त्रियों का विवाह हुआ था उनमें से चार के एक बच्चा, तेरह के दो बच्चा, सत्रह के तीन बच्चा, तैतीस के चार बच्चा, अठारह के पाँच बच्चा, सोलह के छः बच्चा, छः के सात बच्चा छः के आठ बच्चा तथा एक भी ऐसी स्त्री नहीं थी जिनके नव या नव से अधिक बच्चा था । 20-22 वर्ष की आयु वाले ग्रुप में जिन 64 स्त्रियों का विवाह हुआ था उनमें से दो के एक बच्चा, नौ के दो बच्चा, उन्नीस के तीन बच्चा, नौ के चार बच्चा, ग्यारह के पाँच बच्चा, नौ के छः बच्चा, नौ के सात बच्चा दो के आठ बच्चा तथा ऐसी कोई भी स्त्री नहीं थी जिनके नव या नव से अधिक बच्चा था । 22-24 वर्ष की आयु वाले ग्रुप में जिन 35 स्त्रियों का विवाह हुआ था उनमें नौ के दो बच्चा तेरह के तीन

के तीन बच्चा, नौ के चार बच्चा, दो के पाँच बच्चा तथा ऐसी कोई भी स्त्री नहीं थी जिनके पास एक, छः सात, आठ या नव व नव से अधिक बच्चा था। "24- व अधिक वर्षों की आयु वाले ग्रुप में जिन 27 स्त्रियों का विवाह हुआ था उनमें से ग्यारह के दो बच्चा तीन के तीन बच्चा, नौ के चार बच्चा तथा एक के छः बच्चा था, ऐसी कोई भी स्त्री नहीं थी जिनके एक, पाँच, सात, आठ नव व अधिक बच्चा था।

यह स्पष्ट है कि 12 से कम वर्षों की आयु वाले ग्रुप में जिन स्त्रियों का विवाह हुआ था उनमें सबसे बड़ा समूह उन स्त्रियों का है जिनके पाँच बच्चे थे। 12-14 वर्षों की आयु वाले ग्रुप में जिन स्त्रियों का विवाह हुआ था उनमें से सबसे बड़ा समूह उन स्त्रियों का है जिनके पाँच बच्चे थे। 14-16 वर्षों की आयु वाले ग्रुप में जिन स्त्रियों का विवाह हुआ था उनमें सबसे बड़ा समूह उन स्त्रियों का है जिनके पाँच बच्चे थे। 16-18 वर्षों की आयु वाले ग्रुप में जिन स्त्रियों का विवाह हुआ था उनमें से बड़ा समूह उन स्त्रियों का है जिनके चार बच्चे थे। 18-20 वर्षों की आयु वाले ग्रुप में जिन स्त्रियों का विवाह हुआ था उनमें सबसे बड़ा समूह उन स्त्रियों का है जिनके चार बच्चे थे। 20-22 वर्षों की आयु वाले ग्रुप में जिन स्त्रियों का विवाह हुआ था उनमें सबसे बड़ा समूह उन स्त्रियों का है जिनके तीन बच्चे थे।

22-24 वर्ष की आयु वाले ग्रुप में जिन स्त्रियों का विवाह हुआ उनमें सबसे बड़ा समूह उन स्त्रियों का है जिनके तीन बच्चे थे । 24 व अधिक वर्ष की आयु वाले ग्रुप में जिन स्त्रियों का विवाह हुआ व उनमें सबसे बड़ा समूह उन पत्नियों का है जिनके दो बच्चे थे ।

इस वर्ग की स्त्रियों में जिनके 1,2,3,4,5,6,7,8, या 9 से अधिक बच्चे थे उन स्त्रियों की वैवाहिक आयु का पृथक पृथक क्रमश: आयु का भूयिष्ठक 16.30 वर्ष [illegible], 15.55 वर्ष, 17,12 वर्ष, 16.53 वर्ष, 16.38 वर्ष, 15.30 वर्ष, 16.47 वर्ष, 15.55 वर्ष तथा 15.38 वर्ष है तथा उनकी वैवाहिक आयु का समान्तर माध्य क्रमश: 15.28 वर्ष, 15.44 वर्ष 15.90 वर्ष वर्ष तथा x है । यह स्मरणीय है कि जिन एक बच्चे, जिनके दो बच्चे तथा जिनके तीन बच्चे थे उनकी वैवाहिक आयु के भूयिष्ठक का औसत 16.49 वर्ष है । जिनके चार बच्चे जिनके पाँच बच्चे, जिनके छः बच्चे थे उनकी वैवाहिक आयु के भूयिष्ठक का औसत 16.07 वर्ष है तथा जिन पत्नियों के सात बच्चे जिनके आठ बच्चे तथा जिन पत्नियों के नव या नव से अधिक बच्चे थे उनकी वैवाहिक आयु के भूयिष्ठक का औसत 15.80 वर्ष है । जिससे यह स्पष्ट है कि सबसे कम उन स्त्रियों की वैवाहिक आयु के भूयिष्ठक [illegible] जिनके सात

आ०.था नव अधिक बच्चे थे तथा सबसे अधिक उन स्त्रियों की वैवाहिक आयु का भूयिष्ठक है जिनके एक.दो या तीन बच्चे थे ।

नोट: समान्तर माध्य ज्ञात नहीं किया जा सकता है ।

इस तालिका से यह स्पष्ट है कि जिन्होंने सन्तानोत्पादन कार्य पूरा कर लिया था ऐसे पुरुषों की पत्नियों में उन पत्नियों के अधिक बच्चे है जिनका विवाह कम आयु में हुआ है तथा उन पत्नियों के पास कम बच्चे है जिनका विवाह अधिक आयु मे हुआ है जिससे यह विदित है कि पत्नियों की वैवाहिक आयु के बढने के साथ साथ उनके बच्चों की संख्या घटती जाती है तथा वैवाहिक आयु के घटने के साथ साथ बच्चों की संख्या बढती जाती है ।

सारिणी – 195

पुरुष उत्तरदाताओं एवं उनकी पत्नियों की वैवाहिक आयु के मध्य सह सम्बन्ध जिन्होंने सन्तानोत्पादन कार्य पूरा कर लिया था तथा जिनका विभाजन उनके बच्चों की संख्या के आधार पृथक पृथक किया गया था।

बच्चों की संख्या	पुरुषों एवं उनकी पत्नियों की विवाह आयु के बीच सह-सम्बन्ध
1	= +0.7142
2	+0.8162
3	+0.7328
4	+0.7308
5	+0.4801
6	+0.5327
7	+0.2397
8	+0.4329
9 या 9 से अधिक	+0.8249

इस सारिणी मे न्यादर्श मे पाये गये ऐसे युग्म प्रतिवादियों को लिया गया है और जिनका विभाजन उनके बच्चों की संख्या के आधार पर किया गया था इन पुरुषों एवं उनकी पत्नियों की वैवाहिक आयु के मध्य सह सम्बन्ध गुणांक प्रस्तुत किया गया है ।

इस सारिणी से यह स्पष्ट है कि इस प्रकार के पुरुषों मे जिनके एक बच्चा था ऐसे पुरुषों एवं उनकी पत्नियों के वैवाहिक आयु के मध्य सह सम्बन्ध गुणांक + 0.7142 है तथा जिनके दो बच्चे थे उनका एवं उनकी पत्नियों की वैवाहिक आयु के मध्य सह सम्बन्ध गुणांक + 0.8162 है, जिनके तीन बच्चे थे ऐसे पुरुषों एवं उनकी पत्नियों की वैवाहिक आयु के मध्य सह सम्बन्ध गुणांक उन पुरुषों एवं उनकी पत्नियों की वैवाहिक आयु के मध्य सह सम्बन्ध गुणांक + 0.7308 है, जिनके पाँच बच्चे थे उन पुरुषों एवं उनकी पत्नियों की वैवाहिक आयु का मध्य सह सम्बन्ध गुणांक 0.4801 है, जिनके छः बच्चे थे उन पुरुषों एवं उनकी पत्नियों की वैवाहिक आयु के मध्य सह सम्बन्ध गुणांक + 0.5327 है जिनके सात बच्चे थे उन पुरुषों एवं उनकी पत्नियों की विवाह आयु के मध्य सह सम्बन्ध गुणांक + 0.2397 है । जिनके आठ बच्चे थे उन पुरुषों एवं उनकी पत्नियों की वैवाहिक आयु के मध्य सह सम्बन्ध गुणांक + 0.4329 है तथा उन पुरुषों

जिनके नव या नव अधिक बच्चे थे उन पुरुषों एवं उनकी पत्नियों की वैवाहिक आयु के मध्य सह सम्बन्धता गुणांक + 0.3249 है।

इस सारिणी से यह स्पष्ट है कि जिनके एक, दो, तीन या चार बच्चे थे उन पुरुषों एवं उनकी पत्नियों की वैवाहिक आयु के मध्य सह सम्बन्धता गुणांक अधिक है अपेक्षाकृत उन व्यक्तियों एवं उनकी पत्नियों के वैवाहिक आयु के मध्य सह सम्बन्धता गुणांक के जिनके पांच, छः, सात या आठ बच्चे थे। जिनके नव या नव से अधिक बच्चे थे उन व्यक्तियों एवं उनकी पत्नियों की वैवाहिक आयु के मध्य सह सम्बन्धता गुणांक इससे अधिक अधिक है।

सारिणी - 196

पुरुष प्रतिवादियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण जिनका विभाजन इस प्रकार से किया गया था कि उनकी वैवाहिक आयु के कितने वर्ष बाद उनका प्रथम बच्चा उत्पन्न हुआ था ।

विवाह-आयु के कितने वर्ष बाद प्रथम बच्चा पैदा हुआ / पुरुष की विवाह आयु (वर्षों में)	1 वर्ष	2 वर्ष	3 वर्ष	4 वर्ष	5 वर्ष	6 वर्ष	7 तथा 7 वर्ष के बाद	योग
12 से कम	0	0	0	0	0	2	1	3
12-14	0	0	1	0	1	1	0	3
14-16	1	0	4	13	3	5	4	30
16-18	6	10	14	30	5	6	4	75
18-20	34	53	28	44	15	10	14	198
20-22	64	87	66	42	12	15	7	293
22-24	59	57	48	30	10	5	1	210
24-26	60	42	29	9	10	4	3	157
26-28	16	11	10	9	1	1	0	48
28-30	15	7	5	1	0	0	1	29
30 व उससे अधिक	11	5	4	1	2	2	0	25
योग	266	272	209	179	59	51	35	1071

प्रस्तुत सारिणी में पुरुष प्रतिवादियों का उनकी वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण को दर्शाया गया है जिनका विभाजन इस प्रकार से किया गया था कि उनकी वैवाहिक आयु के कितने वर्ष बाद उनका प्रथम बच्चा उत्पन्न हुआ था

सम्प्रति न्यादर्श में 1071 पुरुष प्रतिवादी ऐसे थे जिनके बच्चे थे । इस प्रकार 1071 पुरुषों में 266 पुरुषों की उनकी वैवाहिक आयु के 1 वर्ष बाद बच्च उत्पन्न हुआ था, 272 पुरुषों को उनकी वैवाहिक आयु के 2 वर्ष बाद बच्चा उत्पन्न हुआ था, 208 पुरुषों को उनकी वैवाहिक आयु के 3 वर्ष बाद बच्चा उत्पन्न हुआ था, 179 पुरुषों को उनकी वैवाहिक आयु के 4 वर्ष बाद बच्चा उत्पन्न हुआ था, 51 पुरुषों को उनकी वैवाहिक आयु के 6 वर्ष बाद बच्चा उत्पन्न हुआ था तथा 55 पुरुषों को उनकी वैवाहिक आयु के 7 वर्ष तथा अधिक वर्ष के बाद बच्चा उत्पन्न हुआ था ।

उपर्युक्त विभक्त पुरुषों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण प्रदर्शित किया गया है । जिससे यह स्पष्ट है कि 12 से कम वर्ष की आयु में 3 पुरुषों का विवाह हुआ था जिनमें से 2 एवं 1 पुरुषों

को उनके विवाह के क्रमश: 6 तथा 7 वर्ष बाद प्रथम बच्चा उत्पन्न हुआ था । 12-14 वर्ष की वैवाहिक-आयु वाले ग्रुप में 3 पुरुष उपलब्ध थे जिनमें 1,1, तथा 1 पुरुष को उनके विवाह के क्रमश: 3,5 तथा 6 वर्ष बाद प्रथम बच्चा उत्पन्न हुआ था । 14-16 वर्ष की वैवाहिक आयु वाले ग्रुप में 30 पुरुष थे जिनमें 1,4,13,35 तथा 4 पुरुषों को उनके विवाह के क्रमश: 1, 3, 4, 5, 6, तथा 7 व अधिक वर्ष के बाद प्रथम बच्चा उत्पन्न हुआ था । 16-18 वर्ष की वैवाहिक आयु वाले ग्रुप में 75 पुरुष थे जिनमें 6,10, 14, 30, 5, 6 तथा 4 पुरुषों को उनके विवाह के क्रमश: 1, 2, 3, 4, 5, 6 तथा 7 व अधिक वर्ष बाद प्रथम बच्चा उत्पन्न हुआ था । 18-20 वर्ष की आयु वाले ग्रुप में 198 पुरुषों का विवाह हुआ था जिनमें 34, 53, 28, 44, 15, 10 तथा 14 पुरुषों को क्रमश: उनके विवाह के 1,2,3, 4, 5, 6, तथा 7 वर्ष के बाद प्रथम बच्चा उत्पन्न हुआ था । 20-22 वर्ष की आयु वाले ग्रुप में 293 पुरुषों का विवाह हुआ था जिनमें 64, 87,

66.42, 12 , 15 तथा 7 पुरुषों को क्रमशः उनके विवाह के 1, 2, 3, 4, 5, 6, 7 व अधिक वर्षों के बाद प्रथम बच्चा उत्पन्न हुआ था । 22-24 वर्ष की आयु वाले ग्रुप मे 210 पुरुषों का विवाह हुआ था जिनमें 59, 57, 48, 30, 10, 5 तथा 1 पुरुष को क्रमशः उनके विवाह के 1, 2, 3, 4, 5, 6 तथा 7 व अधिक वर्षों के बाद प्रथम बच्चा उत्पन्न हुआ था। 24-26 वर्ष की आयु में 157 पुरुषों का विवाह हुआ था जिनमें 60, 42, 29, 9, 10, 4, तथा 35 पुरुषों को क्रमशः उनके विवाह के 1, 2, 3, 4, 5, 6, तथा 7 व अधिक वर्षों बाद प्रथम बच्चा पैदा हुआ था । 26-28 वर्ष की आयु वाले ग्रुपों मे 48 पुरुषों का विवाह हुआ था जिनमें से 16, 11, 10, 9, 1 तथा 1 पुरुषों को क्रमशः उनके विवाह के 1, 2, 3, 4, 5, 6, तथा 7, व अधिक वर्षों बाद प्रथम बच्चा उत्पन्न हुआ था । 28-30 वर्ष की आयु वाले ग्रुप में 29 पुरुषों का विवाह हुआ था जिनमें 15, 7, 5, 0, 1 तथा 1, पुरुष को क्रमशः उनके विवाह के 1, 2, 3,4, 5, 6, तथा 7 वह अधिक वर्षों के बाद प्रथम बच्चा उत्पन्न हुआ था । 30 व उससे अधिक

आयु वाले ग्रुप में 25 पुरुषों का विवाह हुआ था जिनमें से 11, 5, 4, 1, 2 तथा 2 पुरुषों को उनके विवाह के क्रमश: 1,2,3,4,5,6, तथा 7 व अधिक वर्ष के बाद प्रथम बच्चा उत्पन्न हुआ था ।

सारिणी यह दर्शाता है कि 12 से कम आयु में विवाह करने वाले पुरुषों में सबसे बड़ा तथा सबसे छोटा अनुपात अनुपात उन पुरुषों का है जिनको क्रमश: 7 तथा 6 वर्ष बाद प्रथम बच्चा पैदा हुआ है । 12-14 वर्ष की आयु में विवाह करने वाले पुरुषों में उन लोगों का अनुपात बराबर है जिनको क्रमश: 3, 5, तथा 6 वर्ष बाद बच्चा उत्पन्न हुआ है । यह अनुपात 33.33 प्रतिशत है । 14-16 वर्ष की आयु वाले ग्रुप में विवाह करने वाले पुरुषों में सबसे बड़ा तथा सबसे छोटा समूह उन पुरुषों का है जिनको क्रमश: 4 वर्ष तथा 1 वर्ष बाद प्रथम बच्चा उत्पन्न हुआ है । 16-18 वर्ष की आयु में विवाह करने वाले पुरुषों में से सबसे बड़ा तथा सबसे छोटा समूह उन पुरुषों का है जिनको क्रमश: 4 तथा 7 वर्ष के बाद प्रथम बच्चा उत्पन्न हुआ है । 18- 20 वर्ष की आयु में विवाह करने वाले पुरुषों में से सबसे बड़ा तथा सबसे छोटा समूह उन पुरुषों का है जिनको क्रमश:

2 वर्ष तथा 6 वर्ष बाद प्रथम बच्चा उत्पन्न हुआ है । 20-22 वर्ष की आयु मे विवाह करने वाले पुरुषों मे से सबसे बड़ा तथा सबसे छोटा समूह उन पुरुषों का है जिनको क्रमश: 2 वर्ष तथा 7 वर्ष बाद प्रथम बच्चा उत्पन्न हुआ है । 22-24 वर्ष की आयु मे विवाह करने वाले पुरुषों मे से सबसे बड़ा तथा सबसे छोटा समूह उन पुरुषों का है जिनको क्रमश: 1 वर्ष तथा 8 वर्ष बाद प्रथम बच्चा उत्पन्न हुआ है । 24-26 वर्ष की आयु मे विवाह करने वाले पुरुषों मे सबसे बड़ा तथा सबसे छोटा समूह उन पुरुषों का है जिनको क्रमश: 1 वर्ष तथा 7 वर्ष बाद प्रथम बच्चा उत्पन्न हुआ है । 26-28 वर्ष की आयु मे विवाह करने वाले पुरुषों मे सबसे बड़ा तथा सबसे छोटा समूह उन पुरुषों का है जिनको क्रमश: 1 वर्ष तथा 6 वर्ष बाद प्रथम बच्चा उत्पन्न हुआ है । 28-30 वर्ष की आयु मे विवाह करने वाले पुरुषों मे सबसे बड़ा तथा सबसे छोटा समूह उन पुरुषों का है जिनको क्रमश: 1 वर्ष तथा 7 वर्ष बाद प्रथम बच्चा उत्पन्न हुआ है । यह भी स्मरणीय है कि 5 तथा 6 वर्ष बाद एक भी पुरुष को प्रथम बच्चा उत्पन्न नहीं हुआ है । 30 व अधिक वर्ष की आयु मे विवाह करने वाले पुरुषों मे से सबसे बड़ा तथा सबसे छोटा समूह ऐसे पुरुषों का है जिनको क्रमश: 1 वर्ष तथा 4 वर्ष बाद प्रथम बच्चा उत्पन्न हुआ है ।

सारिणी से यह स्पष्ट है कि पुरुषों की वैवाहिक आयु के बढ़ने के साथ-साथ प्रथम बच्चा उत्पन्न होने में लगने वाला समय घटता जाता है जो कि घटते घटते एक वर्ष पर स्थिर हो जाता है। विवाह की आयु के घटने के साथ-साथ प्रथम बच्चा उत्पन्न होने में लगने वाला समय बढ़ता जाता है जो कि 7 व अधिक वर्ष भी हो सकता है लेकिन इसके बढ़ने की संभावना क्रमशः तेजी से घटती जाती है।

परिशिष्ट - 197

पुरुष प्रशिक्षार्थियों की पत्नियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण, जिनका विभाजन इस प्रकार से किया गया था कि उनकी वैवाहिक आयु के कितने वर्ष बाद प्रथम बच्चा उत्पन्न हुआ था ।

पत्नियों के विवाह के कितने दिन बाद प्रथम बच्चा हुआ / पत्नियों की वैवाहिक आयु (वर्षों में)	1 वर्ष	2 वर्ष	3 वर्ष	4 वर्ष	5 वर्ष	6 वर्ष	7 वर्ष व अधिक	कुल योग
12	0	0	4	52	14	11	10	91
12-14	0	27	43	47	10	9	14	150
14-16	38	59	38	41	8	16	5	205
16-18	64	73	57	22	8	10	2	236
18-20	6[illegible] 72	61	31	3	9	5	4	185
20-22	44	26	20	11	9	0	0	110
22-24	30	25	14	3	[illegible]	0	0	6[illegible]
24 व से अधिक	18	11	2	0	0	0	0	31
	266	272	209	179	59	51	35	1071

प्रस्तुत सारिणी में पुरूष प्रतिवादियों का उनकी पत्नियों को वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण को दिखाया गया है , जिनका विभाजन विवाह के बाद प्रथम बच्चा उत्पन्न होने के आधार पर किया गया था ।

सम्प्रति न्यादर्श में 1071 पुरूष प्रतिवादी के बच्चे थे । पुरूषों में 266 पत्नियों को उनके विवाह के 1 वर्ष बाद प्रथम बच्चा उत्पन्न हुआ था , 272 पत्नियों को उनको विवाह के 1 वर्ष बाद प्रथम बच्चा उत्पन्न हुआ था । 209 पत्नियों को उनके विवाह के 3 वर्ष बाद प्रथम बच्चा उत्पन्न हुआ था 179 पत्नियों को उनके विवाह के 3 वर्ष बाद प्रथम विवाह बच्चा उत्पन्न हुआ था , 59 पत्नियोंय को उनके विवाह के 5 वर्ष बाद प्रथम बच्चा उत्पन्न हुआ था । 51 पुरूषों की पत्नियों को उनके विवाह के 6 वर्ष बाद प्रथम बच्चा उत्पन्न हुआ था 35 पत्नियों को उनके विवाह के 7 व अधिक वर्ष बाद प्रथम बच्चा पैदा हुआ था ।

उपरोक्त विभाजित पुरूषों की पत्नियों की उनकी वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण प्रदर्शित किया गया है ।

जिससे यह स्पष्ट है कि 12 से कम आयु में 91 पत्नियों का विवाह हुआ था जिनमें 4,52,14,11 तथा 10 पत्नियों को उनके विवाह के क्रमशः 3,4,5,6 तथा 7 व अधिक वर्ष के बाद प्रथम बच्चा उत्पन्न हुआ था । 12-14 वर्ष की आयु में 150 पत्नियों का विवाह हुआ था जिनमें 27, 43, 47, 10, 9 तथा 14 पत्नियों को उनके विवाह के क्रमशः 2,3,4,5,6 तथा 7 व अधिक वर्ष बाद प्रथम बच्चा उत्पन्न हुआ था । 14-16 वर्ष की आयु में 205 पत्नियों का विवाह हुआ था जिनमें 38,59,38,41 8, 16, तथा 5 पत्नियों को उनके विवाह के क्रमशः 1,2,3,45, 6, तथा 7 व अधिक वर्ष बाद प्रथम बच्चा पैदा हुआ था । 16-18 वर्ष की आयु में 236 पत्नियों का विवाह हुआ था जिनमें से 64, 73, 57, 22, 8,10 तथा 2 पत्नियों को उनके विवाह के क्रमशः 1,2, 3,4,5,6, तथा 7 व अधिक वर्ष के बाद प्रथम बच्चा उत्पन्न हुआ था । 18-20 वर्ष की आयु में 185 पत्नियों का विवाह हुआ था जिनमें 72,81,31,3,9,5 तथा 4 पत्नियों को उनके विवाह के क्रमशः 1,2,3,4,5,6, तथा 7 व अधिक वर्ष बाद

प्रथम बच्चा उत्पन्न हुआ था । 20-22 वर्ष की आयु में 110 पत्नियों का विवाह हुआ था जिनमें 44, 26, 20, 11 तथा 9 पत्नियों को उनके विवाह के क्रमशः 1, 2, 3, 4, तथा 5वर्ष बाद प्रथम बच्चा उत्पन्न हुआ था । 22-24 वर्ष की आयु में 63 पत्नियों का विवाह हुआ था जिनमें से 30, 15, 14, 3 तथा 1 पत्नियों को उनके विवाह के क्रमशः 1, 2, 3, 4, तथा 5 वर्ष बाद प्रथम बच्चा उत्पन्न हुआ था । 24 व अधिक की आयु में 31 पत्नियों का विवाह हुआ था जिनमें 18, 11 तथा 2 पत्नियों को उनके विवाह के क्रमशः 1, 2, तथा 3 वर्ष बाद प्रथम बच्चा उत्पन्न हुआ था । 20-22 , 22-24, तथा 24 व अधिक आयु वाले ग्रुपों में जिन पत्नियों का विवाह हुआ था उनमें से कोई भी ऐसी पत्नी नहीं थी जिनको 6 या 7 वर्ष बाद प्रथम बच्चा उत्पन्न हुआ इसके साथ ही साथ 24 व अधिक आयु में जिन पत्नियों का विवाह हुआ था उनमें से कोई भी स्त्री नहीं थी जिसको 4, 5, 6 तथा 7 वर्ष बाद प्रथम बच्चा उत्पन्न हुआ था । 12 से कम तथा 12-14 वर्ष की आयु में जिन पत्नियों का विवाह हुआ था उनमें कोई भी ऐसी स्त्री नहीं थी जिनको क्रमशः 1 व 2 वर्ष बाद तथा 1 वर्ष बाद प्रथम बच्चा उत्पन्न हुआ था ।

प्रस्तुत सारिणी यह दर्शाता है कि 12 से कम आयु में विवाह करने वाली पत्नियों में सबसे बड़ा तथा सबसे छोटा समूह उन पत्नियों का है जिनको उनके विवाह के क्रमशः 4 वर्ष तथा 3 वर्ष बाद

प्रथम कन्या उत्पन्न हुआ है । यह स्मरणीय है कि 1 वर्ष तथा 2 वर्ष बाद किसी भी स्त्रि की प्रथम कन्या उत्पन्न नहीं हुआ है । 12-14 वर्ष की आयु में विवाह करने वाली स्त्रियों में सबसे बड़ा तथा सबसे छोटा समूह उन पत्नियों का है जिनको उनके विवाह के क्रमशः 4 वर्ष तथा 6 वर्ष बाद प्रथम कन्या उत्पन्न हुआ है । यह स्मरणीय है कि 1 वर्ष बाद किसी भी स्त्री की प्रथम कन्या उत्पन्न नहीं हुआ है । 14-16 वर्ष की आयु में विवाह करने वाली स्त्रियों में सबसे बड़ा तथा सबसे छोटा समूह उन पत्नियों का है जिनको उनके विवाह के क्रमशः 2 वर्ष तथा 5 वर्ष बाद प्रथम कन्या उत्पन्न हुआ है । 16-18 वर्ष की आयु में विवाह करने वाली स्त्रियों में सबसे बड़ा तथा सबसे छोटा समूह उन पत्नियों का है जिनको उनके विवाह के क्रमशः 2 वर्ष तथा7 व अधिक वर्ष के बाद प्रथम कन्या उत्पन्न हुआ है । 18-20 वर्ष की आयु में विवाह करने वाली पत्नियों में सबसे बड़ा तथा सबसे छोटा समूह ऐसे स्त्रियों का है जिनको उनके विवाह के क्रमशः 1 वर्ष तथा 4 वर्ष बाद प्रथम कन्या उत्पन्न हुआ है । 20-22 वर्ष की आयु में विवाह करने वाली स्त्रियों में सबसे बड़ा तथा सबसे छोटा समूह उन स्त्रियों का है जिनको उनके विवाह के क्रमशः 1 वर्ष तथा 5 वर्ष बाद प्रथम कन्या उत्पन्न हुआ है । 22-24 वर्ष की आयु में विवाह करने वाली स्त्रियों में सबसे बड़ा समूह तथा सबसे छोटा समूह उन पत्नियों का है जिनको उनके विवाह के

क्रमश: 1 वर्ष तथा 5 वर्ष बाद प्रथम बच्चा उत्पन्न हुआ है । 24 वर्ष अधिक आयु में विवाह करने वाली पत्नियों में सबसे बड़ा तथा सबसे छोटा समूह उन पत्नियों का है जिनको उनके विवाह के क्रमश: 1 वर्ष तथा 3 वर्ष बाद प्रथम बच्चा उत्पन्न हुआ है । यह स्मरणीय है कि इस प्रकार की स्त्रियों में 4, 5, 6 तथा 7 से अधिक वर्ष बाद किसी भी स्त्री को प्रथम बच्चा उत्पन्न नहीं हुआ है । 20-22 तथा 22-24 वर्ष की आयु में करने वाली पत्नियों में से एक भी स्त्री का विवाह के 6 तथा 7 से अधिक वर्ष बाद प्रथम बच्चा उत्पन्न नहीं हुआ है ।

प्रस्तुत सारिणी से यह स्पष्ट है कि स्त्रियों की वैवाहिक आयु के बढ़ने पर साथ ही साथ प्रथम बच्चा पैदा होने में लगने वाला समय घटता जाता है तथा स्त्रियों की वैवाहिक आयु के घटने के साथ साथ प्रथम बच्चा पैदा होने में लगने वाला समय बढ़ता जाता है अर्थात स्त्रियों के अधिक आयु में विवाह करने पर प्रथम बच्चा जल्दी पैदा होने की संभावना रहती है तथा छोटी उम्र में विवाह करने पर प्रथम बच्चा देर में पैदा होने की संभावना रहती है ।

सारिणी - 198

कृषक महिलाओं की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण जिन को मृत्यु शैशव काल मे हुई हो ।

कृषकों की विवाह अवस्था (वर्षों में)	जिनके बच्चों की मृत्यु शैशव काल में हुई कृषकों की संख्या	जिनके बच्चों की मृत्यु शैशव काल में नहीं हुई कृषकों की सं0	योग	
12 से कम	3 (100%)	0 (0%)	3 (100%)	0.28%
12-14	2 (66.67%)	(1 (33.33%)	3 (100%)	0.28%
14.16	9 (30%)	21 (70%)	30 (100%)	2.80%
16.18	15 (20%)	60 (80%)	75 (100%)	7.00%
18.20	26 (13.64%)	172 (8636%)	198 (100%)	18.50%
20.22	35 (12.94%)	258 (87.06%)	293 (100%)	27.36%
22.24	21 (10%)	189 (90%)	210 (100%)	19.61%
24.26	12 (7.64 %)	145 (92.36%)	157 (100%)	14.66%
26.28	3 (6.25 %)	45 (93.75 %)	48 (100 %)	4.48 %
28.30	2 (6.88 %)	27 (93.12 %)	29 (100 %)	2.70 %
30 व उससे अधिक	1 (4 %)	24 (96%)	25 (100 %)	2.33 %
योग	129 (12.04 %)	942 (87.96 %)	1071 (100 %)	100.%

प्रस्तुत सारिणी में ऐसे कुटुम्ब प्रतिवादियों की विवाह के समय आयु के अनुसार वितरण को दर्शाया गया है जिनके बच्चों की मृत्यु शैशव काल में, तथा जिनके बच्चों की मृत्यु शैशव काल में नहीं हुई थी।

सम्प्रति न्यादर्श में 1071 कुटुम्ब प्रतिवादी थे जिनके बच्चे उत्पन्न हुये थे। जिनमें कुल 129 (12.04 प्रतिशत) कुटुम्बों के बच्चों की मृत्यु शैशव काल में हुई थी।

उपर्युक्त 1071 (100 प्रतिशत) कुटुम्बों में 3(0.28 प्रतिशत) कुटुम्बों का विवाह 12 से कम, 3(0.28 प्रतिशत) कुटुम्बों का विवाह 12-14, 30(2.80 प्रतिशत) कुटुम्बों का विवाह 14-16, 75(7.00 प्रतिशत), कुटुम्बों का विवाह 16-18, 198 (18.50 प्रतिशत) कुटुम्बों का विवाह 18..20, 293 (27.36 प्रतिशत (, कुटुम्बों का विवाह 20--22, 210 (19.61 प्रतिशत) कुटुम्बों का विवाह 22-24 157 (14.66 प्रतिशत) कुटुम्बों का विवाह 24-26, 48(4.48 प्रतिशत) कुटुम्बों का विवाह 26-28, 29(2.70) कुटुम्बों का विवाह 28-30, (तथा 25 (2.33 प्रतिशत) कुटुम्बों का विवाह 30 व अधिक आयु वाले ग्रुप में हुआ था। न्यादर्श में सारिणी यह दर्शाती है कि इस वर्ग के न्यादर्श कुटुम्बों में जिनका विवाह 12 से कम आयु वाले ग्रुप में हुआ था उन कुटुम्बों में सभी कुटुम्बों के बच्चे शैशव काल में मरे थे। 12-14 वर्ष की आयु वाले ग्रुप में विवाह करने वाले कुल 3 कुटुम्बों में 2 कुटुम्बों के बच्चे

शैशव काल में मरे थे । 14-16 वर्ष की आयु वाले ग्रुप में विवाह करने वाले कुल 30 कृषकों में 9 कृषकों के बच्चे शैशव काल में मृत्यु थी । 30 अधिक आयु वाले ग्रुप में विवाह करने वाले 25 कृषकों में । कृषक के बच्चे की मृत्यु शैशव काल में हुई थी ।

प्रतिशतानुसार विश्लेषण से यह स्पष्ट होता है कि 12 से कम आयु वाले ग्रुप में विवाह करने वाले कृषकों में 100 प्रतिशत कृषकों के बच्चों की मृत्यु शैशव काल में हुई 12-14 वर्ष की आयु वाले ग्रुप में विवाह करने वाले कृषकों में 66.67 प्रतिशत कृषकों के बच्चों की मृत्यु शैशव काल में हुई है, 14-16 वर्ष की आयु वाले ग्रुप में विवाह करने वाले कृषकों में से 30 प्रतिशत कृषकों के बच्चों की मृत्यु शैशव काल में हुई है, 16-18 वर्ष की आयु वाले ग्रुप में विवाह करने वाले कृषकों में 20 प्रतिशत कृषकों के बच्चों की मृत्यु शैशव काल में हुई है 18-20 वर्ष की आयु वाले ग्रुप में विवाह करने वाले कृषकों में 13.64 प्रतिशत कृषकों के बच्चों की मृत्यु शैशव काल में हुई थी 20-22 वर्ष की आयु के बच्चों शैशव काल में मरे थे 16-18 वर्ष की आयु वाले ग्रुप में विवाह करने वाले 75 कृषक में 15 कृषकों बच्चों की मृत्यु शैशव काल में हुई थी । 18-20 वर्ष की आयु वाले ग्रुप में विवाह करने वाले 198 कृषकों में 26 कृषकों के बच्चों की मृत्यु शैशव काल में हुई थी । 20-22 वर्ष की आयु वाले ग्रुप में विवाह करने वाले 298 कृषकों में से 35 कृषकों के बच्चों की मृत्यु शैशव काल

काल में हुई थी । 22-24 वर्ष की आयु वाले ग्रुप में विवाह करने वाले 210 पुरूषोमें से 21 पुरूषो के बच्चो की मृत्यु शैशव काल में हुई थी 24-26 वर्ष की आयु वाले ग्रुप में विवाह करने वाले 157 पुरूषो में से 12 पुरूषो के बच्चो की मृत्यु शैशव काल में हुई थी । 26-28 वर्ष की आयु वाले ग्रुप में विवाह करने वाले 48 पुरूषो में से 3 पुरूषो के बच्चो की मृत्यु शैशव काल में हुई थी । 28-30 वर्ष की आयु वाले ग्रुप में विवाह करने वाले 29 पुरूषो में 2 पुरूषो के बच्चो की मृत्यु शैशव काल में हुई । 20-22 वर्ष की आयु वाले ग्रुप में विवाह करने वाले पुरूषो में 12.94 प्रतिशत पुरूषो के बच्चो की मृत्यु शैशव काल में हुई है 22-24 वर्ष की आयु वाले ग्रुप में विवाह करने वाले पुरूषो में 10 प्रतिशत पुरूषो के बच्चो की मृत्यु शैशव काल में हुई है, 24-26 वर्ष की आयु वाले ग्रुप में विवाह करने वाले पुरूषो में 7.64 प्रतिशत पुरूषो के बच्चो की मृत्यु शैशव काल में हुई है । 26-28 वर्ष की आयु वाले ग्रुप में विवाह करने वाले पुरूषो में 6.25 प्रतिशत पुरूषो के बच्चो की मृत्यु शैशव काल में हुई है 28-30 वर्ष की आयु वाले ग्रुप में विवाह करने वाले पुरूषो में 6.88 प्रतिशत पुरूषो के बच्चो की मृत्यु शैशव काल में हुई है तथा 30 व अधिक वर्ष की आयु वाले ग्रुप में विवाह करने वाले पुरूषो में 4 प्रतिशत पुरूषो के बच्चो की मृत्यु शैशव काल में हुई है ।

जिससे यह स्पष्ट है कि जिन पुरूषों का विवाह कम आयु मे हुआ है उनके बच्चो शै शव काल मे अधिक है तथा जिनका विवाह अधिक आयु मे हुआ है उनके बच्चो शैशव काल मे कम मरे है। सारिणी से यह स्पष्ट है कि 12.04 प्रतिशत पुरूषो के बच्चो की मृत्यु शैशव काल मे हुई है।

सारिणी - 199

कुम्हार प्रतिभागियों की पत्नियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण, जिनके बच्चों की मृत्यु शैशव काल में हुई थी।

कुम्हारों की पत्नियों की विवाह आयु वर्गों में	कुम्हारों की संख्या जिनके बच्चे की मृत्यु शैशव काल में हुई थी	कुम्हारों की संख्या जिनके बच्चों की मृत्यु शैशव काल में नहीं हुई थी	योग	
12	17 (19.10 %)	72 (81.90%)	89 (100%)	(8.31 %)
12-14	28 (18.68 %)	122 (81.33 %)	150 (100%)	(14.00%)
14-16	26 (12.56 %)	181 (87.44 %)	207 (100 %)	(19.33 %)
16-18	23 (9.74 %)	213 (90.26 %)	236 (100 %)	(22.03 %)
18.20	25 (13.51 %)	160 (86.49 %)	185 (100 %)	(17.27 %)
20.22	6 (5.45 %)	104 (94.55%)	110 (100%)	(10.27 %)
22.24	3 (4.76 %)	60 (95.24 %)	63 (100%)	(5.88)
24 व उससे अधिक	2 (3.23 %)	30 (96.77 %)	31 (100 %)	(2.90%)
योग :	129 (12.04 %)	942 (87/96 %)	1071 (100 %)	(100 %)

प्रस्तुत तालिका में उत्तर प्रतिवादियों की पत्नियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण का प्रस्तुत किया है जिनके बच्चों की मृत्यु शैशव काल में हुई थी। तथा जिनके बच्चों की मृत्यु शैशव काल में नहीं हुई थी।

सम्प्रति स्मारणीय है कि 1071 पुरुष प्रतिवादी थे जिनके बच्चे उत्पन्न हुए थे। जिनमें 129 (12.04 प्रतिशत) पुरुषों के बच्चों की मृत्यु शैशव काल में हुई थी तथा शेष 942 (87.965 प्रतिशत) पुरुषों के बच्चों की मृत्यु शैशव काल में नहीं हुई थी।

उपर्युक्त 1071 पुरुषों में 89 (8.31 प्रतिशत)

पुरुषों की स्त्रियों का विवाह 12 से कम, 150 (14.00 प्रतिशत)

पुरुषों की स्त्रियों का विवाह 12-14, 207 (19.335 प्रतिशत)

पुरुषों की स्त्रियों का विवाह 14-16, 236 (22.03 प्रतिशत)

पुरुषों की स्त्रियों का विवाह 16-18, 185 (17.27 प्रतिशत)

पुरुषों की स्त्रियों का विवाह 18-20, 110 (10.27 प्रतिशत)

पुरुषों की स्त्रियों का विवाह 20-22, 63 (5.89 प्रतिशत)

पुरुषों की स्त्रियों का विवाह 22-24 तथा 31 (2.90 प्रतिशत)

पुरुषों की स्त्रियों का विवाह 24 व अधिक" आयु वाले ग्रुप में हुआ था।

सारिणी पर दृष्टिपात करने से विदित है कि जिन 89 पुरुषों

की स्त्रियों का विवाह 12 से कम वर्ष की आयु वाले ग्रुप में हुआ था उनमें से 17 पुरुषों के बच्चों की मृत्यु शैशव काल में हुई जिन 150 पुरुषों की स्त्रियों का विवाह 12-14 वर्ष की आयु वाले ग्रुप में हुआ था उनमें 28 पुरुषों के बच्चों की मृत्यु शैशव काल में हुई है व 207 पुरुषों की स्त्रियों का विवाह 14-16 वर्ष की आयु वाले ग्रुप में हुआ था उनमें 26 पुरुषों के बच्चों की मृत्यु शैशव काल में हुई है, जिन 236 पुरुषों की स्त्रियों का विवाह 16-18 वर्ष की आयु वाले ग्रुप में हुआ था उनमें 23 पुरुषों के बच्चों की मृत्यु शैशव काल में हुई है । जिन 185 पुरुषों की स्त्रियों का विवाह 18-20 वर्ष की आयु वाले ग्रुप में हुआ है उनमें से 25 पुरुषों के बच्चों की मृत्यु शैशव काल में हुई है, जिन 110 पुरुषों की स्त्रियों का विवाह 20-22 वर्ष के आयु वाले ग्रुप में हुआ था उनमें 6 पुरुषों के बच्चों की मृत्यु शैशव काल में हुई है, जिन 63 पुरुषों की स्त्रियों का विवाह 22-24 वर्ष की आयु वाले ग्रुप में हुआ था व उनमें 3 पुरुषों के बच्चों की मृत्यु शैशव काल में हुई है । तथा जिन 31 पुरुषों की स्त्रियों का विवाह 24 व अधिक आयु वाले ग्रुप में हुआ था उनमें 1 पुरुष के बच्चे की मृत्यु शैशव काल में हुई है ।

प्रतिशतानुसार विश्लेषण प्रदर्शित करता है कि 12 से कम आयु वाले ग्रुप में विवाह करने वाली स्त्रियों में 19.10 प्रतिशत

स्त्रियों के बच्चों की मृत्यु शैशव काल में हुई है, 12-14 वर्ष की आयु वाले ग्रुप मे विवाह करने वाली स्त्रियों मे 18.67 प्रतिशत स्त्रियों के बच्चों की मृत्यु शैशव काल मे हुई है, 14-16 वर्ष की आयु वाले ग्रुप मे विवाह करने वाली स्त्रियों मे 12.56 प्रतिशत स्त्रियों के बच्चों को मृत्यु शैशव काल मे हुई है, 16-18 वर्ष की आयु वाले ग्रुप मे विवाह करने वाली स्त्रियों मे 8.78 प्रतिशत स्त्रियों के बच्चों की मृत्यु शैशव काल हुई है, 18-20 वर्ष की आयु वाले ग्रुप मे विवाह करने वाली स्त्रियों मे 13.51 प्रतिशत स्त्रियों के बच्चों की मृत्यु शैशव काल मे हुई है, 20-22 वर्ष की आयु वाले ग्रुप मे विवाह करने वाली स्त्रियों मे 5.45 प्रतिशत स्त्रियों के बच्चों की मृत्यु शैशव काल मे हुई है, 22-24 वर्ष की आयु वाले ग्रुप मे विवाह करने वाली स्त्रियों मे 4.76 प्रतिशत स्त्रियों के बच्चों की मृत्यु शैशव काल मे हुई है तथा 24 व अधिक आयु वाले ग्रुप मे विवाह करने वाली स्त्रियों में 3.23 प्रतिशत स्त्रियों के बच्चों की मृत्यु शैशव काल मे हुई है।

इस सारिणी से यह स्पष्ट है कि जिन स्त्रियों का विवाह कम आयु में हुआ है उनके शैशव काल मे मरने वाले बच्चों का अनुपात अधिक है। अपेक्षाकृत उन स्त्रियों के शैशव काल मे मरने वाले बच्चे के अनुपात के जिनका विवाह अधिक आयु मे हुआ है अतः यह स्पष्ट है कि बाल विवाह शिशु-मृत्यु दर को बढ़ाने मे सहायक होती है तथा अधिक उम्र मे विवाह शिशु मृत्यु दर को घटाने मे सहायक होती है।

सारिणी - 200

पुरुष प्रतिवादियों को वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण, जिनकी

पत्नियों का प्रसव-काल में देहान्त हो गया था।

पत्नियों की विवाह आयु, वर्षों में	पुरुषों की विवाह आयु (वर्षों में) 12 से कम	12-14	14-16	16-18	18-20	20-22	22-24	24-26	26-28	28-30	30 व उससे अधिक	योग
12 से कम					1	3	2					6
12-14		2					2		1			5
14-16				2	1				1			4
16-18												0
18.20							2				~~1~~/	2
20.22								2			1	3
22.24								2				2
24 व उससे अधिक												0
योग :	0	2	0	2	2	3	6	4	2	0	1	22

प्रस्तुत सारिणी में ऐसे पुरूषों एवं उनकी पत्नियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण की है जिनकी पत्नियों का प्रसव काल में देहान्त हो गया था ।

सम्प्रति न्यादर्श में इन पुरूषों की संख्या 22 थी जिनकी पत्नियों का प्रसव काल में देहान्त हो गया था ।

इस वर्ग के न्यादर्श के 22 पुरूषों में जिन 2 पुरूषों का विवाह 12-14 वर्ष की आयु वाले ग्रुप में हुआ था । उनकी दोनों पत्नियों का विवाह 12-14 वर्ष की आयु वाले ग्रुप में हुआ था । जिन 2 पुरूषों का विवाह 16-18 वर्ष की आयु वाले ग्रुप में हुआ था । उनकी दोनों पत्नियों का विवाह - 14-16 वर्ष की आयु वाले ग्रुप में हुआ था । जिन 2 पुरूषों का विवाह 18-20 वर्ष की आयु वाले ग्रुप में हुआ था उनकी पत्नियों में से 1 पत्नी का विवाह "12 से कम" तथा 1 पत्नी का विवाह "14-16" वर्ष की आयु वाले ग्रुप में हुआ था । जिन 3 पुरूषों का विवाह 20-22 वर्ष की आयु वाले ग्रुप में हुआ था उनकी तीनों पत्नियों का विवाह "12 से कम" वर्ष की आयु वाले ग्रुप में हुआ था । जिन 6 पुरूषों का विवाह 22-24 वर्ष की आयु वाले ग्रुप में हुआ था उनकी पत्नियों में से 2 पत्नियों का विवाह "12 से कम" 2 पत्नियों का विवाह 12-14 तथा 2 पत्नियों का विवाह 18-20 वर्ष की आयु वाले ग्रुप में हुआ था । जिन 4 पुरूषों का विवाह 24-26 वर्ष की आयु वाले ग्रुप

मे हुआ है उनकी स्त्रियों मे 2 स्त्रियों का विवाह 20-22 तथा 2 स्त्रियों का विवाह 22-24 वर्ष की आयु वाले ग्रुप मे हुआ था। जिन 2 पुरूषों का विवाह 26-28 वर्ष की आयु वाले ग्रुप मे हुआ था उनकी पत्नियों मे एक स्त्री का विवाह 12-14 तथा एक स्त्री का विवाह 14-16 वर्ष की आयु वाले ग्रुप मे हुआ था जिस 1 पुरुष का विवाह 30 व अधिक आयु वाले ग्रुप मे हुआ है उनकी पत्नी का विवाह 20-22 वर्ष की आयु वाले ग्रुप मे हुआ था।

इस सारिणी से यह स्पष्ट है कि जिन 22 पुरूषों की स्त्रियों का प्रसवकाल मे देहान्त हो गया था उन 22 पुरूषों मे से सबसे बड़ा समूह उन पुरूषों का है जिनका विवाह 22-24 वर्ष की आयु वाले ग्रुप मे हुआ था तथा सबसे बड़ा समूह उन पत्नियों का है जिनका विवाह "12 से कम" वर्ष की आयु वाले ग्रुप मे हुआ था जिन 22 पत्नियों का प्रसवकाल मे देहान्त हो गया उनमे से 11 पत्नियों का विवाह 14 वर्ष से पहले हो गया था। यह भी स्मरणीय है कि 7 पत्नियों का विवाह 18 वर्ष व इससे अधिक वर्ष की आयु मे हुआ था।

सारिणी – १८१

कृषक प्रतिभागियों का उनकी वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण व। वर्तमान समय में परिवार नियोजन के किसी विधि को प्रयोग में ला रहे थे या नहीं ।

कृषकों की विवाह के आयु (वर्षों में)	परिवार नियोजन के विधि का प्रयोग हाँ	नहीं	योग
12 से कम	1 (25 प्रतिशत)	3 (75 प्रतिशत)	4 (0.35 प्रतिशत) (100 प्रतिशत)
12–14	2 (50 प्रतिशत)	2 (50 प्रतिशत	4 (0.35 प्रति०) (100 प्रतिशत)
14–16	10 (30.30 प्रतिशत)	23 (69.70 प्रति०)	33 (2.88 प्रतिशत (100 प्रतिशत)
16–18	31 (37.80 प्रतिशत)	51 (62.20 प्रति०)	82 (7.16) प्रति० (100 प्रतिशत)
18–20	68 (32.69 प्रतिशत)	140 (67.31 प्रति०)	208 (18.15 प्रति० (100 प्रतिशत)
20–22	111 (35.92 प्रति०)	198 (64.08 प्रति०)	309 (26.96 प्रति०) (100 प्रतिशत)
22–24	69 (31.08 प्रतिशत)	153 (68.92 प्रतिशत)	222 (19.37 प्रति०) (100 प्रतिशत)
24–26	72 (43.11 प्रतिशत)	95 (56.89 प्रतिशत)	167 (14.57 प्रति) (100 प्रतिशत)
26–28	31 (56.36 प्रतिशत)	24 (43.64 प्रति०)	55 (4.80 प्रतिशत (100 प्रतिशत)
28–30	17 (51.51 प्रतिशत	16 (48.49 प्रति०	33 (2.88 प्रति०) (100 प्रतिशत)

30 व 30 से अधिक	7 (24.13 प्रतिशत)	22 (75.87 प्रतिशत)	29(2.53 प्रतिशत) (100 प्रतिशत)
योग	419 (36.56 प्रति.)	727 (63.44 प्रति.)	1146 (100 प्रति0) (100 प्रति.)

प्रस्तुत सारिणी में ऐसे कृषक प्रतिभागियों वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण को दर्शाया गया है जो सर्वेक्षण के समय परिवार नियोजन के किसी को प्रयोग में ला रहे थे या नहीं ।

सम्प्रति न्यादर्श में कुल 1146 कृषकों में से -419 (36.56 प्रतिशत) कृषक परिवार नियोजन के किसी न किसी विधि को प्रयोग में ला रहे थे तथा शेष 727(63.44 प्रतिशत) कृषक परिवार नियोजन के किसी भी विधि को प्रयोग में नहीं ला रहे थे ।

न्यादर्श में पाये गये 1146 कृषकों से 12 से कम , 12-14,14-16, 16-18,18-20,20-22,22-24,24-26,26-28,28-30, तथा 30 व अधिक आयु वाले ग्रुप में विवाह करने वाले कृषकों की संख्या क्रमशः 4 (0.35 प्रतिशत) 4(0.35 प्रतिशत) , 33(2.88 प्रतिशत),82(7.16 प्रतिशत) ,208(18.15प्रति; 309(26.96 प्रतिशत), 222(19.37 प्रतिशत) , 167(14.57 प्रतिशत), 55(4.80) प्रतिशत) ,33 (2.88 प्रतिशत) तथा 29(2.53 प्रतिशत थी ।

सारिणी यह दर्शाती है कि 4 में 1 कृषक जो 12 से कम वर्ष की वैवाहिक आयु वाले ग्रुप में था 4 में 2 कृषक जो 12-14 वर्ष की वैवाहिक आयु वाले

ग्रुप में थे 33 में 10 कृषक जो 14-16 वर्ष की वैवाहिक आयु वाले ग्रुप में थे 32 में 31 कृषक जो 16-18वर्ष की वैवाहिक आयु वाले ग्रुप में थे 208 में 68 कृषक जो 18-20 वर्ष की वैवाहिक आये वाले ग्रुप में थे 309 में 111 कृषक जो 20-22 वर्ष की वैवाहिक आयु वाले ग्रुप में थे 22-में 69 कृषक जो 22-24 वर्ष की वैवाहिक आयु वाले ग्रुप में थे 167 में 72 कृषक जो 24-26 वर्ष की वैवाहिक आयु वाले ग्रुप में थे 55 में 31 कृषक जो 26-28 वर्ष की वैवाहिक आयु वाले ग्रुप में थे 33 में 17 कृषक जो 28-30 वर्ष की वैवाहिक आयु वाले ग्रुप में थे तथा 29 में 7 कृषक जो 30 व अधिक की वैवाहिक वाले ग्रुप में थे, इनके कथनानुसार वायु समय में परिवार नियोजन के किसी न किसी विधि को प्रयुक्त कर रहे है ।

प्रतिशतानुसार वितरण यह दर्शाता है कि 12 से कम वर्ष की आयु वाले ग्रुप में विवाह करने वाले कृषकों में 25 प्रतिशत 12-14 वर्ष की आयु वाले ग्रुप में विवाह करने वाले कृषकों में 50 प्रतिशत 14-16 वर्ष की वैवाहिक आयु वाले ग्रुप में विवाह करने वाले कृषकों में 30.30 प्रतिशत , 16-18 वर्ष की वैवाहिक आयु वाले ग्रुप में विवाह करने वाले कृषकों में 37.80 प्रतिशत 18-20 वर्ष की वैवाहिक आयु वाले ग्रुप में विवाह करने वाले कृषकों में 32.69 प्रतिशत 20-22 वर्ष की वैवाहिक आयु वाले ग्रुप मेंविवाह करने वाले कृषकों में 35.92 प्रतिशत ,22-24 वर्ष की वैवाहिक आयु वाले ग्रुप में विवाह करने वाले कृषकों मे में 31.08 प्रतिशत ,24-26 वर्ष की वैवाहिक आयु वाले ग्रुप में विवाह करने वाले

युवकों में 43.11 प्रतिशत, 26-28 वर्ष की वैवाहिक आयु वाले ग्रुप में विवाह करने वाले युवकों में 56.36 प्रतिशत 28-30 वर्ष की वैवाहिक आयु वाले ग्रुप में विवाह करने वाले युवकों में 51.51 प्रतिशत तथा 30 व अधिक की वैवाहिक आयु वाले ग्रुप में विवाह करने वाले युवकों में 24.8 13 प्रतिशत

किसी न किसी विधि

के कथनानुसार/उन्होंने वा. समय में परिवार नियोजन के किसी को प्रयुक्त कर रहे है ।

इस तालिका से यह स्पष्ट है कि 26-28 वर्ष की आयु वाले ग्रुप में जिनका विवाह हुआ है वे ही व्यक्ति वा. समय में परिवार नियोजन के किसी न किसी विधि को सबसे अधिक प्रयुक्त कर रहे है ।

सारिणी संख्या - २०२

पुरूष प्रतिवादियों का उनकी पत्नियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण जिन्होंने परिवार नियोजन के किसी भी विधि का वायु समय में प्रयोग नहीं करते थे।

पत्नियों की विवाह आयु	परिवार नियोजन के किसी भी विधि का वायु समय में प्रयोग हाँ	नहीं	योग
12 से कम	30 32.25 प्रतिशत	63 67.75 प्रतिशत	93 100 प्रतिशत
12-14	41 26.28 प्रति0	115 73.72 प्रतिशत	156 100 प्रतिशत
14-16	82 37.10 प्रति0	139 62.90 प्रतिशत	221 100 प्रतिशत
16-18	96 39.18 प्रति0	149 60.82 प्रतिशत	245 100 प्रतिशत
18-20	67 32.05 प्रति0	142 67.95 प्रतिशत	209 100 प्रतिशत
20-22	44 38.26 प्रति0	71 61.74 प्रतिशत	115 100 प्रतिशत
22-24	39 53.42 प्रति0	34 46.58 प्रतिशत	73 100 प्रतिशत
24-से अधिक	20 58.82 प्रति0	14 41.18 प्रतिशत	34 100 प्रतिशत
योग	419 36.73 प्रति0	727 63.27 प्रतिशत	1146 100 प्रतिशत

प्रस्तुत सारिणी में कृषक प्रतिवादियों का उनकी पत्नियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण को प्रदर्शित किया गया है जिन्होंने परिवार नियोजन के किसी भी विधि चालू समय में प्रयोग कर रहे थे ।

सम्पूर्ण न्यादर्श में इस वर्ग के कृषकों में से 419 कृषक ऐसे थे जो परिवार नियोजन के किसी विधि का चालू समय में प्रयोग कर रहे थे शेष 727 कृषक ऐसे थे जो परिवार नियोजन के किसी भी विधि का प्रयोग चालू समय में नहीं कर रहे थे ।

जिनकी पत्नियों का विवाह क्रमशः 12 से कम, 12-14, 14-16 , 16-18 ,18-20 , 20-22, 22-24 तथा 24 व अधिक वर्षों की आयु वाले ग्रुप में हुआ था उनमें से क्रमशः इन ग्रुपों में 30(32.25 प्रतिशत) 41(26.28 प्रतिशत) 82(37.10 प्रतिशत), 96(39.18 प्रतिशत 67(32.05 प्रतिशत), 44 (38.26 प्रतिशत) , 39(53.42 प्रतिशत) 20 (58.82 प्रतिशत) कृषक ऐसे थे जो चालू समय में परिवार नियोजन के किसी भी विधि को प्रयोग में ला रहे थे ।

उपर्युक्त इस सारिणी से यह स्पष्ट है कि पत्नियों की विवाह की आयु तथा उनके कृषकों द्वारा चालू समय में किसी भी विधि का प्रयोग में लाने के बीच सम्बन्ध स्थापित नहीं हो रहा है सबसे अधिक वे कृषक है परिवार नियोजन के किसी भी विधि को चालू समय में सबसे अधिक प्रयोग

देखा रहे है जिनकी लड़कियों का विवाह 24 व अधिक वर्ष की आयु वाले ग्रुप में हुआ है ।

सारिणी - २०३

पुरुष प्रतिभागियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण जिन्होंने परिवार नियोजन के किसी भी विधि का कभी भी प्रयोग/या नहीं

पुरुषों की विवाह आयु वर्षों में।	परिवार नियोजन के किसी विधि का कभी प्रयोग किया		
	हाँ	नहीं	योग
12 से कम	1 25%	3 75%	4 (0.35%) 100%
12-14	2 50%	2 50%	4 (0.35%) 100%
14-16	11 33.33%	22 66.67%	33 (2.88%) 100%
16-18	34 41.46%	48 58.54%	82 (7.16%) 100%
18-20	83 39.90%	125 60.10%	208 (18.15%) 100%
20-22	121 39.16%	188 60.84%	309 (26.96%) 100%
22-24	81 36.49%	141 63.51%	222 (19.37%) 100%
24-26	82 49.10%	85 50.90%	167 (14.57%) 100%
26-28	33 60.00%	22 40.00%	55 (4.80%) 100%
28-30	18 54.55%	15 45.45%	33 (2.88%) 100%
30 व अधिक	13 44.83%	16 55.17%	29 (2.53 %) 100%
योग	479 41.80%	667 58.20%	1146 100% 100%

प्रस्तुत तालिका में हमने युवक प्रतिवादियों का उनकी वैवाहिक आयु के अनुसार विवरण को दर्शाया गया है जिन्होंने परिवार नियोजन को कभी भी किसी न किसी रूप में प्रयोग नहीं किया है।

सम्प्रति न्यादर्श में 1146 युवकों में से 479 (41.80 प्रतिशत) युवकों ने कभी कभी परिवार नियोजन की किसी न किसी विधि का प्रयोग किया तथा 667 (58.20 प्रतिशत) युवक प्रतिवादियों ने कभी भी किसी विधि का प्रयोग नहीं किया।

तालिका से यह प्रदर्शित है कि 12 वर्ष से कम, 12-14, 14-16, 16-18, 18-20, 20-22, 22-24, 24-26, 26-28, 28-30 तथा 30 व अधिक आयु वर्ग में विवाहित युवक प्रतिवादियों में क्रमशः 1 (25 प्रतिशत) 2 (50 प्रतिशत) 11 (33.33 प्रतिशत), 34 (41.46 प्रतिशत), 83 (39.9 प्रतिशत) 121 (39.16 प्रतिशत) 81 (3[illegible].49 प्रतिशत), 82 (49.10 प्रतिशत), 33 (60.00 प्रतिशत) 18 (54.55 प्रतिशत) तथा 13 (44.83 प्रतिशत) युवक प्रतिवादियों ने परिवार नियोजन के लिये कभी न कभी किसी विधि का प्रयोग किया था।

इस तालिका से स्पष्ट है कि वे युवक प्रतिवादी जिनका विवाह 26-28 वर्ष की आयु वाले वर्ग में हुआ है उनमें 33 प्रतिशत युवकों ने परिवार नियोजन की किसी भी तथा कभी भी कोई विधि का प्रयोग करने वालों में सर्वाधिक हैं अर्थात् उन्होंने ही परिवार नियोजन की किसी भी विधि का कभी भी सर्वाधिक प्रयोग किया है।

तालिका - 204

पुरुष प्रतिवादियों को पत्नियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण, जो परिवार नियोजन के किसी भी विधि को कभी भी प्रयोग में लाये हैं या नहीं

पत्नियों की विवाह आयु वर्षों में	परिवार नियोजन के किसी भी विधि को प्रयोग में लाया गया है — हाँ	नहीं	योग	
12 से कम	37 39.78 %	56 60.22 %	93 100 %	8.12 %
12-14	54 34.62%	102 65.38%	156 100 %	13.61 %
14-16	92 41.62 %	129 58.38 %	221 100 %	19.28 %
16-18	108 43.72 %	139 56.28 %	247 100 %	21.55 %
18-20	76 36.71 %	131 63.29 %	207 100 %	18.06 %
20-22	50 43.48 %	65 56.52 %	115 100 %	10.48 %
22-24	42 57.53 %	31 42.47 %	73 100 %	6.37 %
24 या इससे अधिक	20 58.82 %	14 41.18 %	34 100 %	2.97 %
योग :	479 41.80 %	667 58.20 %	1146 100 %	100 %

प्रस्तुत सारणियों में ऐसे युवकों व प्रतिदर्शियों की पत्नियों को वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण दर्शाया गया है जो परिवार नियोजन के किसी तरह विधि को कभी भी प्रयोग में लाये थे या नहीं ।

सम्मिलित न्यादर्श के 1146 युवकों में 479 (41.80 प्रतिशत) युवकों ने कभी भी परिवार नियोजन की किसी भी विधि का प्रयोग किया था ।

सारणियों से यह स्पष्ट है कि 12 वर्ष से कम, 12-14, 14-16, 16-18, 18-20, 20-22, 22-24 तथा 24 व अधिक वर्षों में जिन युवकों की पत्नियों का विवाह हुआ था उनमें क्रमशः 37 (39.78 प्रतिशत), 54 (34.62 प्रतिशत), 92 (41.62 प्रतिशत), 108 (43.72 प्रतिशत), 76 (36.71 प्रतिशत), 50 (43.48 प्रतिशत), 42 (57.53 प्रतिशत) तथा 20 (58.82 प्रतिशत) युवकों ने परिवार नियोजन की किसी न किसी विधि को कभी भी प्रयोग किया था ।

इन सारणियों से यह स्पष्ट है जिन युवक प्रतिदर्शी की पत्नियों का विवाह 24 वर्ष व उससे अधिक के आयु वर्ग में हुआ है उनका प्रतिशत परिवार नियोजन की किसी भी तरह कभी भी कोई विधि प्रयोग करने वालों में सर्वाधिक है । अर्थात् उन्होंने ही परिवार नियोजन की किसी भी विधि का कभी भी सर्वाधिक प्रयोग किया था ।

सारिणी — २०5

युवक प्रतिवादियों की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण जिनसे यह प्रश्न किया गया था कि प्रथम बच्चा कब पैदा होना चाहिये ।

युवकों की वैवाहिक आयु वर्षों में	कोई उत्तर नहीं	जितना भगवान दें	स्पष्ट उत्तर नहीं	प्रथम बच्चा कब पैदा होना चाहिये 1 वर्ष बाद	2 वर्ष बाद	3 वर्ष बाद	4 वर्ष बाद	5 वर्ष बाद	6 वर्ष बाद	योग
12से कम	0	0	0	0	0	1 25%	1 25%	1 25%	1 25%	4 100%
12-14	0 0%	0 0%	1 25%	0 0%	0 0%	0 0%	3 75%	0 0%	0 0%	4 100%
14-16	0 0%	5 15.15%	0 0%	1 3.03%	3 10%	10 30.30%	8 24.24%	4 12.22%	2 6.66%	33 100%
16-18	3 3.66%	11 13.41%	6 7.32%	0 0%	14 17.07%	19 23.18%	14 17.07%	14 17.07%	1 1.22%	82 100%
18_20	6 2.89%	31 14.90%	15 7.21%	1 0.48%	38 18.27%	61 29.33%	31 14.90%	21 10.10%	4 1.92%	208 100%
20-22	16 518%	39 12.62%	24 7.77%	3 97%	67 21.68%	96 31.07%	41 13.37%	19 6.14%	4 1.30%	309 100%
22-24	13 5.[illegible]%	19 8.56%	10 4.50%	4 1.80%	56 25.23%	63 28.38%	30 13.51	22 9.91%	5 2.25%	222 100%
24-26	11 6.58%	19 11.37%	5 2.99%	6 3.58%	36 21.55%	45 26.94%	30 17.99%	15 8.99%	00 0%	160 100%
26-28	3 5.75%	13 23.64%	1 1.82%	4 7.27%	12 21.82%	5 9.09%	11 20%	6 10.91%	0 0%	55 100%
28-30	1 3.03%	6 18.19%	5 15.15%	1 3.03%	7 21.21%	7 21.21%	5 [illegible]%	1 3.03%	0 0%	33 100%
30	0 0%	12 41.37%	4 1380%	0 0%	2 66.99%	3 1024%	4 13.80%	4 13.80%	0 0%	29 100%
योग	53	155	71	20	235	310	178	107	17	1146

प्रस्तुत सारिणी मे उन पुरूष प्रतिवादियो की वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण को दर्शाया गया है जिनसे यह प्रश्न किया गया था कि प्रथम बच्चा कब पैदा होना चाहिये। उनका वितरण इस प्रकार:——— मिला है कि "12 से कम" वर्ष की आयु मे जिन लोगो का विवाह हुआ था उनमे 1 (25 प्रतिशत), 1 (25 प्रतिशत), 1 (25 प्रतिशत), तथा 1 (25 प्रतिशत) ने क्रमश: यह उत्तर दिया कि विवाह के 3, 4, 5 तथा 6 वर्ष बाद प्रथम बच्चा पैदा होना चाहिये। 12-14 वर्ष की आयु मे जिन 4 पुरूषो का विवाह हुआ हुआ था उनमे 1 (25 प्रतिशत) तथा 3 (75 प्रतिशत) ने क्रमश: यहउत्तर दिया कि विवाह के कुछ समय बाद प्रथम बच्चा होना चाहिए लेकिन कोई स्पष्ट समय का निर्देश नही किया तथा विवाह के 4 वर्ष बाद प्रथम बच्चा होना चाहिये। 14-16 वर्ष की आयु मे जिन पुरूषा 33 का विवाह हुआ था उनमे से 5 (15.15 प्रतिशत), 1 (3.03 प्रतिशत) 3 (10 प्रतिशत) 3 (10 प्रतिशत) 10 (30.30 प्रतिशत), 8 (24.24 प्रतिशत), 4 (12.12 प्रतिशत) तथा 3 (6.66 प्रतिशत) पुरूषो ने क्रमश: यह उत्तर दिया कि जितनी जल्दी संभव हो विवाह के 1 वर्ष बाद, 2 वर्ष बाद, 3 वर्ष बाद, 4 वर्ष बाद, 5 वर्ष बाद तथा 6 वर्ष बाद प्रथम बच्चा पैदा होना चाहिए। 16-18 वर्ष की आयु वाले ग्रुप मे जिन 82 पुरूषो का विवाह हुआ था उनमे 3 (3.66 प्रतिशत), 11 (13.41 प्रतिशत), 6 (7.32 प्रतिशत), 14 (17.07 प्रतिशत)

19(23.18 प्रतिशत) 14 (17.07 प्रतिशत), 14(17.07 प्रतिशत) तथा 1(1.225 प्रतिशत) युवकों ने क्रमश: यह उत्तर दिया कि इसका कोई जवाब नही है कि प्रथम बच्चा कब होना चाहिये जितना जल्दी संभव हो विवाह के कुछ समय बाद होना चाहिये लेकिन स्पष्ट समय का निर्देश नही किये विवाह के 2 वर्ष बाद, 3 वर्ष बाद 4 वर्ष बाद 5 वर्ष बाद तथा 6 वर्ष बाद प्रथम बच्चा उत्पन्न होना चाहिये । 18-20 वर्ष की आयु मे जिन 208 युवकों का विवाह हुआ था उनमे 6(2.89 प्रतिशत), 31 (14.90 प्रतिशत) 15 (7.21 प्रतिशत), 1 (0.48 प्रतिशत), 38(18.27) प्रतिशत 61 (29.33 प्रतिशत), 31 (14.90 प्रतिशत) 21 (10.10 प्रतिशत)तथा 4 (1.92 प्रतिशत) युवकों ने क्रमश: यह उत्तर दिया कि इसका कोई जवाब नही है कि प्रथम बच्चा कब उत्पन्न होना चाहिए जितना जल्दी संभव हो सके, विवाह के कुछ समय बाद होना चाहिए चाहिये लेकिन समय का स्पष्ट निर्देश नहीं किया विवाह के 1 वर्ष बाद, ,2 वर्ष बाद ,3 वर्ष बाद 4 वर्ष बाद , 5 वर्ष बाद तथा 6 वर्ष बाद प्रथमबच्चा उत्पन्न होना चाहिये । 20-22 वर्ष की आयु वाले ग्रुप मे जिन 309 युवकों का विवाह हुआ था उने मे 16(5.184 प्रतिशत) 39 (12.62 प्रतिशत

24 (7.77 प्रतिशत), 3 (0.97 प्रतिशत),67(21.68 प्रतिशत) 96 (31.07 प्रतिशत), 41 (13.27 प्रतिशत) 19(6.14 प्रतिशत) तथा 4 (1.30 प्रतिशत) कृषकों ने क्रमशः यह उत्तर दिया कि इसका कोई उत्तर नहीं है कि प्रथम बच्चा कब होना चाहिये , विवाह के शीघ्र के बाद जितना जल्दी संभव हो, विवाह के कुछ समय बाद होना चाहिये लेकिन स्पष्ट समय का निर्देश नहीं किये विवाह के 1 वर्ष बाद 2 वर्ष बाद 3 वर्ष बाद 4 वर्ष बाद 5 वर्ष बाद तथा 6 वर्ष बाद प्रथम बच्चा प्रथम बच्चा उत्पन्न होना चाहिये । 22 -24 वर्ष की आयु वाले ग्रुप में 222 कृषकों का विवाह हुआ था उनमें 13 (5.86 प्रतिशत), 19(8.56 प्रतिशत) 10(?.50 प्रतिशत), 4(1.80 प्रतिशत), 56 (25.23 प्रतिशत) 63 (28.38 प्रतिशत), 30 (13 .51 प्रतिशत), 22 (9.91 प्रतिशत) तथा 5 (2.25 प्रतिशत) कृषकों ने क्रमशः यह उत्तर दिया कि इसका कोई उत्तर नहीं है कि प्रथम बच्चा कब होना चाहिये विवाह के बाद जितना जल्दी संभव हो, विवाह के कुछ वर्ष बाद होना चाहिये लेकिन स्पष्ट समय का निर्देश नहीं किये विवाह के 1 वर्ष बाद, 2 वर्ष बाद , 3 वर्ष बाद

4 वर्ष बाद, 5 वर्ष बाद तथा 6 वर्ष बाद प्रथम बच्चा पैदा होना चाहिये । 24-26 वर्ष की आयु वाले ग्रुप में 167 कृषकों का विवाह हुआ

था उनमें 11(6.58 प्रतिशत), 19(11.37 प्रतिशत) 3(2.89) प्रतिशत 6(3.58 प्रतिशत), 36 (21.55 प्रतिशत), 45 (26.94 प्रतिशत) 30 (17.89 प्रतिशत)तथा15(8.99 प्रतिशत) ने क्रमश: यह उत्तर दिया कि इसका कोई उत्तर नही है कि प्रथम बच्चा विवाह के बाद मे होना चाहिये । बाद प्रथम बच्चा उत्पन्न होना चाहिये विवाह के कुछ समय बाद उत्पन्न होना चाहिये लेकिन कोई स्पष्ट समय का निर्देश नही किये विवाह के 1 वर्ष बाद 2 वर्ष बाद , 3 वर्ष बाद , 4 वर्ष बाद तथा 5 वर्ष बाद प्रथम बच्चा पैदा होना चाहिये । 26-28 वर्ष की आयु वाले ग्रुप मे 55 पुरूषो का विवाह हुआ था उनमें 3(5.455 प्रतिशत) 13 (23.64 प्रतिशत) 1(1.82 प्रतिशत) , 4(7.27 प्रतिशत), 12 (21 .82 प्रतिशत) 5(9.09 प्रतिशत) , 11 (20.00 प्रतिशत) तथा 6 (10.91 प्रतिशत) पुरूषो ने क्रमश: यह उत्तर दिया कि विवाह के तुरन्त बाद या विवाह के कुछ समय बाद प्रथम बच्चा उत्पन्न होना चाहिये इसका कोई उत्तर नही है. विवाह के बाद जितना जल्दी संभव हो. विवाह के कुछ समय बाद लेकिन स्पष्ट समय का निर्देश नहीं किया , विवाह के 1 वर्ष बाद , 2 वर्ष बाद ,3 वर्ष बाद, 4 वर्ष बाद तथा 5 वर्ष बाद प्रथम बच्चा उत्पन्न होना चाहिये । 28-30 वर्ष की आयु वाले ग्रुप मे 33 पुरूषो का विवाह हुआ था उनमे 1(3.03 प्रतिशत) 6 (18.19 प्रतिशत) 5(15.15 प्रतिशत)

1 (3.03 प्रतिशत), 7 (21.21 प्रतिशत) ,7)21.21 प्रतिशत), 5(15.15 प्रतिशत) तथा 1 (3.03 प्रतिशत) पुरुषों ने क्रमशः यह उत्तर दिया कि इसका कोई उत्तर नहीं है कि विवाह के तुरन्त बाद प्रथम बच्चा उत्पन्न होना चाहिये या कुछ समय बाद प्रथम बच्चा उत्पन्न होना चाहिये विवाह के बाद जितना जल्दी संभव हो प्रथम बच्चा उत्पन्न होना चाहिये विवाह के कुछ समय बाद प्रथम बच्चा पैदा होना चाहिये लेकिन समय का कोई स्पष्ट निर्देश नहीं कि विवाह के 1 वर्ष बाद, 2 वर्ष बाद ,3 वर्ष बाद, 4 वर्ष बाद तथा 5 वर्ष बाद प्रथम बच्चा उत्पन्न होना चाहिये 30 व अधिक आयु वाले ग्रुप मे 29 पुरुषों का विवाह हुआ था उनमें 12(41.37 प्रतिशत)., 4(13.80 प्रतिशत), 2(6.89 प्रतिशत), 3(10.34 प्रतिशत) 4 (13.80 प्रतिशत) तथा 4 (13.80 प्रतिशत) पुरुषों ने क्रमशः यह उत्तर दिया कि विवाह के बाद जितना जल्दी हो सके प्रथम बच्चा उत्पन्न होना चाहिये विवाह के कुछ समय बाद प्रथम बच्चा उत्पन्न होना चाहिये लेकिन कोई स्पष्ट समय का निर्देश नहीं कि , विवाह के 2 वर्ष बाद 3 वर्ष बाद 4 वर्ष, बाद तथा 5 वर्ष बाद प्रथम बच्चा उत्पन्न होना चाहिये ।

प्रतिशतानुसार विश्लेषण यह दर्शाता है कि 12 से कम वर्ष की आयु मे जिनका विवाह हुआ था उनके उत्तर से यह स्पष्ट नहीं होरहा

है कि सबसे बड़ा समूह किन लोगो का है ।12-14 वर्ष की आयु वाले ग्रुप मे जिनका विवाह हुआ था उनमे सबसे बड़ा समूह था उनमे सबसे बड़ा समूह उन लोगो का है जिन्होंने यह उत्तर दिया कि विवाह के 4 वर्ष बाद प्रथम बच्चा उत्तपन्न होना चाहिये । ।14-16 वर्ष की आयु वाले ग्रुप मे जिनका विवाह हुआ था उनमे सबसे बड़ा समूह उन व्यक्तियो का है जिन्होंने यह उत्तर दिया कि विवाह के 3 वर्ष बाद प्रथम बच्चा उत्पन्न होना~~चाहिये~~ होना चाहिये । ।6-18 वर्ष की आयु वाले ग्रुप मे जिनका विवाह हुआ था उनमे सबसे बड़ा समूह उन व्यक्तियो का है जिन्होंने यह उत्तर दिया कि विवाह के बाद 3 वर्ष बाद प्रथम बच्चा उत्पन्न होना चाहिये । 18-20 वर्ष की आयु वाले ग्रुप मे जिनका विवाह हुआ था उनमे सबसे बड़ा समूह उन व्यक्तियों का है जिन्होंने यह उत्तर दिया कि विवाह के 3 वर्ष बाद प्रथम बच्चा उत्पन्न होना चाहिये 20-22 वर्ष ~~के बाद प्रथम बच्चा~~ की आयु वाले ग्रुप मे जिनका विवाह हुआ था उनमे सबसे बड़ा समूह उन पुरूषों का है जिन्होंने यह उत्तर दिया कि विवाह के 3 वर्ष बाद प्रथम बच्चा उत्पन्न होना चाहिये । 22-24 वर्ष की आयु वाले ग्रुप मे जिनका विवाह हुआ था उनमे मेसबसे बड़ा समूह ऐसे व्यक्तियो का है जिन्होंने यह उत्तर दिया कि विवाह के 3 वर्ष बाद प्रथम बच्चा उत्पन्न होना चाहिये 24-26 वर्ष की आयु वाले ग्रुप मे जिनका विवाह हुआ था उनमे सबसे बड़ा समूह उन व्यक्तियो का है

जिन्होंने यह उत्तर दिया कि विवाह के 3 वर्ष बाद प्रथम बच्चा पैदा होना चाहिये । 26-28 वर्ष की आयु वाले ग्रुप में जिनका विवाह हुआ था । उनमें से सबसे बड़ा समूह ऐसे व्यक्तियों का है जिन्होंने यह उत्तर दिया कि विवाह के बाद जितना जल्दी हो सके प्रथम बच्चा उत्पन्न होना चाहिये । 28-30 वर्ष की आयु वाले ग्रुप में जिनका विवाह हुआ था उनमें से सबसे बड़ा समूह उन व्यक्तियों का है जिन्होंने यह उत्तर दिया कि विवाह के 2 या 3 वर्ष बाद प्रथम बच्चा उत्पन्न होना चाहिये । "30 व अधिक" आयु वाले ग्रुप में जिनका विवाह हुआ था उनमें सबसे बड़ा समूह ऐसे व्यक्तियों का है जिन्होंने यह उत्तर दिया कि विवाह के बाद जितना जल्दी संभव हो सके प्रथम बच्चा उत्पन्न होना चाहिए ।

न्यादर्श में पाये गये कुल 1146 पुरुष प्रतिवादियों में 53 ने कोई उत्तर नहीं दिया, 155 ने यह कहा कि जितना जल्दी संभव हो प्रथम बच्चा उत्पन्न होना चाहिए, शेष 938 पुरुषों ने यहां कहा कि विवाह के कुछ समय बाद प्रथम बच्चा उत्पन्न होना चाहिए, इन 938 पुरुषों में 71 ने कोई स्पष्ट उत्तर नहीं दिया कि विवाह के कितने वर्षों के बाद प्रथम बच्चा पैदा होना चाहिए. 20 ने कहा कि विवाह के 1 वर्ष बाद, 235 ने कहा कि विवाह के 2 वर्ष बाद, 310 ने कहा कि विवाह

के 3 वर्ष बाद, 173 ने कहा कि विवाह के 4 वर्ष बाद, 107 ने कहा कि विवाह के 5 वर्ष बाद तथा 17 ने कहा कि विवाह के 6 वर्ष बाद प्रथम बच्चा उत्पन्न होना चाहिये । इस प्रकार यह स्पष्ट है कि ~~अधिक~~ सबसे कम लोगों ने यह उत्तर दिया कि विवाह के 6 वर्ष बाद प्रथम बच्चा उत्पन्न होना चाहिए ।

उपर्युक्त पुरुषों का उनकी वैवाहिक आयु के अनुसार वितरण इस प्रकार हुआ था उनमें सबसे बड़ा समूह उन पुरुषों का है जिन्होंने यह उत्तर दिया कि विवाह के 3 वर्ष बाद प्रथम बच्चा उत्पन्न होना चाहिए, 26-28 तथा "30 व अधिक" वर्ष की आयु वाले ग्रुपों में जिनका विवाह हुआ था उनमें सबसे बड़ा समूह ऐसे व्यक्तियों का है जिन्होंने यह उत्तर दिया कि विवाह के बाद जितना जल्दी संभव हो सके प्रथम बच्चा उत्पन्न होना चाहिए ।

अध्याय - 6

उपसंहार

भारत वर्ष की जनसंख्या तीव्र गति से बढ़ रही है जिसका प्रमुख कारण प्रजनन दर का अधिक होना है । प्रजनन दर को प्रभावित करने वाले कारकों में से विवाह की आयु एक प्रमुख कारण है । अतः विवाह की आयु का अध्ययन करने के लिये यह शोध किया जा रहा है । इसके लिये इलाहाबाद नगर को चुना गया है ।

इलाहाबाद नगर क्षेत्र से 2 प्रतिशत दैव निदर्शन विधि द्वारा प्रतिवादियों को चुन कर कुल 1146 पुरुष प्रतिवादियों का सामाजिक आर्थिक एवं जनांकिकी दृष्टिकोण से किया वैवाहिक आयु का अध्ययन किया गया है

अध्ययन से जो उपलब्धियाँ मिली उनका संक्षिप्त विवरण निम्नलिखित है ।

नगर एवं ग्रामीण पृष्ठ भूमि

1- सर्वेक्षण से यह स्पष्ट है कि ग्रामोत्पन्न पुरुषों की वैवाहिक आयु का माध्यिका 20.46 वर्ष है ।

2- ग्रामोत्पन्न पुरुषों की पत्नियों की वैवाहिक आयु का माध्यिका 15.58 वर्ष है ।

3- ग्रामोत्पन्न पुरुषों एवं उनकी पत्नियों की वैवाहिक आयु के मध्य

धनात्मक सह- सम्बन्ध है । यह सह-सम्बन्ध गुणांक +0.349 है ।

4 = नगर में उत्पन्न व्यक्तियों की वैवाहिक आयु का मुधिमाक 21.17 वर्ष है ।

5 = नगर में उत्पन्न पुरुषों की पत्नियों की वैवाहिक आयु का मुधिमाक 17.06 वर्ष है ।

6 = नगर में उत्पन्न पुरुषों एवं उनकी पत्नियों की वैवाहिक आयु के मध्य धनात्मक सह-सम्बन्ध है यह सह-सम्बन्ध गुणांक +0.6661 है ।

7 = नगर में उत्पन्न पुरुषों की वैवाहिक आयु ग्रामोत्पन्न पुरुषों की वैवाहिक आयु से अधिक है ।

8 = नगर में उत्पन्न पुरुषों की पत्नियों की वैवाहिक आयु ग्रामोत्पन्न पुरुषों की वैवाहिक आयु से कम है ।

9 = सर्वेक्षण के अन्तर्गत प्राप्त सभी पुरुषों एवं उनकी पत्नियों की वैवाहिक आयु का मुधिमाक क्रमशः 21.07 वर्ष तथा 16.78 वर्ष है । अतः सभी पुरुषों एवं उनकी पत्नियों की वैवाहिक आयु के मध्य सह-सम्बन्ध गुणांक + 0.7026 है ।

10 = नगर में उत्पन्न पुरुषों एवं उनकी पत्नियों की वैवाहिक आयु के मध्य सह-सम्बन्ध गुणांक ग्रामोत्पन्न पुरुषों एवं उनकी पत्नियों की वैवाहिक आयु के मध्य जो सह-सम्बन्ध गुणांक है उससे कम है तथा सभी सम्मिलित पुरुषों एवं उनकी पत्नियों की वैवाहिक आयु के मध्य जो सह - सम्बन्ध गुणांक है उससे भी कम है ।

धर्म

1 = हिन्दू धर्मावलम्बी पुरुषों की विवाह आयु का मुधिमाक 20.97 वर्ष है ।

2 = हिन्दू धर्मावलम्बी पुरुषों की पत्नियों की वैवाहिक आयु का मुधिमाक 16.86 वर्ष है

3 = हिन्दू धर्मावलम्बी पुरुषों एवं उनकी पत्नियों की वैवाहिक - आयु के मध्य मध्यम कोटि का धनात्मक सह-सम्बन्ध है । यह सह-सम्बन्ध गुणांक + 0.6723 है ।

4- मुस्लिम धर्मावलम्बी पुरुषों की वैवाहिक आयु का भूयिष्ठक 21.16 वर्ष है ।

5- मुस्लिम धर्मावलम्बी पुरुषों की पत्नियों की वैवाहिक आयु का भूयिष्ठक 15.91 वर्ष है ।

6- मुस्लिम धर्मावलम्बी पुरुषों एवं उनकी पत्नियों की वैवाहिक आयु के मध्य निम्न कोटि का धनात्मक सह-सम्बन्ध है । यह सह-सम्बन्ध गुणांक + 0.2647 है ।

7- सिक्ख धर्मावलम्बी पुरुषों की वैवाहिक आयु का भूयिष्ठक 25.33 वर्ष है तथा उनकी पत्नियों की वैवाहिक आयु का भूयिष्ठक 23 वर्ष है इस वर्ग के पुरुषों एवं उनकी पत्नियों की वैवाहिक आयु के मध्य मध्यम कोटि का धनात्मक सह-सम्बन्ध है । यह सह-सम्बन्ध गुणांक +0.4114 है ।

8- ईसाई धर्मावलम्बी पुरुषों एवं उनकी पत्नियों की वैवाहिक आयु का भूयिष्ठक क्रमशः 28.27 वर्ष तथा 24 वर्ष है । इस वर्ग के पुरुषों एवं उनकी पत्नियों की वैवाहिक आयु के मध्य मध्यम कोटि का धनात्मक सह-सम्बन्ध है । सह-सम्बन्ध गुणांक + 0.6220 है ।

9- हिन्दू ,मुस्लिम, सिक्ख तथा ईसाई पुरुषों की वैवाहिक आयु क्रमशः बढ़ते क्रम में है ।

10- मुस्लिम, हिन्दू सिक्ख तथा ईसाई पुरुषों की स्त्रियों की वैवाहिक आयु क्रमशः बढ़ते क्रम में है ।

11- मुस्लिम, सिक्ख , ईसाई तथा हिन्दू धर्म के अनुयायी पुरुषों एवं उनकी

पत्नियों की वैवाहिक आयु के मध्य सह-सम्बन्ध गुणांक क्रमश: कुछ कम से है

जाति

1- सर्वेक्षण पर प्राप्त होता है कि न्यादर्श में पाये गये ब्राह्मण जाति की विवाह आयु का बहुलक 21.28 वर्ष है ।

2- ब्राह्मण जाति के पुरुषों की पत्नियों की विवाह आयु का बहुलक 17 वर्ष है

3- ब्राह्मण जाति पुरुषों एवं उनकी पत्नियों की विवाह आयु का सह-सम्बन्ध गुणांक +0.706 है ।

4- क्षत्रिय जाति के पुरुषों की विवाह आयु का बहुलक 24.78 वर्ष है तथा समान्तर माध्य 22.82 वर्ष है ।

5- क्षत्रिय जाति के पुरुषों की पत्नियों की विवाह आयु का बहुलक 16.9 वर्ष तथा समान्तर माध्य 17.76 वर्ष है ।

6- क्षत्रिय जाति के पुरुषों एवं उनकी पत्नियों की विवाह आयु में मध्य धनात्मक सह-सम्बन्ध है । यह सह सम्बन्ध गुणांक + 0.4631 है ।

7- कायस्थ जाति के पुरुषों कि विवाह आयु का बहुलक 24.32 वर्ष तथा समान्तर माध्य 23.92 वर्ष है ।

8- कायस्थ जाति के पुरुषों की पत्नियों की विवाह आयु का बहुलक 19-07 वर्ष तथा समान्तर माध्य 17-82 वर्ष है ।

9- कायस्थ जाति के पुरुषों एवं उनकी पत्नियों की विवाह आयु में मध्यम कोटि का धनात्मक सह-सम्बन्ध है । यह सह सम्बन्ध गुणांक + 0-5937 है ।

10- वैश्य जाति के पुरूषों की विवाह आयु का भूयिष्ठक 21-20 वर्ष है तथा समान्तर माध्य 21-49 वर्ष है ।

11- वैश्य जाति के पुरूषों की पत्नियों की विवाह आयु का भूयिष्ठक 17-46 वर्ष तथा समान्तर माध्य 16-783 वर्ष है ।

12- वैश्य जाति के पुरूषों एवं उनकी पत्नियों की विवाह आयु में मध्यम कोटि का धनात्मक सह सम्बन्ध है। सह सम्बन्ध गुणांक + 0-6498 है ।

13- कायस्थ जाति के पुरूषों की विवाह आयु का भूयिष्ठक 20-4 वर्ष है ।

14- कायस्थ जाति के पुरूषों की पत्नियों की विवाह आयु का भूयिष्ठक 15-6 वर्ष है ।

15- कायस्थ जाति के पुरूषों एवं उनकी पत्नियों की विवाह आयु में उच्च कोटि का धनात्मक सह सम्बन्ध है । यह सह सम्बन्ध गुणांक + 0-7931 है ।

16- पिछड़ी जाति के पुरूषों की विवाह आयु का भूयिष्ठक 20-84 वर्ष है ।

17- पिछड़ी जाति के पुरूषों की पत्नियों की विवाह आयु का भूयिष्ठक 14-66 वर्ष तथा समान्तर माध्य 16-22 वर्ष है ।

18- पिछड़ी जाति के पुरूषों एवं उनकी पत्नियों की विवाह आयु में मध्यम कोटि का धनात्मक सह सम्बन्ध है । यह सह-सम्बन्ध गुणांक + 0-5846 है ।

19- अनुसूचित जाति के पुरूषों की विवाह का आयु का भूयिष्ठक 19-76 वर्ष है ।

20- अनुसूचित जाति के पुरुषों की पत्नियों की विवाह आयु का माध्यिका 15-91 वर्ष तथा समान्तर माध्य 15-37 वर्ष है ।

21- अनुसूचित जाति के पुरुषों एवं उनकी पत्नियों की विवाह आयु में मध्यम कोटि का धनात्मक सह-सम्बन्ध है । यह सह- सम्बन्ध गुणांक + 0-5202 है ।

22- कायस्थ, क्षत्रिय,ब्राह्मण, वैश्य फैशनल पिछड़ी जाति तथा अनुसूचित जाति के पुरुषों की विवाह आयु क्रमशः घटते क्रम में है । फैशनल का ... तथा पिछड़ीजाति के पुरुषों की विवाह आयु लगभग एक दूसरे के बराबर है । एवं ब्राह्मण तथा वैश्य जाति के पुरुषों की विवाह आयु लगभग एक दूसरे के पास के पास है ।

23- कायस्थ, वैश्य, ब्राह्मण क्षत्रिय, अनुसूचित जाति फैशनल तथा पिछड़ी जाति की पत्नियाँ पुरुषों की पत्नियों की विवाह आयु क्रमशः घटते क्रम में है । ब्राह्मण तथा क्षत्रिय जाति के पत्नियों की विवाह आयु एक दूसरे के पास -पास है । फैशनल पिछड़ी तथा अनुसूचित जाति के पत्नियों की विवाह आयु एक दूसरे के पास-पास है ।

24- फैशनल, ब्राह्मण, वैश्य, पिछड़ी कायस्थ अनुसूचित तथा क्षत्रिय जाति के पुरुषों एवं उनकी पत्नियों की विवाह आयु के बीच निकाला गया कुल सह सम्बन्ध गुणांक क्रमशः घटते क्रम में है ।

पुरुषों की शिक्षा

1- अशिक्षित पुरुष प्रतिवादियों की वैवाहिक आयु का माध्यिका 20-19 वर्ष तथा समान्तर माध्य 20-429 वर्ष है ।

2- साक्षर पुरुष प्रतिवादियों की वैवाहिक आयु का माध्यिका 20-85 वर्ष तथा समान्तर माध्य 20-31 वर्ष है ।

3- प्राथमिक शिक्षा स्तर के पुरुषों की वैवाहिक आयु का माध्यिका 21 वर्ष है ।

4- जूनियर हाई स्कूल शिक्षा स्तर के पुरुषों की वैवाहिक आयु का माध्यिका 21-56 वर्ष तथा समान्तर माध्य 21-22 वर्ष है ।

5- हाई स्कूल एवं इण्टरमीडिएट शिक्षा स्तर के पुरुषों की वैवाहिक आयु का माध्यिका 22-50 वर्ष तथा समान्तर माध्य 23-20 वर्ष है ।

6- स्नातक एवं स्नातकोत्तर शिक्षा स्तर के पुरुषों की वैवाहिक आयु का माध्यिका 24-34 वर्ष तथा समान्तर माध्य 23-73 वर्ष है ।

7- तकनीकी शिक्षा स्तर के पुरुषों की वैवाहिक आयु का माध्यिका 26-80 वर्ष तथा समान्तर माध्य 25-42 वर्ष है ।

8- शिक्षा स्तर द्वारा विभाजित पुरुषों में से सबसे कम अशिक्षित तथा उससे अधिक साक्षर पुरुषों की विवाहित आयु है। सबसे अधिक तकनीकी शिक्षा स्तर के पुरुषों की वैवाहिक आयु है । शिक्षा स्तर के बढ़ने के साथ साथ पुरुषों की वैवाहिक आयु बढ़ती है तथा घटते या घटती है ।

9- स्त्री शिक्षा

xxxxxxxxxxxx

1- अशिक्षित स्त्रियों की वैवाहिक आयु का समान्तर माध्य 16-48 वर्ष है ।

2- साक्षर स्त्रियों की वैवाहिक आयु का समान्तर माध्य 16-28 वर्ष है ।

3- प्राइमरी शिक्षा स्तर के स्त्रियों की वैवाहिक आयु का समान्तर माध्य 16"64 वर्ष है

4- जुनियर हाई स्कूल शिक्षा स्तर के स्त्रियों की वैवाहिक आयु 16-74 वर्ष है ।

5- हाई स्कूल एवं इन्टरमीडिएट शिक्षा स्तर के स्त्रियों की वैवाहिक आयु 18-27 वर्ष है

6- स्नातक एवं स्नातकोत्तर शिक्षा स्तर के स्त्रियों की वैवाहिक आयु 21-21 वर्ष है ।

7- साक्षर स्त्रियों की वैवाहिक आयु सबसे कम तथा स्नातक एवं स्नातकोत्तर शिक्षा स्तर के स्त्रियों की वैवाहिक आयु सबसे अधिक है । शिक्षा स्तर के बढ़ने के साथ साथ स्त्रियों की वैवाहिक आयु बढ़ती है तथा घटने पर घटती है।

उत्तरदाता प्रतिवादी के पिता का व्यवसाय

xxxxxx xxxxxxxxxxxxxxxxxxxxxxxx

ड- युवक प्रतिभागियों का व्यवसाय

XXXXXXX XXXXXXXXXXXXXXXXXX

1- सर्वेक्षण स्पष्ट करता है कि न्यादर्श में पाये गये पेशेवर व्यवसाय के युवक प्रतिभागियों की विवाह आयु का भूयिष्ठक 25 वर्ष तथा समान्तर माध्य 24-11 वर्ष है ।

2- पेशेवर युवकों के पत्नियों की विवाह आयु का भूयिष्ठक 19-52 वर्ष तथा तथा समान्तर माध्य 18-65 वर्ष है ।

3- पेशेवर व्यवसाय के युवकों एवं उनकी पत्नियों की विवाह आयु में मध्यम कोटि का धनात्मक सहसम्बन्ध है । सहसम्बन्ध गुणांक + 0-564 है ।

4- नौकरी करने वाले युवकों की विवाह आयु का भूयिष्ठक 22-18 वर्ष तथा समान्तर माध्य 22-74 वर्ष है ।

5- नौकरी करने वाले युवकों की पत्नियों की विवाह आयु का भूयिष्ठक 17-36 है वर्ष तथा समान्तर माध्य 17-70 वर्ष है ।

6- नौकरी करने वाले युवकों एवं उनकी पत्नियों की विवाह आयु में मध्यम कोटि का धनात्मक सह-सम्बन्ध है । यह सह सम्बन्ध गुणांक + 0-6398 है।

7- वाणिज्य पेशा करने वाले युवकों की विवाह आयु का भूयिष्ठक 20-93 वर्ष तथा समान्तर माध्य 21-65 वर्ष है ।

8- वाणिज्य पेशा करने वाले युवकों की पत्नियों की विवाह आयु का भूयिष्ठक 15-59 वर्ष तथा समान्तर माध्य 16-73 वर्ष है ।

9- वाणिज्य पेशा वाले पुरूषों एवं उनकी [illegible]

कोटि का धनात्मक सह-सम्बन्ध है। यह सहसम्बन्ध गुणांक + 0–6630 है।

10- कुशल कामगार पुरूषों की विवाह आयु का भूयिष्ठक 20–905

वर्ष तथा समान्तर माध्य 20–41 वर्ष है।

11- कुशल कामगार पुरूषों के पत्नियों की विवाह आयु का भूयिष्ठक 15–1 वर्ष

तथा समान्तर माध्य 14–72 वर्ष है।

12- कुशल कामगार पुरूषों एवं उनकी पत्नियों की विवाह आयु में मध्यम कोटि

का धनात्मक सह सम्बन्ध है यह सह सम्बन्ध गुणांक + 0–6624 वर्ष है

13- अकुशल कामगार पुरूषों की विवाह आयु का भूयिष्ठक 20 वर्ष तथा

समान्तर माध्य 20–67 वर्ष है।

14- अकुशल कामगार पुरूषों के पत्नियों की विवाह आयु का भूयिष्ठक 15–11

वर्ष तथा समान्तर माध्य 15–41 वर्ष है।

15- अकुशल कामगार पुरूषों एवं उनकी पत्नियों की विवाह आयु में मध्यम

कोटि का धनात्मक सह-सम्बन्ध है। यह सह-सम्बन्ध गुणांक + 0–5987 है

16- कृषि करने वाले पुरूषों की वैवाहिक आयु का भूयिष्ठक 19–18 वर्ष तथा

समान्तर माध्य 19–63 वर्ष है।

17- कृषि करने वाले पुरूषों के पत्नियों की विवाह आयु का भूयिष्ठक 15–20 वर्ष

तथा समान्तर माध्य 15–98 वर्ष है।

18- कृषि करने वाले पुरूषों एवं उनकी पत्नियों की विवाह आयु में मध्यम कोटि

का धन-सम्बन्ध है। यह सह-सम्बन्ध गुणांक + 0-5631 है ।

19- जूता का व्यवसाय करने वाले पुरुषों की विवाह आयु का भूयिष्ठक 21 वर्ष है

20- जूता का व्यवसाय करने वाले पुरुषों के पत्नियों की विवाह आयु का भूयिष्ठक 17-6 वर्ष तथा समान्तर माध्य 16-89 वर्ष है ।

21- जूता का व्यवसाय करने वाले वाले पुरुषों एवं उनकी पत्नियों की विवाह आयु में उच्च कोटि का धनात्मक सह-सम्बन्ध है । यह सह सम्बन्ध गुणांक + 0-3414 है ।

22- बेरोजगार पुरुषों की विवाह आयु का भूयिष्ठक 21 वर्ष है तथा समान्तर माध्य भी 21 वर्ष है ।

23- बेरोजगार पुरुषों की पत्नियों की विवाह आयु का भूयिष्ठक 16-82 वर्ष तथा समान्तर माध्य 16-42 वर्ष है ।

24- बेरोजगार पुरुषों एवं उनकी पत्नियों की विवाह आयु में मध्यम कोटि को धनात्मक सह सम्बन्ध है । यह सह सम्बन्ध गुणांक + 0-5740 है ।

25- पेशेवार, नौकरी जूता का व्यवसाय/वाणिज्य कुशल कामगार, बेरोजगार अकुशल कामगार तथा कृषि व्यवसाय से सम्बन्धित व्यक्तियों की विवाह आयु क्रमशः घटते क्रम में है । जूता का व्यापार तथा वाणिज्य के पेशा करने वाले पुरुषों की विवाह आयु एक दूसरे के लगभग बराबर है साथ ही अकुशल कामगार तथा बेरोजगार व्यक्तियों की विवाह आयु एक दूसरे के पास पास है।

26- पेशेवर घूण का व्यवसाय नौकरी बेरोजगार वाणिज्य कृषि ,कुशल कामगार तथा अकुशल कामगार व्यवसाय के पुरुषों की पत्नियों की विवाह आयु क्रमशः घटते क्रम में है ।

27- कृषि व्यवसाय वाले पुरुषों एवं उनकी पत्नियों के वैवाहिक आयु का सह सम्बन्ध गुणांक सबसे कम है तथा घूण का व्यवसाय करने वाले पुरुषों एवं उनकी पत्नियों की वैवाहिक आयु का सह सम्बन्ध गुणांक सबसे अधिक है। कृषि,पेशेवर,बेरोजगार ,अकुशल कामगार नौकरी,कुशल कामगार,वाणिज्य वाणिज्य तथा घूण का व्यवसाय करने वाले पुरुषों एवं उनकी पत्नियों की वैवाहिक आयु का सह-सम्बन्ध गुणांक क्रमशः बढ़ता गया है ।

—— ——

पुरुष प्रतिवादी के पिता का व्यवसाय
xxxxxxxxxxxxxxxxxxxxxxxxxxxxxxxx

1- जिनके पिता पेशेवर व्यवसाय के थे उन पुरुषों की वैवाहिक आयु का भूयिष्ठक 23-20 वर्ष तथा समान्तर माध्य 23-82 वर्ष है ।

2- जिनके पिता पेशेवर व्यवसाय के थे उन पुरुषों की पत्नियों की वैवाहिक आयु का भूयिष्ठक 19-2 वर्ष तथा समान्तर माध्य 18 वर्ष है

3- जिनके पिता पेशेवर व्यवसाय के थे उन पुरुषों एवं उनकीपत्नियों की वैवाहिक आयु का सह सम्बन्ध गुणांक + 0-56 है ।

4- जिनके पिता का व्यवसाय नौकरी था उन पुरुषों की वैवाहिक आयु का भूयिष्ठक 22.72 वर्ष तथा समान्तर माध्य 25-135 वर्ष है ।

5- जिनके पिता का व्यवसाय नौकरी था उन पुरूषों की पत्नियों की वैवाहिक आयु का माध्यिका 17-6 वर्ष तथा समान्तर माध्य 18-05 वर्ष है । जिनके पिता का

xxxxxxxxxxxxxxxx

6- जिनके पिता का व्यवसाय नौकरी था उन पुरूषों एवं उनकी पत्नियों की वैवाहिक आयु का सह सम्बन्धता गुणांक + 0.620 है ।

7- जिनके पिता का व्यवसाय वाणिज्य उन पुरूषों की वैवाहिक आयु का माध्यिका 20-96 वर्ष तथा समान्तर माध्य 21.83 वर्ष है ।

8- जिनके पिता का व्यवसाय वाणिज्य था उन पुरूषों की पत्नियों की वैवाहिक आयु का माध्यिका 16-9 वर्ष है तथा समान्तर माध्य 16-30.9 वर्ष है ।

9- जिनके पिता का व्यवसाय वाणिज्य था उन पुरूषों एवं उनकी पत्नियों की वैवाहिक आयु का सह सम्बन्धता गुणांक + 0.6918 वर्ष है ।

10- जिनके पिता कुशल कामगार थे उन पुरूषों की वैवाहिक आयु का माध्यिका 20.909 वर्ष और समान्तर माध्य 20.739 वर्ष है ।

11- जिनके पिता कुशल कामगार थे उन पुरूषों की पत्नियों की वैवाहिक आयु का माध्यिका 16.78 वर्ष तथा समान्तर माध्य 15.689 वर्ष है ।

12- जिनके पिता कुशल कामगार थे उन पुरूषों एवं उनकी पत्नियों की वैवाहिक आयु का सह सम्बन्धता गुणांक + 0.5941 है ।

13- जिनके पिता का अकुशल कामगार थे उन पुरूषों की वैवाहिक आयु का माध्यिका 19-31 वर्ष तथा समान्तर माध्य 20.347 वर्ष है ।

14- जिनके पिता का अकुशल कामगार थे उन पुरूषों की पत्नियों कीवैवाहिक आयु का

मध्यिकांक 13.53 वर्ष तथा बहुलांक मान्य 15 वर्ष है ।

15- जिनके पिता अकुशल कामगार थे उन पुत्रों एवं उनकी पत्नियों की वैवाहिक आयु का सह सम्बन्ध 0.7839 है ।

16- जिनके पिता का व्यवसाय कृषि था उन पुत्रों की वैवाहिक आयु का मध्यिकांक 21.10 वर्ष तथा समान्तर माध्य 21 वर्ष है ।

17- जिनके पिता का व्यवसाय कृषि था उन पुत्रों की पत्नियों की वैवाहिक आयु का मध्यिकांक 16.259 वर्ष तथा समान्तर माध्य 15.64 वर्ष है ।

18- जिनके पिता का व्यवसाय कृषि था उन पुत्रों एवं उनकी पत्नियों की वैवाहिक आयु का सह सम्बन्ध + 0.5657 है ।

19- जिनके पिता का व्यवसाय कुछ का था उन पुत्रों की वैवाहिक आयु का मध्यिकांक 20.857 वर्ष तथा समान्तर माध्य 20.52 वर्ष है ।

20. जिनके पिता का व्यवसाय कुछ का था उन पुत्रों की पत्नियों की वैवाहिक आयु का मध्यिकांक 17.वर्ष है तथा समान्तर माध्य 16.36 वर्ष है ।

21. जिनके पिता का व्यवसाय कुछ का उन पुत्रों तथा उनकी पत्नियों की वैवाहिक आयु का सह सम्बन्ध गुणांक + 0.6421 है ।

22. जिनके पिता का कुशल कामगार व्यवसाय है थे उन पुत्रों की वैवाहिक आयु सबसे कम है तथा जिनके पिता पेशेवर व्यवसाय के थे उन पुत्रों की वैवाहिक आयु सबसे अधिक है जैसे कर वाणिज्य कृषि कुशल कामगार कुछ का व्यवसाय तथा अकुशल काम मर व्यवसाय वाले जिनके पिता थे उन पुत्रों की वैवाहिक आयु क्रमश: घटते क्रम है ।

23- जिनके पिता अकुशल कामगार व्यवसाय के थे उन पुत्रों के पत्नियों की विवाह आयु

सबसे कम है तथा जिनके पिता पेशेवर व्यवसाय के थे उन युवको की पत्नियों का वैवाहिक आयु सबसे अधिक है । जिनके पिता उच्च व्यवसाय के थे उनकी आयु सबसे अधिक है। जिनके पिता उच्च व्यवसाय के थे उनकी पत्नियों की वैवाहिक आयु अधिक है तथा जिनके पिता प्राथमिक व्यवसाय के थे उन युवको की पत्नियों की वैवाहिक आयु कम है ।

24- जिन युवको के पिता अकुशल कामगार व्यवसाय के थे उन युवकों एवं उनकी पत्नियों की वैवाहिक आयु का सह सम्बन्ध उनमें सबसे अधिक तथा जिन युवको के पिता पेशेवर व्यवसाय के थे उन युवको एवं उनकी पत्नियों के वैवाहिक आयु का सह सम्बन्ध गुणांक सबसे कम है ।

25- जिन पेशेवर कृषि कुशल कामगार नौकरी कुल का व्यवसाय,वाणिज्य तथा अकुशल अकुशल कामगार व्यवसाय के जिनके पिता थे उन युवको एवं उनकी पत्नियों के वैवाहिक आयु का सह सम्बन्ध गुणांक क्रमशः बताया गया है।

[illegible] स्त्री के पिता का व्यवसाय
xxxxxxxxxxxxxxxxxxxxxxxxxxxx

जिन युवको के पत्नियों के पिता पेशेवर की व्यवसाय के थे। उन युवको की वैवाहिक आयु का मध्यिका 22.66 वर्ष तथा बहुलांक मान्य 23 वर्ष है ।

2- जिन युवको के पत्नियों के पिता पेशेवर व्यवसाय के थे उन युवको की पत्नियों की वैवाहिक आयु का मध्यिका 15.26 वर्ष है तथा बहुलांक मान्य 17.8 वर्ष है ।

3- जिन युवको के पत्नियों के पिता पेशेवर व्यवसाय के थे उन युवको एवं उनकी पत्नियों के वैवाहिक आयु का सह सम्बन्ध गुणांक 0.697 है ।

4- जिन पुरुषों के पत्नियों के पिता नौकरी व्यवसाय के थे उन पुरुषों की वैवाहिक आयु का भूयिष्ठक 24.641 वर्ष है तथा समान्तर माध्य 23.458 वर्ष है ।

5- जिन पुरुषों के पत्नियों के पिता भी नौकरी व्यवसाय के थे उन पुरुषों की पत्नियों की वैवाहिक आयु का भूयिष्ठक 18.2[illegible] वर्ष है तथा समान्तर माध्य 16.28 वर्ष है ।

6- जिन पुरुषों की पत्नियों के पिता वाणिज्य व्यवसाय के थे उन पुरुषों की वैवाहिक आयु का भूयिष्ठक 21.17 वर्ष है तथा समान्तर माध्य 22.02 है ।

7. जिन पुरुषों की पत्नियों के पिता वाणिज्य व्यवसाय के थे उन पुरुषों की पत्नियों की वैवाहिक आयु का भूयिष्ठक 17.8 वर्ष है तथा समान्तर माध्य 17.05 वर्ष है।

8- जिन पुरुषों की पत्नियों के पिता का व्यवसाय वाणिज्य व्यवसाय के थे उन पुरुषों एवं उनकी पत्नियों की वैवाहिक आयु का सह सम्बन्ध गुणांक + 0.605 है ।

9- जिन पुरुषों की पत्नियों के पिता कुशल कामगार व्यवसाय के थे उनके पुरुषों की वैवाहिक आयु का भूयिष्ठक 20.90 है तथा समान्तर माध्य 20.83 वर्ष है।

10. जिन पुरुषों की पत्नियों के पिता कुशल कामगार व्यवसाय के थे उन पुरुषों की पत्नियों की वैवाहिक आयु का भूयिष्ठक 17.18 वर्ष है । तथा समान्तर माध्य 17.19 वर्ष है ।

11- जिन पुरुषों की पत्नियों के पिता कुशल कामगार के व्यवसाय के थे उन पुरुषों एवं उनकी पत्नियों वैवाहिक आयु का सह गुणांक +0.618है

12- जिन पुरुषों की पत्नियों के पिता अकुशल कामगार व्यवसाय के थे उन पुरुषों के वैवाहिक आयु का भूयिष्ठक 19.35 वर्ष है तथा समान्तर माध्य 18.22 वर्ष है ।

13- जिन पुरुषों की पत्नियों के पिता अकुशल कामगार व्यवसाय के थे उन पुरुषों

को पत्नियों की वैवाहिक आयु का बहुलिष्ठ 15.86 वर्ष तथा समान्तर माध्य 1[illegible].288 वर्ष है।

14- जिन पुरुषों की पत्नियों के पिता अकुशल कामगार व्यवसाय के थे उन पुरुषों एवं उनकी पत्नियों की वैवाहिक आयु का सह सम्बन्ध गुणांक + 0.742 है।

15- जिन पुरुषों की पत्नियों के पिता कृषि व्यवसाय के थे उन पुरुषों की वैवाहिक आयु का बहुलिष्ठ 20.7 वर्ष है तथा समान्तर माध्य 20.85 वर्ष है।

16- जिन पुरुषों की पत्नियों के पिता कृषि व्यवसाय के थे उन पुरुषों के पत्नियों की वैवाहिक आयु का बहुलिष्ठ 15.5 वर्ष है तथा समान्तर माध्य 16.46 वर्ष है।

17- जिन पुरुषों की पत्नियों के पिता कृषि व्यवसाय के थे उन पुरुषों तथा उनकी पत्नियों की वैवाहिक आयु का सह सम्बन्ध गुणांक + .56 है।

18- जिन पुरुषों के पत्नियों के पिता का व्यवसाय दुग्ध का था उन पुरुषों की वैवाहिक आयु का बहुलिष्ठ 21.57 वर्ष है तथा समान्तर माध्य 21.17 वर्ष है।

19- जिन पुरुषों के पत्नियों के पिता का व्यवसाय दुग्ध का था उन पुरुषों की पत्नियों की वैवाहिक आयु का बहुलिष्ठ 17.28 वर्ष है तथा समान्तर माध्य 16.655 वर्ष है।

20- जिन पुरुषों के पत्नियों के पिता का व्यवसाय दुग्ध का था उन पुरुषों तथा उनकी पत्नियों की वैवाहिक आयु का सह सम्बन्ध गुणांक + 0.813 है।

21- जिन पुरुषों के पत्नियों के पिता का व्यवसाय नौकरी था उन पुरुषों की वैवाहिक आयु सबसे अधिक है तथा जिन पुरुषों के पत्नियों के पिता अकुशल कामगार

उन पुरुषों तथा उनकी पत्नियों की वैवाहिक आयु का सह-सम्बन्ध गुणांक +0.813 है।

जिन पुरुषों के पत्नियों के पिता का व्यवसाय नौकरी था उन पुरुषों की वैवाहिक आयु सबसे अधिक है तथा जिन पुरुषों के पत्नियों के पिता अकुशल कामगार व्यवसाय के थे उन पुरुषों की वैवाहिक आयु सबसे कम है। जिन पुरुषों के पत्नियों के पिता नौकरी, पेशेवर, छूटा का व्यापार, वाणिज्य, कुशल कामगार, कृषि तथा अकुशल कामगार व्यवसाय के थे उन पुरुषों की वैवाहिक आयु क्रमशः घटते क्रम में है

जिन पुरुषों के पत्नियों के पिता अकुशल कामगार व्यवसाय के थे उन पत्नियों की वैवाहिक आयु सबसे कम है तथा उन पुरुषों के पत्नियों की वैवाहिक आयु सबसे अधिक है। जिन पुरुषों के पत्नियों के पिता पेशेवर व्यवसाय के थे। जिन पुरुषों के पत्नियों के पिता पेशेवर कुशल कामगार वाणिज्य, छूटा का व्यापार कृषि नौकरी तथा अकुशल कामगार व्यवसाय के थे उन पुरुषों के पत्नियों की वैवाहिक आयु क्रमशः घटते क्रम में है।

जिन पुरुषों के पत्नियों के पिता छूटा का व्यवसाय करते थे उन पुरुषों एवं उनकी पत्नियों की वैवाहिक आयु का सह-सम्बन्ध जिनमें सबसे अधिक है तथा कृषि व्यवसाय में संलग्न जिन पुरुषों के पत्नियों के पिता थे उन पुरुषों एवं उनकी पत्नियों के वैवाहिक आयु का सह-सम्बन्ध उनमें सब से कम है।

जिन पुरूषों ने पत्नियों के पिता [illegible] व्यवसाय कुशल कामगार नौकरी पेशेवर अकुशल कामगार तथा दुकान का व्यवसाय करते उन पुरूषों एवं उनकी पत्नियों की वैवाहिक आयु का मध्यांक क्रमशः [illegible] है।

मासिक आय

जिन पुरूषों को मासिक आय 100रू० कम थी उनका वैवाहिक भूयिष्ठक 21.42 वर्ष है।

जिन पुरूषों की मासिक आय 100 रू० से 300/ रू० वाले ग्रुप में है उनका वैवाहिक भूयिष्ठक 20.68 वर्ष है।

जिन पुरूषों की मासिक आय 300-500 रू० वाले ग्रुप में है उनका वैवाहिक भूयिष्ठक 21.64 वर्ष है।

जिन पुरूषों की मासिक आय 700-1000 रू० वाले ग्रुप में है उनका वैवाहिक भूयिष्ठक 24.80 वर्ष है।

जिन पुरूषोंत की मासिक 1000रू० अधिक है उनका वैवाहिक भूयिष्ठक 24.91 वर्ष है।

जिन पुरूषों की मासिक आय बढ़ने के साथ 2 उनकी विवाह आयु क्रमशः बढ़ती है तथा 100-300 मासिक आय वाले पुरूषों की वैवाहिक आयु सबसे कम है। तथा 1000 से अधिक मासिक आय वाले पुरूषों की वैवाहिक आयु सबसे अधिक है।

अवधि

जिन [illegible] सन् 1930-40 के अन्दर हुआ था उन पुरुषों की वैवाहिक [illegible] है । जबकि उन पुरुषों के [illegible] आयु है जिनका विवाह सन् 1940,-50 1950-60 तथा सन् 1960-70 के अन्दर हुआ था ।

[illegible] के बढ़ने के साथ 2 पुरुषों की वैवाहिक आयु [illegible] रही है ।

सन् 1930-25 के अन्दर जिन [illegible] का विवाह हुआ था । उन पुरुषों [illegible] वैवाहिक आयु का समान्तर माध्य 20.07 वर्ष है तथा जिन पुरुषों का विवाह 1970-75 के अन्दर हुआ है उनकी वैवाहिक आयु का सामान्तर माध्य 22.77 वर्ष है । जिससे यह स्पष्ट है कि वैवाहिक अवधि के बढ़ने के साथ क्रमशः बढ़ रही है । जिन स्त्रियों का विवाह सन् 1930-40 के अन्दर हुआ था उनकी वैवाहिक आयु का सामान्तर माध्य 14.90 वर्ष है जबकि उन स्त्रियों की वैवाहिक आयु 17.88 वर्ष है जिनकी शादी सन् 1960-70 के अन्दर हुई थी जिससे यह स्पष्ट है कि अवधि में बढ़ने के साथ 2 स्त्रियों की वैवाहिक आयु बढ़ रही है ।

सन् 1930-35 के अन्दर जिन स्त्रियों का विवाह हुआ था उनकी वैवाहिक आयु का सामान्तर माध्य 15 वर्ष है जब कि जिन स्त्रियों का विवाह सन् 1970-75 के अन्दर उनकी वैवाहिक 1398 वर्ष है । जिससे यह स्पष्ट है कि अवधि के बढ़ने के साथ साथ स्त्रियों की वैवाहिक आयु बढ़ रही है ऐसे [illegible] के [illegible] की [illegible] या जिन्होंने [illegible] पूरा कर लिया था ।

1- ऐसे पुरुष जिनके पास एक बच्चे थे तथा जिन्होंने प्रजननोत्पादन कार्य
द्वारा किया था उनकी विवाह आयु का भूयिष्ठक 22.8 वर्ष तथा समान्तर
माध्य 21.22 वर्ष है। तथा उनकी स्त्रियों की वैवाहिक आयु का वैवाहिक
भूयिष्ठक 16.3 वर्ष तथा समान्तर माध्य 15.23 वर्ष है।

2- इन पुरुषों तथा उनकी पत्नियों की वैवाहिक आयु का सह-सम्बन्ध गुणांक
+0.7142 है।

3- उपरोक्त प्रकार के पुरुष जिनके पास दो बच्चे थे उनकी वैवाहिक आयु का
भूयिष्ठक 21.35 वर्ष है तथा समान्तर माध्य 22.90 वर्ष है।

4- उपरोक्त प्रकार के पुरुषों की पत्नियाँ जिनके पास दो बच्चे थे। उनकी वैवाहिक
आयु का भूयिष्ठक 15.55 वर्ष है तथा समान्तर माध्य 17.84 वर्ष है।

5- इन पुरुषों तथा उनकी पत्नियों की वैवाहिक आयु का सह-सम्बन्ध गुणांक
+ 0.8162 है।

6 उपरोक्त प्रकार के पुरुष जिनके पास तीन बच्चे थे उनकी वैवाहिक आयु का भूयिष्ठक
20.80. वर्ष है

7- उपरोक्त प्रकार की पुरुषों की वैवाहिक आयु का भूयिष्ठक 17.12 वर्ष है तथा
समान्तर माध्य 16.99 वर्ष है।

8- इन पुरुषों तथा उनकी पत्नियों की वैवाहिक आयु का सह-सम्बन्ध गुणांक + 0.732

9- उपरोक्त प्रकार के पुरुष जिनके पास 4 बच्चे थे उनकी वैवाहिक आयु का भूयिष्ठक
20.75 है तथा समान्तर माध्य 22.76 वर्ष है।

10- उपरोक्त प्रकार के पुरुषों की पत्नियों की वैवाहिक आयु का भूयिष्ठक 16.[illegible]3 वर्ष है तथा समान्तर माध्य 17.22 वर्ष है ।

11- इन पुरुषों तथा उनकी पत्नियों की वैवाहिक आयु का सह-सम्बन्ध गुणांक +0.7328 है ।

12- उपरोक्त प्रकार के पुरुष जिनके पास 5 बच्चे थे उनकी वैवाहिक आयु का भूयिष्ठक 20.9 वर्ष है तथा समान्तर माध्य 21.17 वर्ष है ।

13- उपरोक्त प्रकार के पुरुषों की पत्नियों की वैवाहिक आयु का भूयिष्ठक 16.38 वर्ष है तथा समान्तर माध्य 15.798 वर्ष है ।

14- इन पुरुषों तथा उनकी पत्नियों की वैवाहिक आयु की सह-सम्बन्ध गुणांक + 0.4801 है ।

15- उपरोक्त प्रकार के पुरुष जिनके पास 6 बच्चे थे उनकी वैवाहिक आयु का भूयिष्ठक 21 वर्ष है ।

16- उपरोक्त पुरुषों की पत्नियों की वैवाहिक आयु का भूयिष्ठक 15.30 वर्ष है ।

17- इन पुरुषों तथा उनकी पत्नियों की वैवाहिक आयु का सह-सम्बन्ध गुणांक +0.5327 है ।

18- उपरोक्त प्रकार के पुरुष जिनके पास 7 बच्चे थे उन पुरुषों की वैवाहिक आयु का भूयिष्ठक 21 वर्ष है तथा समान्तर माध्य 20.77 वर्ष है ।

19- उपरोक्त प्रकार के पुरुषों की पत्नियों की वैवाहिक आयु का भूयिष्ठक

17 वर्ष के तथा समान्तर माध्य माध्य 15.44 वर्ष है ।

20- इन पुरुषों तथा उनकी पत्नियों की वैवाहिक आयु का सह-सम्बन्ध गुणांक +0.2397 है ।

21- उपरोक्त प्रकार के पुरुषों जिनके पास 8 बच्चे थे उन पुरुषों की आयु का भूयिष्ठक 21.33 वर्ष है तथा समान्तर माध्य 22.1 वर्ष है ।

22- उपरोक्त प्रकार के पुरुषों के पत्नियों की वैवाहिक आयु का भूयिष्ठक - 15.55 वर्ष है तथा समान्तर माध्य 15.9 वर्ष है ।

23- इन पुरुषों एवं उनकी पत्नियों की वैवाहिक आयु का सह-सम्बन्ध गुणांक +0.4329 है ।

24- उपरोक्त प्रकार के पुरुष जिनके पास 9 से अधिक बच्चे थे उन पुरुष के वैवाहिक आयु का भूयिष्ठक 21.33 वर्ष है ।

25- उपरोक्त प्रकार के पुरुषों के पत्नियों की वैवाहिक आयु का भूयिष्ठक 15.38 वर्ष है ।

26- इन पुरुषों एवं उनकी पत्नियों के वैवाहिक आयु का सह-सम्बन्ध गुणांक +0.8248 है ।

27- जिन्होंने सन्तानोत्पादन कार्य पूरा कर लिया था ऐसे पुरुष के पास कम बच्चे है । जिनकी विवाह आयु अधिक है तथा जिन पुरुषों के पास अधिक बच्चे है उनकी विवाह आयु कम है

28- जिन्होंने सन्तानोत्पादन कार्य पूरा कर लिया ऐसे पुरुष कम बच्चे है जिनकी पत्नियों की विवाह आयु अधिक है तथा जिनकी पत्नियों की विवाह आयु अधिक कैसे क जिन्होंने सन्तानोत्पादन कार्य पूरा कर लिया था तथा जिनके पास 1,2,3,414 बच्चे थे उन पुरुषों एवं पत्नियों की वैवाहिक आयु का सह-सम्बन्ध संबन्ध गुणांक अधिक है अपेक्षाकृत उन पुरुषों क जिनके पास 5,6,7 या 8 बच्चे थे ।

वैवाहिक आयु से कितने वर्ष बाद प्रथम बच्चा पैदा हुआ

29- जिन पुरुष प्रतिवादियों के वैवाहिक आयु अधिक थी उन पुरुष प्रतिवादियों के विवाहिक आयु के कम वर्ष बाद में प्रथम बच्चा पैदा हुआ था तथा जिन पुरुष प्रतिवादियों की वैवाहिक आयु कम थी उन पुरुष प्रतिवादियों के विवाह के अधिक वर्ष बाद प्रथम बच्चा पैदा हुआ ।

30- इसी प्रकार स्त्रियों के वैवाहिक आयु बढ़ने पर प्रथम बच्चा कम ही समय में होता है और जिन स्त्रियों की वैवाहिक आयु कम होती है तो प्रथम बच्चा विवाह के कई वर्ष बाद होता है ।

शैशव काल में बच्चों की मृत्यु ।

31- जिन पुरुषों एवं स्त्रियों की वैवाहिक आयु कम है उनके बच्चों के मरने की संख्या अधिक है तथा जिन पुरुषों और स्त्रियों की वैवाहिक आयु अधिक है उनके बच्चों की मरने की संख्या कम है ।

प्रसव काल में स्त्रियों का देहान्त

31- जिन स्त्रियों का विवाह कम उम्र में हुआ था और उनमें पति की उम्र अधिक

थी उनकी स्त्रियों में प्रथम काल में मृत्यु अधिक हुई थी । तथा जिन स्त्रियों का विवाह अधिक उम्र में हुआ था तथा उनके पति उनकी 325 के लगभग बराबर के थे उन स्त्रियों का प्रथम काल में कम देहान्त हुआ था

परिवार नियोजन के किसी विधि का प्रयोग

32- जिन पुरुषों का विवाह 26 से 28 वर्ष की आयु में हुआ था वे पुरुष अन्य पुरुषों की अपेक्षा जिनका विवाह कम उम्र में हुआ था परिवार नियोजन के किसी विधि को वर्तमान समय में प्र0 में ला रहे थे।

33 - जिन पुरुषों की पत्नियों की विवाह आयु 24 व उससे अधिक वर्ष में आयु में हुआ था वे वर्तमान समय में परिवार नियोजन के किसी विभिन्न अन्य पुरुषों की अपेक्षा जिनकी पत्नियों का विवाह कम उम्र में हुआ था परिवार नियोजन के किसी विधि से अधिक प्र0 में ला रहे है ।

34- जिन पुरुषों का विवाह 26 से 28 वर्ष की आयु में हुआ था वे पुरुष अन्य पुरुषों की अपेक्षा जिनका विवाह कम उम्र में हुआ था वे परिवार नियोजन मे किसी विधियों कभी भी प्र0 में ला रहे थे ।

35- जिन पुरुषों की पत्नियों की विवाह 24 व उससे अधिक वर्ष की आयु में हुआ है व कभी भी परिवार नियोजन में किसी विधियों अन्य पुरुषों की अपेक्षा जिनकी पत्नियों का विवाह कम उम्र में हुआ था वे परिवार नियोजन के किसी विधि का अधिक प्रयोग में ला रहे है ।

26- प्रथम बच्चा कब पैदा होना चाहिये था ।

जिन पुरुषों का विवाह 26 से 28 अथवा 30 वर्ष से अधिक वर्ष में हुआ था उनका विचार यह है कि प्रथम बच्चा विवाह के बाद होना चाहिये । प्रथम बच्चा विवाह के बाद होना चाहिए । सबसे अधिक वे पुरुष थे जिनका विचार यह था कि प्रथम बच्चा विवाह के 8 साल बाद पैदा होना चाहिए उनकी वैवाहिक आयु 20 से 22 वर्ष की थी ।

27- जिन पुरुषों का विवाह 20 वर्ष से अधिक आयु में हुआ है । ऐसे अधिकांश लोग तीन वर्ष के बाद ही प्रथम बच्चा चाहते है और जिन पुरुषों का विवाह 18 वर्ष से कम आयु में हुआ है उनमें से अधिकांश विचार यह है कि प्रथम बच्चा विवाह के चार पाँच साल बाद पैदा होना चाहिये ।

— — — — —

अध्याय-7

नीति अनुमोदन

भारत वर्ष कृषि प्रधान, धार्मिक एवं निर्धन देश है। साथ ही यहाँ की अधिकांश जनता आज भी अशिक्षित है। ऐसी स्थिति में जनसंख्या में तीव्र गति से वृद्धि होने के कारण लोगों के जीवन स्तर पर भयंकर प्रभाव पड़ रहा है। अतः जीवन स्तर को शीघ्रातिशीघ्र उच्च स्तरीय बनाने के लिये बढ़ती हुई जनसंख्या की तीव्र गति को अवरुद्ध किया जाय। उसके लिये ठोस कदम उठाना अत्यावश्यक है। जनसंख्या की वृद्धि दर को प्रभावित करने वाले मुख्यतः दो घटक है - ~~प्रथम~~ प्रथम जन्म दर द्वितीय मृत्यु दर। इस दृष्टि कोण से एक ओर जहाँ भारत में जन्मदर अधिकतम है तो दूसरी तरफ मृत्युदर भी अन्य देशों की अपेक्षा अधिक है किन्तु इसमें तीव्र गति से कमी हो रही है।।

अब हमारे सम्मुख जन्म दर को तीव्र गति की वृद्धि से मुक्ति पाने की समस्या है। इस दृष्टिकोण से विचार विमर्श करने पर यह ज्ञात होता है कि इसके कई कारण है जिनमें से वैवाहिक आयु एक प्रमुख कारण है। वैवाहिक आयु से सम्बन्धित आँकड़ों से यह प्रतिपादित होता है कि जन्म दर के घटने बढ़ने में वैवाहिक आयु की महत्वपूर्ण भूमिका है। हम देखते है कि अल्पायु में विवाह होने पर सन्तानें अधिक होती है ~~और अल्पायु भी होती है~~। और वे अल्पायु भी होती है। इस प्रकार ऐसी सन्तान से जहाँ जन्म दर

बढ़ती है । वहाँ मृत्यु दर भी बढ़ती है । इसके साथ ही अधिक उम्र में विवाहित व्यक्ति को कम एवं दीर्घायु सन्तान होती है । इसीलिये हमारे पूर्वजों ने मानव जीवन को चार आश्रमों में विभक्त किया था - ब्रह्मचर्य , गार्हस्थ्य, वानप्रस्थ, संन्यास - प्रत्येक 25 वर्षीय थे । वैवाहिक आयु 25 वर्ष के उपरान्त होती थी । इस से ज्ञात होता है कि प्राचीन काल में वैवाहिक आयु का समय निर्धारित था । उसका समाज में पूर्णरूपेण पालन होता था । अतः आज भी हम अनुभव करते है कि वैवाहिक आयु कम से कम 25 वर्ष होनी चाहिये । यदि ऐसा नही होतो कम से कम पुरूष के लिये 22वर्ष और 19 वर्ष स्त्री के लिये अनिवार्य रूप से होना चाहिये । समाज मे अनिवार्य रूप से इसके प्रचलन के लिये इस सम्बन्ध मे सरकार जो कानून बनाये उसका पूर्ण रूपेण पालन हो रहा है या नही इसकी देख रेख के लिये भी प्रबन्ध करे इसके साथ सरकारी अर्ध सरकारी नौकरियो मे स्थान प्राप्त करने वाले अभ्यार्थियो के लिये यह प्रतिबन्ध होना चाहिये कि 25 वर्ष से पूर्व विवाहित या सरकार द्वारा निर्धारित वैवाहिक आयु से पूर्व विवाहित अभ्यार्थी इन स्थानो पर नियुक्ति प्राप्त करने से वंचित रहेंगे । ~~[illegible]~~ इस प्रकार हम वैवाहिक आयु को बढ़ाने मे सफल हो सकेंगे और जिससे जन्म दर की वृध्दि को कम किया जा सकता है ।

अब हम वैवाहिक आयु मे कमी के कारण अशिक्षा पर प्रकाश डालेंगे । सन् 1971 की जनगणना-नुसार शिक्षा के अभाव मे यहाँ के लोग परम्परागत रूढ़िवादी सामाजिक एवं धार्मिक रीति रिवाजो का पालन आंखो मूंद कर

(3)

करते आ रहे है । शिक्षा के अभाव में इनका संतुलित विकास नहीं हो पा रहा है और नहीं उनका ध्यान इसके विनाशकारी प्रभाव निम्न स्तरीय जीवन , निर्धनता तथा अल्पायु मृत्यु दर एवं जन्म दर की वृध्दि की ओर जाता है । ऐसी स्थिति में इससे सम्बन्धित आँकड़ो से यह ज्ञात होता है कि शिक्षित जन समुदाय में वैवाहिक आयु शिक्षित समुदाय यह अनुभव कर रहा है कि निम्न स्तरीय जीवन निर्धनता एवं बेरोजगारी से मुक्ति पा कर सुखी जीवन निर्वाह के लिये अधिक आयु में विवाह करना चाहिये । साथ ही कृत्रिम साधनो द्वारा सन्तानो की जन्मदर को कम करना चाहिये । इस प्रकार हम अनुभव करते है कि जहाँ निम्न शिक्षित वर्ग कम आयु में विवाह करते वहीं शिक्षित वर्ग अधिक उम्र में विवाह करते है । अत: यह आवश्यक हो गया है कि यहाँ का जन समुदाय शत प्रतिशत पूर्ण रूपेण शिक्षित हो । इसके लिये यहाँ के जन समुदाय में रुचि उत्पन्न करना होगा इसके साथ ही कम से कम माध्यमिक शिक्षा परिषद तक की शिक्षा प्रत्येक बालक एवं बालिका के लिये अनिवार्य करना होगा । इसके लिये आवश्यक है कि समयानुकूल उच्च स्तरीय निःशुल्क शिक्षा होना चाहिये जिस से संतुलित विकास हो और उसके शिक्षा काल में बालक या बालिका को किसी प्रकार की आर्थिक कठिनाई न हो । इसके अतिरिक्त शिक्षा होने पर उसे उसकी योग्यता के जीवन निर्वाह के लिये व्यवसाय मिल सके यदि हम प्राचीन सामाजिक जीवन का अवलोकन करें तो हमें यह ज्ञात होता है कि

देश समान रूप से पुरुष एवं स्त्री की शिक्षा दीक्षा की व्यवस्था की । इसी प्रारम्भ ही ऐसी व्यवस्था थी कि किसी भी बालक एवं बालिका को शिक्षा ग्रहण करते समय आर्थिककठिनाई नही उत्पन्न होती थी । शिक्षण समाप्त करने के उपरान्त उन्हें उनकी योग्यता के अनुसार व्यवसाय भी प्राप्त हो जाता था । इसके अतिरिक्त कुछ व्यवसाय ऐसे भी थे जिसमें वंशानुगत व्यवसायिक क्रम बध्दता थी आज के युग में यह आवश्यक हो गया है ऐसी शिक्षण ~~संस्थाएं~~ संस्थाऐं हो जो ऐसी शिक्षा प्रदान कर सके जिससे छात्र एवं छात्राओं का संतुलित विकास भी हो औ र साथ ही साथ व्यवसायिक भी हो जिससे उन्हें शिक्षा पूर्ण करने पर व्यवसाय भी जीवन यापन के लिये मिल सके जिससे वे बेरोजगारी के शिकार होने से बच सकें ।

इस ओर हमारी सरकार को ठोस कदम उठाने की आवश्यकता है । सर्व प्रथम हमारे शैक्षिक संस्थानों में समयानुकूल देशोपयोगी, व्यवसायिक एवं संतुलित विकास वाली शिक्षा की व्यवस्था होनी चाहिये जिससे उनका भविष्य सुखी हो इसके साथ ही प्रत्येक बालक एवं बालिका को अनिवार्यतः माध्यमिक शिक्षा परिषाद तक निः ई शुल्क की व्यवस्था हो । इसके अतिरिक्त अशिक्षित प्रौढ़ व्यक्तियों के लिये भी अनिवार्य निःशुल्क शिक्षा की व्यवस्था होनी चाहिये जिससे उनका ज्ञान वर्धन हो और उन्हे अज्ञानता के अंधकार से मुक्ति मिले तथा वे अपने भावी जीवन को सुखपूर्वक व्यतीत करने के लिये

सामाजिक रूढ़ीगत बुराइयों का उन्मूलन करने में समर्थ हो सके । अपने बच्चों का भविष्य उज्ज्वल कर सके सरकार को प्रौढ़ व्यक्तियों की निःशुल्क अनिवार्य शिक्षा के लिये अधिक से अधिक रात्रिकालीन स्कूल की व्यवस्था करनी चाहिये । इस प्रौढ़ शिक्षा के अंतर्गत उन्हे इस प्रकारी शिक्षा प्रदान करनी चाहिये जिससे उनको परम्परागत रूढ़िवादी सामाजिक रस्म रिवाजों एवं अंधविश्वासी विचार धाराओं का उन्मूलन हो सके । जब देश के अंतर्गत ऐसी व्यवस्था हो जायगी तो हम जनसंख्या की तीव्रगामी जन्म दर एवं मृत्यु दर की विभिषिका दर से मुक्त हो सकेंगे । इसके साथ ही हमारा जीवन स्तर उच्च होगा तथा देश भी धन धान्य से पूर्णतः सम्पन्न होगा ।

वैवाहिक आयु के कम होने के कारण निर्धनता पर विचार करेंगे । किसी देश के लिये निर्धनता एक अभिशाप है । इस से मुक्ति पाने के लिये आवश्यक है कि देश में औद्योगिक एवं व्यवसायिक साधनों का समक्ष तथा देश की आवश्यकतानुसार होना चाहिये जिससे देश में आर्थिक विभाजन समान रूप से सभी व्यक्तियों में होता रहे जिससे उनके सामाजिक जीवन स्तर की सभी सुख सुविधाएँ सरलता से उपलब्ध होती रहें और उनकी जीवन सुखमय हो । इस दृष्टि कोण से हम देखते है कि हमारा देश अभी तक एक कृषि प्रधान देश रहा है किन्तु हमारी आर्थिक दुर्बलता बेरोजगारी निर्धनता एवं जन संख्या की वृद्धि के कारण पूर्ण रूपेण विनष्ट हो चुकी है । ऐसी स्थिति में हमारे देश में इस प्रकार के औद्योगीकरण की आवश्यकता जिसमें अधिक से अधिक व्यक्तियों

को रोजगार मिल सके ।

अब प्रश्न उठता है कि देश की जनता बेरोजगारी के कारण निर्धनता ग्रस्त है और जहाँ की जनसंख्या भी अधिक है उस देश में किस प्रकार का औद्योगिकरण होना चाहिये जब कि यहां की लगभग 3/4 जनता अशिक्षित है । इस दशा में हमें देश एवं काल की आवश्यकतानुसार औद्योगिकरण होना चाहिये जिसमें कम लागत में अधिक व्यक्ति व्यवसाय में लगा सकें । इस के साथ ही हमें अन्य विकसित देशों के समान अपने देश को भी विकसित करना है ।

अतः वर्तमान समय में देश की आवश्यकता एवं समयोपयोगी यांत्रिक एवं लघु दोनों प्रकार के औद्योगिकरण होने चाहिये । भारत की अधिकांश जनता गाँवों में निवास करती है जब कि नगरों में निवास करने वाली जनता उससे उनसे कम है । इस दृष्टि कोण से ग्राम्य निर्धनता दूर करने के लिये लघु उद्योगों को प्राथमिकता देनी चाहिये । क्यों कि लघु उद्योगों में लागत कम होगी जिससे अधिक उद्योग विकसित होंगे और अधिक लोगों को व्यवसाय उपलब्ध हो सकेगा किन्तु इसके साथ ही हमें यान्त्रिक उद्योगों को उसी अनुपात में विकसित करना होगा जिससे हमारा देश विकसित देशों के साथ कदम से कदम मिलाकर चल सके इस प्रकार देश में इन दोनों प्रकार के उद्योगों में इस प्रकार का समान आर्थिक विकास हो जिससे देश की बेरोजगारी और निर्धनता भी दूर हो जाय । साथ ही इन उद्योगों में सभी वर्ग के व्यक्तियों योग्यतानुसार समान रूप से एक साथ कार्य करने का अवकाश मिले

मिले जिससे आप को भेद भाव दूर हो । साथ ही साथ परम्परागत धार्मिक एवं सामाजिक कुरीतियों एवं अंधविश्वासों से छुटकार मिल सके । क्यों कि एक साथ सभी वर्गों का एक उद्योग में काम करने से उनमें भाई चारा की भावना उत्पन्न होगी तब उनमें यह भावना भी जागृत होगी । समाज में परम्परागत रुढ़िवादी कुरीतियों को कैसे दूर किया जाय । इस प्रकार सामाजिक बुराइयों का उन्मूलन होगा तथा उन उद्योगों के आधिकाधिक उत्तम एवं उपयोगी उत्पादकता होगी । इस प्रकार उन उद्योगों से उत्पादित वस्तुओं की सरलता से प्राप्त होगी । इस प्रकार देश की आर्थिक उन्नति होगी ।जिससे वैवाहिक आयु में वृद्धि होगी ।

— — — — — —

B I B L I O G R A P H Y

Abraham, Sarah. "Low Age at Marriage for Females in India", Implications of Raising the Female Age at Marriage in India, Demographic Training and Research Centre (IIPS), Bombay, 1968 (mimeographed).

Agarwala, S.N. A Demographic Study of Six Urbanizing Villages, Asia Publishing House, 1968.

Agarwala, S.N. "A Method for Correcting Reported Ages and Marriage Duration", Indian Population Bulletin, Vol. I, No.1, April, 1960.

Agarwala, S.N. Age at Marriage in India, Allahabad, Kitab Mahal Pvt. Ltd., 1962.

Agarwala, S.N. "Age at Marriage in Kerala", Report of Seminar on the Implications of the Present Rate of Growth of Population in Kerala, August 1964 (mimeographed).

Agarwala, S.N. "Birth rate can be halved in a Generation", Yojana, vol.8, No.7, April 12, 1964.

Agarwala, S.N. "Effect of Rise in Female Marriage Age on Birth Rate in India", Paper contributed by Indian Authors to the World Population Conference, Belgrade, Yugoslavia, Aug.-Sept. 1965, also the Conference Report, vol.2.

Agarwala, S.N. Importance of Age at Marriage, Yojana, April 12, 1964.

Agarwala, S.N. "Mean Age at Marriage and Widowhood in India, Family Planning News, Vol.2, No.10, Oct.1961.

Agarwala, S.N. "Mean Duration of Fertile Union in India from Census Data", Report of the Sixth International Conference on Planned Parenthood, New Delhi, Feb.1959.

Agarwala, S.N. "Measurement of Population Growth", Indian Journal of Economics, Vol.35, No.138, Jan. 1958.

Agarwala, S.N. "Pattern of Marriage in Some ECAFE Countries", Report of the International Union for the Scientific Study of Population, General Conference: London, Sept. 1969.

Agarwala, S.N. Population, New Delhi: National Book Trust India, 1967.

Agarwala, S.N. "Raising the Marriage Age for Women — A Means to lower the Birth Rate", Implications of Raising the Age at Marriage of Females in India, Demographic Training and Research Centre (IIPS), Bombay, 1968 (mimeographed); also Economic and Political Weekly, Vol. 24, No.12, 1966.

Agarwala, S.N. "Social and Cultural Factors Affecting Fertility in India", Family Planning News, vol.4, No.6, June 1963.

Agarwala, S.N. "Social and Cultural Factors Affecting Fertility in India", Report of the Seventh International Planned Parenthood Federation, Singapore, Feb.1963.

Agarwala, S.N. Some Problems of India's Population, Vora Publication, Bombay, 1966.

Agarwala, S.N. "Some Recent Trends in Age at Marriage in India", Paper submitted to Asian Population Conference, New Delhi (mimeographed).

Agarwala, S.N. "The Age at Marriage in India", Population Index, Vol.23, No.2, 1957.

Ahuja, Ram. "Suitable Age for Marriage", Social Welfare, vol. 11, No.2, May, 1964.

Ali, Syed Ashfaq. "Fertility", AICC Economic Review, Vol. 13, No.12, Nov. 1961.

Altekar, A.S. The Position of Women in Hindu Civilisation, Banaras: Motilal Banarsidas, 1956.

Anand, K. "An Analysis of Differential Fertility", Journal of Family Welfare, Vol.12, No.3, March 1966.

Anand, K. "An Analysis of Inter-generational Fertility, The Indian Journal of Social Work, Vol.27, No.4, January, 1967.

Anand, K. "Opinion and Attitude Towards Family Planning in Chandigarh", Journal of Family Welfare, Vol.10, No.4, June 1964.

Aneeja, Nirmala. "Matrimony Through Advertisement", Social Welfare, Vol.11, No.1, April, 1964.

Badri, V.S. and Nag, A.K. "Attitude towards Age at Marriage — An Exploratory Study", Implications of Raising the Female age at Marriage, Demographic Training and Research Centre (IIPS), Bombay, 1968 (mimeographed).

Balkrishna, R. Report on the Economic Survey of Madras City, 1954-57, Planning Commission Research Programmes Committee, New Delhi, 1961.

Basavarajappa, K.G. and Belavalgidad, M.I. "Changes in Age at Marriage of Females and Their Effect on the Birth Rate in India", Eugenics Quarterly, vol.14, No.1, March, 1967.

Beharta, P.C. "A Study of Differential Fertility in Certain Villages of Coastal Orissa", Students' Seminar Papers, 1959, Demographic Training and Research Centre (IIPS), (mimeographed).

Belvelgidad, M.I. "Changes in Age at Marriage and Their Effect on Birth Rate", Students' Seminar Papers, 1965, Demographic Training and Research Centre (IIPS).

Bhatnagar, P.P. "Report of Vital Statistics, Uttar Pradesh, Part I-B, 1965", Census of India, 1961, Govt. of India.

Bhattacharya, K.K. "The Present Day Matrimonial System and its Effect on the Sex Life in Bengal", Marriage Hygiene, vol.2, No.1, August, 1935.

Bopegamage, A. India's population Grows Young", Sociological Bulletin, vol.2, No.2, March 1959.

Bose, Dilip Kumar. "On Preferential Marriage of the Tribes of Central India", Journal of Social Research, Vol.12, No.2, Sept.,1969.

Boute Joseph, S.J. "La Demographie de la Burunche Indo-Pakistanaise d'Afrique", Socie'te' d'Etudes Morales, Sociales et Juridiques Louvain — Paris 1965, Nauwelaerts.

Bureau of Economics and Statistics, Trivandrum. "On the Age at Marriage, Age at First Delivery and Age at Widowhood", Bureau of Economics and Statistics, Trivandrum, Sept. 1961 (mimeographed).

Chandrasekaran, C. "Fertility Trends in India", Proceedings of the World Population Conference, Rome, 1954, Vol.1.

Chandrasekaran, C. "Indian Fertility in a Changing Economic and Social Setting", Family Planning News, Vol.3, No.10, October 1962.

Chandrasekaran, C. "Physiological Factors Affecting Fertility in India", Report of the International Population Conference, New York, Sept. 1961.

Chandrasekaran, C. and George, M.V. "Mechanism Underlying the Differences in Fertility Patterns of Bengalee Women from three Socio-Economic Groups", Milbank Memorial Fund Quarterly, Vol.40, No.1, January 1962.

Chandrasekaran, C. and Sen, Mukta. "The Reproductive Pattern of Bengalee Women", Calcutta, Indian Institute of Hygiene & Public Health (mimeographed).

Chandrasekhar, S. "Reliable Demographic Data Needed for Any Population Policy", Family Planning News, vol.8, No.8, August 1967.

Chandrasekhar, S. "Should we Raise the Age of Consent", Implications of Raising the Age at Marriage for Girls in India, Demographic Training and Research Centre (IIPS), Bombay, 1968.(mimeographed); Also, Illustrated Weekly of India, August 13, 1967, Times of India Publication, Bombay.

Chidambaram, V.C. "Population Dynamics and Family Planning", Journal of Family Welfare, vol.14, No.1, Sept.,1967.

Chidambaram, V.C. "Raising the Female Age at Marriage in India — A Demographer's Dilemma", Implication of Raising the Female Age at Marriage in India, Demographic Training and Research Centre (IIPS), Bombay, 1968.

Collivar, Andrew. "The Family Cycle in India and the United States", American Sociological Review, Vol.28, No.1, Feb.,1963.

Dandekar, Kumudini. Demographic Survey of Six Rural Communities; Bombay, Asia Publishing House, 1959.

Dandekar, V.M. and Dandekar, K. Survey of Fertility and Mortality in Poona District, Gokhale Institute of Politics and Economics, Poona, Publication No.27, 1953.

Das, A.K. and Banerjee, S.K. "Certain Aspects of Population Growth Amongst the Tribals of West Bengal", Bulletin of the Cultural Research Institute, Vol.3, No.1, 1964.

Das Freida, M. Purdha: The Status of Indian Women, New York: Vanguard Press, 1932.

Das-Gupta, A., Som, R.K., Majumdar, M., and Mitra, S.N. "Couple Fertility", National Sample Survey No.7, Calcutta, The Department of Economic Affairs, Ministry of Finance, Government of India, 1955. Also published in Sankhya Indian Journal of Statistics, vol.16, Parts 3 and 4.

Davis, Kingsley. "Fertility control and Demographic Transition in India", The Interrelations of Demographic, Economic and Social Problems in Selected Underdeveloped Areas, NewYork: Milbank Memorial Fund, 1954.

Davis, Kingsley. "Population Policy: Will Current Programmes succeed?" Science, Vol.158, No.3802, Nov.10, 1967.

Day, N.C. "Raising Age at Marriage", The International Journal of Sexology, Vol.5, No.1, August 1951.

Demographic Research Centre, Patna, Fertility and Family Planning in a Social Class of India: A Case Study of Patna and Bihar — Patna, 1969 (mimeographed).

Demographic Research Centre, Trivandrum. "Age Study at Marriage, First Delivery, Widowhood", Family Planning News, Vol.2, No.11, November, 1961.

Department of Economic and Social Affairs of the United Nations, New Delhi, The Mysore Population Study.

Desai, Gunilal B. Women in Modern Gujarati Life — Unpublished thesis submitted in 1945 for a degree in Sociology.

Desai, M.M. "Socio-Psychological Implications of Raising the Age of Marriage", Implications of Raising the Female Age at Marriage, Demographic Training and Research Centre (IIPS), Bombay, 1968 (mimeographed).

Dhar, J.L. "Hindu Marriage Today", Social Welfare, vol.11, No.4, July 1964.

Driver, Edwin D. Differential Fertility in Central India, Princeton University Press, Princeton, New Jersey, 1963.

Dube, S.C. "Men's and Women's Roles in India: A Sociological Review", Women in the New Asia, edited by Barbara E. Ward — UNESCO publication, 1963.

Dubey, Bhagwant Rao. "Raising Marital Age", Mainstream, April-July, 1969.

Gandotra, M.M. "Factors Affecting Indian Fertility in a Changing Set-up", Journal of Family Welfare, Vol.12, No.4, June 1966.

Ghosh, D. and Wadhwand, S.Z. "A Study in Indian Fertility, The Amils of Sind", Proceedings of the Social All-India Population and First Family Hygiene Conference, Bombay, 1938.

Ghurye, G.S. "Marriage and Widowhood in India: A Study of a Middle Class Sample of 3400 Marriages", Marriage Hygiene, vol.2, No.3, February, 1936.

Ghurye, G.S. "Sex Habits of a Sample of Middle Class People of Bombay", The Second All-India Population and Family Hygiene Conference, 1939.

Ghurye, G.S. "Social Change in Maharashtra, Part II", Sociological Bulletin, Vol.3, March 1954.

Ghurye, G.S. "The Age at Marriage", Marriage Hygiene, vol. 1, No.3, February 1935.

Goode, William, J. World Revolution and Family Patterns, Free Press of Glencoe Collier Macmillon Limited, London, 1963.

Goyal, R.P. "Birth Rate can be Reduced to a Third by Late Marriage", Yojana, vol.8, August 30, 1964.

Goyal, R.P. and Bisht, H. "Fertility and Family Planning in a Railway Workers' Colony", Institute of Economic Growth, University Enclave, Delhi (mimeographed).

Goyal, R.P. and Desai, P.B. Inter-District Variation in Mean Age at Marriage in India - 1961, Presented at Seminar on Present state and Status of Demographic Research in India, Demographic Research Centre, Lucknow University, Sept. 8, 1968 (mimeographed).

Gulati, Subhash Chandra. "Impact of Literacy Urbanisation and Sex Ratio on Age at Marriage in India", Artha Vijnana, vol.11, No.4, Dec.1969.

Gupta, Raghuraj. "Cultural Factors in Birth Rate Reduction in Rural Communities of Uttar Pradesh", Family Planning News, vol.6, No.2, February 1965.

Hajnal, John. "Age at Marriage and Proportion Marrying", Population Studies, Vol.7, No.2, November, 1953.

Hallen, G.C. "Attitudes of Educated Youth Toward Marriage", Social Welfare, Vol.12, No.11, February 1966.

Hasan, Amir. "A Socio-Economic Study of the Banda Kolins", Social Welfare, Vol.14, No.1, April 1967.

Hate, C.A. "Raising the Age at Marriage", Indian Journal of Social Work, Vol.30, No.4, January 1970.

Hutton, J.H. Census of India, 1931, vol.I, India, Part I - Report, Delhi, Manager of Publications.

Jain, P.K. "Marriage Age Patterns in India", Artha Vijnana, vol. XI, No.4, 1969.

Jain, S.P. "Certain Statistics on Fertility of Indian Women to Show the Effect of Age at Marriage", Office of the Registrar General of India, New Delhi, 1964.

Jain, S.P. "Indian Fertility — Our Knowledge and Gaps", Parts I and II, Journal of Family Welfare, vol.10, No.4, June 1964, ; and Journal of Family Welfare, vol. 11, No.1, Sept.,1964.

Jhabvala, N.H. Law of Marriage and Divorce in India, D.B. Taraporevala Sons and Co. Ltd., Bombay, 1954.

Jolly, K.G. "Fertility Unaffected as Girls Marry Young - Mean Age at Marriage Remains Low", Yojana, Vol.13, No.5, March 23, 1969.

Kapadia, K.M. "Changing Pattern of Hindu Marriage and Family", Sociological Bulletin, 1954.

Kapadia, K.M. Marriage and Family in India, Oxford University Press, 1966.

Karkal, Malini. "Age at Marriage", Journal of Family Welfare, Vol.14, No.3, March, 1968.

Karkal, Malini. "Age at Marriage and Age at Consummation of the Marriage — Observation Among Women in Bombay", Implications of Raising the Female Age at Marriage, Demographic Training and Research Centre (IIPS), Bombay 1968.

Karkal, Malini. "Mass Media, Communication and Leadership Among Women in Six Rural Areas of Maharashtra", Demographic Training and Research Centre (IIPS), Bombay, Oct. 1968.

Karve, Irawati. "Kinship Organisation in India", Deccan College Monograph Series, No.11, Poona: Deccan College, 1953.

Lewis, Oscar. "Village Life in Northern India", Urbana; University of Illinois Press, 1958.

Luhadia, S.R., Padalia, M.C. and Srivastava, O.P. "Marital Pattern in Selected ECAFE Countries", Students' Seminar Papers, 1968, Demographic Training and Research Centre (IIPS).

Lutricia, Maria. "Raising the Marriage Age for Women" - Economic & Political Weekly, vol.2, No.9, March 4,1967.

Mahajan, A. "Change in Punjab Marriage: A Study of Displaced Community", Journal of Family Welfare, vol.13, No.4, June, 1967.

Majumdar, D.N., Reddy, N.S. and Bahadur, S. Social Contours of an Industrial City, Social Survey of Kanpur, 1954-55, Bombay, Asia Publishing House, 1960.

Malaker, C.R. Marriage Patterns of Spinsters in Rural and Urban India, Technical Report, Indian Statistical Institute, Calcutta, 1970.

Mandke, M.B. "Marital Status Distribution in ECAFE Countries and its Demographic Significance", Students' Seminar Papers, 1965-66, Demographic Training and Research Centre (IIPS), Bombay.

Mandlebaum, David G. Fertility of Early Years of Marriage in India, ed. Kapadia, K.M., Prof. Ghurye Felicitation Volume, Bombay, Popular Book Depot, 1955.

Mathew, Anna. "Expectations of College Students Regarding Their Marriage Partner", Journal of Family Welfare, Vol.12, No.3, March 1966.

Mazumdar Murari and Das Gupta, Ajit. Marriage Trends and Their Demographic Implications, Sankhya, Series B, Vol.33.

Mehta, Daulat Ram and Soni, B.M. "Family Planning - A Social Action Programme of Unprecedented Dimensions", Social Welfare, Vol.13, No.3, June 1966.

Mehrotra, G.K. "Birth Order Distribution and Its Implications on the Fertility of Indian Women", Journal of Family Welfare, Vol.11, No.3, March 1965, and Journal of Family Welfare, Vol.11, No.4, June 1965.

Menon, P. Govinda. "No difficulty in Raising Age at Marriage", Family Planning News, Vol.8, No.8, August 1967 (Convocation Address at Demographic Training and Research Centre (IIPS). Bombay, 1967.

Menon, V.P. Ramakrishna. "Age at Marriage", Social Welfare, Vol.14, No.5, August 1967.

Mitra, A. "A Note on Maternity Data of Married Women in Rural Areas of West Bengal", Census of India, 1961, Vol. VI, West Bengal, Sikkim and Chandernagar, Part I.C.

Mahapatra, P.C. "A Study of the Population of Bihar State", Students' Country Study, 1961, Demographic Training and Research Centre, Bombay.

Mohinder Singh. The Depressed Classes, Bombay, Hind Kitab 1947, Appendix XVI.

Mukerji, S.B. "Human Fertility in Rural Bengal", Arthanidhi, Vol.4, No.1, January, 1961.

Mukherjee, R. and Singh, B. Social Profiles of Metropolis, Bombay, Asia Publishing House, 1961.

Mukherjee, Satya V. Census of India, 1931, Vol.19, Baroda, Part I, Report, Times of India Press, Bombay, 1932.

Mukerji, S. and Venkatacharya, K. "Effect of Increasing Age at Marriage on Birth Rate — A Simulation Model", Implications of Raising the Female Age at Marriage, Demographic Training and Research Centre (IIPS), Bombay, 1968.

Mukherjee, S.B. Studies in Fertility Rates in Calcutta, Book Land Pvt. Ltd., Calcutta, 1962.

Nag, A.C. "Study on Fertility Rates in the Middle Class Population in India", Bulletin of International Statistical Institute, Vol.33, No.4, 1954.

Nambiar, P.K. and Vaidyanathan, K.E. "Demography and Vital Statistics", Census of India, 1961, Madras, Vol.9, Part I-B(i).

Nampoothiri, K.N.G. "Attitude Towards Ideal Age at Marriage in Kerala", Implications at Raising the Age at Marriage - Demographic Training and Research Centre (IIPS), Bombay, 1968 (mimeographed).

Natarajan, Nalini. "Marriage in Chakma Society", Social Welfare, Vol.13, No.1, April, 1966.

Nevett, A. Population Explosion on Control : A Study with Special Reference to India, Notre Dame: Indiana: Fides Publishers, Inc., 1964.

Organiser. "Age at Marriage", vol.20, No.8, January, 1967.

Pakrasi Kanti and Malaker Chittaranjan. A Study on Interval Between Age at Marriage and First Birth in India, Technical Report at Statistical Institute, 1971.

Paranjpye, Shakuntala. "Age at Marriage", Implications of Raising the Female Age at Marriage, Demographic Training and Research Centre (IIPS), Bombay, 1968.

Paranjpye, Shakuntala. "Raising the Age at of Marriage", Janata, Vol.22, No.6, February 26, 1967.

Paranjpye, Shakuntala. "Raising the Age of Marriage", Opinion, Vol.7, No.45, February 21, 1967.

Patankar, Tara. "The Age at Marriage for Girls: Opinions of Women of Greater Bombay", Implications of Raising the Female Age at Marriage, Demographic Training and Research Centre (IIPS), Bombay, 1968.

Pethe, Vasant P. Demographic Profiles of an Urban Population, Bombay, Popular Prakashan, August, 1964.

Pillay, N.P.N. "Marriage Reforms in India", International Journal of Sexology, Vol.3, No.1, August, 1949.

Porter, A.E. Census of India, 1931, Vol.5, Bengal and Sikkim, Part I, Report, Calcutta: Central Publications Branch.

Punekar, S.D. and Rao, Kamala. A Study of Prostitutes in Bombay, Allied Publishers Pvt. Ltd., Bombay, 1962.

Raghunathan, N. "Another Assault on Freedom? Raising the Marriage Age of Girls", Swarajya, Annual, 1967.

Raina, B.L. "Family Size Norms", Family Planning News, Vol.10, No.2, February, 1969.

Raina, B.L. "Possible Effects of Public Policy Measures on Fertility in India", Papers contributed by Indian Authors to the World Population Conference, Belgrade, Yugoslavia, Office of the Registrar General of India, August-September, 1965.

Raina, B.L., Rao, K.G. and Murthy, D.V.R. "Raising Age at Marriage", Family Planning News, Vol.8, No.3, March, 1967.

Rajgopalan, C. and Singh, Jaspal. "Changing Trends in Sikh Marriages", Journal of Family Welfare, Vol.14, No.2, December, 1967.

Raman, M.V. "Some Aspects of Fertility in Kerala", Population Growth in Kerala and Its Implications, ed. Kurup, R.S. and George, K., Demographic Research Centre, Bureau of Economics and Statistics, Trivendrum.

Rao, Ch. Purnachandra. "Analysis of Fertility, Survey Data of Gujarat State", Students' Seminar Papers, 1967, Demographic Training and Research Centre (IIPS), Bombay.

Rathbone, Eleanor F. Child Marriage, The India Minotaur, George Allen & Unwin Ltd., London.

Rele, J.R. "Some Aspects of Family and Fertility in India", Population Studies, Vol.15, No.3, March, 1962.

Ross, Aileen D. The Hindu Family in Its Urban Setting, Toronto: University of Toronto Press, 1961.

Sachidananda, Marriage and Family in Tribal Bihar: A Qualitative Approach.

Samuel, T.J. "Social Factors Affecting Fertility in India", Eugenics Review, Vol.57, No.1, March 1965.

Samuel, T.J. "The Development of India's Policy of Population Control", Milbank Memorial Fund Quarterly, Vol. 44, No.1, January 1966.

Sarkar, B.N. Casteism in Matrimonial Engagements in West Bengal, Technical Report, Indian Statistical Institute, 1970.

Sarkar, B.N. Studies on Age at First Marriage in India, Technical Report No. Demo./6/71, 17 July 1971, Research and Training School, Indian Statistical Institute, Calcutta.

Saxena, G.B. "A Study of Fertility and Family Planning in the Three Villages of Uttar Pradesh", Delhi, Institute of Economic Growth, University Enclave, 1965.

Saxena, G.B. "Age at Marriage and Fertility — A Sample Study in the Rural Uttar Pradesh", Artha Vijnana, Vol.4, No.1, March, 1962.

Sebastian, A. "Age at Marriage in the Rural Areas of Southern Maharashtra", Implications of Raising the Female Age at Marriage, Demographic Training and Research Centre (IIPS), Bombay, 1968.

Sen, Ketaki. "Legislation to Raise the Age of Marriage and Legalising Abortion", Paper read at the Seminar on Age at Marriage and Abortion, IXth Biennial Conference, Women Graduates Union, Poona, Nov.1967.

Sen, Mukta, Mathen, K.K. and Sen, D.K. "Population Survey of Chetla Service, Area of Urban Health Centre, Calcutta", Government of India, All-India Institute of Hygiene and Public Health, 1964.

Sengupta, Syamalakanti. "Preferential System of Marriage of the Maholis", Bulletin of the Cultural Research Institute, Vol.17, No.3-4, 1968.

Singh, Amrit K. and Gunde, Suman. "Analysis of Couples Following Family Planning on Advice of Regional Family Planning Training Centre, Poona", Journal of Family Welfare, vol.9, No.2, December 1962.

Sinha, J.N. "Age at Marriage in Urban Uttar Pradesh", Uttar Bharti, June 1954 (unpublished).

Sinha, J.N. "Differential Fertility and Mortality in an Urban Community in U.P. (India)", Ph.D. thesis, Lucknow University, Lucknow 1952-53 (unpublished).

Sinha, J.N. "Fertility and Age at Marriage", Bulletin of International Statistics, Institute, New Delhi, 1961.

Sinha, J.N. "Urban Fertility Patterns: A Survey in the Cities of Lucknow and Gorakhpur", J.K. Institute, Lucknow University, 1959.

Sinha, U.P. "Marriage Age Patterns in India — A Criticism", Artha Vijnana, vol. XII, No.3, Sept.1970.

Social Welfare, vol.14, No.6, Sept., 1967.

Social Welfare, "Axes and Shovels", Vol.14, No.6, Sept. 1967.

Social Welfare, "Raising the Marriage Age of Women to 21 years", Vol.14, No.2, May, 1967.

Sovani, N.V. "A Social Survey of Kolhapur City - Part I", Population and Fertility, Gokhale Institute of Politics and Economics Publication No.18, 1948.

Srivastava, Jagdish Narain. "Family Planning in India", Demographic Research Centre, Economic Department, Lucknow University, Occasional Paper No.2.

Srivastava, M.L. "Age Patterns of Marriage and Fertility", Demographic Research Centre, Department of Statistics, 1967. (Ph.D. dissertation).

Srivastava, M.L. Affect of Rise in the Age at Marriage on the Fertility Rate, Journal of Social Research, Vol.10, No.2, Sept. 1967.

Srinivas, M.N. Marriage and Family in Mysore, Bombay: New Book Company, 1942.

Talwar, P.P. "A Note on Changes in Age at Marriage of Females and Their Effects on the Birth Rate in India", Eugenics Quarterly, Vol.14, No.4, Dec.1967.

Talwar, P.P. "Adolescent Sterility in an Indian Population", Human Biology, Vol.37, No.3, Sept.,1965.

Tampi, N.Krishnan. "Birth Rate and Age at Marriage", Journal of Family Welfare, Vol.11, No.1, Sept., 1964.

Thapar, Savitri. "Family Planning in India", Family Planning, Vol.11, No.4, January 1963.

Thapar, Savitri. "Fertility Rates and Intervals Between Births in a Population in Delhi", Papers contributed by Indian Authors to the World Population Conference,

Belgrade, Yugoslavia, August-September 1965, Office of the Registrar General of India; Also, Summary in the Conference Report.

The National Sample Survey, No.175, "Tables with Notes on Couple Fertility, 17th Round", Indian Statistical Institute, June, 1967.

Thomas, P. Indian Women Through the Ages, Asia Publishing House, Bombay, 1964.

Trivedi, R.K. "Report on Vital Statistics and Fertility Survey", Census of India, Vol.5, Gujarat, Part I-B, 1966.

Upreti, H.C. "Matrimonial Advertisement — A Brief Sociological Analysis", Journal of Family Welfare, Vol.14, No.1, September, 1967.

"Urban Attitudes Towards Family Planning - A Survey in 11 Cities", Monthly Public Opinion Survey, Indian Institute of Public Opinion (India), Vol.13, No.1, October, 1967.

Vaidyanathan, K.E. "A Demographic Study of Madras State", Students' Country Studies, Demographic Training and Research Centre (IIPS), Bombay, 1961.

Venkatacharya, K. "Postponement of Age at Marriage and Its Short-Term Impact on Fertility", Journal of Institute of Economic Research, Vol.4, No.2, July 1969.

Vig, O.P. "Effect of a Rise in Age at Marriage of Females in a Quasi-Stable Population on the Birth Rate", Implications of Raising the Female Age at Marriage, Demographic Training and Research Centre (IIPS), Bombay, 1968.

Vital Statistics, Bureau of Madras, Fertility Study in Madras City (mimeographed).

Wadia, Avabai B. "The Special Marriage Act of 1954", Journal of Family Welfare, vol.1, No.1, November,1954.

Wyon, J.B., Finner, S.L. Heer, D.M., Parthasarathy, N.R. and Gordon, J.E. "Delayed Marriage and Prospects for Fewer Births in Punjab Villages", Demography, vol. 13, No.1, 1966.

Yadav, K.S. "Some Gond Marriages", Man in India, vol.50, No.3, July-Sept., 1970.

Zachariah, K.C. and Talwar, P.P. "The Effect of Increase in Age at Marriage on National Birth Rate", Demographic Training and Research Centre (IIPS), Bombay 1962.

-.-.-.-.-